



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1217]

नई दिल्ली, सोमवार, जून 27, 2011/आषाढ़ 6, 1933

No. 1217]

NEW DELHI, MONDAY, JUNE 27, 2011/ASADHA 6, 1933

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 जून, 2011

बच्चों के दत्तक ग्रहण के अभिशासी मार्गदर्शी सिद्धांत, 2011

का.आ. 1460(अ).—किशोर न्याय (बच्चों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2000 (2000 का 56) की धारा 41 की उप-धारा (3) के अनुसरण द्वारा प्रदत्त अधिकारों और स्वदेशी दत्तक ग्रहण, 2004 के लिए मार्गदर्शी सिद्धांतों और भारत के दत्तक ग्रहण, 2006 के लिए मार्गदर्शी सिद्धांतों के अधिक्रमण में, सिवाए उक्त अधिक्रमण के पहले की गई या छोड़ी गई बातों को छोड़कर केन्द्र सरकार द्वारा अनाथ, बेसहारा या अभ्यर्पित बच्चों के दत्तक ग्रहण का विनियमन प्रदान करने हेतु केन्द्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन अभिकरण (कारा) द्वारा जारी मार्गदर्शी सिद्धांतों को अधिसूचित किया जाता है।

टिप्पणी—

(1) दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाना सुनिश्चित करने के लिए केन्द्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन अभिकरण द्वारा समय-समय पर दत्तक ग्रहण कार्यक्रम के विभिन्न पणधारकों द्वारा अपनाई जाने वाली प्रक्रिया विधियों और प्रक्रमों को बनाने के लिए दत्तक ग्रहण मार्गदर्शी सिद्धांत जारी किए जाते हैं। दत्तक ग्रहण मार्गदर्शी सिद्धांतों को निम्नलिखित से समर्थन मिलता है :

- (क) किशोर न्याय (बच्चों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2000 ;
- (ख) 1982 की लिखित याचिका संख्या 1171 में एल. के. पाण्डेय बनाम भारतीय संघ के मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय का निर्णय ;
- (ग) संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार अभिसमय ;
- (घ) बच्चों के संरक्षण और अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण, 1993 के संबंध में सहयोग पर हेग अभिसमय ।

(2) ये मार्गदर्शी सिद्धांत अधिसूचना की तिथि से देश में अनाथ, बेसहारा या अभ्यर्पित बच्चों के दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया का अभिशासन करेंगे और (i) स्वदो दत्तक ग्रहण, 2004 के लिए मार्गदर्शी सिद्धांत, (ii) भारत से दत्तक ग्रहण के लिए मार्गदर्शी सिद्धांत, 2006 का स्थान लेंगे।

अध्याय — 1

प्रारंभिक

1. **लघु शीर्षक और आरंभ** — (1) इन मार्गदर्शी सिद्धांतों को बच्चों के दत्तक ग्रहण का अभिशासन करने वाले मार्गदर्शी सिद्धांत, 2011 कहा जाएगा।
(2) ये शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होंगे।
2. **परिभाषा** — (1) इन नियमों में, जब तक अन्यथा संदर्भ की आवश्यकता न हो —
(क) “अधिनियम” का अर्थ है किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2000 (2000 का 56) ;
(ख) “एसीए” का अर्थ है दत्तक ग्रहण समन्वयन अभिकरण ;
(ग) “बेसहारा” का अर्थ है अकेला और निराश्रित बच्चा जिसे उचित जांच पड़ताल के बाद बाल कल्याण समिति द्वारा बेसहारा घोषित किया गया है ;
(घ) “दत्तक ग्रहण” का अर्थ है ऐसी प्रक्रिया जिसके माध्यम से दत्तक ग्रहण किए गए बच्चे को उसके जैविक माता — पितासे स्थायी रूप से अलग किया जाता है और वह उन सभी अधिकारों, लाभों और दायित्वों के साथ अपने दत्तक ग्रहण करने वाले माता — पिताका विधि सम्मत बच्चा बन जाता है जो उस संबंध के साथ जुड़े हुए हैं ;
(ङ) “एएफएए” या “अधिकृत विदेशी दत्तक ग्रहण अभिकरण” का अर्थ है एक विदेशी सामाजिक या बाल कल्याण अभिकरण जिसे कारा द्वारा संभावित अनिवासी भारतीय या ओसीआई या पीआईओ या विदेशी दत्तक ग्रहण करने वाले माता — पिताके आवेदनों को प्रायोजित करने के लिए एक भारतीय बच्चे के दत्तक ग्रहण हेतु कारा द्वारा अधिकृत किया गया है ;
(च) “एआरसी” का अर्थ है राज्य सरकार द्वारा गठित दत्तक ग्रहण संस्तुति समिति ;
(छ) “बच्चे का सर्वोत्तम हित” का अर्थ है एक बच्चे के शारीरिक, भावनात्मक, बौद्धिक, सामाजिक और नैतिक विकास को सुनिश्चित करने हेतु लिया गया निर्णय ;
(ज) “कारा” का अर्थ है केन्द्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण ;
(झ) “सीसीसी” का अर्थ है बाल देखभाल कॉर्पस

- (ज) "केन्द्रीय प्राधिकरण" का अर्थ है अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण पर हेग अभिसमय के अंतर्गत मान्यता प्राप्त सरकारी विभाग ;
- (ट) "बाल कल्याण समिति" का अर्थ है धारा 29 के तहत गठित समिति ;
- (ठ) "दत्तक ग्रहण के लिए कानूनी रूप से स्वतंत्र बच्चे" का अर्थ है बाल कल्याण समिति द्वारा दत्तक ग्रहण हेतु मुक्त घोषित किए गए अनाथ, बेसहारा और छोड़े गए बच्चे ;
- (ड) "सीएसआर" का अर्थ है बाल अध्ययन रिपोर्ट, जिसमें बच्चे के बारे में विवरण निहित होते हैं जैसे जन्म तिथि और सामाजिक पृष्ठभूमि ;
- (ढ) "अभ्यस्त निवास" का अर्थ है रिहायशी स्थान जहां व्यक्ति साधारण रूप से पिछले कम से कम एक वर्ष से निवास करता है।
- (ण) "एचएसआर" का अर्थ है गृह अध्ययन रिपोर्ट, जिसमें दत्तक ग्रहण करने वाले माता पिता, उनकी सामाजिक और आर्थिक स्थिति, पारिवारिक पृष्ठभूमि, घर का विवरण, रहने का स्तर, जीवन साथी, यदि कोई हों, और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ संबंध, स्वास्थ्य की स्थिति, आदि निहित होते हैं।
- (त) "आईसीपीएस" का अर्थ है भारत सरकार द्वारा महिला एवं विकास बाल मंत्रालय में आरंभ की गई समेकित बाल संरक्षण योजना ;
- (थ) "स्वदेशी दत्तक ग्रहण" का अर्थ है भारत में रहने वाले भारत के एक नागरिक द्वारा एक बच्चे या बच्चों का दत्तक ग्रहण करना ;
- (द) "अंतर-देशीय दत्तक ग्रहण" का अर्थ है अनिवासी भारतीयों या भारत के प्रवासी नागरिकों या भारतीय मूल के व्यक्ति या विदेशी नागरिकों का दर्जा रखने वाले व्यक्तियों द्वारा एक बच्चे या बच्चों का दत्तक ग्रहण करना ;
- (ध) "एनओसी" का अर्थ है कारा द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाणपत्र जिसमें बच्चे को संभावित विदेशी या भारतीय मूल का व्यक्ति या प्रवासी भारतीय नागरिक या अनिवासी भारतीय दत्तक ग्रहण माता - पिताके साथ दत्तक ग्रहण हेतु रखने की अनुमति दी गई हो ;
- (न) "एनआरआई" का अर्थ है अनिवासी भारतीय नागरिक जिसके पास भारतीय पासपोर्ट है और जो वर्तमान में विदेश में निवास करता है ;
- (प) "ओसीआई" का अर्थ है नागरिकता अधिनियम, 1955 की धारा 7क के तहत प्रवासी भारतीय नागरिक के रूप में पंजीकृत एक व्यक्ति ;

- (फ) "अनाथ" का अर्थ है एक ऐसा बच्चा जिसके माता - पिताया इच्छुक और कानूनी या प्राकृतिक अभिभावक नहीं हैं ;
- (ब) "पीआईओ" का अर्थ है भारतीय मूल का व्यक्ति
- (भ) "पाइपलाइन मामले" का अर्थ है ऐसे मामले जहां दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता द्वारा संबंधित आरआईपीए या एसएए की मान्यता समाप्त होने या इसे वापस लेने से पूर्व, रेफरल पहले से स्वीकृत किए गए हैं ;
- (म) "दत्तक ग्रहण पूर्व पालक देखभाल" का अर्थ है एक ऐसा चरण जब बच्चे की अभिरक्षा दत्तक ग्रहण के विचार से संभावित दत्तक ग्रहण करने वाले माता - पिता(दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता) को दी गई है ;
- (य) "संभावित दत्तक ग्रहण करने वाले माता पिता" का अर्थ है अधिनियम के अनुसार बच्चे के दत्तक ग्रहण हेतु पात्र व्यक्ति ;
- (कक) "मान्यताप्राप्त भारतीय नियोजन एजेंसी (आरआईपीए)" का अर्थ है अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण में बच्चों को भेजने के लिए कारा द्वारा मान्यता प्राप्त एक विशेष दत्तक ग्रहण अभिकरण ;
- (म) "धारा" का अर्थ है अधिनियम की एक धारा ;
- (प) "अनुसूची" का अर्थ है इन मार्गदर्शी सिद्धांतों के साथ संलग्न एक अनुसूची ;
- (यक) एक संघ राज्य के संबंध में "राज्य सरकार" का अर्थ है उस संघ राज्य का प्रशासक जिसे राष्ट्रपति द्वारा संविधान के अनुच्छेद 239 के तहत नियुक्त किया गया है ;
- (यख) "एसएए" का अर्थ है विशेष दत्तक ग्रहण अभिकरण जिसमें मान्यता प्राप्त भारतीय नियोजन अभिकरण (आरआईपीए) और लाइसेंस धारी दत्तक ग्रहण नियोजन अभिकरण (एलएपीए) शामिल हैं ;
- (यग) "एसएआरए" का अर्थ है राज्य दत्तक ग्रहण संसाधन अभिकरण ;
- (यघ) "अभ्यर्पित बच्चे" का अर्थ है एक ऐसा बच्चा जो बाल कल्याण समिति के विचार से माता - पिताया संरक्षक के नियंत्रण से परे शारीरिक, भावनात्मक और सामाजिक कारकों के तौर पर त्यक्त है ; और
- (2) वे सभी शब्द और अभिव्यक्तियां, जिन्हें उपयोग किया गया है, किन्तु इन मार्गदर्शी सिद्धांतों में परिभाषित नहीं किया गया है उनका अर्थ अधिनियम में दिए गए अर्थ के समान होगा।

3. दत्तक ग्रहण को अभिशासन करने वाले मौलिक सिद्धांत — भारत से बच्चों के दत्तक ग्रहण का निम्नलिखित मौलिक सिद्धांत होंगे, जो हैं —

(क) बच्चे का सर्वोत्तम हित किसी भी नियोजन का निर्णय लेते समय प्रमुख महत्व का होगा ;

(ख) देश के भीतर दत्तक ग्रहण को प्राथमिकता दी जाएगी ;

(ग) बच्चों का दत्तक ग्रहण एक निश्चित प्रक्रिया विधि और समयबद्ध रूप से होगा;

(घ) दत्तक ग्रहण के माध्यम से कोई भी व्यक्ति किसी प्रकार का वित्तीय या अन्यथा लाभ प्राप्त नहीं करेगा

4. दत्तक ग्रहण के लिए सक्षम व्यक्ति — किसी अनाथ, बेसहारा या अभ्यर्पित बच्चे को इन मार्गदर्शी सिद्धांतों में बताई गई उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए दत्तक ग्रहण किया जा सकता है, यदि इस बच्चे को बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) द्वारा दत्तक ग्रहण के लिए कानूनी रूप से स्वतंत्र घोषित किया गया है।

5. दत्तक ग्रहण करने में सक्षम व्यक्ति — धारा 41 की उप धारा (6) के प्रावधानों के अनुसार न्यायालय द्वारा एक बच्चे को दत्तक ग्रहण में दिए जाने की अनुमति दी जा सकती है —

(क) एक व्यक्ति को चाहे उसकी वैवाहिक स्थिति कुछ भी हो ; या

(ख) माता — पिताको उसी लिंग का बच्चा दत्तक ग्रहण करने के लिए चाहे उसके कितने ही जीवित जैविक पुत्र या पुत्रियां हैं ; या

(ग) एक निःसंतान दंपति को।

6. दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता(पी ए पी) के लिए अतिरिक्त पात्रता मानदण्ड —

(1) एक ऐसे दंपति को बच्चे का दत्तक ग्रहण करने की अनुमति तब तक नहीं दी जा सकती जब तक स्थायी वैवाहिक संबंध के कम से कम 2 वर्ष पूरे न कर लिए हों।

(2) साथ रहने वाले (लिव इन) दंपतियों को बच्चे के दत्तक ग्रहण की पात्रता नहीं है।

(3) 0-3 वर्ष के आयु समूह में एक बच्चे को दत्तक ग्रहण करने के लिए दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता की अधिकतम सम्मिश्रित आयु 90 वर्ष होनी चाहिए, जिसमें दत्तक

ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता में से प्रत्येक की आयु 25 वर्ष से कम नहीं हो और 50 वर्ष से अधिक नहीं हो।

- (4) 3 वर्ष से अधिक आयु के बच्चों का दत्तक ग्रहण करने के लिए दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता की अधिकतम सम्मिश्रित आयु 105 वर्ष होनी चाहिए, जिसमें दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता में से प्रत्येक की आयु 25 वर्ष से कम नहीं हो और 55 वर्ष से अधिक नहीं हो।
- (5) यदि कोई एकल दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता दत्तक ग्रहण का इच्छुक है, तो उसकी आयु 30 वर्ष से कम और 50 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। 0-3 वर्ष के आयु समूह बच्चों के दत्तक ग्रहण करने वाले की अधिकतम आयु 45 वर्ष और 3 वर्ष से अधिक आयु के बच्चों के दत्तक ग्रहण करने वाले की अधिकतम आयु 50 वर्ष होनी चाहिए।
- (6) दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता के पास बच्चे की अच्छी परवरिश के लिए पर्याप्त वित्तीय संसाधन होने चाहिए।
- (7) दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता का स्वास्थ्य अच्छा होना चाहिए और उन्हें कोई संक्रामक या गंभीर रोग या मानसिक या शारीरिक स्थिति ऐसी नहीं होनी चाहिए जो उसे बच्चे की देखभाल से रोक सके।
- (8) दूसरे बच्चे के दत्तक ग्रहण की अनुमति केवल तभी दी जाती है जब प्रथम बच्चे के लिए कानूनी रूप से दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया को अंतिम रूप दे दिया गया हो परन्तु यह भाई बहनों के मामले में लागू नहीं है।
- (9) एक अविवाहित या अकेले पुरुष को बालिका के दत्तक ग्रहण की अनुमति नहीं है।

7. दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया — (1) दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता निम्नलिखित प्रक्रिया के अनुसार एक बच्चे का दत्तक ग्रहण कर सकता है :

- (क) आम तौर पर भारत में निवास करने वाले भारतीय दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता को केवल एक सरकारी मान्यता प्राप्त दत्तक ग्रहण अभिकरण के माध्यम से बच्चे का दत्तक ग्रहण करना चाहिए, जिसे विशेष दत्तक ग्रहण अभिकरण कहते हैं।
- (ख) दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता को केवल एक मान्यता प्राप्त दत्तक ग्रहण अभिकरण के साथ पंजीकरण करना चाहिए, जो उनके निवास स्थान के सबसे समीप हो।

- (ग) भारत में दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता ऑनलाइन www.adoptionindia.nic.in पर भी पंजीकरण कर सकते हैं।
- (घ) विदेशों में रहने वाले दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता केवल कारा द्वारा अधिकृत एजेंसियों के माध्यम से बच्चों का दत्तक ग्रहण कर सकते हैं जिन्हें अधिकृत विदेशी दत्तक ग्रहण एजेंसी (एएफएए) कहते हैं।
- (ङ) दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता किसी एएफएए या अपने निवास स्थान के सबसे समीप किसी केन्द्रीय प्राधिकरण में पंजीकरण करा सकते हैं।
- (च) उन देशों में जहां कोई एएफएए या केन्द्रीय प्राधिकरण नहीं है वहां अपना प्रकरण का प्रक्रियान्वयन और कारा के पास भेजने के लिए भारतीय नागरिक भारतीय उच्चायोग या राजदूतावास में संपर्क कर सकते हैं।
- (2) पंजीकरण के बाद दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता को कारा की वेबसाइट www.adoptionindia.nic.in में दिए गए विवरणों और इन मार्गदर्शी सिद्धांतों में बताई गई दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया को अपनाना होगा।
8. **बच्चे के पुनर्वास के लिए प्राथमिकताएं** — (1) बच्चे के सर्वोत्तम हित के लिए उसे एक ऐसे परिवार में रखने का अवसर देकर उसकी सेवा की जा सकती है जो देश के अंदर उसके अपने सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश के समान हो।
- (2) बच्चे की परवरिश और उसकी नृजातीय, धार्मिक, सांस्कृतिक और भाषा विज्ञान संबंधी पृष्ठभूमि पर उचित विचार करते हुए उसे दत्तक ग्रहण में दिया जाना चाहिए, परन्तु बच्चे को देश के अंदर किसी भौगोलिक बाधा के बिना किसी भी भारतीय दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता के साथ भेजा जा सकता है।
- (3) एक ऐसे देश के नागरिक जिसने अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण, 1993 पर हेग अभिसमय की पुष्टि की है और जो एक ऐसे देश के सामान्य रूप से निवासी हैं जिसने भारत से बच्चे के दत्तक ग्रहण के लिए उक्त अभिसमय की पुष्टि की है।
- (4) भारतीय नागरिक जो ऐसे देश में रहते हैं जो हेग अभिसमय का हस्ताक्षरकर्ता नहीं है, वे भी दत्तक ग्रहण के लिए पात्र हैं।
- (5) देश के भीतर दत्तक ग्रहण को प्राथमिकता दी जाएगी और देश के भीतर एवं अंतर देशीय दत्तक ग्रहण का अनुपात आरआईपीए द्वारा वार्षिक (जनवरी से दिसंबर) रूप से कराए गए कुल दत्तक ग्रहण का 80:20 होगा। इसमें विशिष्ट जरूरतमंद बच्चों को शामिल नहीं किया जाएगा।

(6) अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण के मामले में निम्नलिखित प्राथमिकता क्रम का अनुसरण किया जाएगा:—

- (i) अनिवासी भारतीय (एनआरआई)
- (ii) भारत के प्रवासी नागरिक (ओसीआई)
- (iii) भारतीय मूल के व्यक्ति (पीआईओ)
- (iv) विदेशी नागरिकों

9. **विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों का दत्तक ग्रहण** — (1) विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के दत्तक ग्रहण के लिए प्रकरणों का प्रक्रियान्वयन करते समय विशेष सावधानी रखी जानी चाहिए ताकि संभावित दत्तक ग्रहण करने वाला परिवार इसके प्रति जागरूक हो और वह बच्चे की आवश्यकताओं पर अतिरिक्त देख रेख और ध्यान देने के लिए तैयार हो।

- (2) यह समझना महत्वपूर्ण है कि विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों को शुरुआती अवस्था पर एक परिवार में किसी अन्य बच्चे से अधिक देखरेख और प्रेम की आवश्यकता होती है।
- (3) विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया संबंधित प्राधिकारियों द्वारा जितनी जल्दी संभव हो शीघ्रतापूर्वक पूरी की जानी चाहिए और इसके लिए इन मार्गदर्शी सिद्धांतों में विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के लिए निर्धारित समय सीमा का कठोरतापूर्वक पालन किया जाएगा।
- (4) विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के दत्तक ग्रहण हेतु इच्छुक दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता को प्रतीक्षा सूची में सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।
- (5) सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद कुछ विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों का दत्तक ग्रहण नहीं किया जाता है और उन्हें संस्थानों में रहना पड़ता है और ऐसे बच्चे विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा विशेष संस्थानों में भेज दिए जाने चाहिए यदि राज्य में ऐसे संस्थान उपलब्ध नहीं हैं।

अध्याय II

दत्तक ग्रहण पूर्व प्रक्रिया

10. **अनाथ और बेसहारा बच्चों के मामले में प्रक्रियाविधि** — यह प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है, चाहे एक व्यक्ति हो या एक नर्सिंग होम या अस्पताल या अन्य कोई संस्थान, जो या जिन्हें एक बेसहारा बच्चा या एक अनाथ बच्चा प्राप्त होता है जिसके साथ पारिवारिक समर्थन नहीं है तो वे इस तथ्य की जानकारी तत्काल या तो निकटतम पुलिस स्टेशन के प्रभावी अधिकारी या बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) या चाइल्ड लाइन (टेलीफोन 1098) उस क्षेत्र की विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी को तत्काल दें, जैसा व्यावहारिक हो।
11. **दाखिला** — (1) यदि किसी विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी को एक बेसहारा या एक अनाथ बच्चा प्राप्त होता है तो यह बच्चे को अपने गृह में अस्थायी आधार पर दाखिल करेगी और इस दाखिले को बाल कल्याण समिति द्वारा अधिकृत करने के बाद ही अंतिम रूप दिया जाएगा।
- (2) एक विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा दाखिल किए गए सभी बच्चों के विवरण **अनुसूची-I** के अनुसार फॉर्मेट में मास्टर दाखिला रजिस्टर में दर्ज किए जाएंगे।

- (3) बच्चे का दाखिला होने पर विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी बच्चे को एक नाम देगी, यदि ऐसा पहले नहीं किया गया है, उसकी संक्षिप्त सामाजिक पृष्ठभूमि, पहचान के चिन्ह, लंबाई और वजन दर्ज किए जाएंगे तथा बच्चे की चिकित्सा जांच भी कराई जाएगी।
 - (4) बच्चे की तस्वीर ली जाएगी और यदि बच्चा निराश्रित है तो बच्चे की तस्वीर के साथ निकटतम पुलिस थाने में बच्चा प्राप्त होने के 24 घण्टों के अंदर रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी।
 - (5) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा इन मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुसार बच्चे के कल्याण के सभी अनिवार्य कदम उठाए जाएंगे।
12. **बाल कल्याण समिति के सामने बच्चे को प्रस्तुत करना** — (1) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा एक अनाथ या बेसहारा बच्चे को, जो उनकी अस्थायी देख रेख में है, उक्त बच्चा प्राप्त होने के 24 घण्टों के अंदर बाल कल्याण समिति के सामने प्रस्तुत किया जाएगा, जिसमें यात्रा में लगा समय शामिल नहीं है।
- (2) पुलिस थाने में दर्ज कराई गई रिपोर्ट की एक प्रति भी, जिसके अधिकार क्षेत्र में बच्चा बेसहारा पाया गया है, बाल कल्याण समिति में जमा कराई जाएगी।
 - (3) यदि बच्चे की आयु दो वर्ष से कम है और वह चिकित्सा संबंधी कारणों से यात्रा करने में समर्थ नहीं है तो विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी एक लिखित रिपोर्ट के साथ बच्चे की तस्वीर 24 घण्टों के अंदर समिति के पास भेजेगी और जैसे ही बच्चा चिकित्सा की दृष्टि से स्वस्थ हो जाता है तो इस आशय के चिकित्सा प्रमाणपत्र के साथ बच्चे को समिति के सामने प्रस्तुत करेगी।
 - (4) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा उन परिस्थितियों पर बाल कल्याण समिति में एक रिपोर्ट जमा कराई जाएगी जिनके तहत बच्चा उनकी जानकारी में आया और राज्य तथा केन्द्र में पुलिस एवं गुमशुदा व्यक्तियों के दल या गुमशुदा व्यक्तियों के ब्यूरो को सूचित करने में उनके द्वारा किए गए प्रयासों की जानकारी दी जाएगी।
13. **लौटाने के प्रयास** — (1) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा बेसहारा बच्चे के माता — पिताया जैविक परिवार का पता लगाने के लिए बाल कल्याण समिति द्वारा किए गए प्रयासों के अतिरिक्त लौटाने के प्रयास किए जाएंगे।
- (2) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा किसी प्रयोजन के लिए एक स्वतंत्र पूछताछ भी आयोजित की जाएगी।
 - (3) दो वर्ष से कम आयु के बच्चों के मामले में विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा कम से कम एक राष्ट्रीय समाचार पत्र और उनके क्षेत्र में परिचालित एक क्षेत्रीय भाषा के समाचार पत्र में एक अधिसूचना भेजी जाएगी।

- (4) एक ऐसे समाचार पत्र में उस भाषा में भी एक अधिसूचना भेजी जाएगी जिसे बच्चा बोलता है और यह अधिसूचना उस क्षेत्र में जारी की जाएगी जहां बच्चे को निराश्रित पाया गया था।
- (5) दो वर्ष या इससे अधिक आयु के बच्चों के लिए एक टेलीविजन या रेडियो पर भी घोषणा की जाएगी।
- (6) दो वर्ष से कम आयु के बच्चों के मामले में उप पैराग्राफ (2) से (4) में बताई गई प्रक्रिया बच्चे के मिलने के 6 दिनों के अंदर पूरी की जाएगी और यदि बच्चा दो वर्ष या इससे अधिक आयु का है तो यह समय अवधि चार माह होगी।
- (7) यदि बच्चा लेने के लिए कोई दावाकर्ता आता है तो विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी इस प्रकरण को बाल कल्याण समिति के सामने भेजेगी और विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी बाल कल्याण समिति द्वारा किए गए निर्णय द्वारा बाध्य होगी।
- (8) यदि उप पैराग्राफ (6) में बताई गई समय अवधि समाप्त होने के बाद भी कोई दावाकर्ता बच्चे को लेने आगे नहीं आता है तो विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा बाल कल्याण समिति के सामने एक घोषणा की जाएगी जिसमें बताया जाएगा कि बच्चे के लिए कोई दावाकर्ता नहीं है।
- (9) बच्चे की पृष्ठभूमि का पता लगाने के लिए विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा किए गए प्रयासों पर एक रिपोर्ट भी बाल कल्याण समिति के पास उन्हें सूचित निर्णय लेने में सहायता देने हेतु प्रस्तुत की जाएगी।
- (10) बच्चे पर तब तक दत्तक ग्रहण के लिए विचार नहीं किया जाएगा जब तक बाल कल्याण समिति द्वारा यह प्रमाणपत्र जारी न किया जाए जिसमें घोषित किया गया हो कि बच्चा कानूनी रूप से दत्तक ग्रहण के लिए स्वतंत्र है।

14. **अभ्यर्पित बच्चों के मामले में प्रक्रियाविधि** — (1) एक बच्चे को निम्नलिखित मामलों में अभ्यर्पित किया जा सकता है :

- (i) बच्चा गैर सहमति के संबंध के परिणामस्वरूप पैदा हुआ है ;
- (ii) बच्चा एक अनब्याही मां या विवाह बंधन के अतिरिक्त पैदा हुआ है ;
- (iii) बच्चे के जैविक माता — पिता में से एक की मौत हो गई है और जीवित अभिभावक उसकी देखभाल करने में अक्षम या अयोग्य है ;
- (iv) बच्चे के माता — पिताउसके शारीरिक, भावनात्मक और सामाजिक कारकों के कारण उसका त्याग करने के लिए बाध्य हैं जो उनके नियंत्रण से परे हैं ;
- (v) अभ्यर्पित बच्चे के सभी मामलों में उपरोक्त उप पैराग्राफ 11 (2), (3), (4) और (5) में बताई गई दाखिले की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

(2) यदि बच्चे को विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी के माध्यम से अभ्यर्पित किया गया है तो प्रक्रिया इस प्रकार होगी :

- (i) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा अभ्यर्पित किए जाने वाले बच्चे को अभ्यर्पित करने वाले माता - पिताके साथ उक्त बच्चा प्राप्त होने के 24 घण्टों के अंदर बाल कल्याण समिति के पास प्रस्तुत किया जाएगा, जिसमें यात्रा में लगा समय शामिल नहीं है।
- (ii) बाल कल्याण समिति के निर्देश पर विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा बच्चे की अस्थायी देखरेख तब तक जारी रखी जा सकती है जब तक उसे लौटा न दिया जाए अथवा उसका पुनर्वास न हो जाए।
- (iii) एकल मां के मामले में बाल कल्याण समिति के सामने प्रस्तुत होने की अनिच्छुक महिला होने पर बाल कल्याण समिति का एक सदस्य, वरीयतः एक महिला, इस मां से अलग से मुलाकात कर सकती है।
- (iv) जैविक माता - पिताद्वारा बच्चे के अभ्यर्पण के मामले में यह प्रक्रिया बाल कल्याण समिति के दो सदस्यों के सामने की जाएगी।
- (v) यदि समिति की बैठक नहीं हो रही है तो बच्चे को धारा 30 की उप धारा (2) में निहित प्रावधानों के अनुसार समिति के एक सदस्य के सामने प्रस्तुत किया जा सकता है।

(3) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा बाल कल्याण समिति के सामने प्रस्तुत की जाने वाली सूचना में अन्य विवरणों के साथ निम्नलिखित भी शामिल होंगे :

(क) जैविक माता और पिता के विवरण, इसके साथ -

- (i) सामाजिक और मनोवैज्ञानिक पृष्ठभूमि ;
- (ii) पते और पहचान का प्रमाण ;
- (iii) दोनों जैविक अभिभावकों के ज्ञात चिकित्सा रिकॉर्ड और ;
- (iv) निकटतम रिश्तेदारों का ब्यौरा, यदि उपलब्ध हो ;

(ख) अभ्यर्पित किए जाने वाले बच्चे के विवरण, इसके साथ -

- (i) सामाजिक और मनोवैज्ञानिक पृष्ठभूमि ;
- (ii) भाइयों-बहनों के विवरण, यदि कोई हो ;
- (iii) ज्ञात चिकित्सा इतिहास ;
- (iv) जन्मतिथि प्रमाणपत्र के साथ जन्म तिथि और स्थान, यदि उपलब्ध हो

15. **अभ्यर्पण की प्रक्रिया को पूरा करना** — (1) यदि माता — पिताया माता — पितामें से कोई एक विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी के पास बच्चे के अभ्यर्पण हेतु संपर्क करते हैं तो एजेंसी द्वारा उक्त बच्चे के अभ्यर्पण की रोकथाम के लिए परामर्श सहित सभी प्रयास किए जाएंगे।
- (2) बाल कल्याण समिति द्वारा माता — पिताको परामर्श देकर तथा अभ्यर्पण के परिणाम समझा कर उन्हें बच्चे को अपने पास रखने की संभावना खोजने के लिए प्रयास किए जाएंगे।
- (3) यदि माता — पिताफिर भी अपने बच्चे को रखने के इच्छुक नहीं है तो ऐसे बच्चे को आरंभिक रूप से एसएए की अभिरक्षा में रखा जाएगा।
- (4) यदि अभ्यर्पण टाला नहीं जा सकता है तो अभ्यर्पण का एक विलेख **अनुसूची-II** में दिए गए विवरण के अनुसार निष्पादित किया जाएगा और इस पर बच्चे का अभ्यर्पण करने वाले व्यक्ति या व्यक्तियों द्वारा एवं दो अन्य गवाहों की उपस्थिति में बाल कल्याण समिति के समक्ष हस्ताक्षर किए जाएंगे।
- (5) यदि विवाह के बाहर जन्म लेने वाले बच्चे का अभ्यर्पण किया गया है तो माता — पितादोनों को अभ्यर्पण दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने होंगे और यदि इन दोनों में से किसी एक की मौत हो गई तो उसकी मौत के समर्थन में मौत का प्रमाण प्रस्तुत किया जाएगा।
- (6) जहां मृत्यु प्रमाणपत्र उपलब्ध नहीं है वहां स्थानीय पंचायत या नगर निगम प्राधिकरण से एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत किया जाए।
- (7) जब बच्चे का जन्म विवाहित दम्पति से हुआ है, किन्तु इसे एक जैविक अभिभावक द्वारा अभ्यर्पित किया गया है और दूसरे अभिभावक के बारे में कोई जानकारी नहीं है तो बच्चे को बेसहारा माना जाएगा और आगे की कार्यवाई तदनुसार की जाएगी।
- (8) यदि बच्चे का जन्म विवाह के बाहर हुआ है तो केवल मां बच्चे का अभ्यर्पण कर सकती है और यदि वह वयस्क नहीं है तो अभ्यर्पण दस्तावेज पर साथ में आए नजदीकी रिश्तेदार के हस्ताक्षर प्राप्त किए जाएं।
- (9) यदि अभ्यर्पण जैविक अभिभावकों के अलावा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा किया गया है तो बच्चे को बेसहारा माना जाएगा और एक बेसहारा बच्चे के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया की अपनाई जाएगी।
- (10) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा बाल कल्याण समिति के सामने अभ्यर्पण की प्रक्रिया की सुविधा प्रदान की जाएगी।
- (11) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी और बाल कल्याण समिति सुनिश्चित करेंगी कि अभ्यर्पण करने वाले अभिभावक या कानूनी संरक्षक यह जानते हैं कि वे अभ्यर्पण पर पुनः विचार कर सकते हैं और उक्त अभ्यर्पण की तिथि के 60 दिनों के अंदर की अवधि में ही अभ्यर्पित किए गए बच्चे पर पुनः दावा पेश कर सकते हैं।

- (12) अभ्यर्पण के सभी मामलों में इस प्रक्रिया में शामिल प्राधिकारियों और एजेंसियों द्वारा गोपनीयता बनाए रखी जाएगी।
 - (13) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी या बाल कल्याण समिति द्वारा सुनिश्चित किया जाएगा कि अभ्यर्पण विलेख की एक प्रति अभ्यर्पण करने वाले अभिभावकों या कानूनी संरक्षकों द्वारा रखी गई है, जैसा भी मामला हो, ताकि वे बच्चे के अभ्यर्पण के अपने निर्णय पर पुनः विचार कर सकें।
 - (14) समिति द्वारा अभ्यर्पित बच्चे को 60 दिन की पुनः विचार अवधि के समापन के बाद दत्तक ग्रहण के लिए कानूनी तौर पर स्वतंत्र घोषित किया जाएगा।
16. बाल कल्याण समिति द्वारा दत्तक ग्रहण के लिए कानूनी रूप से स्वतंत्र बच्चे की घोषणा — (1) यदि एक अनाथ या एक बेसहारा बच्चे के माता — पिताका पता लगाने के सभी प्रयास असफल रहते हैं, जिसे अस्थायी आधार पर विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी में रखा गया है और अभ्यर्पित बच्चों के मामले में, यदि 60 दिनों की पुनः दावा अवधि पूरी हो चुकी है तो वह विशेष एजेंसी बाल कल्याण समिति से बच्चे को दत्तक ग्रहण हेतु कानूनी रूप से स्वतंत्र घोषित करने के लिए संपर्क कर सकती है।
- (2) यह संतुष्टि करने के बाद की अधिनियम में बताई गई देय प्रक्रिया और इसके तहत बनाए गए नियमों का पालन किया गया है और निर्धारित अवधि के अंदर बच्चे का दावा करने के लिए कोई आगे नहीं आया है तो बाल कल्याण समिति द्वारा बच्चे को दत्तक ग्रहण हेतु कानूनी रूप से स्वतंत्र घोषित किया जा सकता है।
 - (3) उप पैराग्राफ (2) के तहत अनुसूची-III में दिए गए फॉर्मेट के अनुसार प्रमाणपत्र दिया जाएगा।
 - (4) सात वर्ष या इससे अधिक के किसी बच्चे को उसकी अपनी सहमति के बिना दत्तक ग्रहण हेतु कानूनी रूप से स्वतंत्र घोषित नहीं किया जाएगा जो अपनी बात समझ और उसे व्यक्त कर सकता है।
 - (5) एक बच्चा दत्तक ग्रहण के लिए पात्र केवल तभी बनता है जब उसे बाल कल्याण समिति द्वारा उपरोक्त पैरा (ख) में उल्लिखित एक प्रमाणपत्र के माध्यम से दत्तक ग्रहण हेतु कानूनी रूप से स्वतंत्र घोषित किया गया है।

अध्याय III दत्तक ग्रहण प्रक्रिया

17. **स्वदेशी दत्तक ग्रहण हेतु दत्तक ग्रहण प्राधिकरण तथा एजेंसियां** — स्वदेशी दत्तक ग्रहण प्रक्रिया में निम्नलिखित प्राधिकरण या एजेंसियां शामिल होंगी —
 - (क) सक्षम न्यायाधिकार क्षेत्र के न्यायालय, जो दत्तक ग्रहण के लिए आदेश दे सकते हैं ;
 - (ख) केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (सीएआरए) ;
 - (ग) राज्य दत्तक ग्रहण संसाधन अभिकरण (एसएआरए) या दत्तक ग्रहण समन्वय एजेंसी (एसीए) और ;
 - (घ) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी (एसएए)
18. **पंजीकरण** — (1) एक बच्चे का दत्तक ग्रहण करने के इच्छुक दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता केवल एक विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी के साथ अपना पंजीकरण कराएंगे, वरीयतः जो उनके निवास स्थान के निकटतम है और उक्त एजेंसी दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता को पंजीकरण की प्रक्रिया पर मार्गदर्शन प्रदान करेगी।
 - (2) **अनुसूची-IV** के अनुसार पंजीकरण के लिए
 - (3) आवेदन प्राप्ति पर सभी अनिवार्य दस्तावेजों और अपेक्षित पंजीकरण शुल्क के साथ विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी दत्तक ग्रहण के लिए दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता का पंजीकरण करेगी और उन्हें एक पंजीकरण पर्ची जारी करेगी।
 - (4) कारा द्वारा दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता को अपनी वेबसाइट www.adoptionindia.nic.in के माध्यम से ऑनलाइन अनंतिम पंजीकरण की सुविधा भी प्रदान की जाएगी।
 - (5) यदि दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता एक विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी से दत्तक ग्रहण के इच्छुक हैं जो उसके अतिरिक्त है जहां उनका पंजीकरण किया गया है किन्तु उसी राज्य के अंतर्गत है तो दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता अपनी पंजीकरण पर्ची के साथ एसीए या एसएआरए से संपर्क कर सकते हैं।
 - (6) एसीए या एसएआरए विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी से संपर्क करेंगे जहां से दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता दत्तक ग्रहण के इच्छुक हैं, ताकि उक्त दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता को उस विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी की प्रतीक्षा सूची में तत्काल शामिल किया जा सके।

- (7) यदि किसी राज्य के दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता – पिता जो किसी अन्य राज्य से एक बच्चे को दत्तक ग्रहण करने के इच्छुक हैं, जहां वे वर्तमान में निवास कर रहे हैं, तो वे उस राज्य के एसीए और एसएआरए से अपनी पंजीकरण पची सहित संपर्क कर सकते हैं।
- (8) एसीए या एसएआरए द्वारा उक्त दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता – पिता का पंजीकरण उस राज्य के एसीए या एसएआरए को तत्काल भेज दिया जाएगा, जहां से दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता – पिता बच्चे का दत्तक ग्रहण करने का इच्छुक है ताकि उक्त दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता – पिता को उस राज्य के दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता – पिता की प्रतीक्षा सूची में तत्काल स्थानांतरित किया जा सके।
19. **दत्तक ग्रहण पूर्व परामर्श और दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता – पिता की तैयारी –**
 (1) दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता – पिता को उपयुक्त निर्णय में लेने की सुविधा देने के लिए संबंधित विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी उन्हें दत्तक ग्रहण से पहले का परामर्श प्रदान करेगी।
- (2) उक्त एजेंसी दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता – पिता को दत्तक ग्रहण और संबंधित प्रक्रिया के लिए सभी संगत सूचना देकर भी तैयार करेगी।
20. **गृह अध्ययन और अन्य आवश्यकताएं – (1) अनुसूची-V में उल्लिखित दस्तावेज दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता – पिता द्वारा संबंधित विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी को गृह अध्ययन की सुविधा हेतु प्रदान किए जाएंगे।**
- (2) दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता – पिता का गृह अध्ययन पंजीकरण की स्वीकार्यता की तिथि से अधिकतम दो माह के अंदर केवल व्यावसायिक सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा किया जाएगा जो विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी के द्वारा अधिकृत और निवास के मौजूदा स्थान से निकटतम होगा।
- (3) गृह अध्ययन की रिपोर्ट **अनुसूची-VI** में बताई गई प्रक्रियाओं के आधार पर बनाई जाएगी।
- (4) दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता – पिता की गृह अध्ययन रिपोर्ट दो वर्ष की अवधि तक देश में किसी स्थान पर दत्तक ग्रहण के लिए वैध होगी।
- (5) दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता – पिता की चिकित्सा जांच रिपोर्ट बच्चे को संदर्भित करने के समय एक वर्ष से अधिक पुरानी नहीं होनी चाहिए।
21. **रेफरल और स्वीकार्यता – (1) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा अपने सचिव या प्रबंधन न्यासी, एक वरिष्ठ व्यावसायिक सामाजिक कार्यकर्ता, विजिटिंग चिकित्सा अधिकारी और एजेंसी के**

एक अन्य पदाधिकारी सहित बच्चे के समनुदेशन हेतु एक "दत्तक ग्रहण समिति" का गठन किया जाएगा।

- (2) दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता – पिता के साथ बच्चे का समनुदेशन "दत्तक ग्रहण समिति" द्वारा केवल तभी किया जाएगा जब बच्चे को बाल कल्याण समिति द्वारा दत्तक ग्रहण के लिए कानूनी रूप से स्वतंत्र घोषित किया जाए और विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता – पिता को दत्तक ग्रहण के लिए पात्र पाया जाता है।
- (3) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा एक बच्चे के समनुदेशन हेतु दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता – पिता द्वारा दिए गए आवश्यक विवरण के अनुसार, यदि कोई हो, सर्वोत्तम प्रयास किए जाएंगे।
- (4) बच्चे का मिलान करने के बाद, विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता – पिता को अपनी स्वीकार्यता देने से पहले बच्चे को वास्तविक रूप से देखने की सलाह देगी।
- (5) दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता – पिता द्वारा मिलान किए गए बच्चे या बच्चों को केवल विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी के परिसर में दिखाया जाएगा और यदि दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता – पिता इस बात के इच्छुक हों तो वे अपने स्वयं के मेडिकल प्रेक्टिशनर द्वारा बच्चे की चिकित्सा जांच करा सकते हैं।
- (6) मिलान किए गए बच्चे (या भाई बहनों के मामले में बच्चों) की बालक अध्ययन रिपोर्ट और चिकित्सा जांच रिपोर्ट विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता – पिता को स्वीकार करने हेतु भेजी जाएगी और इसे एक "रेफरल" कहते हैं।
- (7) यदि दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता – पिता प्रस्तावित बच्चे को दत्तक ग्रहण करने का निर्णय लेते हैं तो वे 10 दिनों के अंदर बच्चे की बाल अध्ययन रिपोर्ट और चिकित्सा जांच रिपोर्ट पर हस्ताक्षर करने के बाद दत्तक ग्रहण के लिए औपचारिक स्वीकार्यता दे देते हैं।
- (8) यदि भेजे गए बच्चे को दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता – पिता स्वीकार नहीं करते हैं तो उन्हें एक दिए गए समय पर अधिकतम दो बच्चों का प्रस्ताव दिया जाएगा।
- (9) यदि मिलान नहीं किया जाता है तो दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता – पिता को उस तिथि के तीन माह समाप्त हो जाने के बाद ही पुनः विचार की पात्रता है जिससे उन्हें अंतिम बार बच्चा दिखाया गया था।
- (10) यदि बच्चों की नियोजन आयु सात वर्ष और उससे अधिक है तो प्रस्तावित नियोजन के लिए बच्चे की लिखित स्वीकृति प्राप्त की जाएगी और यदि बच्चा पढ़ और लिख नहीं सकता है तो

“दत्तक ग्रहण समिति” की उपस्थिति में मौखिक सहमति ली जाएगी, जो इसे दर्ज करेगी और दर्ज किए गए वक्तव्य पर बच्चे के हस्ताक्षर या अंगूठे का निशान लिया जाएगा।

- (11) जिस तिथि पर बच्चे की स्वीकृति दी गई है उसे वक्तव्य में स्पष्ट रूप से दर्शाया जाएगा।
22. **दत्तक ग्रहण पूर्व पालक देखरेख** — (1) एक बच्चे को दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता द्वारा रेफरल की स्वीकार्यता के बाद दत्तक ग्रहण पूर्व पालक देखरेख में रखा जा सकता है।
- (2) दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता को अपनी अस्थायी अभिरक्षा में बच्चे को लेने से पहले एक पालक देख रेख शपथ पत्र और एक वचन देना होगा।
 - (3) बच्चे को संभावित दत्तक ग्रहण करने वाले माता — पिताके पास वास्तविक रूप से सौंपने से पहले दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा सुनिश्चित किया जाएगा कि इसके पास दो नजदीकी संबंधियों के विवरण सहित दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता के स्थानीय संपर्कों का एक अभिलेख है।
 - (4) पालक देख रेख की अवधि के दौरान दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता को अधिकार होगा कि वह विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी को विधिवत सूचित करने के बाद देश के अंदर बच्चे को कहीं भी ले जाए, जो इस शर्त के अधीन होगा कि बच्चे को कानूनी प्रक्रिया के लिए न्यायालय द्वारा जब और जैसे आवश्यक हो, लाया जाएगा।
23. **कानूनी प्रक्रिया** — (1) बच्चे को सक्षम न्यायालय द्वारा दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता के पास दत्तक ग्रहण के लिए कानूनी तौर पर रखा जा सकता है और इस प्रयोजन के लिए न्यायालय उस क्षेत्र में होना चाहिए जिसके अधिकार क्षेत्र में विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी स्थित है।
- (2) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी अधिकार क्षेत्र के सक्षम न्यायालय के क्षेत्र में अधिनियम के तहत अनिवार्य दत्तक ग्रहण आदेश प्राप्त करने के लिए दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता द्वारा रेफरल की स्वीकार्यता के 10 दिनों के अंदर एक याचिका दायर करेगी और न्यायालय में इसका नियमित रूप से अनुवर्तन करेगी ताकि कानूनी दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया शीघ्रतम पूरी की जा सके।
 - (3) दत्तक ग्रहण याचिका में अनुसूची-VII के अनुसार सभी अपेक्षित दस्तावेज निहित होंगे।
 - (4) भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा एल के पाण्डेय बनाम भारतीय संघ (लिखित याचिका संख्या 1171, 1982) के मामले में दिए गए निर्देशानुसार सक्षम न्यायालय को दायर होने की तिथि के अधिकतम दो माह के अंदर मामले का निपटान करने की आवश्यकता है।

- (5) बच्चे के सर्वोत्तम हित के लिए सक्षम न्यायालय द्वारा अधिकतम संभव रूप से पहली सुनवाई में ही मामले का निपटान किया जा सकता है।
- (6) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा न्यायालय आदेश तथा संबंधित एसएआरए या एसीए और दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता को दत्तक ग्रहण विलेख अग्रेषित किए जाएंगे।
24. **अनुवर्तन दौरे और दत्तक ग्रहण पश्चात सेवाएं** — (1) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा समय समय पर बच्चे के कानूनी दत्तक ग्रहण के बाद दो वर्ष की अवधि तक अर्ध वार्षिक अनुवर्तन दौरे किए जाएंगे, जिसे पूर्व दत्तक ग्रहण पालक देखभाल में रखा गया है।
- (2) बच्चों की अनुवर्तन रिपोर्ट की प्रतियां विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा एसएआरए या एसीए के पास जमा की जाएंगी।
- (3) दत्तक ग्रहण में टूटने के मामलों में विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी बच्चे के वैकल्पिक पुनर्वास के प्रयास करेगी।
25. **समय सीमा** — दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया में शामिल सभी एजेंसियां और प्राधिकरण अनुसूची-VIII में स्वदेशी दत्तक ग्रहण के लिए निर्धारित समय सीमा का पालन करेंगे।
26. **अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण पर हेग अभिसमय के अनुसार अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया** — (1) अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया में शामिल प्राधिकरण और एजेंसियां इस प्रकार हैं
- (क) सक्षम अधिकार क्षेत्र के न्यायालय, जो दत्तक ग्रहण के लिए आदेश पारित कर सकें ;
- (ख) केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन अभिकरण (कारा) ;
- (ग) प्राप्त करने वाले देश के केन्द्रीय प्राधिकरण (सीए) ;
- (घ) विदेशों में भारतीय राजनीतिक मिशन ;
- (ङ) भारत में विदेशी राजनयिक मिशन ;
- (च) अधिकृत विदेशी दत्तक ग्रहण एजेंसी (एएफएए) ;
- (छ) राज्य दत्तक ग्रहण संसाधन अभिकरण (एसएआरए) या दत्तक ग्रहण समन्वय अभिकरण (एसीए) ;

(ज) मान्यता प्राप्त भारतीय नियोजन एजेंसी (आरआईपीए) ;

(झ) दत्तक ग्रहण संस्तुति समिति (एआरसी) ;

(2) उप पैराग्राफ (1) में संदर्भित प्राधिकरण और एजेंसियों का मार्गदर्शन इन मार्गदर्शी सिद्धांतों में बताई गई अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण की प्रक्रियाविधियों द्वारा किया जाएगा, जिन्हें **अनुसूची-IX** में दिए गए अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण - 1993 पर हेग अभिसमय से शक्ति मिलती है।

27. **एनआरआई या ओसीआई या पीआईओ या विदेशी दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता के लिए पंजीकरण** - (1) भारत से किसी बच्चे या बच्चों का दत्तक ग्रहण करने के इच्छुक दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता अधिकृत विदेशी दत्तक ग्रहण एजेंसी (एएफए) या केन्द्रीय प्राधिकरण (सीए) या प्राप्त करने वाले देश में दत्तक ग्रहण के मामलों से निपटने वाले सरकारी विभागों के साथ अपना पंजीकरण कर सकते हैं।

(2) एएफए या सीए की सहायता से दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता भारत से बच्चे के दत्तक ग्रहण के लिए अपने देश के सक्षम प्राधिकरण की अनुमति प्राप्त कर सकते हैं।

28. **गृह अध्ययन और अन्य आवश्यकताएं** - (1) एएफए या केन्द्रीय प्राधिकरण या देश में दत्तक ग्रहण के मामलों से निपटने वाले सरकारी विभागों के व्यावसायिक सामाजिक कार्यकर्ता, जहां दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता साधारण तौर से निवास करते हैं (365 दिन या अधिक) द्वारा गृह अध्ययन आयोजित किया जाएगा और एचएसआर तैयार की जाएगी तथा इस एचएसआर में **अनुसूची-VII** में निर्दिष्ट सभी दस्तावेज निहित होंगे।

(2) गृह अध्ययन रिपोर्ट का भाग बनाने वाले सभी दस्तावेजों को नोटरीकृत किया जाएगा और नोटरी के हस्ताक्षर को प्राप्त करने वाले देश के सक्षम प्राधिकरण द्वारा सत्यापित किया जाएगा।

(3) यदि दस्तावेज अंग्रेजी के अलावा किसी अन्य भाषा में है तो सक्षम प्राधिकरण द्वारा सत्यापित अंग्रेजी का अनुवाद मूल दस्तावेजों के साथ संलग्न किया जाना चाहिए।

(4) दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता की एचएसआर दो वर्ष की अवधि तक वैध होगी, किन्तु दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता की चिकित्सा स्थिति बच्चे के रेफरल के समय एक वर्ष से अधिक पुरानी नहीं होनी चाहिए।

(5) गृह अध्ययन रिपोर्ट में दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता द्वारा बच्चे की आयु, लिंग, शारीरिक और चिकित्सीय परिस्थिति या भारत के अंदर स्थान के विषय में वरीयताएं दर्शाई जाएं, यदि कोई हों।

29. **कारा द्वारा आरआईपीए को अभिज्ञात करना** — (1) बच्चे को प्राप्त करने वाले देश के एएफएए या सीए या संबंधित सरकारी विभाग द्वारा उपयुक्त आरआईपीए को अभिज्ञात करने के लिए प्रत्यक्ष रूप से एचएसआर (मूल नहीं) की सत्यापित या नोटरीकृत प्रति कारा को भेजी जाएगी।
- (2) कारा में अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण के लिए प्रस्तावित दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता की प्रथम दृष्टि उपयुक्तता की जांच के लिए एक छानबीन समिति होगी और साथ ही आरआईपीए को भी अभिज्ञात किया जाएगा जहां डॉजियर (दस्तावेज) अग्रेषित किए जाएंगे और कारा के एक अधिकारी के नेतृत्व में बनाई गई समिति में बाहरी विशेषज्ञ भी होंगे।
- (3) किसी विशेष आरआईपीए को डॉजियर अग्रेषित करने का निर्णय लेते समय समिति एक राज्य विशेष के लिए दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता की वरीयता, बच्चों की उपलब्धता और आरआईपीए के निष्पादन सहित स्वदेशी दत्तक ग्रहण आदि को भी ध्यान में रखेगी।
- (4) उप पैराग्राफ (2) और (3) में उल्लिखित प्रक्रिया वरीयतः डॉजियर प्राप्ति के 15 दिनों के अंदर पूरी कर ली जाएगी।
- (5) अभिज्ञात आरआईपीए को कारा द्वारा सूचित किया जाएगा और कारा द्वारा संबंधित एएफएए या सीए या सरकारी विभाग को अभिज्ञात आरआईपीए तक मूल डॉजियर भेजने की सलाह भी दी जाएगी।
- (6) कारा द्वारा आरआईपीए का चयन एक बच्चे को भारत से रेफर करने का किसी भी तरह से सुनिश्चित नहीं करेगा और न ही यह कारा पर बाध्यता होगी कि एक बच्चे का रेफरल सुनिश्चित किया जाए।
- (7) आरआईपीए द्वारा किसी एएफएए या सीए या भारत के बाहर रहने वाले दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता से एक भारतीय बच्चे के दत्तक ग्रहण हेतु आवेदन प्रत्यक्ष रूप से प्राप्त नहीं किया जाएगा।
30. **रेफरल और स्वीकार्यता** — (1) आरआईपीए बच्चे के समनुदेशन, रेफरल और नियोजन के लिए उत्तरदायी होगा।
- (2) यदि आरआईपीए को कारा द्वारा अग्रेषित अपने डॉजियर की विस्तृत संवीक्षा के बाद कोई उपयुक्त दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता नहीं मिलता है तो यह मूल डॉजियर प्राप्त होने के 15 दिनों के अंदर कारा को इसके विषय में कारण सहित जानकारी देगा।
- (3) कारा को आरआईपीए की सिफारिश स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार है।

- (4) डॉज़ियर की विस्तृत संवीक्षा और पात्र दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता – पिता के रूप में उनकी स्वीकार्यता के बाद आरआईपीए द्वारा दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता – पिता के अनुरोध के अनुसार अधिकतम संभव रूप से बच्चे का मिलान किया जाएगा।
 - (5) आरआईपीए द्वारा बाल अध्ययन रिपोर्ट और बच्चे की चिकित्सा जांच रिपोर्ट बनाने वाले रेफरल को एफएए या सीए या प्राप्त करने वाले देश के संबंधित सरकारी विभाग के पास भेजा जाएगा, जैसा भी मामला हो।
 - (6) एफएए या सीए या प्राप्त करने वाले देश के संबंधित सरकारी विभाग द्वारा, जैसा भी मामला हो स्वीकार्यता के लिए दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता – पिता के पास रेफरल भेजे जाएंगे।
 - (7) दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता – पिता द्वारा बच्चे को स्वीकार करने के बाद एफएए या सीए या प्राप्त करने वाले देश के संबंधित सरकारी विभाग, जैसा भी मामला हो, "दत्तक ग्रहण के लिए रेफरल" की मूल प्रति वापस निम्नलिखित दस्तावेजों के साथ आरआईपीए को भेजेंगे :
 - (i) सीएसआर और एमईआर की नोटरीकृत या सत्यापित प्रति जिस पर दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता – पिता द्वारा विधिवत हस्ताक्षर किए गए हों ;
 - (ii) मामले को न्यायालय में दायर करने के लिए आरआईपीए के अधिकारी या सामाजिक कार्यकर्ता के पक्ष में दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता – पिता का मुख्तारनामा ;
 - (iii) हेग अभिसमय के अनुच्छेद 17 के तहत करार या अनुच्छेद 5 के तहत एक प्रमाणपत्र, जो लागू हो, जिसे प्राप्त करने वाले देश के सीए या सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया हो।
 - (8) एक बच्चे के अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया रेफरल की तिथि के 45 दिनों के अंदर की अवधि में एफएए या सीए द्वारा पूरी की जाएगी।
31. दत्तक ग्रहण संस्तुति समिति द्वारा अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण के लिए सिफारिशें – (1) राज्य सरकार द्वारा अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण में एक बच्चे के नियोजन हेतु संवीक्षा के लिए दत्तक ग्रहण संस्तुति समिति (एआरसी) के रूप में ज्ञात एक समिति का गठन किया जाएगा और संस्तुति प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा।
- (2) दत्तक ग्रहण संस्तुति समिति में राज्य सरकार के निदेशक या आयुक्त होंगे जो बच्चों की देखरेख और संरक्षण के लिए कार्य करते हैं या उनके प्रतिनिधि, कार्यक्रम प्रबंधक (गैर संस्थागत देखरेख – एसएआरए) और एक बाह्य विशेषज्ञ या मनोवैज्ञानिक जिसके किसी दत्तक ग्रहण एजेंसी के साथ कोई संपर्क नहीं है।

- (3) जब तक एक राज्य में एसएआरए प्रचालनरत है, एसीए के अध्यक्ष या इनके प्रतिनिधि अन्य सदस्यों के साथ समिति के सदस्य के रूप में (कार्यक्रम प्रबंधक के स्थान पर) कार्य करेंगे।
- (4) दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता द्वारा स्वीकृत रेफरल प्राप्त होने पर आरआईपीए द्वारा डॉजियर की दो प्रतियां अग्रेषित की जाएंगी, जिसमें दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता की एचएसआर और सीएसआर (एमईआर सहित) शामिल होंगी जिस पर दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता द्वारा विधिवत हस्ताक्षर किए गए हों और यह एसएआरए या एसीए के पास प्रशासनिक व्यय के लिए एसएआरए या एसीए पक्ष में 2500 रु. के चेक या ड्राफ्ट सहित भेजी जाएगी।
- (5) प्राप्त राशि का उपयोग डॉजियर के प्रसंसाधन, बाह्य विशेषज्ञों के भुगतान और अन्य दत्तक ग्रहण प्रोत्साहनकारी कार्यक्रमों के संबंध में होने वाले व्यय को पूरा करने के लिए होगा।
- (6) डॉजियर का भाग बनाने वाले दस्तावेजों की सूची **अनुसूची-X** के अनुसार होगी।
- (7) पर्याप्त मूल्य के स्टाम्प पेपर पर निष्पादित किया जाने वाला एक नमूना शपथ पत्र, जिसे आरआईपीए द्वारा दायर किया जाना है, **अनुसूची-XI** में दिया गया है।
- (8) एसएआरए उप पैराग्राफ (1) के तहत गठित समिति के सचिवालय के रूप में कार्य करेगा।
- (9) एसएआरए को आरआईपीए से अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण के लिए प्रकरणों के डॉजियर प्राप्त होंगे और इन्हें संस्तुति प्रमाणपत्र जारी करने के लिए एआरसी के सामने रखा जाएगा।
- (10) जब तक राज्य में एसएआरए प्रचालनरत होता है, एसीए उस राज्य में एसएआरए के कार्यों का निष्पादन करेगा।
- (11) एसएआरए या एसीए, जैसा भी मामला हो सुनिश्चित करेंगे कि संस्तुति प्रमाणपत्र डॉजियर प्राप्त होने की तिथि के 15 दिनों के अंदर शीघ्रतापूर्वक जारी किया जाता है।
- (12) विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चे के मामले में एसएआरए या एसीए, जैसा भी मामला हो, संस्तुति प्रमाणपत्र डॉजियर प्राप्त होने की तिथि के 5 दिनों के अंदर शीघ्रतापूर्वक जारी करें।
- (13) विशेष चिकित्सा संबंधी आवश्यकताओं वाले बच्चों के मामले में एसएआरए या एसीए, जैसा भी मामला हो, एक प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थान या एक सरकारी चिकित्सा अधिकारी से प्रमाणपत्र पाने के लिए आरआईपीए से कह सकते हैं।

- (14) भाई बहनों और बड़े बच्चों के मामले में एआरसी द्वारा सुनिश्चित किया जाएगा कि उक्त बच्चे या बच्चों के लिए क्षेत्र के अंदर प्रतीक्षारत कोई भारतीय दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता नहीं है।
 - (15) संस्तुति प्रमाणपत्र जारी करने के लिए गठित समिति द्वारा दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता की उपयुक्तता और दत्तक ग्रहण के लिए प्रस्तावित बच्चे के बारे में स्वयं संतुष्टि की जानी चाहिए।
 - (16) समिति द्वारा आरआईपीए के जरिए जमा कराए गए दस्तावेजों का सत्यापन भी किया जाएगा और सुनिश्चित किया जाएगा कि आरआईपीए द्वारा सही प्रक्रिया अपनाई गई है।
 - (17) यदि किसी भी चरण पर एसएआरए या एसीए या एआरसी को संस्तुति प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों से संतुष्टि नहीं है तो यह मामले के निपटान से पहले उपयुक्त जांच पड़ताल करेगा।
 - (18) समिति द्वारा जारी संस्तुति प्रमाणपत्र में सकारात्मक संस्तुति की जाएगी यदि इसे यह संतुष्टि है कि समिति को अनुसूची-XII में दिए गए प्रारूप के अनुसार अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण में प्रस्तावित दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता के साथ नियोजित किए जा रहे बच्चे पर कोई आपत्ति नहीं है।
32. कारा द्वारा अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) जारी करना - (1) दत्तक ग्रहण संस्तुति समिति द्वारा संस्तुति प्रमाणपत्र जारी करने पर एसएआरए में डॉज़ियर की एक प्रति रखी जाएगी और डॉज़ियर का दूसरा सैट संस्तुति प्रमाणपत्र के साथ कारा को भेजा जाएगा।
- (2) जब तक राज्य में एसएआरए प्रचालनरत नहीं होता है तब तक इस पैराग्राफ के तहत एसीए द्वारा इसके कार्य निष्पादित किए जाएंगे।
 - (3) एसीए या एसएआरए द्वारा संबंधित आरआईपीए को संस्तुति प्रमाणपत्र की एक प्रति भेजी जाएगी।
 - (4) कारा द्वारा "अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) समिति" का गठन किया जाएगा जिसमें कारा के अधिकारी और बाल विकास या मनोविज्ञान या सामाजिक कार्य या चिकित्सा क्षेत्र में कार्यरत बाह्य विशेषज्ञ होंगे और समिति प्रत्येक अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण के मामले में "अनापत्ति प्रमाणपत्र" जारी करने के लिए उत्तरदायी होगी।
 - (5) कारा द्वारा गठित एनओसी समिति द्वारा निम्नलिखित की जांच की जाएगी -

- (i) आरआईपीए द्वारा जमा किए गए संगत दस्तावेज और सत्यापित करना कि इन मार्गदर्शी सिद्धांतों में बताई गई उचित प्रक्रिया का पालन किया गया है।
 - (ii) दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता – पिता के साथ बच्चे का मिलान और नियोजन बच्चे के सर्वोत्तम हित में है।
- (6) एनओसी समिति द्वारा प्रस्ताव के अनुमोदन के बाद प्रत्येक मामले में एनओसी जारी किया जाएगा।
 - (7) कारा को किसी भी अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण मामले को अस्वीकार करने का अधिकार है, जो एनओसी समिति द्वारा इसका कारण बताते हुए उपयुक्त नहीं पाया गया है।
 - (8) एनओसी जारी करने की प्रक्रिया कारा में संपूर्ण डॉजियर प्राप्त होने की तिथि से 15 दिनों की अवधि के अंदर पूरी की जाएगी।
 - (9) एनओसी हेग अभिसमय के अनुच्छेद 17 के अनुसार जारी किया जाएगा।
 - (10) कारा द्वारा जारी एनओसी की प्रति आरआईपीए को भेजी जाएगी और इसकी एक प्रति एसएआरए या एसीए, प्राप्त करने वाले देश के एएफएए या सीए या संबंधित सरकार विभाग को भेजी जाएगी, जैसा भी मामला हो।
- 33. दत्तक ग्रहण पूर्व पालक देखरेख –** (1) एक बच्चे को कारा द्वारा एनओसी जारी करने के बाद ही पूर्व दत्तक ग्रहण पालक देखरेख में आरआईपीए द्वारा उसकी वास्तविक अभिरक्षा दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता – पिता को दी जा सकती है।
- (2) भारत में दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता – पिता को सूचित किया जाएगा कि उक्त पालक देख रेख अंतिम दत्तक ग्रहण आदेश जारी होने तक चलती रहेगी।
 - (3) पालक देखरेख में रखे गए बच्चे को किसी भी परिस्थिति में दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता – पिता द्वारा दत्तक ग्रहण एजेंसी में वापस अस्थायी देख रेख के लिए नहीं भेजा जाएगा जब तक इसमें कोई रुकावट न हो और दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता – पिता दत्तक ग्रहण को आगे जारी रखने के इच्छुक नहीं हों।
 - (4) भारतीय दत्तक ग्रहण एजेंसी दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता – पिता को बच्चा वास्तविक रूप से सौंपने से पहले उन्हें सूचित करेगी कि दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया में निर्धारित अवधि से कुछ अधिक समय लग सकता है, ताकि दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता – पिता बच्चे की पालक देखरेख करने के विषय में एक सूचित निर्णय ले सकें।

- (5) दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता को संबंधित भारतीय दत्तक ग्रहण एजेंसी की लिखित अनुमति के बिना बच्चे को शहर से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
 - (6) दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता को राष्ट्रीयता के देश में भारत के मिशन या प्राप्त करने वाले देश के केन्द्रीय प्राधिकरण से बच्चे की पालक देखरेख प्राप्त करने की अनुमति पाने हेतु एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा।
 - (7) दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता को यह वक्तव्य देते हुए एक पालक देखरेख शपथ पत्र पर भी हस्ताक्षर करने होंगे कि वे वैध न्यायालय आदेश के बिना देश छोड़ कर नहीं जाएंगे।
34. सक्षम न्यायालय में याचिका दायर करना - (1) कारा से एनओसी प्राप्त होने के 5 दिनों के अंदर आरआईपीए भारत के सक्षम न्यायालय से बच्चे के अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण के लिए एक न्यायालय आदेश प्राप्त करने की कार्रवाई करेगा।
- (2) आरआईपीए द्वारा कारा से "एनओसी" के बिना अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण के लिए सक्षम न्यायालय में आवेदन जमा नहीं किया जाएगा।
 - (3) अनाथ, बेसहारा और अभ्यर्पित बच्चों के अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण अधिनियम के तहत नहीं किए जा सकेंगे।

टिप्पणी :

- क. भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा एल के पाण्डेय बनाम भारतीय संघ (लिखित याचिका संख्या 1171, 1982) के मामले में दिए गए निर्देशानुसार सक्षम न्यायालय को दायर होने की तिथि के अधिकतम दो माह के अंदर मामले का निपटान करने की आवश्यकता है।
- ख. अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण के प्रत्येक मामले पर एआरसी और कारा के माध्यम से बाल कल्याण समिति और राज्य सरकार द्वारा अधिकतम संभव सीमा तक कार्रवाई की आवश्यकता होती है, बच्चे के सर्वोत्तम हित में मामले का निपटान पहली सुनवाई में किया जाएगा।
- ग. आरआईपीए द्वारा कारा, एसएआरए या एसीए और एएफएए या सीए को न्यायालय के आदेश तथा दत्तक ग्रहण विलेख की एक प्रति अग्रेषित की जाएगी, जैसा भी मामला हो।

(4) न्यायालय का आदेश प्राप्त होने पर कारा द्वारा अनुसूची-XIII के अनुसार हेग अभिसमय के प्रावधानों के अनुसार अनुच्छेद 23 के तहत एक अनुरूपता प्रमाणपत्र (सीसी) जारी किया जाएगा।

35. **पासपोर्ट और वीजा** — (1) किसी भी अनाथ, बेसहारा और अभ्यर्पित बच्चे को कारा के वैध एनओसी के बिना भारत छोड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी जिसे दत्तक ग्रहण किया गया है।
- (2) आरआईपीए द्वारा न्यायालय का आदेश प्राप्त होने के बाद दत्तक ग्रहण किए गए बच्चे को पासपोर्ट हेतु आवेदन किया जाएगा और इस आवेदन में इन मार्गदर्शी सिद्धांतों के पैराग्राफ 83 (3) में उल्लिखित दस्तावेज शामिल होंगे।
- (3) न्यायालय के आदेश में उल्लिखित बच्चे की जन्मतिथि को उसकी जन्मतिथि माना जाएगा।
- (4) संबंधित प्राधिकारी पासपोर्ट और वीजा जारी करने में शीघ्रता पूर्वक कार्रवाई कर सकते हैं ताकि दत्तक ग्रहण किया गया बच्चा अपने दत्तक ग्रहण करने वाले माता — पिताके साथ उनके निवास के स्थान हेतु भारत छोड़ कर जा सके।
36. **दत्तक ग्रहण करने वाले माता — पिताके साथ बच्चे की यात्रा** — दत्तक ग्रहण करने वाले माता — पिता या किसी एक को भारत आना होगा और अपने देश में बच्चे को साथ ले जाना होगा।
37. **प्रगति रिपोर्ट** — बच्चे को प्राप्त करने वाले देश के एएफएए या सीए या संबंधित सरकारी विभाग, जैसा भी मामला हो, कारा और संबंधित आरआईपीए को नियोजन की प्रगति के बारे में अनुसूची-XIV में दिए गए प्रारूप के अनुसार बच्चे के उस देश में पहुंचने के बाद शुरूआती 1 वर्ष की अवधि तक तिमाही रूप से नियोजन पश्चात रिपोर्ट और दूसरे वर्ष के दौरान अर्धवार्षिक रिपोर्ट के माध्यम से जानकारी दी जाएगी और उक्त अनुवर्तन प्राप्त करने वाले देश में बच्चे की नागरिकता अर्जित कर लेने के बाद दो वर्ष की अवधि तक जारी रहेगा।
38. **समय सीमा** : दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया में शामिल सभी एजेंसियां और प्राधिकरण अनुसूची-VIII में स्वदेशी दत्तक ग्रहण के लिए निर्धारित समय सीमा का पालन करेंगे।
39. **अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण के लिए दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता की विशेष श्रेणी** — उन देशों में भारतीय नागरिकों द्वारा अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण जहां कोई एएफएए या सीए नहीं है वहां निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी —
 - (i) उन देशों में भारतीय नागरिकों द्वारा अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण जहां आवेदनों को प्रायोजित करने के लिए कोई एएफएए या सीए नहीं है, कारा द्वारा संबंधित भारतीय मिशन की वैयक्तिक संस्तुति या किसी संगठन को गृह अध्ययन रिपोर्ट (एचएसआर)

और दत्तक ग्रहण डॉज़ियर तैयार करने की अनुमति दी जा सकती है जिसे भारतीय दूतावास या उच्चायोग के माध्यम से कारा में अग्रेषित किया जाएगा।

- (ii) संबंधित भारतीय मिशन के अधिकारी भी दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता के एचएसआर और दत्तक ग्रहण डॉज़ियर तैयार कर सकते हैं।
- (iii) संबंधित भारतीय मिशन द्वारा संस्तुत संगठन या व्यक्ति को भी कारा में यह वचन देना होगा कि वे कानूनी दत्तक ग्रहण के बाद दो वर्ष की अवधि तक प्रगति रिपोर्ट भेजेंगे और इन मार्गदर्शी सिद्धांतों में निर्धारित कार्यवाई भी करेंगे, यदि दत्तक ग्रहण में कोई बाधा आती है या दत्तक ग्रहण किए गए बच्चे को स्वदेश वापस भेजना होता है।

40. भारत में रहने वाले विदेशी नागरिकों द्वारा दत्तक ग्रहण - (1) एक ऐसे देश के विदेशी नागरिक के मामले में जो ऐसे देश के नागरिक हैं, जिसने हेग अभिसमय को अभिपुष्ट किया है और वे भारत में एक वर्ष या अधिक समय से रहते हैं, दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता द्वारा उनकी राष्ट्रीयता के देश के दूतावास या मिशन से प्रस्तावित दत्तक ग्रहण पर अनापत्ति प्रमाणपत्र सहित कारा से संपर्क किया जाएगा।

(2) अनापत्ति प्रमाणपत्र प्राप्त होने पर कारा इस मामले को दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता के डॉज़ियर तैयार करने और गृह अध्ययन हेतु आरआईपीए के पास भेजेगा।

(3) अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण के लिए इन मार्गदर्शी सिद्धांतों के तहत निर्धारित प्रक्रिया का पालन आरआईपीए द्वारा किया जाएगा।

(4) उप पैरा ग्राफ (1) में संदर्भित प्रकरणों में उस देश के दूतावास या भारत में मिशन, दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता जहां के नागरिक हैं, वे इन मार्गदर्शी सिद्धांतों के अध्याय IV में निर्धारित पश्चात दत्तक ग्रहण अनुवर्तन के लिए एक वचन देंगे।

(5) यदि दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता निर्धारित पश्चात दत्तक ग्रहण अनुवर्तन अवधि के दौरान भारत में निवास जारी रखते हैं तो संबंधित आरआईपीए उक्त अनुवर्तन का वचन देगा और संबंधित दूतावास या मिशन और कारा को इसकी रिपोर्ट देगा।

(6) संबंधित दूतावास या मिशन द्वारा यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि दत्तक ग्रहण बच्चा अपने माता - पिता के देश की नागरिकता तत्काल ही दत्तक ग्रहण डिक्री के बाद ग्रहण कर लेता है और नागरिकता के आदेश की एक प्रति कारा और संबंधित आरआईपीए को अग्रेषित की जाती है।

41. भारत में रहने वाले ओसीआई द्वारा दत्तक ग्रहण - (1) ओसीआई जो एक ऐसे देश के नागरिक हैं जिसने हेग अभिसमय की अभिपुष्टि की है और वे भारत वापस आ गए हैं और

एक वर्ष से अधिक समय से भारत में निवास कर रहे हैं, उन्हें इन मार्गदर्शी सिद्धांतों के तहत अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया अपनाते हुए एक बच्चे के दत्तक ग्रहण की पात्रता होगी।

- (2) दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता – पिता अपनी राष्ट्रीयता के देश के दूतावास या मिशन से प्रस्तावित दत्तक ग्रहण के अनापत्ति प्रमाण सहित कारा से संपर्क करेंगे।
 - (3) अनापत्ति प्रमाणपत्र प्राप्त होने पर कारा यह प्रकरण गृह अध्ययन और दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता – पिता का डॉज़ियर तैयार करने के लिए आरआईपीए को भेजेंगे।
 - (4) अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण के लिए इन मार्गदर्शी सिद्धांतों के तहत निर्धारित प्रक्रिया को आरआईपीए द्वारा अपनाया जाएगा।
 - (5) इन मामलों में भारत में ओसीआई की नागरिकता के देश के दूतावास या मिशन द्वारा दत्तक ग्रहण पश्चात अनुवर्तन के लिए एक वचन दिया जाएगा जैसे इन मार्गदर्शी सिद्धांतों के अध्याय IV में निर्धारित किया गया है।
 - (6) यदि ओसीआई निर्धारित दत्तक ग्रहण पश्चात अनुवर्तन अवधि के दौरान भारत में निवास जारी रखता है तो संबंधित आरआईपीए उक्त अनुवर्तन करेगा और दूतावास या मिशन और कारा को इसकी रिपोर्ट देगा।
42. देश में वापस आए भारतीय नागरिकों द्वारा दत्तक ग्रहण – भारत में वापस आए हुए भारतीय नागरिकों द्वारा, जिनके पास भारतीय पासपोर्ट है, वे भारत वापस आ गए हैं और भारत में निवास की अवधि एक वर्ष से अधिक हो गई है, तो उन्हें एक स्वदेशी दत्तक ग्रहण के रूप में प्रक्रियान्वयन किया जाएगा।
43. विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों का दत्तक ग्रहण – विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के दत्तक ग्रहण में शामिल सभी प्राधिकरण और एजेंसियां अपने प्रकरणों पर शीघ्रतापूर्वक कार्रवाई करेंगी ताकि ये बच्चे जल्दी से जल्दी अपने परिवार से जुड़ सकें।
44. विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों की श्रेणी – (1) दत्तक ग्रहण के प्रयोजन के लिए "विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों" को निम्नानुसार श्रेणीकृत किया जा सकता है –
- (क) दिखाई देने वाली और / या गंभीर चिकित्सा परिस्थितियों – मानसिक या शारीरिक वाले बच्चे ;
 - (ख) बड़े बच्चे ;
 - (ग) भाई बहन और
 - (घ) अत्यंत कम वजनी जन्मे बच्चे (जिसे एक सरकारी चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्रमाणित किया जाए)।

(2) निम्नलिखित बीमारियों या विकलांगताओं को भी बच्चों में दिखाई देने योग्य या गंभीर चिकित्सा परिस्थिति माना जाए।

- (i) स्पाइना बाइफिडा ;
- (ii) इन्विथियोसिस (कोलोडियन बच्चा)
- (iii) अंग अनुपस्थित ;
- (iv) पैर-हाथ की अंगुलियां अनुपस्थित ;
- (v) गंभीर मधुमेह ;
- (vi) कटा हुआ होंठ-कटा हुआ तालू या कटी हुई जीभ ;
- (vii) दृष्टि हीन या आंशिक दृष्टिहीन ;
- (viii) दौरे पड़ने का गंभीर विकास ;
- (ix) गंभीर दमा ;
- (x) हृदय की गंभीर प्रकार की स्थिति ;
- (xi) हिपेटाइटिस बी
- (xii) रक्त संबंधी विकार
- (xiii) तीव्र रिकेट्स ;
- (xiv) गंभीर अस्थि संबंधी विकार ;
- (xv) बधिर या आंशिक रूप से बधिर ;
- (xvi) पोलियो ;
- (xvii) विकृति कारक गंभीर जन्म चिन्ह ;
- (xviii) अनिर्धारित लिंग ;
- (xix) हेयर लिप ;
- (xx) कोलोस्टोमी ;
- (xxi) बौनापन ;
- (xxii) हीमोफिलिया ;
- (xxiii) लकवा ;
- (xxiv) मस्तिष्क में घाव ;
- (xxv) जल जाना ;
- (xxvi) थैलीसेमिया मेजर ;
- (xxvii) फीटल एल्कोहल सिंड्रोम ;
- (xxviii) एक्टोडर्मल डिस्प्लेसिया (पसीने की ग्रंथि नहीं होना) ;
- (xxix) माइक्रोसिफेली ;
- (xxx) मिर्गी (इसमें बुखार से पड़ने वाले दौरे शामिल नहीं हैं) ;
- (xxxi) पियर रॉबिन सिंड्रोम (जीभ नहीं) ;
- (xxxii) तंत्रिका संबंधी विकास ;
- (xxxiii) वाणी अकार्यात्मकता - डिस्फेसिया ;
- (xxxiv) गंभीर एक्जिमा ;
- (xxxv) मनोवैज्ञानिक उपचार की आवश्यकता वाले बच्चे ;

(xxxvi) अन्य किसी विकलांगता वाले बच्चे, जो निःशक्त व्यक्ति (समान अवसर, अधिकारों का संरक्षण और पूर्ण प्रतिभागिता) अधिनियम, 1995 में परिभाषित है (1996 का 1)

टिप्पणी : उप पैरा (2) में दी गई सूची केवल दृष्टांत के लिए है और यह सूची समाप्त नहीं होती।

- (3) एक रोग या विकृति से पीड़ित एक बच्चा जिसे गंभीर दीर्घ अवधि अवशेषी प्रभाव नहीं है और जिन्हें सुधारा जा सकता है, उन्हें "विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चे" की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता है।
 - (4) लगभग 5 वर्ष की आयु वाले बच्चों को विशेष आवश्यकता वाले बच्चे माना जाएगा क्योंकि दत्तक ग्रहण में इन बच्चों का नियोजन कठिन होता है।
 - (5) अलग – अलग आयु के भाई बहन, जहां तक संभव हो, एक ही परिवार में दत्तक ग्रहण हेतु भेजे जाएं और इन बच्चों को विशेष आवश्यकता वाले बच्चे की श्रेणी में रखा जाएगा।
 - (6) यदि एक बच्चा गंभीर रूप से विलंबित पड़ाव दर्शाता है, जिसे सरकारी चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्रमाणित किया जाए तो इस बच्चे को "विशेष आवश्यकता वाले बच्चे" की श्रेणी में रखा जाएगा।
 - (7) एक बच्चा जो सामान्य वजन प्राप्त करने में आंशिक रूप से पीछे चलता है, उसे विशेष आवश्यकता वाला बच्चा नहीं माना जाएगा।
- 45. विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों को दत्तक ग्रहण के लिए तैयार करना –** (1) यह विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी की भूमिका है कि वह विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को दत्तक ग्रहण के लिए तैयार करें।
- (2) विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के मामले में देखरेख देने वाले में बदलाव, परिवेश, जीवन की गुणवत्ता और इसी प्रकार के अन्य कारकों के साथ उनके निपटने की क्षमता अन्य बच्चों के समान नहीं होती है।
- टिप्पणी :** विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चे कई मामलों में बड़े बच्चे होते हैं और वे अपने विचार और मनोवृत्ति तय कर सकते हैं, जिससे वे लचीले नहीं रह जाते हैं और उन्हें समायोजन की गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ता है।
- (3) यह अनिवार्य है कि विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी इन बच्चों को दत्तक ग्रहण के लिए तैयार करने हेतु विशेष प्रयास करें।

- (4) बड़े बच्चों को दत्तक ग्रहण करने वाले परिवार की तस्वीरें दिखाई जानी चाहिए और उन्हें सावधानीपूर्वक मानसिक और भावनात्मक रूप से तैयार करने का परामर्श दिया जाना चाहिए।
- (5) बच्चे को अंतरिम अवधि में शैक्षिक संस्थान भेजा जाना चाहिए और बच्चे में शौचालय तथा स्वच्छता की नियमित आदत विकसित की जानी चाहिए।
- (6) रिश्ता बनाने की प्रक्रिया आरंभ करने के लिए विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता को बड़ावा दिया जाना चाहिए कि वे बच्चे को अपने पारिवारिक एल्बम, तस्वीरें दिखाएं और बच्चे के नाम चिट्ठियां और छोटे उपहार भेजें।
- (7) यदि बच्चा विदेश भेजा जा रहा है तो उसे जहां तक संभव हो दत्तक ग्रहण करने वाले माता - पिता की भाषा सिखाई जानी चाहिए।

46. विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के लिए दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता -

- (1) जो दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों का दत्तक ग्रहण करना चाहते हैं उन्हें दत्तक ग्रहण में प्राथमिकता दी जानी चाहिए और विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी को ऐसे सभी दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता की एक सूची बनानी चाहिए ताकि दत्तक ग्रहण में विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के नियोजन की सुविधा प्रदान की जा सके।
- (2) दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता की सूची बनाते समय निम्नलिखित को ध्यान में रखा जाना चाहिए -
 - (i) बड़ी उम्र के और अनुभवी माता - पिता विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के प्रति अधिक वचनबद्ध अभिभावक सिद्ध होते हैं और इस प्रकार उन्हें अधिक कुशलता, धीरज, वित्तीय साधन और बच्चे पालने का अनुभव होता है।
 - (ii) जिन माता - पिता को अपने कार्य क्षेत्र के कारण या इसलिए अच्छा अनुभव है जिन्हें विशेष प्रकार की चिकित्सा परिस्थिति का कुछ ज्ञान है वे विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के लिए बेहतर साबित होते हैं।
 - (iii) एचएसआर में इन्हें दर्शाया जाएगा -
 - (क) दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता की प्रेरणा और क्षमता कि वे एक ऐसे बच्चे का दत्तक ग्रहण कर सकें ;
 - (ख) क्या दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता के पास विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों को संभालने के लिए वित्तीय संसाधन हैं ;

- (iv) विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को केवल ऐसे दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता के लिए स्वीकार्यता हेतु दिखाया जाए जो ऐसे बच्चों के दत्तक ग्रहण को अभिव्यक्ति द्वारा प्राथमिकता देते हैं या इसके इच्छुक हैं।
- (3) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता के अभिविन्यास सत्रों का आयोजन किया जाएगा ताकि वे विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों से संबंधित मुद्दों को समझ सकें और उन्हें एक सूचित निर्णय लेने में सहायता मिल सके।
- (4) दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता और विदेशी दत्तक ग्रहण एजेंसियों (अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण के मामले में) द्वारा बच्चे की विस्तृत अध्ययन रिपोर्ट, चिकित्सा संबंधी विवरण और परामर्श रिपोर्ट मान्यता प्राप्त भारतीय नियोजन एजेंसी द्वारा किसी तथ्य को छुपाए बिना प्रदान की जाए।
- (5) मान्यता प्राप्त भारतीय नियोजन एजेंसी (आरआईपीए) जिसे विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी भी कहते हैं, जो बच्चे के विकास के पड़ाव, अतिरिक्त चिकित्सा जांचों के बारे में सूचना प्रदान करें और यदि आवश्यकता हो तो इन बच्चों के बारे में संभावित चिंता पर माता — पिता द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दे सके।
- (6) बच्चे की अध्ययन रिपोर्ट में बच्चे की छवि सकारात्मक रूप में दर्शाई जाए और इसी के साथ चिकित्सा परिस्थिति की वास्तविक जानकारी दी जाए।
47. विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के दत्तक ग्रहण के लिए प्रक्रिया विधि — (1) अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण के मामले में विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के दत्तक ग्रहण के इच्छुक दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता को पैराग्राफ 27 से 38 में बताए गए मानकों के अनुसार प्रक्रिया का पालन करना होता है और उनके दत्तक ग्रहण के प्रकरणों पर केवल मान्यता प्राप्त भारतीय नियोजन एजेंसी द्वारा कार्रवाई की जाएगी।
- (2) सभी संबंधित प्राधिकरण सुनिश्चित करेंगे कि विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के मामलों पर कार्रवाई के लिए तय की गई समय सीमा का कठोरतापूर्वक पालन किया जाए।

अध्याय – IV दत्तक ग्रहण पश्चात प्रक्रिया

48. दत्तक ग्रहण पश्चात अनुवर्तन – (1) स्वदेशी दत्तक ग्रहण के मामले में प्रथम वर्ष में अर्धवार्षिक प्रगति रिपोर्ट और दूसरे वर्ष में यह रिपोर्ट विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा तैयार की जाएगी और इसे एसएआरए या एसीए के पास जमा किया जाएगा।
- (2) प्रगति रिपोर्ट का प्रारूप अनुसूची-XIV के अनुसार होगा।
- (3) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी दत्तक ग्रहण करने वाले व्यक्तियों और दत्तक ग्रहण करने वाले माता – पिता के लिए दत्तक ग्रहण पश्चात परामर्श सेवाएं प्रदान करें।
- (4) अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण के मामले में प्राप्त करने वाले देश के एएफएए या सीए या संबंधित सरकारी विभाग, जैसा भी मामला हो, प्राप्त करने वाले देश में बच्चे के आगमन के बाद कारा और संबंधित आरआईपीए को प्रथम वर्ष के दौरान तिमाही पश्चात नियोजन रिपोर्ट और द्वितीय वर्ष के दौरान अर्धवार्षिक रिपोर्ट के माध्यम से नियोजन की प्रगति के बारे में बता सकते हैं।
- (5) प्राप्त करने वाले देश की नागरिकता अधिग्रहण करने के बाद दो वर्ष की अवधि तक अनुवर्तन उपाय जारी रहेंगे।
- (6) संरक्षण के मामलों में संबंधित आरआईपीए द्वारा सक्षम न्यायालय के समक्ष एएफपीए से प्राप्त दत्तक ग्रहण आदेश सहित प्रगति रिपोर्ट की प्रतियां जमा की जाएंगी, जिसने संरक्षण के आदेश जारी किए हैं।
- (7) एएफएए द्वारा कारा की वेब आधारित प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से कारा को दत्तक ग्रहण पश्चात आंकड़े भी प्रदान किए जाएंगे।
- (8) एएफएए या सीए द्वारा दत्तक ग्रहण किए गए बच्चों और दत्तक ग्रहण करने वाले माता – पिता का वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा और इस आयोजन की एक रिपोर्ट कारा को भेजी जाएगी।
- (9) एएफएए या सीए द्वारा दत्तक ग्रहण किए गए और दत्तक ग्रहण करने वाले माता – पिता के लिए दत्तक ग्रहण पश्चात परामर्श आयोजित किया जाएगा।
49. स्वदेशी दत्तक ग्रहण के मामले में बाधा और देश वापसी – (1) दत्तक ग्रहण पूर्व पालक देखरेख के दौरान रुकावट के मामले में बच्चे को दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा वापस लाया जाएगा और एसएआरए के परामर्श से बच्चे के लिए एक उपयुक्त पुनर्वास योजना तैयार की जाएगी।

- (2) न्यायालय के अंतिम आदेश के बाद रुकावट के मामले में यह संबंधित दत्तक ग्रहण एजेंसी का दायित्व होगा कि वह सक्षम न्यायालय के आदेश सहित एसएआरए के परामर्श से बच्चे के पुनर्वास के लिए आदेश प्राप्त करें।
50. अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण के मामले में बाधा और देश वापसी — (1) ऐसे प्रकरणों में पुनर्वास के प्रयास, जिन्हें संरक्षण और प्रतिपालित अधिनियम, 1890 के तहत प्रसंसाधित किया गया है, जहां दत्तक ग्रहण को अभी अंतिम रूप दिया जाना है, में इस पैराग्राफ का पालन किया जाएगा।
- (2) जब तक बच्चा भारत का नागरिक बना रहता है और जहां बच्चे को कानूनी तौर पर भारत में न्यायालय के आदेश की तिथि के दो वर्ष के अंदर प्राप्त करने वाले राज्य में दत्तक ग्रहण करने वाले माता — पिता द्वारा किसी कारण से दत्तक ग्रहण नहीं किया गया है जिसने दत्तक ग्रहण करने वाले माता — पिता को संरक्षक नियुक्त किया है, या बच्चे के दत्तक ग्रहण करने से किसी समय पूर्व या दत्तक ग्रहण करने वाले माता — पिता के देश की नागरिकता प्रदान करते समय या एएफएए को ज्ञात होता है कि बच्चा संरक्षकों के साथ समायोजन करने और बसने में अक्षम है या यह कि प्रस्तावित दत्तक ग्रहण असफल रहने की संभावना है या उसके स्वास्थ्य, कल्याण या हित को नुकसान पहुंच सकता है, तो जिस एएफएए ने प्राप्त करने वाले राज्य में बच्चे के दत्तक ग्रहण पर कार्रवाई की है, वह तत्काल संरक्षकों से बच्चे को वापस लाएगा और बच्चे को अपनी अभिरक्षा या देखरेख या बाल संरक्षण विभाग या प्राप्त करने वाले राज्य के प्राधिकारी की देखरेख में रखेगा।
- (3) यदि एएफएए संरक्षकों या दत्तक ग्रहण करने वाले माता — पिता से बच्चे को वापस लाता है तो यह तत्काल भारतीय राजदूतावास मिशन, कारा और संबंधित आरआईपीए को बच्चे की स्थिति और संरक्षकों या दत्तक ग्रहण करने वाले माता — पिता के कानूनी दायित्व के विषय में विस्तृत जानकारी सहित अधिसूचित करेगा।
- (4) उप पैराग्राफ (3) में एएफएए द्वारा ऐसा होने पर इस प्रकार कार्य किया जाएगा :
- (i) बच्चे को वैकल्पिक पारिवारिक देखरेख में रखा जाएगा ;
 - (ii) यह दत्तक ग्रहण किए गए बच्चे के संरक्षण से संरक्षकों को अभ्यर्पण या त्याग के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र या अपनी स्वीकृति नहीं देगा और न ही संरक्षकों द्वारा भारत के न्यायालय में आवेदन दिया जा सकेगा जिसने संरक्षण प्रदान किया है ;
 - (iii) यह भारत के उस न्यायालय के पुनः निर्देश हेतु संरक्षकों से बच्चे को वापस लाने की तिथि के चार माह के अंदर एक आवेदन देगा जिसने संरक्षकों द्वारा आवेदन जमा करने के बाद संरक्षण प्रदान किया है।
- (5) उप पैराग्राफ (4) में उल्लिखित संपूर्ण प्रक्रिया के दौरान एएफएए द्वारा प्रकरण के विकास पर संबंधित आरआईपीए और कारा को नियमित जानकारी दी जाएगी।
- (6) कारा और आरआईपीए निरंतर इस पैराग्राफ के तहत प्रत्येक प्रकरण की निगरानी भारत के सक्षम न्यायालय द्वारा नए आदेश पारित होने तक करेंगे।

- (7) बच्चे की आयु और परिपक्वता के स्तर के विषय में जानकारी के लिए उससे परामर्श लिया जाएगा और जहां उपयुक्त हो, इस अध्याय के तहत किए जाने वाले उपायों के संबंध में उसकी स्वीकृति प्राप्त की जाएगी।
- (8) जहां तक संभव हो भाई — बहनों को तब तक अलग नहीं किया जाएगा जब तक यह उनके सर्वोत्तम हित में न हो।
51. संरक्षण और प्रतिपालित अधिनियम, 1980 के तहत प्रक्रियान्वित किए जाने वाले प्रकरणों में देश वापसी, जहां दत्तक ग्रहण को अभी अंतिम रूप दिया जाना — (1) एक बच्चे के संरक्षण में रुकावट होने पर एएफए से रिपोर्ट और सूचना प्राप्त होने पर कारा द्वारा परिस्थितियों पर निर्भर करते हुए बच्चे को भारत वापस लाने के आदेश दिए जाएंगे।
- (2) यदि कारा निर्णय लेता है कि एक बच्चा जिसका संरक्षण असफल रहा है और उसे भारत वापस लाया जाना है तो आरआईपीए द्वारा संरक्षण वापस लेने और देश वापसी के आदेश देने हेतु के लिए सक्षम भारतीय न्यायालय के समक्ष एक याचिका दायर की जाएगी और भारतीय सक्षम न्यायालय द्वारा बच्चे की देश वापसी का आदेश पारित होने पर एएफए उस बच्चे को उसके भाई बहनों के साथ या उनके बिना, भारत वापसी की लागत और दायित्व वहन करेगा।
- (3) भेजने और प्राप्त करने वाले देश की कानूनी औपचारिकताएं बच्चे को देश में वापस लाने से पहले एएफए द्वारा पूरी की जाएंगी।
- (4) संबंधित एएफए द्वारा बच्चों को भारत वापस लाने से पहले 5000 अमेरिकी डॉलर (एक बार) का योगदान दिया जाएगा जिसे सार्वजनिक क्षेत्र के एक बैंक में जमा किया जाएगा और राज्य सरकार या एसएआरए इस जमा राशि से संबंधित दस्तावेजों की अभिरक्षक होगी।
- (5) यह राशि उस बच्चे के वयस्क हो जाने पर उसे उपलब्ध कराई जाएगी।
- (6) देश वापसी की सूचना मिलने पर कारा शीघ्रतापूर्वक कार्रवाई करेगा और भारतीय एजेंसी, संबंधित राज्य सरकार (या राज्य दत्तक ग्रहण संसाधन एजेंसी, जिसका जब और जैसे गठन किया गया) और अन्य किसी संस्थान या प्राधिकरण से बच्चे की देखरेख और पुनर्वास के प्रयोजन हेतु संपर्क किया जाएगा।
- (7) संबंधित राज्य सरकार और भारतीय नियोजन एजेंसी जिसने मामले पर कार्रवाई की थी, कारा को पुनर्वास योजना का सुझाव दिया जाएगा, जिसे निम्नलिखित सहित बच्चे की वैयक्तिक देखरेख योजना के रूप में अंतिम रूप दिया जाएगा :
- (i) मार्गदर्शन, परामर्श, चिकित्सा और देखरेख सुविधाओं, शिक्षा, निवास, पुनर्वास और यदि अनिवार्य हो तो व्यावसायिक सेवाओं के संदर्भ में सहायता ;
 - (ii) रहने का स्थान ;
 - (iii) बच्चे की सुरक्षा और निरापदता की जरूरतें ;
 - (iv) पर्यवेक्षण और आवधिक रिपोर्ट

(v) गैर संस्थागत देखरेख में पुनर्वास की संभाव्यता और यदि आवश्यक हो तो बाद की देखरेख।

- (8) आरआईपीए और राज्य सरकार की सहायता से कारा द्वारा बच्चे के पुनर्वास की विधियां ज्ञात की जाएगी।
- (9) जहां तक बच्चे के पुनर्वास का संबंध है, बच्चे को देखरेख और संरक्षण की जरूरत वाला बच्चा माना जाएगा और उसे समेकित बाल संरक्षण योजना (आईसीपीएस) के तहत दी जाने वाली सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी एवं किसी विशेष आरआईपीए को इस प्रकरण के पर्यवेक्षण का कार्य सौंपा जाएगा तथा इसकी आवधिक रिपोर्ट राज्य सरकार या एसएआरए या कारा को दी जाएगी।

टिप्पणी : अंतिम रूप से किए गए दत्तक ग्रहण में रुकावट होने पर चूंकि बच्चा प्राप्त करने वाले देश का नागरिक बन चुका है अतः बच्चे को उस देश की बाल संरक्षण सेवाओं के माध्यम से तदनुसार देखरेख और पुनर्वास प्रदान किया जाएगा।

- 52. अपने मूल की खोज —** (1) बच्चे को अपने जैविक माता — पिता के बारे में जानने के अधिकार से उसे अपने मूल (जन्म) के बारे में सूचना पाने का अधिकार है जैसा कि संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार अभिसमय के अनुच्छेद 7 (1) में दिया गया है।
- (2) अतः दत्तक ग्रहण एजेंसियां दत्तक ग्रहण किए गए बच्चे द्वारा अपनी पिछली जानकारी पाने की इच्छा होने पर उसे अपने जन्म के विषय में खोज करने की सुविधा प्रदान की जाएगी, परन्तु ऐसा करने में बच्चे की आयु और परिपक्वता को विचार में लिया जाएगा।
- (3) बच्चे के अधिकारों को उसके जन्म देने वाले माता — पिता के अधिकारों के साथ संतुलित रखा जाए और उनकी पहचान बच्चे पर प्रकट न की जाए।
- (4) दत्तक ग्रहण किए गए बच्चे के अधिकार से उसके जैविक माता — पिता के निजता के अधिकार का उल्लंघन नहीं होना चाहिए।
- (5) यदि बच्चे के अभ्यर्पण के समय उसके जैविक माता — पिता लिखित रूप से इस बात की इच्छा व्यक्त करते हैं कि उन्हें बच्चे के बड़े हो जाने के बाद उससे संपर्क कराया जाए तो माता — पिता की पहचान और पते सहित सभी जानकारियां बच्चे पर प्रकट की जाएं, किन्तु यदि जैविक माता — पिताने विशिष्ट रूप से अपनी गोपनीयता रखने का अनुरोध किया है तो केवल उन कारणों और परिस्थितियों से इन्हें प्रकट किया जा सकता है जिनके अभ्यर्पण पर प्रभाव हो सकते हैं।
- (6) यदि कोई ऐसी परिस्थितियां हैं जहां जैविक माता — पिताने अभ्यर्पण की प्रक्रिया के दौरान बच्चे के साथ कुछ वस्तुएं आदि छोड़ी हैं और उक्त वस्तुएं संभव सीमा तक एजेंसी द्वारा संरक्षित की जाएं और जब बच्चा अपने मूल की खोज करता है तो उन्हें सौंप दिया जाए।

- (7) यदि तृतीय पक्ष द्वारा मूल की खोज की अनुमति नहीं दी जाती है और संबंधित एजेंसियां या प्राधिकरण जैविक माता - पिता, दत्तक ग्रहण करने वाले माता - पिता या दत्तक ग्रहण किए गए बच्चे के संदर्भ में कोई जानकारी सार्वजनिक नहीं करेंगी।

अध्याय - V

मान्यता और प्राधिकार

53. **विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी (एसएए) -** (1) बाल देखरेख के सभी संस्थान (सीसीआई) राज्य सरकार द्वारा पंजीकृत किए जाएंगे जैसा कि अधिनियम की धारा 34 की उप धारा (3) के तहत आवश्यक है।
- (2) राज्य सरकार द्वारा उपयुक्त बाल देखरेख संस्थानों को विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी के रूप में धारा 41 की उप धारा (4) के तहत मान्यता दी जाएगी।
- (3) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा संबंधित राज्य सरकार विभाग या राज्य दत्तक ग्रहण संसाधन एजेंसी (एसएआरए) के समग्र पर्यवेक्षण में कार्य किया जाएगा, जैसा भी मामला हो।
54. **विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी के रूप में मान्यता हेतु मानदण्ड -** (1) राज्य सरकार द्वारा किसी गैर सरकारी संगठन या सरकार द्वारा स्वयं चलाए जाने वाले कम से कम एक उपयुक्त बाल देखरेख संस्थान को दत्तक ग्रहण में बच्चों के नियोजन हेतु प्रत्येक जिले में विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी के रूप में मान्यता दी जाएगी और इन मार्गदर्शी सिद्धांतों में बताई गई शर्तों के अधीन उक्त दत्तक ग्रहण एजेंसियों की मान्यता का आवधिक नवीकरण किया जाएगा।
- (2) राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त प्रत्येक बाल देखरेख संस्थान विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी के रूप में इस प्रकार होगा -
- (i) अधिनियम की धारा 34 की उप धारा (3) के तहत पंजीकृत होना चाहिए ;
 - (ii) प्राथमिक रूप से गैर लाभकारी कार्यकलापों में संलग्न होना चाहिए ;
 - (iii) संस्था पंजीकरण अधिनियम, 1860 (1860 का 21), भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 (1882 का 2) या वर्तमान समय में प्रचलित अन्य कोई संगत कानून के तहत पंजीकृत होना चाहिए ;
 - (iv) एक विधिवत गठित कार्यकारिणी समिति और संगठन का मुख्य कार्यपालक होना चाहिए तथा कार्यकारिणी समिति के अधिकांश सदस्य भारत के नागरिक होने चाहिए ;
 - (v) न्यूनतम 3 वर्ष की अवधि के लिए बाल संरक्षण और कल्याण कार्यकलापों में संलग्न होना चाहिए ;
 - (vi) अनुसूची-XV में दी गई व्यावसायिक कर्मचारियों की पर्याप्त संख्या सहित बाल देखरेख सुविधाओं के उच्च स्तर होने चाहिए ;
 - (vii) सशक्त वित्तीय पृष्ठभूमि होनी चाहिए ;
 - (viii) दक्ष और प्रभावी रूप से कर्तव्य पालन के लिए कम्प्यूटर, इंटरनेट कनेक्शन, पर्याप्त प्रशासनिक समर्थन, कार्यालय उपकरण और मूल संरचना होनी चाहिए, और
 - (ix) किसी कुप्रथा को न अपनाया गया हो।

- (3) कोई भी बाल देखरेख संस्थान जहां अनाथ, बेसहारा और अभ्यर्पित बच्चे रहते हैं वह राज्य सरकार द्वारा विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी के रूप में मान्यता प्राप्त करने का आवेदन कर सकता है।
- (4) राज्य की मान्यता के प्रयोजन का आवेदन बाल देखरेख संस्थानों द्वारा राज्य सरकार के पास निम्नलिखित दस्तावेजों के साथ आवेदन जमा किया जाए :
- (i) संस्था पंजीकरण अधिनियम, 1860, भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 या वर्तमान समय में प्रचलित अन्य कोई संगत कानून के तहत पंजीकरण प्रमाणपत्र की एक प्रति ;
 - (ii) बहिर्नियमावली या उप नियमों की एक प्रति ;
 - (iii) प्रबंधन समिति या कार्यकारिणी समिति या बोर्ड के सदस्यों की सूची ;
 - (iv) इसके नियमों और विनियमों की एक प्रति ;
 - (v) बाल देखरेख संस्थान के रूप में पंजीकरण प्रमाणपत्र की एक प्रति ;
 - (vi) पिछले तीन वर्षों के लिए लेखा परीक्षित लेखा सहित वार्षिक प्रतिवेदन ;
 - (vii) व्यावसायिक और बाल देखरेख कर्मचारियों की सूची ;
 - (viii) संस्थान में रहने वाले बच्चों की सूची ;
 - (ix) अनाथ या बेसहारा या अभ्यर्पित बच्चों को दत्तक ग्रहण में नियोजित करने के लिए निर्णय के समर्थन में एजेंसी द्वारा संकल्प ;
 - (x) प्रभावी संगत नियमों और दत्तक ग्रहण मार्गदर्शी सिद्धांतों का पालन करने का वचन ;
 - (xi) कारा के ऑनलाइन पोर्टल पर आंकड़ों का नियमित रूप से अद्यतन करने का वचन ;
 - (xii) यह वचन कि एजेंसी के विरुद्ध कुप्रथा अपनाने का कोई दृष्टांत नहीं है।
- (5) राज्य सरकार द्वारा उक्त संस्थान को अनिवार्य पूछताछ और निरीक्षण के बाद विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी के रूप में अनुमोदित किया जाएगा।
- (6) यदि उक्त संस्थान संस्थागत देखरेख में संलग्न नहीं है किन्तु इसके पास अपने पैनल में शिशुओं और छोटे बच्चों को गुणवत्तापूर्ण गैर संस्थागत देखरेख प्रशिक्षित पालक देखरेख दाताओं के माध्यम से सुनिश्चित करने के लिए क्षमता और विशेषज्ञता है (जिन्हें अधिनियम के तहत अधिसूचित नियमों में बताए गए मानदण्डों के अनुसार चुना गया है), राज्य सरकार द्वारा उप पैरा (5) में संदर्भित विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी के रूप में भी उक्त संस्थान को अनुमोदन दिया जा सकता है।
- (7) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी या तो मान्यता देने के समय अथवा यदि पहले से मान्यता प्राप्त है तो इन संशोधित मार्गदर्शी सिद्धांतों के प्रभावी होने पर एसएआरए या संबंधित राज्य सरकार को इन मार्गदर्शी सिद्धांतों में बताई गई आवश्यकताओं और बाध्यताओं का पालन करने के लिए एक लिखित वचन देगी।

55. **विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी की मान्यता के नवीकरण हेतु प्रक्रिया और मानदण्ड** – (1) कोई भी मान्यता स्थायी आधार पर नहीं दी जाएगी और विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी की मान्यता का नवीकरण इसके संतोषजनक निष्पादन पर निर्भर करेगा।
- (2) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी निम्नलिखित दस्तावेजों सहित मान्यता समाप्त होने से 6 माह पूर्व आवेदन करेगी –
- पिछले अंतिम वर्षों में दत्तक ग्रहण के आंकड़े ;
 - स्वदेशी दत्तक ग्रहण विवरणों में नियोजित बच्चों की संख्या और विवरण और इसके दत्तक ग्रहण पश्चात अनुवर्तन ;
 - वार्षिक प्रतिवेदन और लेखा के लेखा परीक्षित विवरण ;
 - जैविक माता पिता, संबंधियों या संरक्षकों के पास वापस भेजे गए बच्चों के विवरण और संख्या ;
 - पूर्व दत्तक ग्रहण पालक देखरेख और अस्थायी पालक देखरेख में नियोजित बच्चों के विवरण और अलग अलग संख्या ;
 - यह बताते हुए वचन कि क्या वे इन मार्गदर्शी सिद्धांतों और राज्य सरकार या कारा या एसएआरए द्वारा समय समय पर जारी निर्देशों का भी पालन करने के लिए सहमत हैं और एजेंसी के विरुद्ध कुप्रथा का कोई दृष्टांत नहीं है ;
 - यह वचन कि वे कारा के ऑनलाइन पोर्टल पर अपने आंकड़ों को नियमित रूप से अद्यतन करते हैं ; और
 - बाल देखरेख कॉर्पस की वर्षवार प्राप्ति और बाल देखरेख कॉर्पस के उपयोगिता प्रमाणपत्रों के विवरण।
56. **मान्यता की अवधि या मान्यता का नवीकरण** – (1) राज्य सरकार द्वारा एक विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी को 5 वर्ष की अवधि के लिए मान्यता दी जा सकती है।
- (2) राज्य सरकार द्वारा मान्यता देने के नवीकरण से पहले विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी के रूप में इसकी मान्यता पर विचार करने से पहले बाल देखरेख संस्थान (सीसीआई) का निरीक्षण किया जाएगा।
- (3) एक दत्तक ग्रहण एजेंसी की मान्यता या इसके नवीकरण का दावा अधिकार के रूप में नहीं किया जा सकता है और यह संतोषजनक निष्पादन दर्शाने और इन मार्गदर्शी सिद्धांतों के प्रावधानों के पालन के साथ समय समय पर राज्य प्राधिकरणों द्वारा जारी अनुदेशों के पालन पर निर्भर करेगा।
- (4) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी को मान्यता देने से पहले या इसकी मान्यता के नवीकरण से पहले एसएआरए या कारा या राज्य सरकार द्वारा विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी का निरीक्षण किया जाएगा किन्तु यदि विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी का वार्षिक निरीक्षण मान्यता के नवीकरण की

तिथि से 90 दिन पहले किया गया है तो मान्यता के नवीकरण के समय पुनः निरीक्षण की आवश्यकता नहीं होगी।

57. **एजेंसियों का निरीक्षण** — (1) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी के परिसर सहित वह स्थान या वे स्थान जहां बच्चे रहते हैं और इनके अभिलेख महिला और बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार, कारा, राज्य सरकार, एसएआरए, बाल कल्याण समिति और इनके द्वारा अधिकृत किसी अन्य एजेंसी या व्यक्ति द्वारा निरीक्षण के लिए खुले होंगे।
- (2) राज्य सरकार और एसएआरए द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी का वार्षिक निरीक्षण आयोजित किया जाएगा कि यह दक्षता पूर्वक और इन मार्गदर्शी सिद्धांतों में बताए गए मानकों के अनुसार निष्पादन कर रहा है।
- (3) उप पैराग्राफ (2) में संदर्भित उक्त निरीक्षणों के दौरान निरीक्षणकर्ता प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित मामले या दस्तावेजों का सत्यापन और जांच भी की जाएगी —
- (i) कि यह एजेंसी अपनी भूमिका और कार्यों का निर्वहन इन मार्गदर्शी सिद्धांतों के तहत बताए गए रूप में कर रही है ;
 - (ii) कि दत्तक ग्रहण या गैर संस्थागत देखरेख, जैसा भी मामला हो, संगठन द्वारा बच्चों के हित में किया जाने वाला कल्याण उपाय के रूप में किया जाने वाला कार्य है और यह एक वाणिज्यिक कार्य नहीं है ;
 - (iii) दत्तक ग्रहण (बच्चे के दाखिले से आरंभ करते हुए कानूनी दत्तक ग्रहण आदेश) से संबंधित अभिलेख और संबंधित रजिस्टर ;
 - (iv) योगदानों सहित वित्तीय अभिलेख और बाल देखरेख कॉर्पस की उपयोगिता ;
 - (v) क्या बच्चों को स्वदेशी दत्तक ग्रहण में नियोजित करने के लिए विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा शीघ्रतापूर्वक और पर्याप्त प्रयास किए गए हैं ;
 - (vi) स्वदेशी दत्तक ग्रहण में वास्तविक रूप से नियोजित बच्चों की कुल संख्या और विवरण, यदि कोई हों ;
 - (vii) क्या एजेंसी ने राज्य सरकार या एसएआरए के पास अपने वार्षिक प्रतिवेदन, लेखा के लेखा परीक्षित विवरण और एसएआरए या राज्य सरकार और कारा के पास मासिक दत्तक ग्रहण के आंकड़े नियमित रूप से और निर्धारित समय के अंदर जमा किए हैं ;

- (viii) क्या विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी कारा द्वारा समय समय पर निर्धारित रूप से ऑनलाइन आंकड़ों को नियमित अद्यतन करती है ;
- (ix) क्या विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा इन मार्गदर्शी सिद्धांतों में निर्धारित रूप में संस्थान के अंदर गुणवत्तापूर्ण बालदेखरेख सुविधाओं तथा अनुसूची-XV में निर्दिष्ट बाल देखरेख के न्यूनतम मानकों का अनुरक्षण और प्रदायगी की जाती है ;
- (x) क्या विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी के विरुद्ध कुप्रथा का कोई दृष्टांत है।

58. एजेंसियों द्वारा लेखा का रखरखाव किया जाना— (1) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा बाल देखरेख कॉर्पस की उपयोगिता सहित उचित रूप से लेखा का रखरखाव किया जाएगा जिसे प्रति वर्ष सनदी लेखाकार द्वारा लेखा परीक्षित किया जाएगा।

- (2) संगठन के लेखा परीक्षित लेखा की सत्यापित प्रति के साथ इसकी लेखा परीक्षण रिपोर्ट और वार्षिक प्रतिवेदन की एक प्रति प्रत्येक एजेंसी द्वारा वित्तीय वर्ष समापन की तिथि के 6 माह पूर्व एसएआरए या राज्य सरकार के पास जमा कराई जाएगी, जैसा भी मामला हो।
- (3) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा अनुसूची-XVI में निर्दिष्ट मानकों के अनुसार बाल देखरेख कॉर्पस में उपलब्ध निधि का उपयोग किया जाएगा।

59. विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी की मान्यता रद्द करना या मान्यता का निलंबन — (1) राज्य सरकार द्वारा स्वतः संज्ञान लेकर या कारा या एसएआरए की सिफारिश पर या तो विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी की मान्यता निलंबित कर दी जाएगी या प्रदान की गई मान्यता का प्रतिसंहरण किया जाएगा।

(2) एक विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी की मान्यता निम्नलिखित में से एक या अधिक आधारों पर निलंबित की जा सकती है —

- (i) इन मार्गदर्शी सिद्धांतों के प्रावधानों का कोई उल्लंघन ;
- (ii) कारा, एसएआरए या राज्य सरकार द्वारा समय समय पर जारी अनुदेशों का पालन नहीं करना ;
- (iii) एसएआरए या एसीए, राज्य सरकार या कारा को झूठी सूचना या जाली दस्तावेज प्रस्तुत करना ;
- (iv) कारा द्वारा निर्धारित ऑनलाइन आंकड़े अद्यतन करने में असफल रहना या कारा के ऑनलाइन दत्तक ग्रहण पोर्टल पर झूठी सूचना प्रस्तुत करना या लगाना ;
- (v) इन मार्गदर्शी सिद्धांतों के तहत निर्धारित रिपोर्ट या आंकड़े समय पर जमा करने में असफल रहना ;
- (vi) बाल देखरेख गुणवत्ता और मूल संरचना पर निरीक्षण दल की प्रतिकूल प्राप्तियां ;

- (vii) यदि व्यावसायिक सामाजिक कार्यकर्ता और योग्य बाल देखरेख कर्मचारियों की नियुक्ति नहीं की गई है ;
- (viii) वित्तीय अनियमितताएं या कुप्रथाएं ;
- (ix) किसी दान की प्राप्ति, संभावित दत्तक ग्रहण करने वाले या दत्तक ग्रहण करने वाले माता – पितासे चाहे वस्तु या नकद रूप में ;
- (x) अनैतिक प्रथाएं, जिसमें अकेले रहने वाली माता या जैविक अभिभावकों को अपने बच्चे के त्याग के लिए प्रेरित करना या अनैतिक स्रोत से बच्चे प्राप्त करना ;
- (xi) दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता – पिता को बच्चे के विषय में या दत्तक ग्रहण संबंधी किसी प्रक्रिया के बारे में अपूर्ण या झूठी सूचना देना ;
- (xii) जैविक माता या अभिभावकों या दत्तक ग्रहण किए जाने वाले बच्चे के विषय में गोपनीयता के सिद्धांत का उल्लंघन करते हुए सार्वजनिक रूप से सूचना प्रकट करना, और
- (xiii) निधि की उपयोगिता के लिए जारी मार्गदर्शी सिद्धांतों के उल्लंघन में बाल देखरेख कॉर्पस का दुरुपयोग।

- (3) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी की मान्यता निलंबित होने के बाद राज्य सरकार और एसएआरए द्वारा अधिकतम 6 माह की अवधि के अंदर अनिवार्य पूछताछ आयोजित की जाएगी, और यदि आरोप सिद्ध हो जाते हैं तो राज्य सरकार द्वारा विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी की मान्यता का प्रतिसंहरण किया जाएगा।

बशर्ते कि मान्यता के निलंबन या प्रतिसंहरण का कोई आदेश विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी को अपनी ओर से व्याख्या देने का पर्याप्त अवसर दिए बिना पारित नहीं किया जाएगा।

- (4) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी की मान्यता के प्रतिसंहरण के मामले में राज्य सरकार द्वारा 30 दिनों के अंदर बच्चों को उस गृह में पुनर्वास की एक वैकल्पिक योजना तैयार की जाएगी, जिसमें इन्हें किसी अन्य विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी में भेजना शामिल होगा।
- (5) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी की मान्यता निलंबित होने या प्रतिसंहरण की घटना में वे मामले जहां दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता – पिता द्वारा रेफरल स्वीकार किए गए हैं, उन्हें अंतिम रूप से दत्तक ग्रहण के लिए आगे बढ़ने की अनुमति दी जाएगी, बशर्ते कि इन मार्गदर्शी सिद्धांतों के अन्य अनुबंध पूरे किए गए हैं।
- (6) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी की मान्यता का प्रतिसंहरण एक बार हो जाने के बाद गंभीर आरोपों या कुप्रथाओं के कारण हो जाने पर एजेंसी को पुनः कार्य करने की अनुमति नहीं होगी यदि इसके प्रबंधन में कोई बदलाव भी किया जाता है।

60. समेकित बाल संरक्षण योजना (आईसीपीएस) के तहत अनुदानों की पात्रता – (1) प्रत्येक विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी धारा 41 की उप धारा (4) के तहत मान्यता पाने के बाद समेकित

बाल संरक्षण योजना के तहत दिए जाने वाले सहायता अनुदान हेतु आवेदन करने की पात्र होगी।

- (2) यदि विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी ऑनलाइन या मैनुअल रूप से कोई भी अनुबंधित रिपोर्ट और आंकड़े इन मार्गदर्शी सिद्धांतों में बताए गए आवधिक रूप से राज्य सरकार, एसएआरए, कारा, जैसा भी मामला हो, समय पर जमा करने में असफल रहती है तो अगले आदेशों तक अनुदान जारी करने का आदेश रोक लिया जाएगा।
 - (3) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी को 6 माह की अवधि तक सहायता अनुदान जारी रहेगा, जिसके दौरान मामला राज्य सरकार द्वारा जांच के अधीन है।
 - (4) यह अनुदान मान्यता के प्रतिसंहरण होने पर तुरंत रोक दिया जाएगा और इसे मान्यता के निलंबन की तिथि से 6 माह से अधिक आगे नहीं बढ़ाया जाएगा।
61. **मान्यता प्राप्त भारतीय नियोजन एजेंसी (आरआईपीए) –** (1) आरआईपीए अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण में बच्चों के नियोजन हेतु कारा द्वारा विधिवत मान्यता प्राप्त एक एजेंसी होगी।
- (2) भारतीय बच्चों के अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण की इच्छुक कोई विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी संबंधित राज्य सरकार के माध्यम से कारा की मान्यता हेतु आवेदन करेगी।
62. **मान्यता प्राप्त भारतीय नियोजन एजेंसी के रूप में मान्यता हेतु मानदण्ड –** (1) कारा द्वारा आरआईपीए के रूप में मान्यता पाने हेतु एक विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी को निम्नलिखित शर्तें पूरी करनी होंगी –
- (i) इसके पास सरकार द्वारा धारा 41 की उप धारा (4) के तहत एक विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी के रूप में वैध मान्यता होनी चाहिए ;
 - (ii) इसकी सिफारिश संबंधित सरकार द्वारा की जानी चाहिए ;
 - (iii) एक विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी के रूप में इसका निष्पादन संतोषजनक होना चाहिए और किसी एजेंसी या इसके किसी कार्यकारी सदस्य द्वारा कुप्रथा का कोई दृष्टांत नहीं होना चाहिए और
 - (iv) निरीक्षण दल द्वारा आरआईपीए के रूप में इसकी सिफारिश के तत्काल बाद विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी के पिछले निरीक्षण में कोई प्रतिकूल प्राप्ति नहीं दी गई हो।
- (2) आरआईपीए के रूप में मान्यता पाने हेतु कारा में आवेदन करते समय एजेंसी द्वारा निम्नलिखित दस्तावेज जमा किए जाएंगे।

- (i) पिछले 5 वर्षों के लिए दत्तक ग्रहण के आंकड़े ;
 - (ii) पिछले 3 वर्षों के वार्षिक प्रतिवेदन और लेखा के लेखा परीक्षित विवरण ;
 - (iii) यह वचन कि वे इन मार्गदर्शी सिद्धांतों के प्रावधानों और कारा, राज्य सरकार और एसएआरए द्वारा समय समय पर जारी अनुदेशों का पालन करने के लिए सहमत हैं ;
 - (iv) यह वचन कि एजेंसी के विरुद्ध कुप्रथा का कोई दृष्टांत नहीं है, और
 - (v) यह वचन कि कारा के ऑनलाइन पोर्टल पर वे आंकड़ों का नियमित अद्यतन करते हैं।
- (3) आरआईपीए द्वारा मान्यता देने के समय या यदि वे पहले से मान्यताप्राप्त हैं तो इन मार्गदर्शी सिद्धांतों के आरंभ होने पर कारा के पास इन मार्गदर्शी सिद्धांतों में दी गई आवश्यकताओं और बाध्यताओं का पालन करने हेतु एक लिखित वचन प्रस्तुत करेंगे।
- (4) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी का निरीक्षण कारा द्वारा या तो स्वतंत्र रूप से या एसएआरए और राज्य सरकार के साथ संयुक्त रूप से किया जाएगा ताकि आरआईपीए के रूप में मान्यता प्रदान करने से पहले अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण कार्य हेतु एजेंसी की क्षमता का सुनिश्चय किया जा सके।
- 63. मान्यता की अवधि** — (1) एक बार कारा द्वारा विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी को राज्य सरकार की सिफारिश पर आरआईपीए के रूप में मान्यता मिल जाने पर यह एक आरआईपीए के रूप में अब तक कार्य जारी रख सकती है जब तक इस मान्यता को कारा द्वारा पैरा 66 में बताए गए आधारों पर निलंबित या प्रतिसंहरित न किया जाए।
- (2) एक दत्तक ग्रहण एजेंसी की मान्यता इसका नवीकरण कराने का दावा एक अधिकार के विषय के रूप में नहीं किया जाएगा और यह एजेंसी द्वारा संतोषजनक निष्पादन और इन मार्गदर्शी सिद्धांतों के प्रावधानों तथा सरकारी प्राधिकरणों द्वारा समय समय पर जारी अनुदेशों का पालन करने पर निर्भर होगा।
- 64. आरआईपीए का निरीक्षण** — (1) आरआईपीए का वार्षिक निरीक्षण राज्य सरकार और एसएआरए द्वारा किया जाएगा।
- (2) कारा द्वारा किसी भी दिए गए समय पर या तो स्वतंत्र रूप से या राज्य सरकार और एसएआरए के साथ संयुक्त रूप से आरआईपीए का निरीक्षण भी किया जा सकता है।

- (3) कारा द्वारा आरआईपीए के रूप में मान्यता देने से पहले विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा या तो स्वतंत्र रूप से या राज्य सरकार और एसएआरए के साथ संयुक्त रूप से इस का निरीक्षण भी किया जा सकता है।
- (4) आरआईपीए का निरीक्षण भी विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसियों के निरीक्षण के समान आयोजित किया जाएगा।
- (5) निरीक्षण दल निम्नलिखित मुद्दों की अतिरिक्त जांच करेगा —
 - (i) वार्षिक आधार पर स्वदेशी दत्तक ग्रहण के साथ अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण का अनुपात 80 : 20 का पालन किया जाता है ;
 - (ii) अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण के लिए अनुबंधित रूप में दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता की पात्रता इन मार्गदर्शी सिद्धांतों के तहत बनाए रखी जाती है ;
 - (iii) कि आरआईपीए इन मार्गदर्शी सिद्धांतों के प्रावधानों का पालन करता है, और
 - (iv) कि आरआईपीए द्वारा एफएसीआरए अनुबंधों के अनुसार विदेशी प्रेषणों का उचित लेखा रेखा जाता है।

65. **आरआईपीए द्वारा अनुरक्षित लेखा** — (1) आरआईपीए द्वारा बाल देखरेख कॉर्पस की उपयोगिता सहित उचित लेखा का रखरखाव किया जाएगा जिसका लेखा परीक्षण प्रतिवर्ष सनदी लेखाकार द्वारा किया जाए।

- (2) संगठन के लेखा परीक्षित लेखा की सत्यापित प्रति के साथ इसकी लेखा परीक्षण रिपोर्ट, वार्षिक प्रतिवेदन की एक प्रति और एफसीआरए विवरण प्रत्येक एजेंसी द्वारा कारा और एसएआरए या राज्य सरकार के संबंधित विभाग में वित्तीय वर्ष समापन की तिथि से 6 माह के अंदर जमा किया जाएगा।
- (3) आरआईपीए के लेखा विवरण और वार्षिक प्रतिवेदन आरआईपीए की वेबसाइट पर भी डाले जाएंगे।
- (4) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा **अनुसूची—XVI** में दिए गए मानकों के अनुसार बाल देखरेख कॉर्पस में उपलब्ध निधियों का उपयोग किया जाएगा।

66. **मान्यता रद्द करना** — (1) कारा द्वारा स्वतः संज्ञान लेकर या राज्य सरकार या एसएआरए की सिफारिश पर या तो विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसियों की मान्यता रद्द करने के विषय में पैरा 59 में बताए गए समान आधारों पर एक आरआईपीए की मान्यता निलंबित की जा सकती है या उसका प्रतिसंहरण किया जा सकता है।

(2) इसके अतिरिक्त आरआईपीए की मान्यता निम्नलिखित कारणों से भी निलंबित की जा सकती है -

- (i) स्वदेशी और अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण में 80:20 का अनुबंधित अनुपात का पालन करने में असफल रहना ; या
- (ii) इन मार्गदर्शी सिद्धांतों के पैरा 8 में अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण के लिए अनुबंधित दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता की प्राथमिकता का पालन करने में असफल रहना ; या
- (iii) कारा द्वारा, अधिकृत किसी विदेशी दत्तक ग्रहण एजेंसी और संभावित विदेशी दत्तक ग्रहण अभिभावकों से वस्तु या नकद के रूप में कोई दान या अनुदान प्राप्त करना।

(3) मान्यता निलंबित होने के बाद राज्य सरकार या एसएआरए की सहायता से कारा द्वारा अधिकतम 6 माह की अवधि के अंदर अनिवार्य पूछताछ आयोजित की जाएगी, और यदि आरोप सिद्ध हो जाते हैं तो आरआईपीए की मान्यता का प्रतिसंहरण किया जाएगा।

बशर्ते कि मान्यता के निलंबन या प्रतिसंहरण का कोई आदेश आरआईपीए को अपनी ओर से व्याख्या देने का पर्याप्त अवसर दिए बिना पारित नहीं किया जाएगा।

(4) आरआईपीए की मान्यता के प्रतिसंहरण के मामले में राज्य सरकार द्वारा 30 दिनों के अंदर बच्चों को उस गृह में पुनर्वास की एक वैकल्पिक योजना तैयार की जाएगी, जिसमें कारा के परामर्श सहित इन्हें किसी अन्य एजेंसी में भेजना शामिल होगा।

(5) आरआईपीए की मान्यता निलंबित होने या प्रतिसंहरण की घटना में वे मामले जहां दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता द्वारा रेफरल स्वीकार किए गए हैं, उन्हें अंतिम रूप से दत्तक ग्रहण के लिए आगे बढ़ने की अनुमति दी जाएगी, बशर्ते कि इन मार्गदर्शी सिद्धांतों के अन्य अनुबंध पूरे किए गए हैं, परन्तु कारा को विशेष परिस्थितियों के मामले में उक्त मामलों को आगे बढ़ने की अनुमति न देने का अधिकार है।

67. प्रत्यायन - (1) कारा द्वारा नियोजन एजेंसियों (आरआईपीए) के लिए मानकों का एक सैट या आदर्श प्रत्यायन मानदण्डों का विकास किया जाएगा जैसी संकल्पना किशोर न्याय आदर्श नियमों और अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण पर हेग अभिसमय में की गई है।

(2) ऐसे समय तक एक अंतरिम उपाय के रूप में आरआईपीए को अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण में भारतीय बच्चों के नियोजन के लिए प्रत्यायित एजेंसियां माना जाएगा।

68. **समेकित बाल संरक्षण स्कीम के तहत अनुदानों की पात्रता** — (1) प्रत्येक आरआईपीए धारा 41 की उप धारा (4) के तहत मान्यता पाने के बाद समेकित बाल संरक्षण योजना के तहत दिए जाने वाले सहायता अनुदान हेतु आवेदन करने की पात्र होगी।
- (2) यदि आरआईपीए ऑनलाइन या मैनुअल रूप से कोई भी अनुबंधित रिपोर्ट और आंकड़े इन मार्गदर्शी सिद्धांतों में बताए गए आवधिक रूप से राज्य सरकार, एसएआरए, कारा, जैसा भी मामला हो, समय पर जमा करने में असफल रहती है तो अगले आदेशों तक अनुदान जारी करने का आदेश रोक लिया जाएगा।
- (3) आरआईपीए को 6 माह की अवधि तक सहायता अनुदान जारी रहेगा, जिसके दौरान मामला राज्य सरकार द्वारा जांच के अधीन है।
- (4) यह अनुदान मान्यता के प्रतिसंहरण होने पर तुरंत रोक दिया जाएगा और इसे मान्यता के निलंबन की तिथि से 6 माह से अधिक आगे नहीं बढ़ाया जाएगा।
69. **दत्तक ग्रहण समन्वय एजेंसी (एसीए)** — (1) इन मार्गदर्शी सिद्धांतों के आरंभ होने की तिथि पर मौजूद एसीए अगले आदेशों तक अपना कार्य जारी रखेंगे।
- (2) इन मार्गदर्शी सिद्धांतों के आरंभ होने पर एसीए उप पैराग्राफ (1) में संदर्भित कारा को एक लिखित वचन देंगे कि वे इन मार्गदर्शी सिद्धांतों में नियत आवश्यकताओं और बाध्यताओं का पालन करेंगे।
70. **मान्यता रद्द करना** — (1) कारा द्वारा स्वतः संज्ञान लेकर या राज्य सरकार या एसएआरए की सिफारिश पर निम्नलिखित आधारों में से किसी एक या अधिक के आधार पर एसीए की मान्यता का प्रतिसंहरण किया जा सकता है :
- (i) इन मार्गदर्शी सिद्धांतों के प्रावधानों का पालन नहीं होना और अनुबंधित कार्यों का गैर निष्पादन ;
- (ii) कुप्रथा का कोई दृष्टांत या निरीक्षण दल या जांच अधिकारियों या राज्य सरकार या कारा द्वारा गठित दल की प्रतिकूल प्राप्ति ;
- (iii) कारा या राज्य सरकार के पास अनुबंधित रूप में रिपोर्ट जमा नहीं करना या जमा करने में विलंब।
- बशर्ते कि एजेंसी को अपनी ओर से व्याख्या प्रस्तुत करने का पर्याप्त अवसर दिए बिना प्रतिसंहरण का कोई आदेश पारित नहीं किया गया हो।
71. **अधिकृत विदेशी दत्तक ग्रहण एजेंसी (एएफएए)** — कारा द्वारा विदेशी दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता सहित एनआरआई, ओसीआई और पीआईओ के आवेदनों का प्रायोजन करने के लिए विदेशी दत्तक ग्रहण एजेंसियों को अधिकृत किया जाएगा जो साधारण तौर पर

विदेशों में निवास करते हैं। उक्त एजेंसियों को अधिकृत विदेशी दत्तक ग्रहण एजेंसी (एएफएए) कहा जाएगा।

72. प्राधिकृत विदेशी दत्तक ग्रहण एजेंसी के रूप में अधिकृत करने हेतु कारा में आवेदन करने वाली विदेशी एजेंसियां — (1) एक भारतीय बच्चे के दत्तक ग्रहण हेतु विदेशी संभावित माता — पिताके आवेदनों के प्रायोजन की इच्छुक एक विदेशी प्रत्यायित एजेंसी कारा में अपने केन्द्रीय प्राधिकरण या सक्षम प्राधिकारी के माध्यम से प्राधिकार हेतु आवेदन करेगी।

(2) उप पैराग्राफ (1) के तहत आवेदन संबंधित देश में भारतीय दूतावास मिशन के कार्यालय के माध्यम से कारा को अग्रेषित किया जाएगा।

73. विदेशी एजेंसियों के प्राधिकार हेतु मानदण्ड और प्रक्रिया — (1) कारा द्वारा अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण के प्रयोजन हेतु विदेशी एजेंसियों को अधिकृत बनाने के मानदण्ड निम्नानुसार होंगे :

(i) यह संबंधित देश के संगत कानूनों के तहत विधिवत पंजीकृत एक एजेंसी होगी और इसकी मान्यता भारत के साथ लाइसेंस या प्रमाणन से अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण की मध्यस्थता हेतु होनी चाहिए ;

(ii) इसे अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण पर हेग अभिसमय, 1993 के तहत सक्षम प्राधिकारी द्वारा विधिवत प्रत्यायित किया गया हो ;

(iii) यह बाल कल्याण एजेंसी होनी चाहिए जिसे गैर वाणिज्यिक और गैर लाभकारी आधार पर इस क्षेत्र में प्रतिष्ठा के साथ चलाया जाता हो और इसमें योग्यता प्राप्त सामाजिक कार्यकर्ता नियुक्त किए गए हों जिन्हें दत्तक ग्रहण के क्षेत्र में अनुभव है।

(2) एजेंसी द्वारा प्राधिकार प्रदत्त करने हेतु कारा के पास निम्नलिखित दस्तावेज जमा किए जाएंगे —

(i) अंतरराष्ट्रीय दत्तक ग्रहण के लिए संबंधित राज्य सरकारों द्वारा जारी ज्ञापन या उप नियम, पंजीकरण स्थिति की प्रतियां, नवीनतम लाइसेंस, बोर्ड या कार्यकारी सदस्यों की सूची, उन देशों की सूची जिनके साथ कार्य करते हैं, प्रत्यायन प्रमाणपत्र और पिछले दो वर्षों के वार्षिक प्रतिवेदन या वित्तीय विवरण ;

(ii) संगठन के प्रमुख या मुख्य कार्यपालक द्वारा हस्ताक्षरित एक वचन जिसमें कहा गया हो कि एजेंसी इन मार्गदर्शी सिद्धांतों के सभी प्रावधानों का पालन करेगी ;

(iii) एजेंसी द्वारा एक वचन, कि यह बच्चे या बच्चों के दत्तक ग्रहण में व्यवधान या देश वापसी के मामले में इन मार्गदर्शी सिद्धांतों में बनाए गए विशिष्ट प्रावधानों का पालन करेगी ;

- (iv) प्राधिकार प्रदान करने पर उनके देश के दत्तक ग्रहण कानून या दत्तक ग्रहण मार्गदर्शी सिद्धांतों या दत्तक ग्रहण नियमों की एक प्रति ;
 - (v) एजेंसी द्वारा एक वचन कि यह प्रतिवर्ष भारत से दत्तक ग्रहण में नियोजित बच्चों की स्थिति पर अप्रैल माह में कारा के पास एक वार्षिक प्रतिवेदन भेजेगी।
 - (vi) केन्द्रीय प्राधिकरण या सक्षम प्राधिकारी की सिफारिश सहित कर्मचारियों की एक सूची, और
 - (vii) भारतीय राज दूतावास के विदेशी मिशन की ओर से सिफारिशी पत्र।
- (3) एएफएए या तो प्राधिकार के समय अथवा यदि पहले से अधिकृत हैं तो इन संशोधित मार्गदर्शी सिद्धांतों के प्रभावी होने पर पुनः कारा के पास इन मार्गदर्शी सिद्धांतों में नियत आवश्यकताओं और बाध्यताओं का पालन करने का लिखित वचन प्रस्तुत करेगा।
74. **प्राधिकार की अवधि** — एक विदेशी एजेंसी को कारा द्वारा प्राधिकार दिए जाने पर यह तब तक जारी रहेगा जब तक एजेंसी को कारण बताओ नोटिस के जरिए उचित अवसर देने के बाद इसे प्रतिसंहरित न किया जाए, परन्तु कारा को समय समय पर एजेंसी के निष्पादन की समीक्षा का अधिकार होगा।
75. **प्राधिकार का प्रतिसंहरण** — (1) वे आधार जिन पर एएफएए का प्राधिकार प्रति संहित किया जा सकता है, निम्नानुसार हैं —
- (i) यदि एजेंसी इन मार्गदर्शी सिद्धांतों के प्रावधानों का उल्लंघन करती है या उनका पालन करने में असफल रहती है ;
 - (ii) यदि एजेंसी का लाइसेंस या मान्यता या प्रत्यायन निलंबित कर दिया जाता है या उस देश के उपयुक्त प्राधिकरण द्वारा इसका प्रतिसंहरण किया जाता है ;
 - (iii) यदि एजेंसी कारा द्वारा समय समय पर दिए गए अनुदेश के अनुसार दत्तक ग्रहण के बाद अनुवर्तन के विषय में ऑनलाइन आंकड़े उपलब्ध कराने में असफल रहती है ;
 - (iv) यदि एजेंसी मार्गदर्शी सिद्धांतों के तहत या कारा द्वारा समय समय पर दी गई किसी अन्य सूचना के तहत अनुबंधित रूप में वार्षिक प्रतिवेदन जमा करने में असफल रहती है ;
 - (v) यदि एजेंसी ने पिछले तीन वर्षों से भारत के साथ अपने दत्तक ग्रहण कार्यक्रम में कोई प्रगति नहीं दर्शाई है।

बशर्ते कि एजेंसी को अपनी ओर से व्याख्या प्रस्तुत करने का पर्याप्त अवसर दिए बिना प्राधिकार के प्रतिसंहरण का कोई आदेश पारित नहीं किया गया हो।

अध्याय – VI

प्राधिकरणों की भूमिका और कार्य

76. **केन्द्रीय प्राधिकरण** – (1) उन देशों के केन्द्रीय प्राधिकरण जिन्होंने अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण, 1993 के हेग अभिसमय की अभिपुष्टि की है, वे इस अभिसमय के प्रावधानों के अनुसार अपनी सभी बाध्यताओं के निर्वहन के लिए बाध्य हैं और वे निम्नलिखित कार्यों का निष्पादन भी करेंगे –
- (i) दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता – पिता के आवेदनों का प्रत्यक्ष आयोजन अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण के लिए भारतीय केन्द्रीय प्राधिकरण (अर्थात् कारा) को भेजना किन्तु इन्हें मार्गदर्शी सिद्धांतों में दी गई अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया को अपनाने की आवश्यकता होगी ;
 - (ii) दत्तक ग्रहण प्राप्त करने के विचार से सुविधा प्रदान करना, अनुवर्तन और कार्रवाईयों में शीघ्रता ;
 - (iii) कारा को प्रत्यक्ष रूप से या इसकी प्रत्यायित एजेंसी (एएफएए) के माध्यम से प्रत्येक बच्चे की तस्वीर सहित अनुवर्तन रिपोर्ट प्रथम वर्ष में तिमाही आधार पर और द्वितीय वर्ष में 6 माह के आधार पर भेजना, जैसा कि इन मार्गदर्शी सिद्धांतों में बताया गया है और यह अनुवर्तन प्राप्त करने वाले देश में बच्चे की नागरिकता ग्रहण करने के बाद दो वर्ष की अवधि तक जारी रहेगा ;
 - (iv) नागरिकता प्रमाणपत्र या न्यायालय के आदेश या दत्तक ग्रहण के आदेश की एक प्रति भेजना, जैसा भी मामला हो ;
 - (v) भारत से दत्तक ग्रहण के लिए भेजे गए बच्चों और उनके दत्तक ग्रहण करने वाले माता – पिताके मिलने जुलने की व्यवस्था करना ताकि उन्हें आपस में अनुभव बांटने का एक मंच मिल सके और वे भारत की संस्कृति से परिचित हो सकें और उक्त कार्यक्रमों का आयोजन सीए द्वारा अपनी ओर से या भारतीय दूतावास मिशन के सहयोग से किया जाए ;
 - (vi) सुनिश्चित किया जाए कि बच्चे को प्राप्त करने वाले देश या दत्तक ग्रहण करने वाले अभिभावकों में से किसी एक की राष्ट्रीयता स्वतः प्रदान की जाए, जिसमें दत्तक ग्रहण करने वाले माता – पिताकी ओर से किसी कार्रवाई पर आश्रित रहने की आवश्यकता न हो और जहां यह संभव नहीं है वहां बच्चे को उक्त राष्ट्रीयता दिलाना सुनिश्चित करने के लिए केन्द्रीय प्राधिकरण द्वारा अनिवार्य सहायता दी जानी चाहिए।

- (2) बच्चे की राष्ट्रीयता के विषय में नीति का मार्गदर्शन एक ऐसी स्थिति से बचने के अधिभावी महत्व द्वारा किया जाना चाहिए जिसमें दत्तक ग्रहण किया गया बच्चा राज्य विहीन नहीं हो।

77. **केन्द्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (कारा)** – कारा देश में दत्तक ग्रहण के मामलों में एक नोडल निकाय के रूप में कार्य करेगा और यह निम्नलिखित कार्यों का निर्वहन करेगा –

- (क) देश में गैर संस्थागत बाल देखरेख सेवाओं और उक्त सेवाओं का मानकीकरण, सुचारु बनाने और कार्यान्वयन करने के लिए एक संरचना का विकास करना ;
- (ख) एक ऐसे परिवेश का निर्माण जहां देश में प्रत्येक दत्तक ग्रहण योग्य बच्चे को एक उपयुक्त परिवार पाने का अवसर मिल सके ;
- (ग) भारतीय बच्चों के दत्तक ग्रहण के लिए नियमों और मार्गदर्शी सिद्धांतों का निर्माण और उनके उचित कार्यान्वयन को सुनिश्चित करना ;
- (घ) देश में किए गए दत्तक ग्रहण का नियमन और निगरानी तथा इनके एक डेटाबेस का रखरखाव ;
- (ङ) देश में दत्तक ग्रहण के मामलों पर एक नोडल निकाय के रूप में कार्य करना और निम्नलिखित से संबंधित एकसार मानकों और सूचकांकों की स्थापना –
 - (i) दत्तक ग्रहण प्रक्रिया ;
 - (ii) गुणवत्तापूर्ण बाल देखरेख मानक ;
 - (iii) निगरानी और पर्यवेक्षण ;
 - (iv) दस्तावेजों का मानकीकरण ;
 - (v) सुरक्षा और नैतिक प्रथाएं।
- (च) अनाथ, बेसहारा और अभ्यर्पित बच्चों तथा प्रतीक्षारत माता – पितापर केन्द्रीय और राज्य स्तर के सूचना पूल की स्थापना के प्रयोजन हेतु सभी बच्चों और दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता – पिता का केन्द्रीय डेटाबेस संबद्ध एजेंसियों की सहायता से तैयार करना ;
- (छ) दत्तक ग्रहण प्रणाली में निरंतर सुधार लाने के लिए दत्तक ग्रहण पर अनुसंधान और प्रलेखन ;
- (ज) दत्तक ग्रहण एजेंसियों के लिए तथा बाल कल्याण कार्यकलापों में संलग्न अन्य पणधारियों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रमों की व्यवस्था करना ;

- (झ) या तो स्वयं अथवा अपने संबद्ध निकायों के माध्यम से गैर संस्थागत बाल देखरेख सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए समर्थन, जागरूकता और आईईसी कार्यकलाप करना ;
- (ञ) सभी राज्य सरकार, राज्य दत्तक ग्रहण संसाधन एजेंसियों (एसएआरए) या दत्तक ग्रहण समन्वय एजेंसियों (एसीए) के साथ समन्वय तथा दत्तक ग्रहण संबंधी मामलों में उन्हें सलाह और समर्थन प्रदान करना ;
- (ट) दत्तक ग्रहण में नियोजित बच्चों की स्थिति की निगरानी और अनुवर्तन तथा मूल स्थान की खोज के प्रयोजन हेतु इन सभी बच्चों का अभिलेख रखना ;
- (ठ) बाल संरक्षण पर अभिसमय के तहत दत्तक ग्रहण के मामलों पर और अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण, 1993 के संदर्भ में सहयोग के लिए केन्द्रीय प्राधिकरण के रूप में कार्य करना ;
- (ड) विदेशी केन्द्रीय प्राधिकरणों के साथ द्विपक्षीय करार करना, जैसा कि हेग अभिसमय के अंतर्गत अनिवार्य और निर्धारित है ;
- (ढ) विदेशी दत्तक ग्रहण एजेंसियों को भारतीय नागरिकों के अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण के लिए दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता – पिता के आवेदनों को प्रायोजित करने के लिए अधिकृत कराने वाले निकायों के रूप में अधिकृत करना ;
- (ण) अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण के लिए 'अनापत्ति प्रमाणपत्र' जारी करना ; और
- (त) दत्तक ग्रहण एजेंसियों को अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण मामलों की कार्रवाई के लिए प्रत्यायन निकायों के रूप में मान्यता देना और इस क्षेत्र में उनकी कार्यशैली की निगरानी करना।

78. अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण में भारतीय दूतावास मिशन – भारतीय दूतावास मिशन विदेशों में निम्नलिखित कार्यों का निष्पादन करेंगे –

- (क) एनआरआई या ओसीआई या पीआईओ द्वारा दत्तक ग्रहण किए गए भारतीय मूल के बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संबंधित केन्द्रीय या सार्वजनिक प्राधिकरणों के साथ उनकी उपेक्षा, दुर्व्यहार, शोषण या गाली गलौज के प्रति सुरक्षा प्रदान की जाए ;
- (ख) विदेशी अधिकृत दत्तक ग्रहण एजेंसियों और केन्द्रीय प्राधिकरणों के साथ उनके अधिकार क्षेत्र में आपसी मेल जोल और दत्तक ग्रहण किए गए बच्चों और उनके माता – पिता के मिलने जुलने की व्यवस्था सहायता करना ;

- (ग) भारतीय बच्चों के दत्तक ग्रहण के लिए आवेदनों के प्रायोजन के प्रयोजन हेतु विदेशी दत्तक ग्रहण एजेंसियों को अधिकृत बनाने के प्रस्तावों की सिफारिश करना ;
- (घ) गृह अध्ययन रिपोर्ट (एचएसआर) के लिए एक योग्य सामाजिक कार्यकर्ता को अधिकृत बनाना और अन्य दस्तावेजों सहित प्रगति रिपोर्ट आदि भेजने का वचन प्रस्तुत करना और एक ऐसे देश में रहने वाले भारतीय नागरिकों के मामले में अपनी सिफारिश सहित डॉजियर कारा के पास भेजना जहां ऐसी कोई अधिकृत एजेंसी नहीं है या जहां स्थानीय कानूनों के अनुसार मेजबान सरकार द्वारा सिफारिश नहीं की जा सकती है ;
- (ङ) एक विदेशी या पीआईओ या एनआरआई या ओसीआई दत्तक ग्रहण करने वाले माता – पिता द्वारा एक भारतीय बच्चे के दत्तक ग्रहण की बाधा पर रिपोर्ट प्राप्त होने पर स्थानीय केन्द्रीय प्राधिकरण और अन्य संबंधित प्राधिकरणों से यह सुनिश्चित करने के लिए संपर्क करना बच्चे के हित में उसकी देखभाल की जा रही है और इस विषय में शीघ्रतम समय में कारा के पास भी एक रिपोर्ट भेजी जाएगी ;
- (च) यदि आवश्यक हो तो स्थानीय प्राधिकरणों, संबंधित दत्तक ग्रहण एजेंसी और कारा के परामर्श से बच्चे की देश वापसी के लिए अनिवार्य सहायता और सुविधा प्रदान करना;
- (छ) अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण के मामलों के लिए महत्वपूर्ण और संगत मानी गई किसी रिपोर्ट या पर्यवेक्षण की जानकारी कारा को भेजना।

79. राज्य सरकार या संघ राज्य क्षेत्र – राज्य सरकार निम्नलिखित कार्यों का निष्पादन करेगी –

- (क) बच्चों के स्वदेशी दत्तक ग्रहण को सक्रिय रूप से विनियमित और प्रोत्साहित करने के सभी उपाय करना ;
- (ख) प्रत्येक जिले में बाल देखरेख संस्थानों (बाल देखरेख संस्थान) के रूप में सभी बालगृहों का पंजीकरण करना तथा इनमें से एक या अधिक बाल देखरेख संस्थानों को विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसियों के रूप में मान्यता देना ;
- (ग) संतोषजनक निष्पादन के अधीन प्रत्येक 5 वर्ष में उक्त विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी के पंजीकरण का नवीकरण करना ;
- (घ) सुनिश्चित करना कि ऐसे सभी बाल देखरेख संस्थान जहां अनाथ, बेसहारा और अभ्यर्पित बच्चे रखे जाते हैं वे या तो विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसियों के रूप में मान्यता

प्राप्त हैं या सुनिश्चित करना कि इन बच्चों को उनके शीघ्र पुनर्वास के लिए विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसियों में स्थानांतरित किया जाता है ;

- (ङ) उपयुक्त विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसियों को आरआईपीए के रूप में मान्यता देने के लिए इन की सिफारिश कारा में भेजना ;
- (च) दत्तक ग्रहण कार्यक्रम और अधिकार क्षेत्र के तहत सभी विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसियों, एसीए और एसएआरए के कार्यकलापों की निगरानी करना ;
- (छ) अनाथ, बेसहारा और अभ्यर्पित बच्चों से संबंध में अधिनियम के तहत बनाए गए राज्य के नियमों के अंतर्गत मानक और उपाय लागू करना ;
- (ज) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसियां या बाल देखरेख संस्थान अभिज्ञात करना, जहां दीर्घ अवधि आधार पर विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों को गुणवत्तपूर्ण देखरेख और उपचार प्रदान करने की व्यवस्था है, जिसमें एचआईवी / एड्स से प्रभावित या संक्रमित, मानसिक या शारीरिक विकलांग और नियोजन के लिए कठिन पाई गई अन्य श्रेणियों के बच्चे शामिल हैं तथा इन बच्चों को ऐसी एजेंसियों में स्थानांतरित करने की सुविधा प्रदान करना ;
- (झ) दत्तक ग्रहण के माध्यम से बच्चों को संस्थाओं से बाहर लाने में आने वाली स्थिति समाप्त करने में शीघ्रता लाने के शीघ्र कदम तत्काल उठाना ;
- (ञ) ऐसे उपाय अपनाना जो राज्य में दत्तक ग्रहण कार्यक्रम के विस्तार हेतु आवश्यक हैं, अर्थात् ज्ञान आधार को सशक्त बनाना, अनुसंधान और प्रलेखन, बच्चों की ट्रेकिंग प्रणाली का विकास, प्रशिक्षण और विकास कार्यकलाप, समर्थन और संचार, निगरानी और मूल्यांकन ;
- (ट) राज्य में कार्यरत सभी बाल कल्याण समितियों को अनाथ, बेसहारा और अभ्यर्पित बच्चों के आवधिक आंकड़े वर्ष में कम से कम एक बार प्रकाशित करने का अनुदेश देना ;
- (ठ) गैर कानूनी दत्तक ग्रहण कार्य में संलग्न नर्सिंग होम और अस्पतालों सहित व्यक्तियों और संस्थानों के खिलाफ उपयुक्त कानूनी कार्रवाई करना ;
- (ड) राज्य में वर्ष में कम से कम एक बार सभी दत्तक ग्रहण एजेंसियों की सूची प्रकाशित करना ;

- (ढ) इन मार्गदर्शी सिद्धांतों में बताए गए कारणों से एक विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी की मान्यता का निलंबन या प्रतिसंहरण ;
- (ण) किसी दत्तक ग्रहण एजेंसी के पंजीकरण या लाइसेंस या मान्यता के प्रतिसंहरण के मामले में राज्य सरकार द्वारा कारा के साथ परामर्श में 30 दिनों की अवधि के अंदर बच्चों के पुनर्वास सहित उन्हें किसी अन्य एजेंसी में स्थानांतरित करने की वैकल्पिक व्यवस्थाएं की जाएंगी और अनुसूची-XVI में दिए गए बाल देखरेख कॉर्पस में उपलब्ध राशि के अंतरण के लिए भी कदम उठाए जाएंगे ;
- (त) राज्य द्वारा एक बच्चे के अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण प्रयोजन हेतु सिफारिश जारी करने के लिए एक समिति का गठन किया जाएगा और यह समिति दत्तक ग्रहण संस्तुति समिति (एआरसी) के रूप में नामनिर्दिष्ट की जाएगी और इसमें देखरेख और संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ संबंधित राज्य के विभागों के निदेशक या आयुक्त या उनके प्रतिनिधि, कार्यक्रम प्रबंधक (गैर संस्थागत देखरेख - एसएआरए) होंगे और एक बाह्य विशेषज्ञ या मनोवैज्ञानिक जिसका किसी दत्तक ग्रहण एजेंसी के साथ कोई संपर्क नहीं है और जब तक राज्य में एसएआरए प्रचालनरत नहीं है तब तक एसीए के अध्यक्ष अन्य सदस्यों के साथ इस समिति का हिस्सा होंगे (कार्यक्रम प्रबंधक के स्थान पर) ;
- (थ) राज्य सरकार या तो प्रत्यक्ष रूप से या एसएआरए के माध्यम से अनुसूची-XVII में दिए गए प्रारूप में दत्तक ग्रहण पर मासिक आंकड़े कारा को भेजेगी।

80. राज्य दत्तक ग्रहण संसाधन एजेंसी (एसएआरए) - (1) इन मार्गदर्शी सिद्धांतों के उचित कार्यान्वयन के लिए प्रत्येक राज्य सरकार को अपने राज्य के अंदर दत्तक ग्रहण के कार्य और कारा के साथ समन्वय में गैर संस्थागत देखरेख के समन्वय, निगरानी और विकास हेतु एक नोडल निकाय के रूप में राज्य दत्तक ग्रहण संसाधन एजेंसी (एसएआरए) का गठन करने की आवश्यकता होती है।

(2) राज्य दत्तक ग्रहण संसाधन एजेंसी निम्नलिखित कार्यों का निष्पादन करेगी :

- (क) राज्य में दत्तक ग्रहण कार्यक्रम का समन्वय, निगरानी और विकास ;
- (ख) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी के गठन की सुविधा और उक्त एजेंसियों की एक व्यापक सूची का अनुरक्षण ;
- (ग) सुनिश्चित करना कि बच्चों के सभी दत्तक ग्रहण या स्थायी नियोजन भारत सरकार द्वारा समय समय पर जारी कानूनों और मार्गदर्शी सिद्धांतों के प्रावधानों के अनुसार किए जाते हैं ;

- (घ) कारा के समन्वय से स्वदेशी और अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण को प्रोत्साहन देना और विनियमन करना ;
- (ङ) स्वदेशी और अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण के लिए इन मार्गदर्शी सिद्धांतों के तहत सौंपे गए सभी कार्यों का निष्पादन करना ;
- (च) ऐसे बाल देखरेख संस्थानों को अभिज्ञात करना जो विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसियों के रूप में पंजीकृत नहीं हैं और इन बाल देखरेख संस्थानों को दत्तक ग्रहण या दत्तक ग्रहण करने योग्य बच्चों को वैकल्पिक परिवार की देखरेख के दायरे में लाने के लिए इनके साथ सह संबंध बनाने के अनिवार्य कदम उठाना ;
- (छ) उन विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसियों को अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण की सुविधा प्रदान करना जहां इन मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुसार स्वदेशी दत्तक ग्रहण के प्रयास असफल रहे हैं तथा इन्हें शीघ्र संस्था से बाहर लाने का सुनिश्चय करना ;
- (ज) अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण के लिए आरआईपीए से डॉजियर प्राप्त करना और उस पर कार्रवाई करना तथा एआरसी समिति के लिए एक सचिवालय के रूप में कार्य करना ;
- (झ) दत्तक ग्रहण के अतिरिक्त अन्य गैर संस्थागत सेवाओं का प्रोत्साहन और कार्यान्वयन ;
- (ञ) दत्तक ग्रहण योग्य बच्चों का एक केन्द्रीय (राज्य विशिष्ट) वेब आधारित डेटाबेस बनाना ;
- (ट) सुनिश्चित करना कि विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसियों में सभी दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता का पंजीकरण किया गया है ;
- (ठ) संभावित दत्तक ग्रहण करने वाले माता - पिता का एक केन्द्रीय (राज्य विशिष्ट) वेब आधारित डेटाबेस बनाना ;
- (ड) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसियों के कार्य का पर्यवेक्षण और राज्य के अंदर इनके बीच समन्वय सुनिश्चित करना ;
- (ढ) वर्ष में कम से कम एक बार विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसियों का निरीक्षण करना और इन मार्गदर्शी सिद्धांतों में निरीक्षण दल के लिए अनुबोधित सत्यापन करना ;
- (ण) सभी विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसियों से हर महीने आंकड़े आमंत्रित करना ताकि इन एजेंसियों की कार्यशैली की निगरानी की जा सके और कारा को मासिक आधार पर व्यापक दत्तक ग्रहण आंकड़े प्रदान करना ;
- (त) राज्य सरकार और कारा को विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा अपनाई गई कुप्रथा के किसी दृष्टांत पर जांच पड़ताल में सहायता देना और सुधारात्मक कार्रवाई और

एजेंसी के लाइसेंस या मान्यता के निलंबन या प्रतिसंहरण का सुझाव देना, यदि जरूरत हो ;

- (थ) दत्तक ग्रहण प्रणाली में अधिक से अधिक बच्चों को लाने की सुविधा के लिए अन्य बाल देखरेख संस्थानों के साथ समन्वय करना ;
- (द) सभी एजेंसियों और संबद्ध प्रणालियों को गैर संस्थागत देखरेख के प्रति सुग्राही बनाने का सुनिश्चय ;
- (ध) राज्य में दत्तक ग्रहण को बढ़ावा देने तथा परिवार आधारित गैर संस्थागत देखरेख के लिए समर्थन जुटाना और जागरूकता बढ़ाना ;
- (न) आईईसी सामग्रियों का विकास और प्रसार ;
- (प) जब दत्तक ग्रहण कार्यक्रम में किसी कुप्रथा को अपनाया जाता है तो कठोर अनिवार्य दण्डात्मक कार्रवाई करना, चाहे यह पंजीकृत या मान्यता प्राप्त दत्तक ग्रहण एजेंसियों द्वारा या किसी अनधिकृत व्यक्तियों या संगठनों द्वारा किया गया हो ;
- (फ) दत्तक ग्रहण से संबंधित सभी लेनदेनों के लिए एक राष्ट्रीयकृत बैंक में बैंक खाते का रखरखाव और प्रचालन ; तथा
- (ब) किसी एजेंसी की मान्यता के प्रतिसंहरण के मामले में बच्चों के पुनर्वास के लिए राज्य सरकार को सलाह और सहायता देना।

81. **बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी)** — दत्तक ग्रहण प्रक्रिया में सीडब्ल्यूसी की भूमिका और कार्यों का अभिशासन इसके तहत बनाए गए नियमों और अधिनियम द्वारा मार्गदर्शन तथा आदर्श नियमों या राज्य नियमों द्वारा किया जाएगा।
82. **जन्म प्रमाणपत्र जारीकर्ता प्राधिकरण** — (1) जन्म प्रमाणपत्र जारी करने वाले प्राधिकरण द्वारा दत्तक ग्रहण किए गए बच्चे के मामले में भी जन्म प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा ;
- (2) दत्तक ग्रहण करने वाले माता — पिता या उनके अधिवक्ता जन्म प्रमाणपत्र जारीकर्ता प्राधिकरण को दत्तक ग्रहण आदेश की एक प्रति के साथ आवेदन और इसके साथ जन्म प्रमाणपत्र जारी करने के लिए दत्तक ग्रहण विलेख दे सकते हैं।
- (3) सक्षम जन्म प्रमाणपत्र जारीकर्ता प्राधिकारी वह है जिसके अधिकार क्षेत्र में दत्तक ग्रहण एजेंसी स्थित है।
- (4) दत्तक ग्रहण करने वाले माता — पिता का नाम 'माता पिता' के रूप में किया जाएगा और पद 'दत्तक ग्रहण करने वाले माता पिता' या 'दत्तक ग्रहण बच्चा' का उपयोग जन्म प्रमाणपत्र में नहीं किया जाए ;

(5) जन्म प्रमाणपत्र में स्थान (शहर या गांव) का उल्लेख किया जाएगा जहां दत्तक ग्रहण एजेंसी स्थित है और इसे बच्चे का जन्म स्थान माना जाएगा।

83. **क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय (आरपीओ) –** (1) अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण मामलों में क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी द्वारा पासपोर्ट जारी करने से संबंधित कानून के अधीन पासपोर्ट के आवेदन के साथ निम्नलिखित दस्तावेज प्रस्तुत करने पर पासपोर्ट जारी किया जाएगा :

- (i) कारा से अनापत्ति प्रमाणपत्र ;
- (ii) दत्तक ग्रहण पर न्यायालय का आदेश और दत्तक ग्रहण विलेख ; और
- (iii) पासपोर्ट जारीकर्ता प्राधिकारी द्वारा अनुबंधित अन्य सभी दस्तावेज।

(2) संबंधित क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी द्वारा बच्चे के सर्वोत्तम हित में शीघ्रतापूर्वक पासपोर्ट जारी किया जाएगा।

(3) स्वदेशी दत्तक ग्रहण के मामलों में क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी द्वारा उस स्थान पर पासपोर्ट भेजा जाएगा जहां दत्तक ग्रहण करने वाले माता – पिता भारतीय नागरिक हैं और उनका स्थायी निवास भारत में है तथा यह निम्नलिखित दस्तावेजों के आधार पर किया जाएगा :

- (i) पीपीए के भारत में स्थायी निवास का प्रमाण ;
- (ii) बच्चे का जन्मतिथि प्रमाणपत्र ;
- (iii) दत्तक ग्रहण पर न्यायालय का आदेश और दत्तक ग्रहण विलेख ; और
- (iv) पासपोर्ट जारीकर्ता प्राधिकारी द्वारा अनुबंधित अन्य सभी दस्तावेज।

84. **भारत में विदेशी दूतावास मिशन –** भारत में विदेशी दूतावास मिशन द्वारा दत्तक ग्रहण किए गए बच्चे को निम्नलिखित दस्तावेज जमा करने के बाद शीघ्र अतिशीघ्र वीजा जारी किया जा सकता है –

- (i) पासपोर्ट ;
- (ii) बाल कल्याण समिति द्वारा जन्मतिथि प्रमाणपत्र तथा घोषणा ;
- (iii) कारा से अनापत्ति प्रमाणपत्र ; और
- (iv) भारतीय न्यायालय से दत्तक ग्रहण आदेश और समर्थन के लिए विलेख।

अध्याय - VII

संबद्ध एजेंसियां : भूमिका और कार्य

85. विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी (एसएए) — अनाथ, बेसहारा और अभ्यर्पित बच्चों के नियोजन की सुविधा दत्तक ग्रहण में देने के लिए अधिनियम द्वारा राज्य सरकार को प्रत्येक जिले में स्वदेशी दत्तक ग्रहण में बच्चों के नियोजन के लिए विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी (एसएए) में बाल देखरेख संस्थानों या स्वयंसेवी संगठनों में से एक या अनेक को मान्यता देने का अधिकार प्रदान किया गया है।

86. बच्चों के प्रति भूमिका — प्रत्येक विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी इस प्रकार कार्य करेगी —

- (क) अपनी देखरेख में रहने वाले प्रत्येक बच्चे की देखरेख, संरक्षण और कल्याण के लिए जिम्मेदार होना और उनकी स्वास्थ्य जरूरतों की पूर्ति करना, विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के लिए विशेष देखरेख, भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक जरूरतें ; शैक्षिक और प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताएं ; छुट्टियां और मनोरंजन के कार्यक्रमों ; सभी प्रकार के दुर्व्यवहार, उपेक्षा और शोषण से संरक्षण ; सामाजिक रूप से मुख्य धारा में लाना, पुनः स्थापना और अनुवर्तन ;
- (ख) बच्चे को संस्थान में दाखिले करने के शीघ्र बाद उसे अपने माता — पिता के पास लौटाना, बशर्ते कि यह वापसी बच्चे के सर्वोत्तम हित में है ;
- (ग) संस्थान में प्रवेश, वापसी, स्थानांतरण, दत्तक ग्रहण और मृत्यु के सभी मामलों और संस्थान से खो जाने वाले बच्चों की रिपोर्ट बाल कल्याण समिति, एसएआरए या एसीए और अन्य किसी उपयुक्त प्राधिकरण में करना ;
- (घ) यदि एक बच्चे को पहले से एक नाम दिया गया है तो इसे रखा जाए और किसी भी स्थिति में नया नाम पता नहीं होने पर विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा एक उपयुक्त नाम दिया जा सकता है और जन्म प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास बच्चे का नाम दर्ज कराया जा सकता है ;
- (ङ) प्रत्येक बच्चे को उसके सर्वोत्तम हित का सिद्धांत पालन करते हुए उसके लिए वैयक्तिक देखरेख योजना तैयार करना और वैयक्तिक देखरेख योजना बनाते समय वरीयता के निम्नलिखित क्रम में देखरेख के विकल्पों पर विचार किया जाए : (1) वापस लाने के प्रयास और जैविक परिवार का संरक्षण (2) स्वदेशी दत्तक ग्रहण, (3) अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण, (4) अन्य गैर संस्थागत देखरेख, और (5) संस्थागत देखरेख;
- (च) जैसे ही बच्चा एक संस्थान में प्रवेश करता है उसके लिए एक बेबी या बाल पुस्तक बनाई जाए, जिसमें बच्चे का फोटो एल्बम, पिछली जानकारी और अब तक बच्चे के

जीवन के विवरण (अभ्यर्पण करने वाले माता — पिता के मामलों का उल्लेख नहीं किया जाए) और बच्चे की रुचियां लिखी जाए तथा यह पुस्तक उस परिवार को सौंपी जाने वाली फाइल का हिस्सा होगी जहां बच्चे को नियोजित किया जाना है ;

- (छ) प्रत्येक बच्चे को बाल कल्याण समिति द्वारा कानूनी रूप से दत्तक ग्रहण के लिए स्वतंत्र घोषित करने के बाद ही उसे प्रेम करने वाले और देखभाल करने वाले दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता के साथ दत्तक ग्रहण शीघ्रतापूर्वक किया जा सकेगा ;
- (ज) इन मार्गदर्शी सिद्धांतों में दिए गए दत्तक ग्रहण से संबंधित मिलान, रेफरल और कानूनी प्रक्रिया के लिए उत्तरदायी होना ;
- (झ) प्रत्येक दत्तक ग्रहण योग्य बच्चे को दत्तक ग्रहण करने वाले परिवार और नए परिवेश के साथ समामेलन के लिए मनोवैज्ञानिक रूप से तैयार करना ;
- (ञ) उपयुक्त दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता और दत्तक ग्रहण के लिए प्रस्तावित बच्चों के बीच मेलजोल की सुविधा प्रदान करना ;
- (ट) सुनिश्चित करना कि भाई बहन और जुड़वां बच्चे एक ही परिवार में नियोजित किए जाते हैं और उन्हें अलग नहीं किया जाता है ;
- (ठ) दत्तक ग्रहण में नियोजित या गैर संस्थागत देखरेख में भेजे गए बच्चों के कल्याण की निगरानी उक्त नियोजन की तिथि के दो वर्ष की अवधि तक नियोजन पश्चात प्रगति रिपोर्ट के माध्यम से की जाए और इसमें बाधा पड़ने के मामलों में इन मार्गदर्शी सिद्धांतों के तहत सौंपे गए सभी दायित्वों का भी निर्वहन किया जाए ;
- (ड) सभी पश्चात दत्तक ग्रहण अभिलेखों को इस प्रकार रखा जाए कि इन्हें आम जनता न देख सके
- (ढ) दत्तक ग्रहण किए गए बच्चे द्वारा अपने मूल की खोज की सुविधा प्रदान करना, यदि बच्चा अपनी पिछली जानकारी, विशेष रूप से अपने जैविक माता — पिता और भाई बहनों के बारे में जानने का इच्छुक है। जबकि ऐसा करते समय बच्चे की आयु और परिपक्वता को विचार में लिया जाए। यदि अनब्याही मां का मामला है या अन्य माता — पिता संपर्क करने के इच्छुक नहीं हैं तो विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा जैविक मां के विषय में जानकारी उसके बच्चे या दत्तक ग्रहण करने वाले माता — पिता तक नहीं भेजी जाएगी, और

(ण) बच्चे की स्थिति की रिपोर्ट वेबसाइट www.adoptionindia.nic.in पर ऑनलाइन उपलब्ध रिपोर्टिंग प्रणाली में जमा करना।

87. संभावित दत्तक ग्रहण करने वाले माता - पिता की भूमिका - (1) एक विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा

(क) किसी दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता को पंजीकरण के लिए तब तक मना नहीं किया जाएगा जब तक कि अनुबंधित शर्तों को पूरा न किया जाए या उपयुक्त समय के अंदर आवश्यक दस्तावेज जमा नहीं किए जाएं ;

(ख) उनके साथ पंजीकृत सभी दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता की गृह अध्ययन रिपोर्टों को विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी के साथ उनके पंजीकरण की तिथि से चार माह की अधिकतम अवधि के अंदर शीघ्रतापूर्वक पूरा किया जाए ;

(ग) दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता को उनके आवेदन की स्थिति के बारे में निरंतर अद्यतन जानकारी देना ;

(घ) दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता को बच्चे की चिकित्सा संबंधी विवरण की जानकारी देना और दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता को सलाह देना कि वे अपने डॉक्टर द्वारा बच्चे का चिकित्सा संबंधी आकलन कराएं ;

(ङ) यदि बच्चे के दत्तक ग्रहण का प्रस्ताव है तो विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता को सूचना देना ;

(च) समनुदेशन और रेफरल पूरा होने पर और इन मार्गदर्शी सिद्धांतों में बताई गई अनिवार्य औपचारिकताओं का पालन करने के बाद पूर्व दत्तक ग्रहण पालक देखरेख में बच्चे को रखना ;

(छ) अकेले होने के आधार पर किसी दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता के विरुद्ध कोई भेदभाव नहीं करना। जबकि इन मामलों की संवीक्षा गहराई से की जानी चाहिए ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि एक अकेला दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता बच्चे की देखरेख करने में सक्षम है ;

(ज) दत्तक ग्रहण पश्चात सेवाओं का विस्तार जैसे दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता को परामर्श देना, यदि आवश्यक हो ;

- (झ) पंजीकरण शुल्क, एचएसआर शुल्क और सीसीसी में दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता से योगदान की पात्रता होना, किन्तु यह कठोरतापूर्वक अनुसूची-XVI में मार्गदर्शी सिद्धांतों की निर्धारित राशि के अनुसार होगा ; और
- (ञ) दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता के साथ आदर का व्यवहार करना और उनके साथ उचित विनम्रता और सहायता तथा आवश्यक होने पर सलाह प्रदान करना।

- (2) गृह अध्ययन रिपोर्टों के लिए निर्धारित प्रारूप अनुसूची- VI में दिया गया है।
- (3) गृह अध्ययन रिपोर्ट प्रशिक्षित व्यावसायिकों द्वारा तैयार की जाएगी और इसमें दत्तक ग्रहण में बच्चे को लेने के लिए दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता की उपयुक्तता स्पष्ट रूप से बताई जाएगी।

88. जैविक माता - पिता के प्रति भूमिका - विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा ये कार्य किए जाएंगे—

- (क) जन्म देने वाले और बच्चे को अभ्यर्पित करने वाले माता - पिता के साथ पूरी अभ्यर्पण प्रक्रिया के दौरान आदर और सम्मान के साथ पेश आना ;
- (ख) बच्चे के अभ्यर्पण से पहले जन्म देने वाले माता - पिता से उपयुक्त जानकारी प्राप्त करना ;
- (ग) जैविक माता - पिता को अपने अभ्यर्पित किए जाने वाले बच्चे की पृष्ठभूमि और विकास तथा उनके अपने स्वास्थ्य के विषय में अधिकतम जानकारी देने का बढ़ावा देना ;
- (घ) जैविक माता - पिता के साथ बच्चे के जन्म से पूर्व के दत्तक ग्रहण के विषय में कोई वचनबद्धता या करार नहीं करना ;
- (ङ) जैविक माता - पिता को कोई वचन या कोई वित्तीय समर्थन नहीं देना जो उन्हें बच्चे के अभ्यर्पण के विषय में प्रभावित कर सके ;
- (च) माता - पिता को बच्चे के अभ्यर्पण के निहितार्थों सहित विदेशियों द्वारा बच्चे के दत्तक ग्रहण की संभावना और भविष्य में उसके साथ कोई संपर्क न होने के बारे में समझाना ;
- (छ) माता - पिता को यह सूचित करना कि वे अभ्यर्पण की तिथि के 60 दिनों के अंदर इस पर पुनः विचार कर सकते हैं और इसके दौरान वे बच्चे को वापस ले सकते हैं ;

(ज) अभ्यर्पण करने वाले माता - पिता की इच्छा का संभव सीमा तक आदर करना, यदि वे बच्चे की धार्मिक परवरिश के बारे में कोई प्राथमिकता के बारे में बताते हैं, किन्तु बच्चे का सर्वोत्तम हित ही परम विचारणीय होगा ; और

(झ) अनब्याही मां और जैविक माता - पिता की गोपनीयता बनाए रखना।

89. परामर्श के कार्य - (1) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता और बच्चों को परामर्श सेवाएं प्रदान की जाएंगी और यह समर्थन उन्हें जब और जैसे आवश्यक हो, प्रदान किया जाएगा।

(2) पुरुष परामर्श प्रदाता के मामले में परामर्श सत्र के दौरान महिला नर्सिंग कर्मचारी या महिला अधीक्षक की उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी।

(3) परामर्श कार्यों में शामिल होंगे -

(क) अभ्यर्पण के मामले में जैविक माता - पिता का परामर्श ;

(ख) दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता को पूर्व दत्तक ग्रहण परामर्श, और

(ग) दत्तक ग्रहण किए गए बच्चों और उन्हें दत्तक ग्रहण करने वाले माता - पिता का परामर्श।

(4) अभ्यर्पण के मामले में जैविक माता - पिता के परामर्श के माध्यम से विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी को सुनिश्चित करना होगा कि माता - पिता द्वारा अभ्यर्पण और दत्तक ग्रहण की स्वीकृति किसी बल प्रयोग के बिना और किसी मौद्रिक या सामग्री पर विचार किए परामर्श के बिना दी जाती है।

(5) जैविक माता - पिता को अपने बच्चे का अभ्यर्पण तब तक नहीं करने की सलाह दी जाती है जब तक बच्चे को माता - पिता के साथ रखना उसके सर्वोत्तम हित में न हो।

(6) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा अभ्यर्पण करने वाले माता - पिता को परामर्श और सहायता दी जानी चाहिए और सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि उन्हें इस बात की संभावना की जानकारी दी जाती है कि वे भविष्य में उनके बच्चे द्वारा अपनी जड़ों की खोज के समय उनसे संपर्क किया जा सकता है और इन मामलों में जैविक माता - पिता को बच्चे से मिलने के लिए विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी के साथ सहयोग करना होगा। जबकि अनब्याही माताओं को यदि वे चाहें तो ऐसा नहीं करना होगा ;

- (7) संभावित दत्तक ग्रहण करने वाले माता – पिता के मामले में, परामर्श का कार्य गृह अध्ययन रिपोर्ट तैयार करने से पहले किया जाना चाहिए ताकि उन्हें दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया से अवगत कराया जा सके।
- (8) परामर्श सत्रों के दौरान योग्य सामाजिक कार्यकर्ताओं को अन्य मुद्दों के अलावा इन पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए :
- (i) दत्तक ग्रहण की अपेक्षा रखने वाले दम्पतियों को भावनात्मक रूप से तैयार करना ;
 - (ii) दत्तक ग्रहण की स्वीकार्यता एक परिवार के निर्माण के वैकल्पिक मार्ग के रूप में करना ;
 - (iii) बच्चों का पालन और उन्हें अनुशासन में रखना ;
 - (iv) बच्चे के दत्तक ग्रहण के साथ जुड़े तथ्य समझाना ;
 - (v) जड़ों की खोज के लिए बच्चे की जरूरतें ;
 - (vi) एक ऐसे बच्चे के साथ संबंध और लगाव जो जैविक रूप से संबंधित नहीं है ;
 - (vii) बच्चे की सामाजिक पृष्ठभूमि और आनुवंशिक कारकों के बारे में चिंताएं ;
 - (viii) बच्चे को चुनने का मुद्दा, और
 - (ix) अन्य कोई मुद्दे जो उठ सकते हैं।
- (9) दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता – पिता को दत्तक ग्रहण करने वाले संगठनों, दत्तक ग्रहण करने वाले परिवारों और पुराने दत्तक ग्रहण कर चुके व्यक्तियों से संपर्क करने की सलाह भी दी जानी चाहिए ताकि वे दत्तक ग्रहण की पूरी प्रक्रिया को समझ सकें।
- (10) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी को पश्चात दत्तक ग्रहण सहायता और दत्तक ग्रहण किए गए बच्चे और दत्तक ग्रहण करने वाले माता – पिता हेतु परामर्श सेवाओं को प्रदान करने के लिए तैयार होना चाहिए।
- (11) दत्तक ग्रहण करने वाले माता – पिता को परामर्श दिया जाना चाहिए कि वे एक बड़े बच्चे के नाम को नहीं बदलें, ताकि बच्चे को अपनी पहचान बनाए रखने में सहायता मिल सके।
- (12) परामर्श में बच्चे और दत्तक ग्रहण करने वाले परिवार की आवश्यकताओं के लिए अन्य विशिष्ट सलाह शामिल हो सकती हैं।
90. बाल अध्ययन रिपोर्ट (सीएसआर) और चिकित्सा जांच रिपोर्ट (एमईआर) तैयार करना – (1) सीएसआर को व्यावसायिक सामाजिक कार्यकर्ताओं या विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी के अनुभवी कार्मिकों द्वारा तैयार किया जाएगा और विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी के साथ संबद्ध एक बाल रोग चिकित्सक एमईआर तैयार करेगा।

- (2) प्रत्येक बच्चे को दत्तक ग्रहण के लिए कानूनी रूप से स्वतंत्र होने के बाद एक औपचारिक बाल अध्ययन रिपोर्ट अनुसूची-XVIII में दिए गए विवरण के अनुसार तैयार की जाएगी।
- (3) एमईआर (चिकित्सा जांच रिपोर्ट) अनुसूची-XIX में दिए गए प्रपत्र के अनुसार तैयार की जाएगी।
91. गृह अध्ययन रिपोर्ट (एचएसआर) तैयार करना और माता - पिता की उपयुक्तता - दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता की एचएसआर एक व्यावसायिक सामाजिक कार्यकर्ता या व्यक्ति द्वारा जो इन मार्गदर्शी सिद्धांतों में बताए गए प्रावधानों के अनुसार सक्षम है अनुसूची-VI में दिए गए प्रपत्र के अनुसार तैयार की जाएगी।
92. क्रेडल (पालना) बेबी रिसेशन सेंटर - (1) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसियों द्वारा सुरक्षित रूप से निराश्रित बच्चों और पुनर्वास के लिए क्रेडल बिन्दु गठित किए जाएंगे।
- (2) इस रिसेशन सेंटर का प्राथमिक उद्देश्य निराश्रित बच्चों को प्राप्त करना और जब तक उन्हें दत्तक ग्रहण किया जाए तब तक उचित देखभाल और स्नेह के साथ उनकी देखरेख करना है।
- (3) प्रत्येक विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा ऐसे बच्चों को प्राप्त करने के लिए अपने प्रवेश द्वार के पास एक पालना लगाया जाएगा।
- (4) इसके अलावा इन स्वागत केन्द्रों में क्रेडल पॉइंट से बच्चे प्राप्त किए जाएंगे जिन्हें सभी प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल केन्द्रों (पीएचसी), अस्पतालों या नर्सिंग होम, अल्पावास गृहों, स्वाधार इकाइयों या स्वाधार स्वागत केन्द्रों और डीसीपीएस (जिला बाल संरक्षण इकाई या संस्था) के कार्यालय में रखा जा सकता है।
- (5) जब क्रेडल बेबी रिसेशन सेंटर में क्रेडल पॉइंट से कोई बच्चा प्राप्त होता है तो बच्चे के पुनर्वास के लिए यह निम्नलिखित व्यवस्थाएं करें -
- (i) चिकित्सा अधिकारी की सलाह के अनुसार उचित चिकित्सा उपचार और भोजन प्रदान करना ;
 - (ii) बच्चे के आगमन की जानकारी बाल कल्याण समिति को देना ;
 - (iii) बच्चे की सभी मूलभूत जरूरतें पूरी करना ;
 - (iv) बच्चे को देखरेख और संरक्षण प्रदान करना, और
 - (v) सक्षम प्राधिकारी के पास बच्चे के जन्म का पंजीकरण कराना।
93. प्रलेखन और अभिलेख रखना - (1) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा सभी संगत जानकारियों का रखरखाव किया जाएगा जैसे बाल कल्याण समिति द्वारा घोषणा जैविक माता - पिता के

अभ्यर्पण विलेख या एस, सीएसआर, एमईआर सहित टीकाकरण अभिलेख, एचएसआर, जन्म प्रमाणपत्र, न्यायालय आदेश और प्रगति रिपोर्ट आदि प्रत्येक बच्चे की फाइल में रखे जाएंगे। इसके अलावा परामर्शदाता या सामाजिक कार्यकर्ता की रिपोर्ट, पिछले संस्थान से सूचना, यदि कोई हो, आवधिक स्वास्थ्य रिपोर्ट, आईक्यू परीक्षण रिपोर्ट और सामाजिक इतिहास, 6 माह के अंतराल पर ली गई बच्चे की तस्वीरें आदि प्रकरण फाइल में रखे जाएंगे।

- (2) जहां तक संभव हो बच्चे के पूरे अभिलेख की स्कैनिंग, माइक्रोफिल्मिंग की जाएगी और इसे विशेष दत्तक ग्रहण और एसए आरए द्वारा स्थायी रूप से संरक्षित किया जाएगा।
- (3) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा प्रत्येक बच्चे की प्रकरण फाइल को निरीक्षण दल द्वारा आवश्यक होने पर उपलब्ध कराया जाएगा।
- (4) प्रत्येक प्रकरण फाइल में बच्चों के अभिलेख किसी अनधिकृत व्यक्ति पर प्रकट नहीं किए जाएंगे न ही दिखाए जाएंगे।
- (5) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा आयु विशिष्ट और लिंग विशिष्ट जरूरतों के आधार पर वैयक्तिक देखरेख योजना तैयार की जाएगी।
- (6) बच्चे की निम्नलिखित जरूरतों को संबोधित करते हुए वैयक्तिक देखरेख योजना बनाई जाएगी —

- (i) स्वास्थ्य और चिकित्सा संबंधी जरूरतें ;
- (ii) भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक जरूरतें ;
- (iii) शैक्षिक और प्रशिक्षण संबंधी जरूरतें ;
- (iv) अवकाश, रचनात्मकता और खेल ;
- (v) जुड़ाव और संबंध ;
- (vi) दुर्यवहार, उपेक्षा और गाली गलौज के सभी प्रकारों से संरक्षण ;
- (vii) पुनर्वास सहित परिवार के साथ पुनः मिलन, दत्तक ग्रहण और अन्य गैर संस्थागत देखरेख ;
- (viii) सामाजिक मुख्य धारा में लाना, और
- (ix) पुनर्वास या वापसी के बाद अनुवर्तन ;

- (7) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा निम्नलिखित रजिस्ट्रों का रखरखाव किया जाएगा :

- (i) प्रवेश का मास्टर रजिस्टर ;
- (ii) बच्चे की चिकित्सा और विकास फाइल ;
- (iii) बच्चे की प्रकरण फाइल ;
- (iv) बच्चों और कर्मचारियों का उपस्थिति रजिस्टर ;

- (v) विवरणों सहित दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता का रजिस्टर (पंजीकरण की तिथि, गृह अध्ययन की तिथि और अन्य) ;
 - (vi) वाउचर, नकद बही, लेजर, रोजनामचा और वार्षिक लेखा ;
 - (vii) अनुदान उपयोगिता रजिस्टर ;
 - (viii) भंडार रजिस्टर, और
 - (ix) बैठकों के कार्यवृत्तों का अभिलेख।
- (8) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा निर्धारित प्रारूप में मासिक रिपोर्ट, वार्षिक प्रतिवेदन और लेखा के लेखा परीक्षित विवरण तैयार किए जाएंगे और उनका अनुरक्षण किया जाएगा।
- (9) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा इसके पंजीकरण और अधिनियम से संबंधित कानून के तहत अनुबंधित अन्य अभिलेखों का रखरखाव भी किया जाएगा।
94. अन्य कार्य - विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी बच्चों के सर्वोत्तम हित में कार्य करेगी और निम्नलिखित विशिष्ट दायित्वों का निर्वहन करेगी :
- (क) लोगों को दत्तक ग्रहण के लिए प्रेरणा देना ;
 - (ख) कार्यक्रम के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए प्रशिक्षण और विकास गतिविधियों का आयोजन ;
 - (ग) आदर्श नियमों या केन्द्र सरकार या कारा द्वारा समय समय पर जारी मार्गदर्शी सिद्धांतों के आधार पर इसके बाल देखरेख और व्यावसायिक कर्मचारियों के प्रशिक्षण हेतु अपना मॉडल या पाठ्यचर्या का विकास करना ;
 - (घ) कारा द्वारा समय समय पर निर्धारित नियमित आधार पर ऑनलाइन डेटाबेस का अद्यतन करना ;
 - (ङ) यदि नर्सिंग होम या अस्पताल या अन्य कोई व्यक्ति गैर कानूनी दत्तक ग्रहण में शामिल हैं एसएआरए, कारा, बाल कल्याण समिति और पुलिस प्राधिकारियों के साथ शिकायत दर्ज करना।
95. विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसियों में कर्मचारी - विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी में अनुसूची-XV में दिए गए मानकों के अनुसार सभी बच्चों की जरूरतों को पूरा करने के लिए व्यावसायिक कर्मचारियों और बाल देखरेख कर्मचारियों की नियुक्ति की जाएगी।

96. आरआईपीए (मान्यता प्राप्त भारतीय नियोजन एजेंसी) — (1) कारा द्वारा उपयुक्त विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसियों को अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण के लिए भारतीय नियोजन एजेंसियों (आरआईपीए) के रूप में कार्य करने के लिए राज्य सरकार की सिफारिशों के आधार पर मान्यता दी जाएगी।
- (2) आरआईपीए बाल संरक्षण और अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण — 1993 के संबंध में हेग अभिसमय के अनुच्छेद 11 के प्रावधानों के अनुसार मान्यता प्राप्त निकायों के रूप में कार्य करेंगे और वे —
- (क) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी को सौंपे गए सभी कार्यों और भूमिकाओं का निष्पादन इन मार्गदर्शी सिद्धांतों के तहत करने के अलावा अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण के मामलों में सौंपी गई विशिष्ट भूमिकाएं और कार्य निष्पादित करेंगे ;
 - (ख) यहां उच्च नैतिक मूल्यों वाले योग्य व्यक्ति कार्यरत होंगे और उन्हें अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण के क्षेत्र में प्रशिक्षण या अनुभव होगा ;
 - (ग) इन्हें केन्द्र सरकार और संबंधित राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारियों द्वारा पर्यवेक्षण, निरीक्षण और निगरानी के अधीन रखा जाएगा ;
 - (घ) ये इन मार्गदर्शी सिद्धांतों में दी गई अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण की सभी औपचारिकताएं पूरी करेंगे ;
 - (ङ) स्वदेशी और अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण में नियोजित बच्चों का अनुपात वार्षिक आधार पर केवल 80 : 20 होगा, जिसमें विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चे शामिल नहीं होंगे, क्योंकि इन मार्गदर्शी सिद्धांतों में उन्हें पृथक श्रेणी में रखा गया है और इस बात का निर्णय करने के लिए कि बच्चे की आवश्यकताएं विशेष प्रकार की हैं या नहीं इस प्रयोजन हेतु अंतिम निर्णय कारा पर आधारित होगा ;
 - (च) प्रगति रिपोर्ट सहित संरक्षण के सभी मामलों की दत्तक ग्रहण डिक्री उस सक्षम न्यायालय के समक्ष जमा करना जिसने संरक्षणकत्व का आदेश जारी किया है।
 - (छ) दत्तक ग्रहण पश्चात अनुवर्तन के लिए अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण के सभी मामलों में और इसके बाधा, बच्चों की स्वदेश वापसी के मामलों में भी सौंपे गए सभी दायित्वों का निर्वहन करना।
97. दत्तक ग्रहण समन्वय एजेंसी (एसीए) — (1) दत्तक ग्रहण समन्वय एजेंसी (एसीए) स्वदेशी दत्तक ग्रहण को प्रोत्साहन देने के लिए राज्य स्तरीय संगठन है।

- (2) एसीए द्वारा इन मार्गदर्शी सिद्धांतों के तहत निर्धारित और राज्य सरकार या कारा द्वारा समय समय पर सौंपे गए अन्य सभी कार्य पूरे किए जाएंगे। तदनुसार एसीए द्वारा -
- (क) राज्य में दत्तक ग्रहण कार्यक्रम का समन्वय, निगरानी, पर्यवेक्षण और विकास ;
 - (ख) राज्य के अंदर विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसियों के दत्तक ग्रहण कार्यकलापों का समन्वय;
 - (ग) राज्य में दत्तक ग्रहण कार्यक्रम के विस्तार के लिए समर्थन और जागरूकता कार्यक्रम करना ;
 - (घ) सभी दत्तक ग्रहण पदाधिकारियों का प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण आयोजित करना ;
 - (ङ) नीति निर्धारण की सुविधा के लिए दत्तक ग्रहण पर प्रलेखन और अनुसंधान करना ;
 - (च) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी का कारा या राज्य सरकार द्वारा आवश्यक होने पर निरीक्षण करना ;
 - (छ) सभी विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसियों से मासिक आंकड़े संकलित करना और इन्हें कारा के पास अग्रेषित करना।

- (3) इसके अलावा एसीए द्वारा उस समय तक इन मार्गदर्शी सिद्धांतों द्वारा एसएआरए को सौंपे गए सभी कार्यों का निष्पादन किया जाएगा जब तक राज्य में एसएआरए प्रचालनरत नहीं होता।

98. **अधिकृत विदेशी दत्तक ग्रहण एजेंसी (एएफएए) -** (1) एक अधिकृत विदेशी दत्तक ग्रहण एजेंसी कारा द्वारा इसके प्रत्यायन या केन्द्रीय प्राधिकरण या उस देश के संबंधित सरकारी विभाग द्वारा की गई सिफारिश के आधार पर अधिकृत बनाई गई विदेशी दत्तक ग्रहण एजेंसी है जो उस देश के नागरिकों द्वारा भारतीय बच्चों के दत्तक ग्रहण से संबंधित सभी मामलों का समन्वय करती है।

- (2) एएफएए द्वारा निम्नलिखित कार्यों का निष्पादन किया जाएगा :

- (क) उपयुक्त एपीएफपी का पंजीकरण और अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण पर हेग अभिसमय के तहत बताए गए प्रावधानों और संबंधित देश के केन्द्रीय प्राधिकरण द्वारा बनाए गए विशिष्ट प्रावधानों के अनुसार उनकी गृह अध्ययन रिपोर्ट तैयार करना ;
- (ख) एपीएफपी डॉज़ियर की एक सत्यापित प्रति विचार हेतु प्रत्यक्ष रूप से कारा के पास भेजना। किसी भी मामले में एएफएए किसी डॉज़ियर को प्रत्यक्ष रूप से आरआईपीए के पास नहीं भेजेगा ;

- (ग) एक रेफरल पाने के लिए कारा द्वारा बताए गए आरआईपीए से संपर्क करना ;
- (घ) दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता द्वारा रेफरल के स्वीकार हो जाने पर इसकी जानकारी अनुबंधित सीसीसी की 50 प्रतिशत राशि के साथ संबंधित आरआईपीए को भेजी जाएगी ;
- (ङ) एफपीएफपी को उनके दत्तक ग्रहण बच्चे की उचित देखभाल और उसे प्राप्त करने के लिए तैयार करने हेतु उपयुक्त परामर्श देना। यदि संभव हो तो विदेशी दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता को उस स्थान की संस्कृति या भाषा या भोजन पर अभिविन्यास दिया जाए जहां से उसने बच्चे का दत्तक ग्रहण किया है ;
- (च) कारा से दत्तक ग्रहण के लिए एनओसी प्राप्त होने के बाद शीघ्र दत्तक ग्रहण सुनिश्चित करने के लिए आरआईपीए के साथ अनुवर्तन ;
- (छ) सीसीसी की शेष 50 प्रतिशत राशि भारत में दत्तक ग्रहण प्रक्रिया के पूरे होने पर आरआईपीए को भेजना और न्यायालय का आदेश जारी करना ;
- (ज) कारा और संबंधित आरआईपीए को प्राप्त करने वाले देश में बच्चे के आगमन के पहले वर्ष में तिमाही पश्चात नियोजन रिपोर्ट और दूसरे वर्ष में अर्धवार्षिक रिपोर्ट के माध्यम से नियोजन की प्रगति के बारे में सूचना देना और उक्त अनुवर्तन प्राप्त करने वाले देश में बच्चे की नागरिकता प्राप्त करने के बाद दो वर्ष की अवधि तक जारी रहेगा ;
- (झ) प्राप्त करने वाले देश में शीघ्र कानूनी दत्तक ग्रहण के लिए अनुवर्तन और / या नागरिकता आदेश प्रदान होने पर, जैसा भी मामला हो और उपयुक्त प्राधिकरण के कानूनी दत्तक ग्रहण आदेश की एक प्रति कारा और आरआईपीए को अग्रेषित करना तथा बच्चे के लिए प्राप्त करने वाले देश की नागरिकता प्रमाणपत्र की एक प्रति भी भेजी जाए, जितनी जल्दी इसे जारी किया जाता है ;
- (ञ) केन्द्रीय प्राधिकरण या संबंधित सरकारी विभाग, भारतीय दूतावास या मिशन, कारा और संबंधित आरआईपीए का उन मामलों में तत्काल विशेष ध्यान आकर्षित करना जहां दत्तक ग्रहण के अंतिम कानूनी आदेश प्राप्त करने वाले देश में आने के 2 वर्ष की अवधि के अंदर जारी नहीं किए गए हैं ;
- (ट) इन मार्गदर्शी सिद्धांतों के अध्याय 4 में निहित प्रावधानों का पालन दत्तक ग्रहण में बाधा या बच्चे की देश वापसी के मामले में करना ;
- (ठ) समय समय पर संबंधित भारतीय दूतावास मिशन को शामिल करते हुए भारतीय मूल के बच्चों और उनके दत्तक ग्रहण करने वाले परिवारों के मेलजोल की व्यवस्था करना।

अध्याय - VII

विविध

99. अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण के लिए विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी और आरआईपीए के बीच संबंध — (1) विशेष आवश्यकता वाले बच्चे (जैसा कि इन मार्गदर्शी सिद्धांतों में परिभाषित है) यदि विशेष एजेंसी दत्तक ग्रहण एक बच्चे का स्वदेशी दत्तक ग्रहण नियोजित करने में सफल नहीं होती है तो यह आरआईपीए के माध्यम से अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण में बच्चे के नियोजन की सुविधा हेतु एसीए या एसएआरए (जब और जैसे गठित किए जाएं) से संपर्क करेंगी।
- (2) उप पैराग्राफ (1) में संदर्भित मामले में एसीए या एसएआरए द्वारा अपनी संतुष्टि के अनुसार विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा स्वदेशी दत्तक ग्रहण हेतु किए गए प्रयासों को दर्ज किया जाएगा और राज्य के अंदर बच्चे के सीएसआर और एमईआर को आरआईपीए के पास स्थानांतरित किया जाएगा।
- (3) यह अनिवार्य नहीं है कि बच्चे को एक एजेंसी से अन्य एजेंसी में स्थानांतरित किया जाए और सीएसआर तथा एमईआर प्राप्त होने पर आरआईपीए द्वारा अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण के लिए इन मार्गदर्शी सिद्धांतों में बताई गई प्रक्रिया के अनुसार मामले पर कार्रवाई की जाएगी।
- (4) उप पैराग्राफ (3) में संदर्भित संपूर्ण प्रक्रिया के दौरान विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी आरआईपीए को दत्तक ग्रहण के अंतिम रूप दिए जाने तक सहायता प्रदान करेगी।
100. दत्तक ग्रहण के आंकड़े — (1) भारतीय बच्चों के सभी दत्तक ग्रहण के आंकड़े, चाहे वे स्वदेशी हों या अंतरदेशीय, इनका अनुसूचन एसएआरए या राज्य सरकार द्वारा किया जाएगा।
- (2) उक्त आंकड़ों सहित इनके विवरण मासिक आधार पर कारा में भेजे जाएंगे।
101. दत्तक ग्रहण अवकाश — (1) सरकारी कर्मचारियों को कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार द्वारा समय — समय पर जारी अनुदेशों द्वारा अभिशासित माता — पिता की पात्र श्रेणी में दत्तक ग्रहण अवकाश की पात्रता होगी।
- (2) गैर सरकारी क्षेत्र में नियोजित दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता को उनके संगठनों में उपलब्ध अवकाश प्रदान किए जाएंगे।
102. दत्तक ग्रहण डॉजियर की संवीक्षा — जब एआरसी, जो राज्य सरकार द्वारा गठित एक निकाय है, द्वारा संस्तुति प्रमाणपत्र जारी करने से पहले अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण के लिए प्रत्येक डॉजियर की संवीक्षा की जाएगी, तब तक कारा के अलावा अन्य किसी एजेंसी या प्राधिकरण द्वारा दत्तक ग्रहण डॉजियर की अगली किसी संवीक्षा की आवश्यकता नहीं होगी।

103. **हितों के टकराव से बचना** — हितों के टकराव से बचने के लिए एक दत्तक ग्रहण एजेंसी की कार्यकारिणी समिति का कोई सदस्य या एजेंसी का कोई कर्मचारी बाल कल्याण समिति का सदस्य नहीं होगा।
104. **एलएपीए की कार्यशैली** — (1) इन मार्गदर्शी सिद्धांतों के तहत विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी को सौंपी गई सभी बाध्यताओं, भूमिकाओं और कार्यों का निष्पादन एलएपीए द्वारा उस समय तक किया जाएगा जब तक उन्हें राज्य सरकार द्वारा अधिनियम के तहत विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसियों के रूप में मान्यता न दी जाए।
- (2) इन मार्गदर्शी सिद्धांतों में विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी के किसी संदर्भ में एलएपीए भी शामिल होंगे।
105. **एसएआरए या एसीए की कार्यशैली** — ऐसे समय तक, जब एक राज्य में एसएआरए प्रचालनरत होता है, इन मार्गदर्शी सिद्धांतों द्वारा एसएआरए को सौंपे गए कार्य एसीए द्वारा निष्पादित किए जाएंगे।
106. **गोपनीयता बनाए रखना** — (1) दत्तक ग्रहण प्रक्रिया में शामिल सभी एजेंसियों और प्राधिकरणों द्वारा दत्तक ग्रहण के अभिलेखों की पूरी गोपनीयता बनाए रखी जाएगी, जिसमें अन्य दस्तावेजों के अलावा गृह अध्ययन रिपोर्ट सहित दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता और दत्तक ग्रहण करने वाले माता — पिताकी पहचान और पते, बाल अध्ययन रिपोर्ट, बच्चे की तथा दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता की एमईआर, अभ्यर्पण विलेख और संबंधित दस्तावेज।
- (2) प्रक्रिया से संबंधित दस्तावेज केवल न्याय व्यवस्था और दत्तक ग्रहण प्रक्रिया में शामिल एजेंसियों और प्राधिकरणों के समक्ष प्रस्तुत किए जाएंगे।
107. **दत्तक ग्रहण व्यय** — दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता को दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया के निम्नलिखित प्रशासनिक व्यय वहन करने होंगे —
- (क) स्वदेशी दत्तक ग्रहण के लिए दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता का पंजीकरण व्यय 1000 रु. है। इसके अलावा उन्हें गृह अध्ययन रिपोर्ट और पश्चात दत्तक ग्रहण अनुवर्तन सेवाओं के लिए 5000 रु. का भुगतान करना होगा।
- (ख) दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता — पिता को बाल देखरेख कॉर्पस (सीसीसी) में योगदान की आवश्यकता होगी, जिसका रखरखाव एजेंसी द्वारा किया जाएगा जहां से वे बच्चे का दत्तक ग्रहण कर रहे हैं। इस राशि में दत्तक ग्रहण को अंतिम रूप देने के लिए किए गए सभी व्यय भी शामिल होंगे। जबकि दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा असाधारण मामलों में इस राशि में छूट देने या कमी करने का निर्णय लिया जा

सकता है। दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता द्वारा योगदान दी जाने वाली राशि निम्नानुसार है -

(i) स्वदेशी दत्तक ग्रहण के मामले में सीसीसी में दी जाने वाली योगदान राशि - 40,000 रु.

(ii) अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण के मामले में सीसीसी में दी जाने वाली योगदान राशि - 5,000 अमेरिकी डॉलर

(ग) राशियों के भुगतान की विधियां मार्गदर्शी सिद्धांतों के साथ संलग्न अनुसूची-XVI में दी गई हैं।

(घ) दत्तक ग्रहण करने वाले संभावित माता - पिता या दत्तक ग्रहण करने वाले माता - पिताभी, इस पैराग्राफ में निर्दिष्ट राशि से अधिक का योगदान नहीं करेंगे और वे वस्तु या नकद किसी भी रूप में उस एजेंसी को कोई दान नहीं देंगे जहां से दत्तक ग्रहण का प्रस्ताव है या उन्होंने बच्चे का दत्तक ग्रहण किया है।

108. मार्गदर्शी सिद्धांतों में छूट और इसकी व्याख्या - (1) इन मार्गदर्शी सिद्धांतों को मौजूदा कानून के प्रावधानों के विषय में जारी किया गया है और इसकी व्याख्या, संगत कानून को संदर्भित किया जाना चाहिए।

(2) किसी अस्पष्टता या विवाद के मामले में इन मार्गदर्शी सिद्धांतों की व्याख्या का अधिकार कारा के पास होगा।

(3) किसी मामले या वर्ग या वर्गों या मामलों की श्रेणियों के संबंध में इन मार्गदर्शी सिद्धांतों के किसी प्रावधान में छूट देने का अधिकार कारा के पास होगा।

बशर्ते कि कारा द्वारा इसका कोई उपयुक्त कारण दर्ज किए बिना कोई छूट या विधान न दिया जाए।

अनुसूची I
(पैराग्राफ 11 (2) देखें)
प्रवेश का मुख्य रजिस्टर

बच्चे का
फोटोग्राफ

संस्थान का नाम और पता :

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
क्र. सं.	पंजी. सं. और तिथि	बच्चे का नाम	लिंग	जन्मतिथि	बच्चे की स्थिति (त्याग दिया गया या बेसहारा) त्याग देने या बेसहारा छोड़ देने की तिथि	अभ्यर्पण का कारण	प्रवेश की तिथि या बच्चे को प्राप्त करने की तिथि	बच्चे के स्वास्थ्य की स्थिति बताएं	क्या बच्चा पालक देखरेख में है.

11	12	13	14	15	*टिप्पणियां
दत्तक ग्रहण या पालक देखरेख करने वाले माता पिता का नाम और पता	पालक देखरेख करार की तिथि	क्या बच्चे के दत्तक ग्रहण को अंतिम रूप दे दिया गया है	न्यायालय आदेश सं. और तिथि	नियोजन पश्चात रिपोर्ट	

* बच्चे को वापस लाने की तिथि और उसकी मृत्यु के विवरण भी टिप्पणियों में दर्शाए जाएं।

अनुसूची II

(पैराग्राफ 15 (4) देखें)

अभ्यर्पण का विलेख या स्वीकृति का विवरण

(यदि एक बच्चे का अभ्यर्पण किया जाता है और उसके माता और पिता दोनों मौजूद हैं तो दोनों को अभ्यर्पण विलेख पर हस्ताक्षर करने चाहिए। यदि माता पिता में से किसी एक की मौत हो गई है तो मृत्यु का प्रमाण प्रस्तुत किया जाए। एक अनब्याही मां या एकल या कानूनी संरक्षक के मामले में, जहां बच्चे या बच्चों का अभ्यर्पण अंतिम विकल्प है, तब निम्नलिखित प्रारूप लागू होगा। जैविक माता पिता के मामले में यह प्रारूप 'दो प्रतियों' में भरा जाए, पहला जैविक मां और दूसरा जैविक पिता के लिए। यदि उपरोक्त श्रेणियों के अलावा अन्य किसी द्वारा बच्चे का अभ्यर्पण किया जाता है तो इसके लिए एक बेसहारा बच्चे के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया का पालन किया जाएगा।)

बच्चे या बच्चों का अभ्यर्पण करने वाले व्यक्ति द्वारा घोषणा

मैं निम्नलिखित वक्तव्यों को सावधानी पूर्वक पढ़ लिया है और समझ लिया है। मुझे अपनी स्वीकृति के बारे में परामर्श और जानकारी प्राप्त हुई है और मैं यह वक्तव्य किसी दबाव या धमकी के बिना और किसी भुगतान या किसी मुआवजे को प्राप्त किए बिना दे रहा हूं।

मैं, अधोहस्ताक्षरी

परिवार का नाम :

पहला नाम :

जन्म की तिथि : दिन माह वर्ष

स्थायी पता :

बच्चे की माता () पिता () कानूनी प्रतिनिधि ()

परिवार का नाम :

पहला नाम :

लिंग : पुरुष () महिला ()

जन्म की तिथि : दिन माह वर्ष

जन्म का स्थान :

पता :

निम्नलिखित घोषणा की जाए :

- (i) मेरे बच्चे या बच्चों का अभ्यर्पण करने के लिए स्वतंत्र स्वीकृति, जिनके नाम हैं
- (ii) कथित बच्चे या बच्चों और मेरे बीच कानूनी माता पिता - बच्चे का संबंध समाप्त हो गया है।
- (iii) मुझे पता है कि मेरे बच्चे को भारत या विदेश में रहने वाले व्यक्तियों द्वारा दत्तक ग्रहण किया गया है और मैं इस प्रयोजन के लिए अपनी स्वीकृति देता हूं।
- (iv) मुझे पता है कि इस बच्चे के दत्तक ग्रहण से उसे दत्तक ग्रहण करने वाले माता पिता के साथ एक स्थायी माता पिता - बालक का संबंध सृजित होगा।

- (v) मुझे बताया गया है कि मैं इस अभ्यर्पण विलेख के 60 दिनों के अंदर अपनी स्वीकृति वापस ले सकता हूँ, जिसके बाद मेरी स्वीकृति अटल होगी और बच्चे या बच्चों पर मेरा कोई दवा नहीं होगा।

मेरे द्वारा बच्चे या बच्चों का त्याग करने का कारण

मैं चाहता हूँ या नहीं चाहता हूँ (कृपया जो लागू है उस पर निशान लगाएं) कि मेरी पहचान और पता बच्चे पर तब प्रकट किया जाए जब वह अपने जन्म के बारे में खोजबीन करें।

मैं घोषण करता हूँ कि मैंने उपरोक्त वक्तव्यों को पूरी तरह समझ लिया है।

किया गया (स्थान) (तिथि)

(अभ्यर्पण करने वाले माता – पिता के हस्ताक्षर या अंगूठे का निशान)

II. गवाह द्वारा घोषणा

मैं, अधोहस्ताक्षरी उपरोक्त अभ्यर्पण का गवाह हूँ

(क) हस्ताक्षर, पहले गवाह का नाम और पता

.....

(ख) हस्ताक्षर, दूसरे गवाह का नाम और पता

.....

III. बाल कल्याण समिति सदस्य का प्रमाणपत्र

नाम :

पद :

मैं एतद्वारा यह प्रमाणित करता हूँ कि उपरोक्त नाम के या पहचाने गए व्यक्ति और गवाह मेरे सामने उपस्थिति हुए और मेरी उपस्थिति में इस दस्तावेज पर इस तिथि को हस्ताक्षर किए।

किया गया (स्थान) (तिथि)

हस्ताक्षर और मुहर

अनुसूची III
(पैराग्राफ 16 (3) देखें)

बच्चे को दत्तक ग्रहण के लिए कानूनी रूप से स्वतंत्र घोषित करने वाला प्रमाणपत्र

1. किशोर न्याय (बच्चों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2000 की धारा की उप धारा जिसे 2006 में संशोधित किया गया और इन नियमों के नियम के उप नियम के तहत, गठित बाल कल्याण समिति को दिए गए अधिकारों का उपयोग करते हुए, अल्पवयस्क जिसकी जन्म तिथि है, को विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी (नाम और पता) के संरक्षण में बाल कल्याण समिति के आदेश सं. द्वारा नियोजित किया गया है, इसे निम्नलिखित विवरणों के आधार पर दत्तक ग्रहण के लिए कानूनी रूप से स्वतंत्र घोषित किया जाता है :

- (क) बाल कल्याण अधिकारी या सामाजिक कार्यकर्ता या प्रकरण कार्यकर्ता द्वारा की गई पूछताछ या गृह अध्ययन।
- (ख) अभिभावकों द्वारा निष्पादित अभ्यर्पण का दस्तावेज और बाल कल्याण समिति की उपस्थिति में हस्ताक्षरित अभ्यर्पण विलेख।
- (ग) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा जमा की गई घोषणा।

2. यह प्रमाणित किया जाता है कि

- (क) यह बच्चा दत्तक ग्रहण योग्य है, इसके जैविक माता या अभिभावकों या संरक्षकों को परामर्श दिया गया है और उनकी स्वीकृति के प्रभावों के विषय में विधिवत सूचना दी गई है तथा बताया गया है कि दत्तक ग्रहण के परिणामस्वरूप बच्चे और उसे जन्म देने वाले परिवार के बीच कानूनी संबंध समाप्त हो जाएगा।
- (ख) जैविक मां या अभिभावकों या संरक्षकों ने आवश्यक कानूनी रूप में अपनी स्वतंत्र स्वीकृति दी है और इन स्वीकृतियों पर किसी प्रकार के भुगतान या मुआवजे का प्रभाव नहीं है तथा मां की स्वीकृति (जहां आवश्यक हो) केवल बच्चे के जन्म के बाद दी गई है।

बाल कल्याण समिति
तिथि और स्थान

अनुसूची IV

(पैराग्राफ 18 (2) देखें)

संभावित दत्तक ग्रहण करने वाले माता पिता के लिए पंजीकरण प्रपत्र
अभिभावक पंजीकरण पत्र

वैवाहिक स्थिति का विवरण :

वैवाहिक स्थिति

विवाह की तिथि

आवेदक की श्रेणी :

दम्पति की स्थिति ☐ पुरुष ☐ महिला ☐

व्यक्तिगत सूचना :

पुरुष

महिला

नाम

राष्ट्रीयता

जन्मतिथि

वार्षिक आय (रु. में)

शिक्षा

व्यावसायिक विवरण :

कार्य

कार्य का स्थान

कार्यालय का संपर्क नं.

जैविक / दत्तक ग्रहण बच्चों की सं.

संपर्क का विवरण :

निवास का पता

राज्य

.....
पिन कोड

.....
फोन नं.

.....
मोबाइल नं.

.....
ई-मेल आईडी

.....
पहचान का विवरण :

पहचान प्रमाण का प्रकार ☐ पैन कार्ड ☐ वोटर आईडी ☐ पासपोर्ट
पुरुष आईडी सं.

.....
महिला आईडी सं.

.....
दत्तक ग्रहण के लिए बच्चे की वरीयता :

.....
लिंग

.....
आयु

.....
दत्तक ग्रहण के लिए राज्य और एजेंसी की वरीयता :

.....
राज्य

.....
एजेंसी आईडी

.....
एजेंसी का नाम

.....
पता

.....
दत्तक ग्रहण के लिए प्रेरणा (अधिकतम 200 शब्द)

संभावित दत्तक ग्रहणकर्ता के हस्ताक्षर
अभिभावक :

व्यावसायिक सामाजिक कार्यकर्ता के हस्ताक्षर :

अनुसूची V
(पैराग्राफ 20 (1) देखें)

भारत में पीएपी द्वारा पंजीकरण के लिए आवश्यक दस्तावेज

पीएपी द्वारा दो स्वयं सत्यापित प्रतियों सहित मूल रूप से निम्नलिखित दस्तावेजों की आवश्यकता है :

- (क) पहचान का प्रमाण (मतदाता कार्ड या पैन कार्ड या पासपोर्ट या ड्राइविंग लाइसेंस)
- (ख) भारत में निवास दर्शाने वाले पते का प्रमाण जो 365 दिनों से अधिक हो
- (ग) विवाह प्रमाणपत्र
- (घ) परिवार की तस्वीर (दत्तक ग्रहण करने वाले परिवार की पोस्ट कार्ड साइज की हाल में ली गई तीन तस्वीरें)
- (ङ) पंजीकृत मेडिकल प्रेडिक्शनर द्वारा यह प्रमाणित करते हुए स्वास्थ्य प्रमाणपत्र की पीएपी को किसी प्रकार की संक्रामक या अंतिम अवस्था की बीमारी या ऐसी कोई मानसिक या शारीरिक स्थिति नहीं है जिससे वह बच्चे की देखभाल न कर सके।
- (च) व्यक्तियों के दो संस्तुति पत्र जो परिवार को अच्छी तरह जानते हैं। उक्त संस्तुति दोनों जीवन साथियों के नजदीकी परिवार के रिश्तेदारों से नहीं होनी चाहिए।
- (छ) यदि पीएपी स्व-रोजगाररत हैं तो पिछले तीन वर्षों के लिए आयकर विवरण और यदि रोजगाररत हैं तो सेवानिवृत्ति की तिथि दर्शाते हुए नियोक्ता की ओर से आय प्रमाणपत्र।
- (ज) पिछले 6 माह के बैंक विवरण की प्रतियों सहित वित्तीय विवरण जिसमें परिवार के पास स्वामित्व में मौजूद चल और अचल संपत्तियों के विवरण तथा पीएपी द्वारा लिए गए ऋण के विवरण हों।
- (झ) जैविक या दत्तक ग्रहण किए गए बच्चे या बच्चों की लिखित स्वीकृति यदि उनकी आयु 7 वर्ष से अधिक।
- (ञ) दत्तक ग्रहण आदेश, यदि दम्पति में बच्चे या बच्चों को पहले भी दत्तक ग्रहण किया है।
- (ट) एकल पीएपी के मामले में तलाक या कानूनी रूप से अलग रहने का आदेश (यदि लागू है)।
- (ठ) एकल पीएपी के नजदीकी संबंधी की ओर से पत्र जिसमें बताया गया हो कि अप्रत्याशित परिस्थितियों में वह संबंधी बच्चे की देखभाल करेगा।

(यह स्पष्ट किया जाता है कि एक बच्चे के दत्तक ग्रहण के इच्छुक पीएपी को अनुर्वरता का प्रमाणपत्र जमा करने की आवश्यकता नहीं हो।)

अनुसूची VI
(पैराग्राफ 20 (3), 28 (1), 87 (2) और 91 देखें)
गृह अध्ययन रिपोर्ट (एचएसआर) की तैयारी हेतु प्रपत्र

(व्यावसायिक सामाजिक कार्यकर्ता जो एमएसडब्ल्यू या एमए मनोविज्ञान की पृष्ठभूमि से हों, एक एजेंसी या राज्य सरकार द्वारा अभिज्ञात किसी सक्षम व्यक्ति के साथ संलग्न हों, वे गृह अध्ययन रिपोर्ट तैयार करने के लिए सक्षम हैं)

एक दम्पति द्वारा एक ऐसे बच्चे की परवरिश करने की क्षमता का आकलन जो उनसे नहीं जन्मा है, एक सफल दत्तक ग्रहण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। अतः एक गृह अध्ययन के माध्यम से एक असंबंधित बच्चे की देखभाल के लिए उनकी उपयुक्तता का अध्ययन किया जाता है।

दम्पति की दत्तक ग्रहण के प्रति सामान्य मनोवृत्ति जानना महत्वपूर्ण है, विशेष रूप से एक असंबंधित बच्चे के लिए और उनके द्वारा दत्तक ग्रहण के निर्णय के पीछे एक प्रेरक बल होना चाहिए। अवैधता के प्रति उनकी मनोवृत्ति एक महत्वपूर्ण विचार है क्योंकि विवाह के बंधन से बाहर जन्म लेने वाले एक बच्चे के लिए एक नकारात्मक मनोवृत्ति उनकी प्रतिक्रिया को प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर सकती है। सकारात्मक गुण जिन्हें पहचाना जा सकता है वे हैं : दत्तक ग्रहण के लिए स्पष्ट उत्साह, अपनी आवश्यकताओं के साथ बच्चे के प्रति समायोजन शीलता और सहनशीलता। नकारात्मक विशेषताओं को इस प्रकार पहचाना जा सकता है : उनके वैवाहिक संबंधों में तनाव, दत्तक ग्रहण के अनुमान में किसी व्यक्तिगत समस्या के उन्मूलन का साधन खोजना या दत्तक ग्रहण के प्रति उनकी वचनबद्धता में अनिर्णयात्मकता।

सामान्य रूप से बच्चे की जरूरतों पर केन्द्रित उद्देश्य, बजाए इसके जो दत्तक ग्रहण करने वाले माता पिता को स्वीकार्य हैं। कुछ दम्पति अपने असंतुलित विवाह संबंधों में सुधार लाने के लिए, अपने प्राकृतिक रूप से जन्मे बच्चे के लिए एक साथ ही और खेलने वाले सहयोगी के रूप में दत्तक ग्रहण करने के इच्छुक होते हैं या वे अपने दिवंगत बच्चे के स्थान पर इसे लाते हैं। एक मां के अकेलेपन से निपटने के लिए एक बीमारा व्यक्ति और परेशान माता पिता के जीवन में नई दिलचस्पी पैदा करने, या बड़ी उम्र में सहारे के अनुमान के रूप में इसके उद्देश्य हो सकते हैं। ये असंगत और वास्तविकता से परे उद्देश्य हैं और आवेदक को इन क्षेत्रों के बारे में जानकारी देने में सहायता दी जानी चाहिए और यहां तक कि ऐसे मामलों में उन्हें एक बच्चे के दत्तक ग्रहण से दूर रहने की सलाह दी जानी चाहिए। उन्हें समझना चाहिए कि एक बच्चे को दो वयस्कों की समस्याएं सुलझाने का साधन नहीं बनाया जा सकता।

यह जानना महत्वपूर्ण है कि क्या दोनों जीवनसाथी दत्तक ग्रहण के लिए समान रूप से उत्सुक हैं या इनमें से एक केवल अपने साथी की खुशी के लिए इस योजना पर काम कर रहा है।

(क) पहचान की सूचना : पीएपी के लिए निम्नलिखित सूचना की आवश्यकता हो सकती है :

नाम :

आयु :

विवाह का वर्ष :

शैक्षिक योग्यताएं :

वित्तीय स्थिति :

व्यावसाय :

धर्म :

स्वास्थ्य इतिहास

(ख) अन्य बच्चों और परिवार के सदस्यों के विवरण

दोनों जैविक या दत्तक ग्रहण किए गए बच्चे के नाम और आयु :

अभिभावक और जैविक बच्चे के बीच वर्तमान संबंध, यदि कोई हो;

पहले से दत्तक ग्रहण किए गए बच्चों का विकास, यदि कोई हों

परिवार के अन्य सदस्यों का विवरण :

घर और पड़ोस :

(ग) घर का विवरण और सुविधाएं

रहने का स्तर जैसा कि घर से प्रकट होता है :

बच्चे के लिए रहने का स्थान

(घ) पति और पत्नी के बीच मौजूदा संबंध

(ङ) दादा – दादी और रिश्तेदारों की दत्तक ग्रहण के प्रति सोच

(च) दत्तक ग्रहण किए गए बच्चे के लिए अनुमानित योजनाएं

(छ). दम्पति का मनोसामाजिक आकलन

यह जानकारी अनेक क्षेत्रों में जमा करने की जरूरत होती है ताकि सामाजिक कार्यकर्ता दत्तक ग्रहण करने वाले दम्पतियों का एक सम्मिश्रित मनोसामाजिक चित्र बना सके। इनमें से कुछ क्षेत्र नीचे उल्लिखित किए गए हैं :

दम्पति का सामान्य प्रभाव :

भावनात्मक स्वास्थ्य :

मूल्य प्रणाली :

दत्तक ग्रहण करने वाले दम्पतियों की सामाजिक स्थिति और पृष्ठभूमि :

वैवाहिक संबंध की गुणवत्ता :

तलाक या लिव इन रिलेशन आदि की पिछली जानकारी।

(ज) अभिभावक के रूप में क्षमता और एक बच्चे की अपेक्षाएं

इसमें एक बच्चे को प्रेम, स्वीकार्यता और भावनात्मक सुरक्षा देने की क्षमता, उन्हें अपने तरीके से बढ़ने की अनुमति देने की क्षमता, बच्चों की व्यवहारगत समस्याओं को स्वीकार करने तथा समझने के लिए तैयार होना और बच्चों से उनकी उम्मीदों में नम्यता और वास्तविकता शामिल है।

यह जानना भी अनिवार्य है कि क्या आवेदक के विचार इस विषय में पहले से कठोरतापूर्वक नियत किए गए हैं कि बच्चा किस प्रकार का होना चाहिए। कुछ माता पिता के मन में एक बच्चे की स्वप्निल छवि होती है या वे चाहते हैं कि उनका बच्चा सभी प्रकार से उनके पिता या मां के समान होना चाहिए। एक बच्चे को दत्तक ग्रहण करने

वाले माता पिता की भावी अपेक्षाओं के बोझ से लादा नहीं जाना चाहिए। जब एक संबंध इन प्रेरणाओं पर आधारित होता है तो ईमानदारी पर एक अनावश्यक बल पड़ता है। दम्पतियों को यह समझने में सहायता दी जानी चाहिए कि एक बच्चा एक पृथक इकाई है और उसकी अपनी एक पहचान है। वे क्षेत्र जिनकी खोज की जानी चाहिए वे हैं बच्चे की पृष्ठभूमि के बारे में दम्पति की कठोरता या अन्यथा कोई विचार, चाहे वे बच्चे को अपने तरीके से अपनी गति पर बढ़ने देना चाहेंगे और इसके साथ वे प्रेम पूर्वक उसे अनुशासन में रखेंगे और बच्चे के लिए अपनी आशाएं और योजनाएं आगे बढ़ाएंगे।

यदि पत्नी कार्यरत है तो सामाजिक कार्यकर्ता को उसके साथ यह चर्चा करनी चाहिए कि क्या वह अपनी नौकरी जारी रखेगी या इसे छोड़ देगी। यदि वह अपनी नौकरी जारी रखने का इरादा करती है तो यह सुनिश्चित किया जाए कि जब वह अपनी नौकरी पर जाएगी उस दौरान बच्चे की देखभाल के लिए उसकी क्या योजना है।

(झ) अन्य महत्वपूर्ण बातों की मनोवृत्ति :

हमारी पारंपरिक सांस्कृतिक व्यवस्था में आवेदकों के लिए अगली महत्वपूर्ण बात उनके परिवार के अन्य सदस्य हैं। यदि इस मामले में राय लेने के लिए यदि कोई बड़ा जैविक बच्चा है तो दत्तक ग्रहण योजना के बारे में उसके विचार जाने जाएं और इसे सुनिश्चित किया जाए कि उनके माता पिता ने उन्हें इसके लिए किस सीमा तक तैयार किया है। यदि आवेदक संयुक्त परिवार में रहते हैं तो घर में रहने वाले परिवार के सभी सदस्यों से मिलने की सलाह दी जाती है। संभावित दत्तक ग्रहण दादा दादी और नाना नानी के साथ भी यदि संभव हो तो मुलाकात की जानी चाहिए। महत्वपूर्ण संबंधियों के साथ इस संपर्क से दम्पति की दत्तक ग्रहण योजना के समर्थन की डिग्री को साक्ष्य मिलेगा, उनके सकारात्मक रूप से शामिल होने को सुनिश्चित किया जा सकेगा साथ ही सुनिश्चित किया जा सकेगा कि वे इस विचार के बारे में अपनी अनुभूतियों को सुलझाने में क्या कोई समर्थन पाना चाहते हैं।

(ज) अन्य मुद्दे :

बच्चे को उसके दत्तक ग्रहण की योजनाएं बताना :

शक्तियों और कमजोरियों का मूल्यांकन तथा सामाजिक कार्यकर्ता की सिफारिशें :

दत्तक ग्रहण के लिए प्रेरणा :

संभव चिकित्सा या सामाजिक जरूरतों के प्रति परिवार का विचार

क्र. सं.		हां	नहीं	हो सकता है
1.	जन्म के समय कम वजन			
2.	समय से पहले जन्म			
3.	पैदाइशी चिन्ह : शरीर के दिखाई देने वाले भाग पर, कोई विकृति नहीं			
4.	हृदय के दोष छोटे : (आवाज निकलना आदि) (किसी शल्य चिकित्सा की आवश्यकता नहीं) बड़े : (हृदय की खुली शल्य चिकित्सा की आवश्यकता)			
5.	हिपेटाइटिस बी वाहक			
6.	रक्त विकार : (क) थैलीसेमिया (ख) सिकल सेल एनिमिया (ग) हिमोफिलिया (खून का बहाव)			
7.	बच्चे में जन्मजात दोष की चोट के कारण लिंग परिवर्तन की आवश्यकता			
8.	वील चेयर की आवश्यकता वाला बच्चा			
9.	स्पाइना बाइफिडा - चलने में सहायता की जरूरत, क्रचेज, ब्रेसेज आदि			
10.	मस्तिष्क पक्षाघात : हल्का मध्यम गंभीर			
11.	हड्डियों में सुधाने योग्य समस्या (अभी ब्रेसेज या क्रचेज का उपयोग करना या भावी क्षमता)			
12.	रिकेट्स			
13.	कूल्हे में जन्मजात दोष			
14.	विकृतियां : हाथ या पैर की अंगुलियों में जाल बनाना (शल्य चिकित्सा योग्य) आंशिक रूप से बनी हुई हाथ या पैर की अंगुलियां			

	जुड़ा हुआ या जुड़े हुए पैर (सुधारने योग्य) अनुपस्थित या विकृत कान हाथ या पैर की अंगुलियों में विकृतियां अनुपस्थित अंग विकृत अंग			
15.	दृष्टि एक आंख में दृष्टि वाला बच्चा कमजोर दृष्टि, अस्थिर नजर वाला बच्चा तिरछी या गलत बनावट वाली आंखें पूरी तरह दृष्टिहीन			
16.	श्रवण क्षमता : आंशिक रूप से श्रवण, स्थिर आंशिक रूप से श्रवण, अस्थिर			
17.	मधुमेह			
18.	दौरे पड़ने का विकार (मिरगी) हल्की गंभीर दवाओं से नियंत्रित (इसमें बार बार पड़ने वाले दौरे शामिल नहीं हैं जो सामान्य हैं)			
19.	कटा हुआ होंठ कटा हुआ तालु कटा हुआ होंठ और कटा हुआ तालु चेहरे पर कटाव			
20.	कुपोषण हल्का गंभीर			
21.	गुर्दे का कम न करना हल्का गंभीर			
22.	जलना (प्लास्टिक सर्जरी की आवश्यकता) हाथों और पैरों पर चेहरे पर हल्का गंभीर			
23.	विकास में विलंब (जो बच्चा भावनात्मक, शारीरिक, और / या सामाजिक रूप से पीछे है) : हल्का			

	गंभीर			
24.	भावनात्मक समस्याएं			
25.	दुर्व्यवहार शारीरिक यौन संबंधी			
26.	अति सक्रियता हल्का गंभीर			
27.	सीखने की निःशक्तता हल्का मध्यम			
28.	बोलने में हकलाहट देर से बोलना आवाज नहीं होना			
29.	धनात्मक वीडिआरएल (जन्मजात सिफलिस)			
30.	पारिवारिक पृष्ठभूमि : परिवार में पिछली चिकित्सा समस्याएं शराब पीना नशीली दवाएं लेना मानसिक रूप से बीमार माता पिता माता पिता में से एक मानसिक रूप से अवमंदित			
31.	अनेक जन्मजात दोष			
32.	बौनापन			
33.	जुड़वा या छह वर्ष से अधिक उम्र के भाई बहनों के समूह			
34.	छोटे प्रकार की किसी शल्य चिकित्सा की आवश्यकता			

सामाजिक कार्यकर्ता, उसकी योग्यता, एजेंसी के नाम और पते के विषय में सूचना गृह अध्ययन रिपोर्ट के अंत में आनी चाहिए और इसमें सामाजिक कार्यकर्ता के हस्ताक्षर होने चाहिए जिसने गृह अध्ययन रिपोर्ट तैयार की है।

अनुसूची VII
(पैराग्राफ 23 (3) देखें)

न्यायालय में दत्तक ग्रहण याचिका के साथ जमा किए जाने वाले दस्तावेजों की सूची

1. देश के भीतर दत्तक ग्रहण

- (i) संगत अधिनियम के तहत न्यायालय के आदेश हेतु शपथ पत्र
- (ii) पीएपी द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित सीएसआर और एमईआर की प्रति
- (iii) निवास का प्रमाण
- (iv) पिछले तीन वर्षों के लिए आय प्रमाण पत्र
- (v) वैवाहिक प्रमाण पत्र और फोटोग्राफ
- (vi) पीएपी का जन्म प्रमाण पत्र
- (vii) एचएसआरपी की प्रति, संदर्भ पत्रों सहित इसके अनुलग्नक
- (viii) स्वदेशी दत्तक ग्रहण के लिए एजेंसी की मान्यता की प्रति
- (ix) अभ्यर्पण विलेख के साथ बाल कल्याण समिति प्रमाणपत्र की प्रति, जहां लागू हो
(न्यायालय में जमा करने के लिए अनुवर्तता प्रमाणपत्र की आवश्यकता नहीं होती है)

2. अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण

- (i) संगत अधिनियम के तहत न्यायालय के आदेश हेतु शपथ पत्र
- (ii) पीएपी द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित सीएसआर और एमईआर की प्रति
- (iii) निवास का प्रमाण
- (iv) पिछले तीन वर्षों के लिए आय प्रमाण पत्र
- (v) वैवाहिक प्रमाण पत्र और फोटोग्राफ
- (vi) पीएपी का जन्म प्रमाण पत्र
- (vii) एचएसआरपी की प्रति, संदर्भ पत्रों सहित इसके अनुलग्नक
- (viii) अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण के लाइसेंस की प्रति (कारा से मान्यता प्रमाणपत्र)
- (ix) अभ्यर्पण विलेख के साथ बाल कल्याण समिति प्रमाणपत्र की प्रति, जहां लागू हो
- (x) एआरसी द्वारा जारी संस्तुति प्रमाणपत्र की प्रति
- (xi) कारा से जारी अनापत्ति प्रमाणपत्र
- (xii) आरआईपीए के अधिकारी या सामाजिक कार्यकर्ता के पक्ष में पीएपी की ओर से
मुख्तार नामा
(न्यायालय में जमा करने के लिए अनुवर्तता प्रमाणपत्र की आवश्यकता नहीं होती है)

अनुसूची VIII
(पैराग्राफ 25 और 38 देखें)
समय सीमा

(क)	बाल कल्याण समिति द्वारा दत्तक ग्रहण के लिए स्वतंत्र घोषित बच्चे	किशोर न्याय अधिनियम और इसके नियमों के अनुसार
(ख)	स्वदेशी दत्तक ग्रहण हेतु घर का अध्ययन	पीएपी के पंजीकरण के स्वीकार होने की तिथि के दो माह के अंदर की अवधि में
(ग)	दत्तक ग्रहण हेतु संदर्भ	बाल कल्याण समिति द्वारा बच्चे को कानूनी रूप से स्वतंत्र घोषित करने पर तत्काल
(घ)	भारतीय पीएपी द्वारा संदर्भ की स्वीकार्यता	10 दिन
(ङ)	स्वदेशी दत्तक ग्रहण के लिए पूर्व दत्तक ग्रहण पालक देखरेख	रेफरल स्वीकार होने के तथा पालक देखरेख शपथ पत्र पर हस्ताक्षर होने के तत्काल बाद
(च)	स्वदेशी दत्तक ग्रहण में एसएए द्वारा न्यायालय में याचिका जमा करना	पीएपी से रेफरल की प्राप्ति के 10 दिन बाद
(छ)	एफपीएपी द्वारा रेफरल की प्राप्ति	45 दिन
(ज)	दत्तक ग्रहण संस्तुति समिति (एआरसी) से संस्तुति प्रमाणपत्र	<ul style="list-style-type: none"> • सामान्य बच्चे के मामले में 15 दिन • विशेष जरूरतों के मामले में 5 दिन
(झ)	कारा द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र	15 दिन
(ञ)	एफपीएपी द्वारा पूर्व दत्तक ग्रहण पालक देखरेख	कारा द्वारा अनापत्ति प्रमाणपत्र जारी होने, पालक देखरेख शपथ पत्र पर हस्ताक्षर होने के तुरंत बाद और यह वचन देने पर कि न्यायालय के आदेश जारी होने से पहले देश छोड़ कर नहीं जाएंगे
(ट)	आरआईपीए द्वारा न्यायालय में याचिका दायर करना	अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्ति के 10 दिनों बाद
(ठ)	न्यायालय का आदेश	2 माह (अधिकतम अवधि) या पहली सुनवाई में ही
(ड)	पासपोर्ट	आवेदन की तिथि से 10 दिन
(ढ)	वीजा	इसे भारत में अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण - 1993 पर हेग अभिसमय के तहत अनुबंधों के प्रकाश में शीघ्रतापूर्वक विदेशी दूतावास मिशन द्वारा जारी किया जाए

अनुसूची IX

(पैराग्राफ 26 (2) देखें)

अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण के संदर्भ में बच्चों के संरक्षण और सहयोग पर अभिसमय

(29 मई 1993 को संपन्न)

वर्तमान अभिसमय के हस्ताक्षरी कहते हैं

यह ज्ञात है कि बच्चे के व्यक्तित्व के पूर्ण और सुमेलित विकास के लिए इसे एक पारिवारिक परिवेश में, खुशहाली, प्रेम और समझ के वातावरण में बढ़ना चाहिए।

यह याद रखना है कि प्रत्येक राष्ट्र एक प्राथमिकता के मामले के रूप में बच्चे को अपने जन्म के परिवार की देखरेख में बनाए रखने के उपयुक्त उपाय करेगा।

यह ज्ञात है कि अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण से एक बच्चे को स्थायी परिवार का लाभ मिल सकता है, जिसे उसके जन्म के राष्ट्र में उपयुक्त परिवार मिलना संभव नहीं हो सकता।

यह सुनिश्चित करने के उपाय करने की अनिवार्यता समझते हुए कि अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण बच्चे के सर्वोत्तम हित में किए जाते हैं जो उस के मौलिक अधिकारों के संबंध में होते हैं और उसे अपहरण, बिक्री या बच्चों के पणन से बचाव के लिए है।

इस आशय के सामान्य प्रावधानों को अंतरराष्ट्रीय कानूनों में तय किए गए सिद्धांतों को विचार में लेकर, विशेष रूप से 20 नवम्बर 1989 को बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र अभिसमय और राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय पालक नियोजन एवं दत्तक ग्रहण के विशेष संदर्भ सहित बच्चों के संरक्षण और कल्याण से संबंधित सामाजिक एवं कानूनी सिद्धांतों पर संयुक्त राष्ट्र की घोषणा (सामान्य महासभा संकल्प 41 या 85, 3 दिसम्बर, 1986) के अनुसार स्थापित करने की इच्छा के साथ

निम्नलिखित प्रावधानों पर सहमत हैं —

अध्याय 1 — अभिसमय का विस्तार

अनुच्छेद 1

वर्तमान अभिसमय के उद्देश्य हैं —

- क) यह सुनिश्चित करने की सुरक्षा स्थापित करने के लिए कि अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण बच्चे के सर्वोत्तम हेतु में तथा अंतरराष्ट्रीय कानूनों में मान्यता प्राप्त उसके मौलिक अधिकारों के संदर्भ में किए जाएं;
- ख) संविदाकृत राष्ट्रों के बीच सहयोग की एक प्रणाली की स्थापना द्वारा सुनिश्चित करना कि इन सुरक्षाओं का सम्मान किया जाता है और इस प्रकार बच्चों के अपहरण, बिक्री या अनैतिक पणन की रोकथाम की जाती है;

ग) अभिसमय के अनुसार दत्तक ग्रहण में संविदाकृत राष्ट्रों की मान्यता अर्जित करना।

अनुच्छेद 2

- (1) अभिसमय तब लागू होगा जब एक बच्चा संविदाकृत राष्ट्र (जन्म के राष्ट्र) में साधारण रूप से निवास करता है, कर रहा है, या इसे किसी अन्य संविदाकृत राष्ट्र (प्राप्त करने वाले राष्ट्र) जो या तो जीवन साथी के जन्म के राष्ट्र में उसके दत्तक ग्रहण के बाद या प्राप्त करने वाले राष्ट्र में सामान्य रूप से रहने वाले व्यक्ति द्वारा या प्राप्त करने वाले राष्ट्र या जन्म के राष्ट्र में उक्त दत्तक ग्रहण के प्रयोजन हेतु किया जाता है।
- (2) इस अभिसमय में केवल वे दत्तक ग्रहण शामिल हैं जहां एक स्थायी अभिभावक — बालक संबंध निर्मित होता है।

अनुच्छेद 3

यह अभिसमय लागू नहीं होता है यदि अनुच्छेद 17, उप पैराग्राफ ग में उल्लिखित करार को बच्चे द्वारा 18 वर्ष की उम्र प्राप्त करने से पहले नहीं किया गया है।

अध्याय II — अंतर-देशीय दत्तक ग्रहण हेतु आवश्यकताएं

अनुच्छेद 4

अभिसमय के विस्तार के अंतर्गत दत्तक ग्रहण तभी किया जाएगा यदि जन्म के राष्ट्र के सक्षम प्राधिकारी द्वारा इन्हें पूरा किया जाए —

- क) यह सिद्ध किया गया है कि बच्चा दत्तक ग्रहण योग्य है;
- ख) उचित रूप से विचार करने के बाद जन्म के राष्ट्र के अंदर बच्चे के नियोजन की संभावनाओं के बाद निर्धारित किया गया है कि बच्चे का अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण उसके सर्वोत्तम हित में है;
- ग) इसके द्वारा सुनिश्चित किया गया है कि
 - (1) वे व्यक्ति, संस्थान और प्राधिकरण, जिनकी स्वीकृति दत्तक ग्रहण के लिए अनिवार्य है, उन्हें अनिवार्य परामर्श दिया गया है और उनकी स्वीकृति के प्रभावों की विधिवत सूचना दी गई है, विशेष रूप से यदि एक दत्तक ग्रहण बच्चे और उसके जन्म के परिवार के बीच कानूनी संबंध के समापन में परिणामी होगा;

- (2) उक्त व्यक्तियों, संस्थानों और प्राधिकारियों ने आवश्यकत कानूनी रूप में स्वतंत्रतापूर्वक अपनी स्वीकृति दी है और लिखित रूप में इसे अभिव्यक्त किया या साक्ष्य प्रदान किया है;
 - (3) स्वीकृतियों को किसी प्रकार के भुगतान या मुआवजे से प्रेरित नहीं किया गया है और इसे वापस नहीं लिया गया है, और
 - (4) मां की स्वीकृति, जहां आवश्यक है, बच्चे के जन्म के बाद ही दी गई है, और
- घ) इसके द्वारा बच्चे की आयु और परिपक्वता स्तर के विषय में सुनिश्चित किया गया है कि
- (1) उसे परामर्श दिया गया है और दत्तक ग्रहण के प्रभावों तथा दत्तक ग्रहण के प्रति उसकी स्वीकृति के विषय में विधिवत सूचना दी गई है, जहां उक्त स्वीकृति की आवश्यकता है;
 - (2) बच्चे की इच्छाओं और राय पर विचार किया गया है;
 - (3) दत्तक ग्रहण के लिए बच्चे की स्वीकृति, जहां उक्त स्वीकृति की आवश्यकता है, स्वतंत्र रूप से आवश्यक कानूनी रूप से दी गई है और लिखित रूप में साक्ष्य या अभिव्यक्त किया गया है और
 - (4) उक्त स्वीकृति को किसी भुगतान या किसी प्रकार के मुआवजे से प्रेरित नहीं किया गया है।

अनुच्छेद 5

अभिसमय के विस्तार के अंदर एक दत्तक ग्रहण तभी किया जाएगा यदि प्राप्त करने वाले राष्ट्र के सक्षम प्राधिकारियों द्वारा इन्हें पूरा किया जाता है —

- क) संभावित दत्तक ग्रहण करने वाले माता पिता की पात्रता का निर्धारण किया गया है और वे दत्तक ग्रहण के लिए उपयुक्त हैं;
- ख) सुनिश्चित किया गया है कि संभावित दत्तक ग्रहण माता पिता को अनिवार्य परामर्श दिया गया है; और
- ग) निर्धारित किया गया है कि बच्चा उस राष्ट्र में प्रवेश और स्थायी रूप से निवास के लिए अधिकृत है या इसे किया जाएगा।

अध्याय III — केंद्रीय प्राधिकरण और मान्यता प्राप्त निकाय

अनुच्छेद 6

- (1) संविदाकृत राष्ट्र इन कर्तव्यों के निर्वहन के लिए एक केन्द्रीय प्राधिकरण को नामनिर्दिष्ट करेंगे जिन्हें उक्त प्राधिकरणों पर अभिसमय द्वारा अधिरोपित किया गया है।

- (2) संघीय राष्ट्र, कानून की एक से अधिक प्रणाली वाले राष्ट्र या स्वायत्त क्षेत्रीय इकाइयों वाले राष्ट्र एक से अधिक केन्द्रीय प्राधिकरणों की नियुक्ति और अपने कार्यों की क्षेत्रीय या व्यक्तिगत सीमा निर्दिष्ट करने के लिए स्वतंत्र होंगे। जहां एक राष्ट्र द्वारा एक से अधिक केन्द्रीय प्राधिकरण की नियुक्ति की जाती है वह केन्द्रीय प्राधिकरण को नामनिर्दिष्ट करेगा जिसे उस राष्ट्र के अंदर उपयुक्त केन्द्रीय प्राधिकरण में प्रेषण हेतु संबोधित किया जा सके।

अनुच्छेद 7

- (1) केन्द्रीय प्राधिकरण आपस में सहयोग करेंगे और बच्चों के संरक्षण हेतु अपने राष्ट्र के संक्षम प्राधिकरणों के बीच एवं अभिसमय के अन्य उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए सहयोग को बढ़ावा देंगे।
- (2) वे निम्नलिखित के लिए प्रत्यक्ष रूप से सभी उपयुक्त उपाय करेंगे —
- क) अपने राष्ट्रों के कानूनों में दत्तक ग्रहण से संबंधित तथा अन्य सामान्य सूचना प्रदान करना जैसे सांख्यिकी और मानक प्रपत्र;
- ख) आपस में एक दूसरे को अभिसमय के प्रचालन के बारे में सूचित करना और जहां तक संभव हो इसके अनुप्रयोग की बाधाओं का उन्मूलन करना।

अनुच्छेद 8

केन्द्रीय प्राधिकरण प्रत्यक्ष या सार्वजनिक प्राधिकरणों के माध्यम से दत्तक ग्रहण के संबंध में अनुचित वित्तीय या अन्य लाभ पाने की रोकथाम के सभी उपयुक्त उपाय करेंगे और अभिसमय के उद्देश्यों के विपरीत सभी प्रथाओं को रोकेंगे।

अनुच्छेद 9

केन्द्रीय प्राधिकरण प्रत्यक्ष या सार्वजनिक प्राधिकरणों के माध्यम से या उनके राष्ट्र में विधिवत रूप से प्रत्यायित अन्य निकायों द्वारा सभी उपयुक्त उपाय करेंगे, विशेष रूप से इनके लिए —

- क) बच्चे संभावित दत्तक ग्रहण माता पिता की स्थिति के बारे में सूचना संग्रह, संरक्षण और आदान प्रदान ताकि अनिवार्य स्थिति तक दत्तक ग्रहण को पूरा किया जा सके;
- ख) दत्तक ग्रहण प्राप्त करने के विचार सहित कार्रवाईयों की सुविधा, अनुवर्तन और शीघ्रता;
- ग) दत्तक ग्रहण परामर्श के विकास और दत्तक ग्रहण पश्चात सेवाओं को अपने राष्ट्र में बढ़ावा देना;
- घ) आपस में एक दूसरे को अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण के अनुभवों के बारे में सामान्य मूल्यांकन रिपोर्ट प्रदान करना;

- ड) उत्तर देना, जैसा कि उनके राष्ट्र में कानून द्वारा अनुमत है, ताकि एक विशेष दत्तक ग्रहण स्थिति के बारे में सूचना हेतु अन्य केन्द्रीय प्राधिकरणों या सार्वजनिक प्राधिकरणों के अनुरोधों का औचित्य बताया जा सके।

अनुच्छेद 10

प्रत्यायन केवल कार्यों को उचित रूप से करने और इन्हें बनाए रखने की दक्षता दर्शाने वाले निकायों को प्रदान किया जाएगा जिन्हें यह सौंपा जा सकता है।

अनुच्छेद 11

एक प्रत्यायित निकाय द्वारा —

- क) उक्त परिस्थितियों के अनुसार केवल गैर लाभकारी उद्देश्यों को पूरा किया जाएगा और इन सीमाओं के अंदर जिसे प्रत्यायन के राष्ट्र के सक्षम प्राधिकरण द्वारा स्थापित किया गया है;
- ख) यहां नैतिक मानकों वाले योग्य व्यक्तियों को निर्देशित और नियुक्त किया जाएगा और जिन्हें अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण के क्षेत्र में कार्य करने के लिए प्रशिक्षण या अनुभव होगा, और
- ग) इसके संघटन, प्रचालन और वित्तीय स्थिति के अनुसार उस राष्ट्र के सक्षम प्राधिकारियों द्वारा पर्यवेक्षण के अधीन रखा जाएगा।

अनुच्छेद 12

एक संविदाकृत राष्ट्र में एक प्रत्यायित निकाय अन्य संविदाकृत राष्ट्र में केवल तभी कार्य कर सकता है जब दोनों राष्ट्रों के सक्षम प्राधिकरणों को ऐसा करने का प्राधिकार दिया गया हो।

अनुच्छेद 13

केन्द्रीय प्राधिकरणों का पद, और, जहां उपयुक्त हो, इनके कार्यों की सीमा और प्रत्यायित निकायों के नाम और पते प्रत्येक संविदाकृत राष्ट्र द्वारा निजी अंतरराष्ट्रीय कानून पर हेग सम्मेलन के स्थायी ब्यूरो को संप्रेषित किया जाएगा।

अध्याय IV — अंतर-देशीय दत्तक ग्रहण में प्रक्रियात्मक आवश्यकताएं

अनुच्छेद 14

जो व्यक्ति संविदाकृत राष्ट्र में साधारण तौर पर निवास करते हैं, एक अन्य संविदाकृत राष्ट्र में साधारण रूप से निवास करने वाले बच्चे का दत्तक ग्रहण करना चाहते हैं उन्हें अपने साधारण निकाय के राष्ट्र में केन्द्रीय प्राधिकरण को आवेदन देना होगा।

अनुच्छेद 15

- (1) यदि प्राप्त करने वाले राष्ट्र का केन्द्रीय प्राधिकरण संतुष्ट है कि आवेदक दत्तक ग्रहण के लिए पात्र और उपयुक्त है तो यह उनकी पहचान, पात्रता और दत्तक ग्रहण के लिए

उपयुक्तता, पृष्ठभूमि, परिवार और चिकित्सा इतिहास, सामाजिक परिवेश, दत्तक ग्रहण के कारण, एक अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण करने की क्षमता और उस बच्चे की विशेषताओं सहित एक रिपोर्ट तैयार करेगा कि वे उसकी देखरेख के योग्य हैं।

(2) यह जन्म के राष्ट्र के केन्द्रीय प्राधिकरण को यह रिपोर्ट भेजेगा।

अनुच्छेद 16

(1) यदि जन्म के राष्ट्र का केन्द्रीय प्राधिकरण इस बात के लिए संतुष्ट है कि बच्चा दत्तक ग्रहण योग्य है तो यह निम्न कदम उठाएगा —

क) एक रिपोर्ट तैयार करना जिसमें उसकी पहचान, दत्तक ग्रहण के लिए योग्यता, पृष्ठभूमि, सामाजिक परिवेश, पारिवारिक इतिहास, चिकित्सा इतिहास सहित बच्चे के परिवार की जानकारी और बच्चे की किसी विशेष आवश्यकता को शामिल किया जाएगा;

ख) बच्चे की परवरिश और उसकी नृजातीय, धार्मिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर उपयुक्त विचार किया जाएगा;

ग) सुनिश्चित करना कि अनुच्छेद 4 के अनुसार स्वीकृति प्राप्त की गई है, और

घ) बच्चे और संभावित दत्तक ग्रहण करने वाले माता पिता से संबंधित रिपोर्ट के विवरणों के आधार पर निर्धारित करना कि क्या संकल्पित नियोजन बच्चे के सर्वोत्तम हित में है।

(2) यह बच्चे पर इसकी रिपोर्ट, प्रमाण कि इसमें अनिवार्य स्वीकृति प्राप्त की गई है और नियोजन का निर्धारण करने के लिए इसके कारण, मां और पिता की पहचान प्रकट न करने की सावधानी और जन्म के राष्ट्र में इन पहचानों को प्रकट नहीं किया जाएगा, प्राप्त करने वाले राष्ट्र के केन्द्रीय प्राधिकरण के पास भेजेगा।

अनुच्छेद 17

जन्म के राष्ट्र में कोई निर्णय की बच्चे को संभावित दत्तक ग्रहण करने वाले माता पिता को तभी सौंपा जाएगा यदि —

क) उस राष्ट्र के केन्द्रीय प्राधिकरण द्वारा सुनिश्चित किया गया है कि संभावित दत्तक ग्रहण करने वाले माता पिता सहमत हैं;

ख) प्राप्त करने वाले राष्ट्र के केन्द्रीय प्राधिकरण ने उक्त निर्णय को अनुमोदन दिया है, जहां उस राष्ट्र या जन्म के राष्ट्र के केन्द्रीय प्राधिकरण के कानून द्वारा उक्त अनुमोदन की आवश्यकता है;

ग) दोनों राष्ट्रों के केन्द्रीय प्राधिकरण दत्तक ग्रहण को आगे बढ़ाने पर सहमत हैं, और

- घ) यह अनुच्छेद 5 के अनुसार निर्धारित किया गया है कि यदि संभावित दत्तक ग्रहण करने वाले माता पिता पात्र हैं और दत्तक ग्रहण के लिए उपयुक्त हैं तथा बच्चे को प्राप्त करने वाले राष्ट्र में प्रवेश करने और स्थायी रूप से निवास करने का अधिकार है या होगा।

अनुच्छेद 18

दोनों राष्ट्रों के केन्द्रीय प्राधिकरण बच्चे के जन्म के राष्ट्र को छोड़ कर जाने तथा प्राप्त करने वाले राष्ट्र में प्रवेश और स्थायी रूप से निवास के लिए अनुमति प्राप्त करने के सभी कदम उठाएंगे।

अनुच्छेद 19

- (1) प्राप्त करने वाले राष्ट्र में बच्चे का स्थानांतरण केवल तभी किया जाएगा यदि अनुच्छेद 17 की आवश्यकताएं संतुष्ट की जाती हैं।
- (2) दोनों राष्ट्रों के केन्द्रीय प्राधिकरण सुनिश्चित करेंगे कि यह स्थानांतरण सुरक्षित और उपयुक्त परिस्थितियों में किया जाता है और यदि संभव है तो दत्तक ग्रहण या संभावित दत्तक ग्रहण करने वाले माता पिता के साथ किया जाता है।
- (3) यदि बच्चे का स्थानांतरण नहीं किया जाता है तो अनुच्छेद 15 और 16 में संदर्भित रिपोर्ट उन प्राधिकरणों को वापस भेजी जाती है जिन्हें यह अग्रेषित की गई थी।

अनुच्छेद 20

केन्द्रीय प्राधिकरण द्वारा दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया और इसे पूरा करने के उपायों के बारे में एक दूसरे को तथा यदि किसी परीक्षा अवधि की आवश्यकता है तो नियोजन की प्रगति के बारे में सूचित करेंगे।

अनुच्छेद 21

- (1) जहां दत्तक ग्रहण प्राप्त करने वाले राष्ट्र में बच्चे के स्थानांतरण के बाद किया जाना है और ऐसा प्रतीत होता है कि उस राष्ट्र के केन्द्रीय प्राधिकरण ने संभावित दत्तक ग्रहण करने वाले माता पिता के साथ बच्चे का नियोजन जारी रखा है जो बच्चे के सर्वोत्तम हित में नहीं है तो केन्द्रीय प्राधिकरण बच्चे की सुरक्षा के अनिवार्य उपाय करेगा, विशेष रूप से —

क) बच्चे को संभावित दत्तक ग्रहण करने वाले माता पिता से वापस लाना और उसकी अस्थायी देखरेख की व्यवस्था करना;

ख) जन्म के राष्ट्र के केन्द्रीय प्राधिकरण के परामर्श से दत्तक ग्रहण के विचार से बच्चे के नए नियोजन में विलंब के बिना व्यवस्था करना, या यदि यह उपयुक्त नहीं है तो वैकल्पिक दीर्घ अवधि देखरेख की व्यवस्था करना, एक दत्तक ग्रहण तब तक नहीं किया जाएगा जब तक जन्म के राष्ट्र के केन्द्रीय प्राधिकरण को नए संभावित दत्तक ग्रहण करने वाले माता पिता के बारे में विधिवत जानकारी न दी जाए;

ग) एक अंतिम उपाय के रूप में बच्चे की वापसी की व्यवस्था करना, यदि उसके हित में ऐसा आवश्यक है।

(2) बच्चे की आयु और परिपक्वता के स्तर में विशेष रूप से विचार करते हुए उससे परामर्श किया जाएगा और जहां उपयुक्त हो, इस अनुच्छेद के तहत उसके संबंध में स्वीकृति प्राप्त की जाएगी।

अनुच्छेद 22

(1) इस अध्याय के तहत एक केन्द्रीय प्राधिकरण के कार्य अध्याय 3 के तहत प्रत्यायित सार्वजनिक प्राधिकरणों या निकायों द्वारा उस राष्ट्र के कानून द्वारा अनुमत सीमा तक किए जा सकते हैं।

(2) कोई संविदाकृत राष्ट्र अभिसमय की डिपॉजिटरी की घोषणा कर सकता है कि उस राष्ट्र में निष्पादित अनुच्छेद 15 से 21 के तहत केन्द्रीय प्राधिकरण के कार्य उस राष्ट्र के सक्षम प्राधिकारियों के पर्यवेक्षण के अधीन और कानून द्वारा अनुमति सीमा तक एवं निकायों या व्यक्तियों द्वारा भी पूरे किए जा सकते हैं जो -

क) उस राष्ट्र की अखण्डता, व्यावसायिक दक्षता, अनुभव और जवाबदेही की आवश्यकताएं पूरी करते हैं;

ख) अपने नैतिक मानकों द्वारा और अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण के क्षेत्र में कार्य करने के प्रशिक्षण या अनुभव द्वारा योग्यता प्राप्त हैं।

(3) एक संविदाकृत राष्ट्र जो पैरा 2 में दी गई घोषणा करता है, वह निजी अंतरराष्ट्रीय कानूनों पर हेग अभिसमय के स्थायी ब्यूरो को इन निकायों और व्यक्तियों के नाम और पते की सूचना देगा।

(4) कोई संविदाकृत राष्ट्र अभिसमय के संग्रहालय की घोषणा कर सकता है कि इनके अधिकार क्षेत्र में साधारण रूप से निवास करने वाले बच्चों के दत्तक ग्रहण केवल पैरा 1 के अनुसार केन्द्रीय प्राधिकरणों द्वारा कार्य निष्पादित किए जाते हैं।

(5) पैरा 2 के तहत कोई घोषणा शामिल नहीं होने के बावजूद प्रत्येक मामले में अनुच्छेद 15 और 16 के लिए दी गई रिपोर्ट को केन्द्रीय प्राधिकरण या अन्य प्राधिकरणों या निकायों के दायित्व के तहत पैरा 1 के अनुसार तैयार किया जा सकता है।

अध्याय V - दत्तक ग्रहण की मान्यता और प्रभाव

अनुच्छेद 23

(1) दत्तक ग्रहण के राष्ट्र के सक्षम प्राधिकरण द्वारा प्रमाणित एक दत्तक ग्रहण को अन्य संविदाकृत राष्ट्रों में कानून के प्रचालन द्वारा अभिसमय के अनुसार मान्यता दी जाएगी। इस प्रमाणपत्र में निर्दिष्ट किया जाएगा कि अनुच्छेद 17, उप पैरा (ग) के तहत कब और किसके द्वारा करार किए गए थे।

- (2) प्रत्येक संविदाकृत राष्ट्र हस्ताक्षर, अभिपुष्टिकरण, स्वीकार्यता, अनुमोदन या आरोहण के समय पहचान के अभिसमय के संग्रहालय को तथा प्राधिकरण या प्राधिकरणों के कार्यों को अधिसूचित करेगा, जो उस राष्ट्र में प्रमाणन के लिए सक्षम हैं। यह इन प्राधिकरणों के पद में किसी आशोधन की अधिसूचना संग्रहालय को भी देगा।

अनुच्छेद 24

दत्तक ग्रहण की मान्यता संविदाकृत राष्ट्र में केवल तभी अस्वीकृत की जा सकती है यदि दत्तक ग्रहण इसकी सार्वजनिक नीति के विपरीत रूप से प्रकट होता है, जिसमें बच्चे के सर्वोत्तम हित को विचार में लिया गया है।

अनुच्छेद 25

किसी संविदाकृत राष्ट्र द्वारा अभिसमय के संग्रहालय की घोषणा की जा सकती है जिस पर इस अभिसमय के तहत अनुच्छेद 39, पैरा 2 के अनुप्रयोग द्वारा सम्पन्न एक करार के अनुसार दत्तक ग्रहण को मान्यता देने की बाध्यता नहीं होगी।

अनुच्छेद 26

- (1) दत्तक ग्रहण की मान्यता में निम्नलिखित की मान्यता शामिल है
- क) एक बच्चे और उसके दत्तक ग्रहण करने वाले माता पिता के बीच कानूनी तौर पर अभिभावक-बालक का संबंध;
 - ख) बच्चे का दत्तक ग्रहण करने वाले माता पिता का अभिभावक के रूप में दायित्व;
 - ग) बच्चे और उसके माता तथा पिता के बीच पूर्व अस्तित्व वाले कानूनी संबंध का समापन, यदि संविदाकृत राष्ट्र में इस आशय का दत्तक ग्रहण प्रभावी है जहां इसे बनाया गया था।
- (2) ऐसे दत्तक ग्रहण के मामले में जहां प्राप्त करने वाले राष्ट्र में पूर्व अस्तित्व वाले कानूनी अभिभावक-बालक संबंध का समापन किया गया है, और किसी अन्य संविदाकृत राष्ट्र में जहां दत्तक ग्रहण को मान्यता दी गई है, ऐसे प्रत्येक राष्ट्र में इस आशय वाले दत्तक ग्रहण के परिणाम स्वरूप बच्चे को समान अधिकार प्राप्त होंगे।
- (3) संविदाकृत राष्ट्र में पिछले पैराग्राफ में बच्चे के लिए अधिक पक्षकारी किसी प्रावधान के अनुप्रयोग में कोई पूर्वाग्रह नहीं होगा जहां दत्तक ग्रहण को मान्यता दी जाती है।

अनुच्छेद 27

- (1) जहां जन्म के राष्ट्र में प्रदत्त दत्तक ग्रहण से पूर्व अस्तित्व वाले अभिभावक-बालक के कानूनी संबंध समाप्त हो जाते हैं, यह प्राप्त करने वाले राष्ट्र में उक्त प्रभाव वाले एक दत्तक ग्रहण में परिवर्तित हो जाएगा, जो अभिसमय के तहत दत्तक ग्रहण को मान्यता देता है।

- क) यदि प्राप्त करने वाले राष्ट्र का कानून ऐसी अनुमति देता है, और
 ख) यदि अनुच्छेद 4, उप पैराग्राफ ग और घ में संदर्भित स्वीकृतियां उक्त दत्तक ग्रहण के प्रयोजन हेतु दी गई हैं या दी जा रही हैं।

(2) अनुच्छेद 23 दत्तक ग्रहण को रूपांतरित करने के निर्णय पर लागू होता है।

अध्याय VI – सामान्य प्रावधान

अनुच्छेद 28

अभिसमय जन्म के राष्ट्र के किसी कानून को प्रभावित नहीं करता है जिसके लिए आवश्यक है कि एक बच्चे का दत्तक ग्रहण साधारण रूप से निवास के राष्ट्र के अंदर या उस राष्ट्र में किया जाए या जो दत्तक ग्रहण से पूर्व प्राप्त करने वाले राष्ट्र में बच्चे के स्थायी नियोजन, या स्थानांतरण का निषेध करता है।

अनुच्छेद 29

संभावित दत्तक ग्रहण करने वाले माता पिता और बच्चे के माता – पिता या अन्य व्यक्तियों के बीच तब तक कोई संपर्क नहीं होगा जब तक अनुच्छेद 4, उप पैराग्राफ क) से ग) की आवश्यकताएं पूरी नहीं की जाती हैं, जो बच्चे की देखभाल करते हैं, जब तक एक परिवार के अंदर दत्तक ग्रहण नहीं हो जाता या जब तक जन्म के राष्ट्र के सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्थापित शर्तों के अनुसार संपर्क का पालन नहीं किया जाता है।

अनुच्छेद 30

- (1) संविदाकृत राष्ट्र के सक्षम प्राधिकारी सुनिश्चित करेंगे कि बच्चे के जन्म के विषय में उनके पास उपलब्ध सूचना, विशेष रूप से उसके माता पिता की पहचान और चिकित्सा इतिहास को संरक्षित किया जाता है।
- (2) वे सुनिश्चित करेंगे कि बच्चा या उसके प्रतिनिधि उक्त सूचना तक उपयुक्त मार्गदर्शन के अधीन अभिगम्यता बना सकें, जहां तक उस राष्ट्र के कानून द्वारा अनुमत है।

अनुच्छेद 31

अनुच्छेद 30 के प्रति पूर्वाग्रह के बिना अभिसमय के तहत प्राप्त या प्रेषित व्यक्तिगत आंकड़े, विशेष रूप से अनुच्छेद 15 और 16 में संदर्भित आंकड़े केवल उसी प्रयोजन के लिए उपयुक्त किए जाएंगे जिनके लिए इन्हें संग्रह या प्रेषित किया गया था।

अनुच्छेद 32

- (1) अंतरदेशीय दत्तक ग्रहण से संबंधित एक कार्यक्रमलाप से किसी प्रकार की अनुचित वित्तीय या अन्य लाभ की प्राप्ति नहीं की जाएगी।

- (2) केवल लागतें और व्यय, जिसमें दत्तक ग्रहण शामिल व्यक्तियों के उपयुक्त व्यावसायिक शुल्क शामिल हैं, का प्रभार लिया या भुगतान किया जाएगा।
- (3) एक दत्तक ग्रहण में शामिल निदेशक, प्रशासक और निकायों के कर्मचारी कोई परिलब्धि ग्रहण नहीं करेंगे जो प्रदान की गई सेवा के संबंध में अनुपयुक्त रूप से अधिक है।

अनुच्छेद 33

एक सक्षम प्राधिकारी जिसे पता लगता है कि अभिसमय के किसी प्रावधान का आदर नहीं किया गया है या इसमें एक गंभीर जोखिम है कि इसका आदर नहीं किया जाएगा तो यह उस राष्ट्र के केन्द्रीय प्राधिकरण को तत्काल सूचित करेगा। यह केन्द्रीय प्राधिकरण इसे सुनिश्चित करने के लिए उत्तरदायी होगा कि उपयुक्त उपाय किए जाते हैं।

अनुच्छेद 34

यदि एक दस्तावेज के गंतव्य के राष्ट्र के सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुरोध किया जाता है तो मूल दस्तावेज कि अनुरूपता में इसका प्रमाणित अनुवाद उपलब्ध कराया जाएगा। जब तक कि अन्यथा बताया न गया हो, उक्त अनुवाद की लागत संभावित दत्तक ग्रहण करने वाले माता पिता द्वारा वहन की जाएगी।

अनुच्छेद 35

संविदाकृत राष्ट्रों के सक्षम प्राधिकारी दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया में शीघ्रता पूर्वक कार्य करेंगे।

अनुच्छेद 36

उस राष्ट्र के संबंध में जहां विभिन्न प्रादेशिक इकाइयों में दत्तक ग्रहण के विषय में दो या अधिक कानूनी प्रणालियां लागू हैं --

- क) उस राष्ट्र में साधारण निवास के किसी संदर्भ को उस राष्ट्र की प्रादेशिक इकाई में साधारण निवास के अर्थ में संदर्भित किया जाएगा;
- ख) उस राष्ट्र के कानून के किसी संदर्भ को संगत प्रादेशिक इकाई में लागू कानून के अर्थ में संदर्भित किया जाएगा;
- ग) सक्षम प्राधिकरण या उस राष्ट्र के सार्वजनिक प्राधिकरण का कोई संदर्भ संगत प्रादेशिक इकाई में कार्रवाई हेतु अधिकृत रूप में संदर्भित अर्थ में लिया जाएगा;
- घ) उस राष्ट्र के प्रत्यायित निकायों के किसी संदर्भ को संगत प्रादेशिक इकाई में प्रत्यायित निकायों के संदर्भ के अर्थ में लिया जाएगा।

अनुच्छेद 37

एक राष्ट्र के संबंध में, जहां व्यक्तियों की विभिन्न श्रेणियों पर कानून की दो या अधिक प्रणालियां लागू हैं, उस राष्ट्र के कानून के किसी संदर्भ को उस राष्ट्र के कानून द्वारा निर्दिष्ट कानूनी प्रणाली के संदर्भ के अर्थ में लिया जाएगा।

अनुच्छेद 38

एक राष्ट्र के अंदर, जहां विभिन्न प्रादेशिक इकाइयां दत्तक ग्रहण के संदर्भ में कानून के अपने नियम रखती हैं, वे अभिसमय को लागू करने के लिए बाध्य नहीं होंगी जहां एक एकीकृत कानूनी प्रणाली वाला राष्ट्र ऐसा करने के लिए बाध्य नहीं होगा।

अनुच्छेद 39

- (1) अभिसमय किसी ऐसे अंतरराष्ट्रीय कानून को प्रभावित नहीं करता जिसके पक्षकार संविदाकृत राष्ट्र हैं और जिसमें अभिसमय द्वारा अभिशासित मामलों पर प्रावधान निहित हैं, जब तक कि उक्त कानून पर राष्ट्र पक्षकारों द्वारा एक विपरीत घोषणा नहीं की जाती है।
- (2) कोई संविदाकृत राष्ट्र अन्य एक या अनेक संविदाकृत राष्ट्रों के साथ करार में इनके आपसी संबंधों में अभिसमय के अनुप्रयोग में सुधार लाने के विचार से प्रवेश कर सकता है। ये करार केवल अनुच्छेद 14 से 16 और 18 से 21 के प्रावधानों से हटाए जा सकते हैं। ऐसे राष्ट्र जिन्होंने ऐसे करार सम्पन्न किए हैं, वे अभिसमय के संग्रहालय में इसकी एक प्रति भेजेंगे।

अनुच्छेद 40

अभिसमय के लिए कोई आरक्षण अनुमत नहीं होंगे।

अनुच्छेद 41

अभिसमय ऐसे प्रत्येक मामले में लागू होगा जहां प्राप्त करने वाले राष्ट्र और जन्म के राष्ट्र में अभिसमय के प्रवेश के बाद अनुच्छेद 14 के अनुपालन में एक आवेदन प्राप्त किया गया है।

अनुच्छेद 42

हेग अभिसमय के महासचिव अभिसमय के व्यावहारिक प्रचालन की समीक्षा के लिए नियमित अंतराल पर निजी अंतरराष्ट्रीय कानून पर एक विशेष आयोग का आयोजन करेंगे।

अध्याय VII – अंतिम खंड

अनुच्छेद 43

- (1) अभिसमय उन राष्ट्रों द्वारा, जो निजी अंतरराष्ट्रीय कानून पर हेग अभिसमय के 17वें सत्र के समय इसके सदस्य थे और जिन्होंने उस सत्र में भाग लिया ऐसे अन्य राष्ट्रों द्वारा हस्ताक्षर के लिए खुला होगा।

- (2) इसकी अभिपुष्टि, स्वीकार्यता या अनुमोदन किया जाएगा और अभिपुष्टि, स्वीकार्यता या अनुमोदन के कानून को किंगडम ऑफ नीदरलैंड्स में स्थित विदेश मंत्रालय के अभिसमय संग्रहालय में जमा किया जाएगा।

अनुच्छेद 44

- (1) अन्य कोई राष्ट्र अभिसमय में सम्मिलित हो सकता है जब वह अनुच्छेद 46, पैराग्राफ 1 के अनुसार इसके लागू होने में प्रवेश कर चुका हो।
- (2) परिग्रहण को कानून संग्रहालय के पास जमा किया जाएगा।
- (3) उक्त परिग्रहण केवल सम्मिलित होने वाले राष्ट्र और उन अन्य संविदाकृत राष्ट्रों के बीच संबंध के विषय में प्रभावी होगा जिन्होंने अनुच्छेद 48 के उप पैराग्राफ ख) में संदर्भित अधिसूचना प्राप्त होने के बाद 6 माह में इसके परिग्रहण पर कोई आपत्ति नहीं उठाई है। उक्त आपत्ति राष्ट्रों द्वारा उस समय उठाई जा सकती है जब वे एक परिग्रहण के बाद अभिसमय की अभिपुष्टि, स्वीकार्यता या अनुमोदन करते हैं। ऐसे किसी आपत्ति को संग्रहालय के पास अधिसूचित किया जाएगा।

अनुच्छेद 45

- (1) यदि एक राष्ट्र में दो या अधिक प्रादेशिक इकाइयां हैं, जहां अभिसमय से संबंधित मामलों पर कानून की अलग अलग प्रणालियां लागू हैं तो इसके द्वारा इस अभिसमय पर हस्ताक्षर, अभिपुष्टि, स्वीकार्यता, अनुमोदन या परिग्रहण के समय घोषित किया जा सकता है कि यह अभिसमय इसकी सभी प्रादेशिक इकाइयों या केवल इनमें से एक या अधिक पर लागू होगा और वह किसी भी समय एक अन्य घोषणा जमा करने पर इस घोषणा में संशोधन कर सकता है।
- (2) ऐसी किसी घोषणा को संग्रहालय में अधिसूचित किया जाएगा और यह उन प्रादेशिक इकाइयों को व्यक्त करेगी जिन पर यह अभिसमय लागू होता है।
- (3) यदि इस अनुच्छेद के तहत एक राष्ट्र द्वारा कोई घोषणा नहीं की जाती है तो यह अभिसमय उस राष्ट्र की सभी प्रादेशिक इकाइयों पर लागू होगा।

अनुच्छेद 46

- (1) यह अभिसमय अनुच्छेद 43 में संदर्भित अभिपुष्टि, स्वीकार्यता या अनुमोदन के तीसरे लिखत को जमा करने के बाद तीन माह की अवधि समाप्त होने के बाद आने वाले माह के पहले दिन लागू होगा।
- (2) इसके बाद अभिसमय इस प्रकार लागू होगा —
- क) अभिपुष्टि, स्वीकार्यता या अनुमोदन देने वाले प्रत्येक, परिणामस्वरूप, या इसमें सम्मिलित होने वाले राष्ट्र के लिए अभिपुष्टि, स्वीकार्यता, अनुमोदन या सम्मिलित

होने के इसके कानून के जमा करने के बाद तीन माह की अवधि समाप्त होने के बाद आने वाले माह के पहले दिन लागू होगा;

- ख) एक ऐसी प्रादेशिक इकाई, जहां उस अनुच्छेद में संदर्भित अधिसूचना के बाद तीन माह समाप्त होने के पश्चात आने वाले माह के पहले दिन अनुच्छेद 45 के अनुरूपता अभिसमय विस्तारित किया गया है।

अनुच्छेद 47

- (1) अभिसमय का पक्षकार एक राष्ट्र न्यासी को संबोधित एक अधिसूचना द्वारा इसे समाप्त भी कर सकता है।
- (2) समाप्त करने की यह घोषणा न्यासी द्वारा अधिसूचना प्राप्त होने के 12 माह समाप्त होने के बाद आने वाले माह के पहले दिन प्रभावी होगी। जहां घोषणा रद्द करने की अपेक्षाकृत लंबी अवधि अधिसूचना में निर्दिष्ट की गई है, वहां संग्रहालय में अधिसूचना प्राप्त होने के बाद उक्त लंबी अवधि समाप्त होने के बाद समाप्ति की घोषणा प्रभावी होगी।

अनुच्छेद 48

न्यासी द्वारा निजी अंतरराष्ट्रीय कानून पर हेग अभिसमय के राष्ट्र सदस्यों, 17वें सत्र में भाग लेने वाले अन्य राष्ट्रों तथा अनुच्छेद 44 के अनुसार सम्मिलित होने वाले राष्ट्रों को निम्नलिखित की अधिसूचना दी जाएगी।

- क) अनुच्छेद 43 में संदर्भित हस्ताक्षर, अभिपुष्टि, स्वीकार्यता और अनुमोदन;
- ख) अनुच्छेद 44 में संदर्भित परिग्रहण और परिग्रहणों पर उठाई गई आपत्तियों;
- ग) वह तिथि जिस पर अनुच्छेद 46 के अनुसार अभिसमय प्रभावी हुआ;
- घ) अनुच्छेद 22, 23, 25 और 45 में संदर्भित घोषणाएं और पद;
- ङ) अनुच्छेद 39 में संदर्भित करार
- च) अनुच्छेद 47 में संदर्भित समाप्त की गई घोषणाएं

अधोहस्ताक्षरी की गवाही में, जिसे इसके साथ विधिवत अधिकृत किया गया, इस अभिसमय पर हस्ताक्षर किए गए हैं, इसे 29 मई 1993 को अंग्रेजी और फ्रांसीसी भाषाओं में हेग में निष्पादित किया गया और दोनों पाठ समान रूप से प्रमाणिक होने के साथ इसकी एक प्रति, जिसे किंगडम ऑफ नीदरलैंड की सरकार के अभिलेखागार में जमा किया जाएगा और जिसकी एक प्रमाणित प्रति राजनयिक मार्ग से निजी अंतरराष्ट्रीय कानून पर हेग सम्मेलन के प्रत्येक सदस्य राष्ट्र को, जो इसके 17वें सत्र में हैं और उस सत्र में भाग लेने वाले अन्य प्रत्येक राष्ट्र को भेजी जाएगी।

अनुसूची X
(पैराग्राफ 31 (6) देखें)

अनापत्ति प्रमाणपत्र जारी करने के लिए एआरसी तथा कारा के समक्ष आरआईपीए द्वारा जमा किए जाने वाले दस्तावेज

क. बाल विशिष्ट दस्तावेज :

- 1 बाल अध्ययन रिपोर्ट (बच्चे की पृष्ठभूमि के साथ) जिसे पीएपी द्वारा स्वीकार किया गया है।
- 2 बच्चे की चिकित्सा जांच रिपोर्ट (समर्थक दस्तावेजों के साथ) जिसे पीएपी द्वारा स्वीकार किया गया है।
- 3 आरआईपीए द्वारा शपथ पत्र, जैसा अनुसूची 11 में दिया गया है।
- 4 बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) द्वारा घोषणा, देखरेख और संरक्षण की जरूरत वाले बच्चों के मामले में सक्षम प्राधिकारी द्वारा, कि बच्चा दत्तक ग्रहण के लिए कानूनी रूप से स्वतंत्र है।
- 5 एक ऐसे बच्चे के मामले में पत्र जो समझ सकता है और अपनी स्वीकृति दे सकता है।
- 6 बच्चे की नवीनतम मूल तस्वीर
- 7 एक बच्चे को एक राज्य या जिले या एजेंसी से अन्यत्र स्थानांतरित करने के मामले में स्थानांतरण प्रमाणपत्र।

ख. पीएपी संबंधित दस्तावेज (अंतर देशीय दत्तक ग्रहण के लिए एएफएए या सीए या सरकारी विभाग से प्राप्त) :

क्र. सं.	दस्तावेज
क.	प्राप्त करने वाले देश के केंद्रीय प्राधिकरण द्वारा निम्नलिखित घोषणाओं के साथ घोषणा, जैसा अंतर देशीय दत्तक ग्रहण पर हेगअभिसमय के अनुच्छेद 5 के तहत बताया गया है : <ul style="list-style-type: none"> • कि पीएपी को अपने देश के कानून के अनुसार एक बच्चे के दत्तक ग्रहण के लिए पात्रता है और उपयुक्त है; • कि पीएपी को अनिवार्य परामर्श दिया गया है; • कि पीएपी द्वारा बच्चे के दत्तक ग्रहण पर उस देश में प्रवेश करने तथा स्थाई रूप से निवास करने का अधिकार होगा; <p style="text-align: center;">या</p> <p style="text-align: center;">हेग अभिसमय के अनुच्छेद 17 के तहत करार</p>
ग.	ईएफएए के व्यावसायिक सामाजिक कार्यकर्ता या केंद्रीय प्राधिकरण या सरकारी विभाग द्वारा अधिकृत व्यक्ति द्वारा तैयार की गई संभावित विदेशी दत्तक ग्रहण करने वाले नाता पिता की गृह अध्ययन रिपोर्ट
घ.	पीएपी की हाल की फोटोग्राफ
ड.	पीएपी का वैवाहिक प्रमाण पत्र / तलाक का आदेश

च.	चिकित्सीय डॉक्टर द्वारा विधिवत प्रमाणित पीएपी का मेडिकल फिटनेस का प्रमाण पत्र
छ.	संभावित दत्तक ग्रहण करने वाले माता पिता की वित्तीय स्थिति के बारे में समर्थक दस्तावेजों, नियोक्ता के प्रमाणपत्र या अन्यकर विवरण आदेश और बैंक संदर्भों के साथ घोषणा
झ.	दत्तक ग्रहण करने वाले पीएपी की उपायुक्तता के विषय में जानकारी या संबंधियों से तीन संदर्भ पत्र
ज.	पहले दत्तक ग्रहण किए गए बच्चे या बच्चों का दत्तक ग्रहण आदेश, यदि भारत से हैं
ञ.	पुलिस निकासी रिपोर्ट
ट.	जन्मतिथि या पासपोर्ट, आयु का प्रमाण पत्र, सश्र्तीयता और नागरिकता
ठ.	एकल अभिभावक के मामले में संबंधी की ओर से वचन
ड.	पीएपी के अपने जैविक बच्चे या बच्चों की सहमति
ड.	अन्य दस्तावेज, यदि कोई हो

अनुसूची X

(पैराग्राफ 31 (7) देखें)

अंतर देशीय दत्तक ग्रहण के मामले में आरआईपीए द्वारा एआरसी तथा कारा में जन्म होने वाला नमूना शपथ पत्र

..... का शपथ पत्र जो में (एजेंसी का नाम) पता में कार्यरत है।

मैं, उपरोक्त नाम का अभिसाक्षी एतद्वारा शपथ पूर्वक निम्नानुसार पुष्टि करता हूँ :

कि मैं मान्यता प्राप्त भारतीय नियोजन एजेंसी (आरआईपीए) का महासचिव या अध्यक्ष (एजेंसी का नाम) या प्रबंधन न्यासी इस शपथ पत्र का वचन देता हूँ।

कि मैं पुष्टि करता हूँ कि बच्चे से संबंधित सभी मूल दस्तावेजों का सत्यापन मैंने किया है और उक्त मूल दस्तावेज हमारे संगठन के स्वामित्व में हैं और मैं एतद्वारा घोषणा करता हूँ कि ये दस्तावेज, इनकी प्रतियाँ, जिन्हें बच्चे का नाम जन्म तिथि पीएपी को देना प्रस्तावित है, जो ईएफएए के जरिए देश से आए हैं, हेतु एआरसी द्वारा सिफारिश प्रमाणपत्र जारी करने के लिए अग्रप्रेषित किए जा रहे हैं या किए गए हैं, वास्तविक और अभिप्रमाणित दस्तावेज हैं।

अंतर देशीय दत्तक ग्रहण के लिए प्रस्तावित बच्चे को किशोर न्याय अधिनियम 2000 (जिसे 2006 में संशोधित किया गया) के अनुसार बाल कल्याण समिति द्वारा दत्तक ग्रहण के लिए कानूनी रूप से स्वतंत्र घोषित किया गया है।

मैं एतद्वारा घोषणा करता हूँ कि एजेंसी स्वदेशी दत्तक ग्रहण को बढ़ावा देने में सक्रिय है और यह कि अनुबंधित अनुपात का पालन किया जा रहा है।

मैं एतद्वारा घोषणा करता हूँ कि यदि एजेंसी की ओर से एआरसी और कारा में जमा किए गए जाने वाले दस्तावेजों में कोई विकृति या हेर फेर या दोष पाया जाता है और यदि उक्त दस्तावेज किसी भी समय जाली या अवास्तविक पाए जाते हैं तो मैं झूठी घोषणा करने के लिए शास्तियों सहित कानून के सभी परिणामों का उत्तरदायी रहूंगा।

मुझे यह भी पता है कि कारा के किसी मार्गदर्शी सिद्धांत के उल्लंघन से एजेंसी की मान्यता रद्द हो सकती है और मैं (एजेंसी का नाम) की ओर से कारा के मार्गदर्शी सिद्धांत, परामर्शिका, कारा द्वारा समय समय पर जारी परिपत्रों और अन्य निर्देशों का पालन करने का वचन देता हूँ।

अभिसाक्षी

सत्यापन

मैं, उपरोक्त अभिसाक्षी एतद्वारा सत्यापित करता हूँ कि उपरोक्त शपथ पत्र की सामग्री सत्य और सही है, इसका कोई भी हिस्सा झूठा नहीं है तथा किसी सामग्री को छुपाया नहीं गया है।

सत्यापित दिनांक स्थान

अभिसाक्षी

मेरे सामने वचन दिया और

मेरी उपस्थिति में दिवस, 2010 को हस्ताक्षर किया गया।

अनुसूची XII

(देखें पैराग्राफ 31 (18))

एआरसी के संस्तुति प्रमाणपत्र के लिए प्रारूप

दिनांक

प्रमाणित किया जाता है कि (आरआईपीए) से (दिनांक) को बच्चे का नाम (जन्म तिथि) के मामले में प्राप्त दत्तक ग्रहण डोसियर की जांच की गई है जिसके लिए (एएफएए) द्वारा प्रसंसाधित (देश) के (पीएपी का नाम) हेतु अंतर देशीय दत्तक ग्रहण का प्रस्ताव है।

समिति ने दस्तावेजों की छानबीन की है और साथ ही दत्तक ग्रहण के लिए प्रस्तावित बच्चे एवं संभावित दत्तक ग्रहण माता पिता की उपयुक्तता की भी जांच की है।

समिति केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (कारा) को अंतर देशीय दत्तक ग्रहण के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र जारी करने की सिफारिश करती है।

सदस्यों के नाम सहित हस्ताक्षर

अनुसूची XIII

(पैराग्राफ 34 (4) देखें)

अंतर देशीय दत्तक ग्रहण की अनुरूपता के लिए संस्तुत आदर्श प्रमाणपत्र

(अंतर देशीय दत्तक ग्रहण के संबंध में बच्चों के संरक्षण और सहयोग पर 29 मई, 1993 के हेग अभिसमय का अनुच्छेद 23)

1 अधोहस्ताक्षरी प्राधिकारी

(दत्तक ग्रहण के राज्य के सक्षम प्राधिकारी का नाम और पता)

.....

2 एतद्वारा प्रमाणित किया जाता है कि बच्चे का विवरण इस प्रकार है :

परिवार का नाम :

पहला नाम :

लिंग : पुरुष () महिला ()

जन्मतिथि : दिन माह वर्ष

जन्म का स्थान :

साधारण तौर पर निवास :

3 इसे निम्नलिखित प्राधिकरण के निर्णय के अनुसार दत्तक ग्रहण किया गया था

.....
 फैसले की तिथि :

तिथि, जब फैसले को अंतिम रूप दिया गया :

(यदि दत्तक ग्रहण एक प्राधिकरण के निर्णय के अलावा किसी अन्य तरीके से किया गया तो कृपया सम्बन्ध विवरण बताएं)

4 निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा

क दत्तक ग्रहण करने वाले पिता के परिवार का नाम :

पहला नाम :

जन्मतिथि : दिन माह वर्ष

जन्म का स्थान :

दत्तक ग्रहण के समय में साधारण रूप से निवास :

ख दत्तक ग्रहण करने वाली मां के परिवार का नाम :

पहला नाम :

जन्मतिथि : दिन माह वर्ष

जन्म का स्थान :

दत्तक ग्रहण के समय में साधारण रूप से निवास :

- 5 अधोहस्ताक्षरी प्राधिकरण द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि दत्तक ग्रहण अभिसमय के अनुसार किया गया था और अनुच्छेद 17 उप पैराग्राफ ग के तहत निम्नलिखित द्वारा करार किया गया था :

क जन्म के राज्य के केंद्रीय प्राधिकरण का नाम और पता

.....

.....

करार की तिथि

ख प्राप्त करने वाले राज्य के केंद्रीय प्राधिकरण का नाम और पता

.....

.....

करार की तिथि

- 6 () दत्तक ग्रहण का पूर्व अस्तित्व वाले कानूनी माता पिता — बच्चे के संबंध को समाप्त करने का प्रभाव था

() दत्तक ग्रहण का पूर्व अस्तित्व वाले कानूनी माता पिता — बच्चे के संबंध को समाप्त करने का प्रभाव नहीं था

तैयार किया गया स्थान दिनांक

हस्ताक्षर या मुहर

(1) या सार्वजनिक प्राधिकरण, निकाय या व्यक्ति जिसे अभिसमय के अनुच्छेद 22 (1) या (2) के अनुसार नाम निर्दिष्ट किया गया।

अनुसूची XIV
(पैराग्राफ 37 (1), 48 (2) और 48 (5) देखें)
नियोजन पश्चात रिपोर्ट के लिए प्रारूप
नियोजन पश्चात रिपोर्ट संख्या

पहचान की जानकारी :

बच्चे का मूल नाम :

आगमन की तिथि

बच्चे की जन्मतिथि :

बच्चे का नया नाम :

परिवार का नाम :

पता :

फोन :

परिवार के साथ संपर्क :

- टेलीफोन कॉल की तिथियां और मुलाकात की रिपोर्ट
- ये मुलाकातें कहां हुईं
- कौन उपस्थित था

बच्चे का समायोजन :

- मौजूदा लंबाई और वजन
- खाने और सोने की आदतें
- भाषा (यदि उपयुक्त हो)
- शारीरिक जांच या डॉक्टर के आर्से का परिणाम
- भावनात्मक, शारीरिक और सामाजिक विकास
- परिवार के सदस्यों के साथ जुड़ाव
- बच्चे का स्कूल में नामांकन (यदि उपयुक्त हो)

परिवार के साथ समायोजन :

- नई जिम्मेदारी, बदलती भूमिकाओं के साथ निपटने में परिवार का तरीका,
- परिवार की समस्याओं का विवरण जिनका अनुभव किया गया और वे इनका प्रबंधन किस प्रकार करते हैं,
 - सांस्कृतिक अंतर (यदि उपयुक्त हो)

- भाषा
- अनुशासन की विधियाँ

- भाई बहनों के प्रति प्रत्युत्तर और जुड़ाव (यदि उपयुक्त हो)

परिवार की संरचना में महत्वपूर्ण परिवर्तन या गतिकी

- निवास में बदलाव, नौकरी, कार्य की जिम्मेदारियों, बीमारी आदि।

व्यावसायिक सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा सारांश और सिफारिशें

(हस्ताक्षर)
सामाजिक कार्यकर्ता का नाम,
शीर्षक, एजेंसी का नाम और तिथि

अनुसूची XV
(पैराग्राफ 54 (2) (vi), 57 (3) (ix) और 95 देखें)
बाल देखरेख के न्यूनतम मानक

1. दत्तक ग्रहण एजेंसियां किशोर न्याय आदर्श नियम 2007 या राज्य किशोर न्याय नियमों के तहत निर्धारित बाल देखरेख के न्यूनतम मानकों का पालन करेंगी। जबकि बाल देखरेख प्रदान करते समय निम्नलिखित मुद्दे महत्वपूर्ण हैं :
 - (क) बच्चे के जीवन के प्रारंभिक बाल्यावस्था के कुछ शुरुआती वर्षों में उसकी तंत्रिका वैज्ञानिक वृद्धि पूरी हो जाती है और यह उसके शेष जीवन के दौरान मस्तिष्क की क्षमताओं का निर्धारण करती है। इसके अलावा एक बच्चे को तीन वर्ष की आयु तक बोधात्मकता, बौद्धिक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक रूप से विकसित करने के लिए सकारात्मक जुड़ाव का अनुभव करने की जरूरत होती है। अंततः एसएए द्वारा ऐसे बच्चों के लिए वैकल्पिक परिवार खोजने का कार्य शीघ्रतापूर्वक किया जाएगा ताकि वे अपनी शैशवावस्था के दौरान जुड़ाव और उपयुक्त बंधन के अनुभव को विकसित कर सकें।
 - (ख) गुणवत्तापूर्ण बाल देखरेख (प्रारंभिक बाल्यावस्था देखरेख) का अर्थ है पर्याप्त स्वास्थ्य देखरेख, टीकाकरण, भोजन और पोषण प्रदान करना, एक सुरक्षित परिवेश का सृजन ताकि शिशु और छोटे बच्चे अपने साथियों के साथ खेल सकें और सामाजिक रूप से घुल मिल सकें, स्कूल के लिए तैयार करने और प्राथमिक स्कूल

के बच्चों की तैयारी को बढ़ावा दिया जा सके तथा बाल्यावस्था के आरंभिक वर्षों के दौरान संपूर्ण विकास पर ध्यान केन्द्रित किया जा सके।

(ग) यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि जब बच्चा संस्थान में है तब उसके साथ कोई दुर्व्यवहार और उपेक्षा का कोई दृष्टांत नहीं होता है।

2. एजेंसियों को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता कि बच्चों को संस्थान में निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान की जाती है :

(क) भौतिक सुविधाएं :

(i) भौतिक परिवेश जहां बच्चों की देखरेख की जाती है, स्वच्छ होना चाहिए। एजेंसी में स्वच्छता और सफाई का रखरखाव पर्याप्त होना चाहिए क्योंकि संस्थान में अधिकांशतः छोटे बच्चे होते हैं और उन्हें अनेक प्रकार की बीमारियां होती हैं। एक कमरे में एक वर्ष से कम आयु वाले बच्चों को रखा जाना चाहिए जिसके साथ बाथरूम और दूध पिलाने का कमरा जुड़ा हो। ऐसे बच्चे जिसकी आयु 1-3 वर्ष के बीच है उन्हें जुड़े हुए बाथरूम के साथ जुड़े कमरे में रखा जाना चाहिए। बड़े बच्चों को लड़कें और लड़कियों के अलग अलग कमरों में रखा जाना चाहिए। प्रत्येक कमरे के साथ स्नान कक्ष और शौचालय जुड़े होने चाहिए।

(ii) इसमें बर्तन धोने का स्थान अलग होना चाहिए और बड़े बच्चों के लिए भोजन कक्ष तथा बड़ी रसोई होनी चाहिए। यहां, अनिवार्य रूप से अच्छी रोशनी, हवा के आने जाने और पर्याप्त स्थान होना चाहिए।

(iii) घर स्वच्छ, साफ, विशेष रूप से यहां स्नान कक्ष, शौचालय और रसोई स्वच्छ होने चाहिए। दीवारें और आस पास का परिवेश साफ — सुथरा और मन खुश करने वाला होना चाहिए। कक्षों को सजाने के लिए उन पर अच्छा पेंट होना चाहिए और यहां खिलौने, जानवरों की तस्वीरें आदि लगी होनी चाहिए।

(ख) चिकित्सीय सुविधाएं :

नियमित चिकित्सीय निरीक्षण किया जाना चाहिए। जहां तक संभव हो प्रत्येक दिन बाद पंजीकृत चिकित्सा प्रेक्टिशनर द्वारा निरीक्षण किया जाना चाहिए। बाल रोग विशेषज्ञ जोखिम से भरे और सुभेद्य बच्चों का निदान और इलाज करने में सर्वोत्तम रूप से प्रशिक्षित होते हैं।

- (i) शिशुओं और बच्चों को संस्थान में प्रवेश करते समय उन्हें एक सप्ताह तक अलग और पर्यवेक्षण के अधीन रखा जाना चाहिए।
- (ii) बच्चे के प्रवेश के समय उसका वजन, लंबाई और सिर के घेरे को अन्य विवरणों के साथ दर्ज किया जाना चाहिए।
- (iii) चिकित्सा अभिलेख रखा जाना चाहिए और डॉक्टर को जितनी जल्दी संभव हो बच्चे का आकलन उसके प्रवेश के 24 घण्टों के अंदर करना चाहिए।
- (iv) 6 माह से कम आयु के प्रत्येक बच्चे की तस्वीर 6 माह तक हर माह पर और 6 माह के बाद 3 वर्ष तक प्रत्येक 3 माह में और इसके बाद प्रत्येक 6 माह पर ली जानी चाहिए।
- (v) नियमित टीकाकरण किया जाना चाहिए और इसकी निगरानी की जानी चाहिए।
- (vi) घर पर हर समय आपातकालीन किट उपलब्ध होना चाहिए और बुलाने पर डॉक्टर के आने की व्यवस्था होनी चाहिए।
- (vii) कर्मचारियों का भी टीकाकरण किया जाना चाहिए।
- (viii) स्वास्थ्य के सामान्य उपाय जैसे स्वच्छता, दंत संबंधी, त्वचा की देखभाल और भोजन का निरीक्षण किया जाना चाहिए।
- (ix) बच्चे के उचित विकास के लिए उसे प्रेरणा देना बहुत महत्वपूर्ण है। यह नर्सों, सहायकों को दैनिक नियम में सरल प्रेरणा तकनीकों को सीखा कर उनके बीच जागरूकता बढ़ाकर किया जा सकता है। यह भी सलाह दी जाती है कि एक फिजियोथैरेपिस्ट नियमित आधार पर इन बच्चों के पास आना चाहिए।

(ग) कर्मचारी :

- (i) एजेंसी में बच्चों की देखरेख के पर्याप्त कर्मचारी होने चाहिए, संभवतः एक वर्ष से कम आयु के लिए 4 : 1, एक से तीन वर्ष के आयु समूह के लिए बच्चों हेतु 5 : 1 और बड़े बच्चों के लिए 8 : 1 के अनुपात में।
- (ii) दत्तक ग्रहण गृहों में ऐसे कर्मियों की आवश्यकता है जो बच्चों के मुहों के प्रति संवेदनशील हैं। उन्हें बच्चों की देखभाल के लिए "शिक्षित" करने की

जरूरत है। यह सिफारिश की जाती है कि नर्सों, सहायकों, देखरेख करने वालों और अन्य कर्मचारियों के लिए कार्यशालाओं का आयोजन किया जाना चाहिए ताकि वे इन बच्चों की विशेष स्थिति को पहचानने में सक्षम बन सकें जो उनकी देखरेख में हैं।

- (iii) बच्चों की अच्छी देखरेख का अविभाज्य भाग एक वचनबद्ध कर्मचारी समूह है, अतः कर्मचारियों का प्रेरणा स्तर उच्च रखा जाना चाहिए।

(घ) कपड़े :

यह महत्वपूर्ण है कि घर में रहने वाले बच्चे साफ, आरामदेह और हर समय अच्छी तरह रखे गए कपड़े पहनें, केवल दत्तक ग्रहण करने वाले माता पिता के आने के समय ही नहीं।

(ङ) खाना :

संस्थान का भोजन स्वच्छतापूर्वक पकाया हुआ, पोषक और स्वादिष्ट होना चाहिए। यहां विभिन्न प्रकार के भोजन बनाए जाने चाहिए। एक विशेष भोजन की आवश्यकता वाले बच्चे की जरूरत पर ध्यान दिया जाना चाहिए। इससे गृह में आने वाले बच्चों के सामने आने वाली कुपोषण की समस्याओं से उबरा जा सकेगा। सूत्रणों के संकेत वाला भोजन चार्ट प्रदर्शित किया जाना चाहिए और इसका पालन किया जाना चाहिए।

(च) शिक्षा :

एसएए को योग्य अध्यापक के माध्यम से अनौपचारिक तथा विशेष शिक्षक के माध्यम से या स्कूलों के साथ गठबंधन से शिक्षा प्रदान की जाए, जो अस्थायी आधार पर बच्चे या बच्चों को ले लेगा।

(छ) स्वयं सेवक :

यह अनिवार्य है कि बच्चों के साथ बात की जाए, उन्हें गले लगाया जाए, गोद में लिया जाए, उनके साथ खेला जाए, कहानियां सुनाई जाएं और गीत गाए जाएं ताकि उसे सुरक्षा का एहसास हो सके। जबकि यह कार्य कर्मचारियों द्वारा नियमित रूप से किया जाना चाहिए, फिर भी सलाह दी जाती है कि इस कार्य के लिए स्वयं सेवकों को प्रोत्साहन दिया जाए।

अनुसूची XVI

(पैराग्राफ 58 (3), 65 (4), 79 (1) (o), 87 (1) (i) और 107 (1) (c) देखें)
बाल देखरेख कॉर्पस (सीसीसी)

पीएपी द्वारा भुगतान की विधियां और दत्तक ग्रहण एजेंसियों द्वारा उपयोगिता

दत्तक ग्रहण एजेंसियां केवल गैर वाणिज्यिक और गैर लाभकारी उद्देश्यों का पालन करने के लिए बाध्य हैं। दत्तक ग्रहण से संबंधित सभी प्रकार के वित्तीय लेनदेनों में परम पारदर्शिता स्थापित करने के आशय से यह आरआईपीए या एसएए या एलएपीए की ओर से निम्नलिखित अनुबंधों का पालन करने की बाध्यता है :

क. पंजीकरण या एचएसआर शुल्क और सीसीसी : पीएपी द्वारा भुगतान की विधियां			
स्वदेशी दत्तक ग्रहण			
	(क)	पंजीकरण शुल्क : 1000 रु.	— पंजीकरण के समय में भुगतान नकद या डीडी (अप्रतिदेय) रुप में किया जाएगा।
	(ख)	गृह अध्ययन रिपोर्ट और दत्तक ग्रहण पश्चात अनुवर्तन सेवाएं 5,000 रु.	— पंजीकरण स्वीकार होने के बाद डीडी या बैंक द्वारा भुगतान किया जाए
	(ग)	सीसीसी : 40,000 रु.	— रेफरल स्वीकार होने के बाद डीडी या बैंक द्वारा भुगतान किया जाए
अंतर — देशीय दत्तक ग्रहण			
	सीसीसी :	5000 अमेरिकी डॉलर	— एएफएए या सीए द्वारा डीडी के माध्यम से आरआईपीए को दो समान किस्तों में भुगतान किया जाए, पहला रेफरल स्वीकार होने पर और दूसरा कारा द्वारा अनापत्ति प्रमाणपत्र जारी करने पर। भाई बहनों के मामले में एक बच्चे के लिए 5000 अमेरिकी डॉलर और दूसरे बच्चे के लिए 2500 अमेरिकी डॉलर।

पीएपी द्वारा उपरोक्त निर्धारित राशि के अलावा आरआईपीए या एसएए या एलएपीए को अन्य कोई भुगतान नहीं किया जाएगा।

ख. आरआईपीए या एसएए या एलएपीए द्वारा सीसीसी की उपयोगिता

(क) सीसीसी में पीएपी द्वारा दिया गया योगदान केवल बैंक या डीडी के माध्यम से आरआईपीए या एसएए या एलएपीए में प्राप्त किया जाएगा।

- (ख) दत्तक ग्रहण एजेंसियां बाल देखरेख कॉर्पस में उपलब्ध राशि का उपयोग केवल बाल गृह में बच्चों के कल्याण और गृह के रखरखाव के लिए करेंगी। इस राशि में दत्तक ग्रहण को अंतिम रूप देने के सभी व्यय शामिल किए जाएंगे।
- (ग) यदि बच्चे को अंतर देशीय दत्तक ग्रहण में एसएए के जरिए नियोजित किया गया है जो एसएआरए के अधीन आरआईपीए के माध्यम से किया गया है तो सीसीसी की राशि क्रमशः 70:30 के अनुपात में एसएए और आरआईपीए के बीच बांटी जाएंगी। उक्त राशि एएफएफए से आरआईपीए को भेजी जाएगी जो तब इसे एसएए के पास भेजेंगे। एसएए पर एफसीआरए खाता होने की आवश्यकता नहीं है। तब यह राशि प्रत्येक किस्त प्राप्त होने पर अनुबंधित अनुपात में स्थानांतरित की जाएगी।
- (घ) यदि एक एजेंसी की मान्यता रद्द हो जाती है और राज्य सरकार द्वारा उस एजेंसी के बच्चों का पुनर्वास और स्थानांतरण अन्य एजेंसी या एजेंसियों में करने का निर्णय लिया जाता है तो सीसीसी में उपलब्ध राशि भेजे गए बच्चों की संख्या के अनुपात में उन्हें लेने वाली एजेंसी या एजेंसियों में भेजी जाएगी।
- (ङ) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी द्वारा सीसीसी के लिए एक अलग खाता रखा जाएगा।
- (च) वित्तीय वर्ष के अंत में सनदी लेखाकार द्वारा सीसीसी खाते का लेखा परीक्षण किया जाएगा जो प्रमाणित करेगा कि कॉर्पस का उपयोग उपरोक्त उप पैरा (ख) में अनुबंधित रूप में किया गया है।

अनुसूची XVII

(पैराग्राफ 79 (1) (q) देखें)

दत्तक ग्रहण पर मासिक आंकड़े जमा करने का प्रारूप

संगठन का नाम और पता :

माह वर्ष

भाग — 1

क्र. सं.	विषय	पुरुष	महिला	विशेष आवश्यकताएं	कुल	टिप्पणियां
1.1	गृह में मौजूद बच्चे की कुल संख्या					
1.2	दत्तक ग्रहण हेतु कानूनी रूप					

	से स्वतंत्र बच्चों की कुल संख्या					
1.3	गृह में अभ्यर्पित या त्याग दिए गए बच्चों की संख्या					
1.4	गृह में बेसहारा बच्चों की संख्या					
1.5	माह में जारी न्यायालय आदेशों की संख्या (स्वदेशी)					
1.6	माह में जारी न्यायालय आदेशों की संख्या (अंतर देशीय)					
1.7	दत्तक ग्रहण पूर्व पालक देखरेख में बच्चों की संख्या स्वदेशी अंतर देशीय					
1.8	उन बच्चों की संख्या जो प्राप्त करने वाले देश जा चुके हैं					
1.9	बाधाओं की संख्या, यदि कोई हैं					

भाग - 2

2	वर्तमान तिथि पर संभावित दत्तक ग्रहण करने वाले पंजीकृत और प्रतीक्षारत माता पिता की संख्या
---	--

अधिकृत हस्ताक्षरी के हस्ताक्षर
के साथ मुहर और तिथि

अनुसूची XVIII
(पैराग्राफ 90 (2) देखें)
बच्चे की अध्ययन रिपोर्ट (सीएसआर) का प्रपत्र

बच्चे की विस्तृत रिपोर्ट में उसकी पहचान की जानकारी को समर्थित करने वाले दस्तावेज होंगे।

संस्थान का नाम और पता :

I. सामान्य सूचना :

1. बच्चे का नाम (जैविक मां या माता पिता या एजेंसी द्वारा स्वयं या बाल कल्याण समिति द्वारा दिया गया)
2. संस्थान के सामान्य रजिस्टर के अनुसार संदर्भ सं. :
3. वर्तमान आयु और जन्मतिथि :
4. लिंग :
5. जन्म का स्थान :
6. धर्म (यदि ज्ञात है) :

II. सामाजिक आंकड़े

कृपया पहचान की सूचना के लिए प्राकृतिक माता पिता का नाम और पता नहीं दें।

1. आपके संस्थान के बच्चे की भर्ती की तिथि

2. बच्चे आपके संस्थान में कैसे आए?

- क) माता पिता या अन्य किसी संरक्षक द्वारा प्रत्यक्ष रूप से भर्ती :
- ख) बाल कल्याण समिति द्वारा प्रत्यक्ष रूप से नियोजित :
- ग) किसी अन्य संस्थान से स्थानांतरित, यदि हां तो संस्थान का नाम :
- घ) अन्य कोई स्रोत :
- ङ) बच्चे की सामाजिक पृष्ठभूमि के बारे में एक संक्षिप्त टिप्पणी :

3. संस्थान में संरक्षण पाने के कारण :

4. अन्य बच्चों के प्रति मनोवृत्ति :

5. रिश्तेदारों, कर्मचारियों तथा अजनबी व्यक्तियों सहित अन्य वयस्कों के साथ संबंध :

6. आसूचना (यदि और जहां संभव है डी.क्यू. रिपोर्ट संलग्न की जाए) :

7. यदि बच्चा स्कूल जाता है तो उसकी कक्षा, उपस्थिति, पढ़ाई में सामान्य, रुचि, प्रगति, दोष, यदि कोई हों, के बारे में विस्तृत रिपोर्ट :

8. बच्चे का सामान्य व्यक्तित्व और विवरण :

9. खेलने की गतिविधि और अन्य कोई विशिष्ट प्रतिभा : बच्चे के पड़ाव (18 माह से कम उम्र के बच्चों के लिए) कृपया हां या नहीं पर निशान लगाएं। क्या बच्चा ऐसा करता है :

- क) मुस्कराता है
- ख) बाजू में पलटता है
- ग) सिर उठाता है
- घ) हाथों में चीजें उठाता है
- ङ) अपने आप सरकता है
- च) पूरे समर्थन के साथ बैठता या समर्थन के बिना बैठता है
- छ) पूरे समर्थन के साथ खड़ा होता या समर्थन के बिना खड़ा होता है
- ज) पूरे समर्थन के साथ चलता या समर्थन के बिना चलता है

10. भाषा विकास

असंगत रूप से हल्की आवाज या बुलबुले बनाता है
 असंगत रूप से कुछ शब्द बोलता है
 कुछ शब्द साफ बोलता है
 बच्चे के सामने बोली जाने वाली भाषा

11. भोजन संबंधी आदतें

तरल भोजन लेता है
 अर्धठोस
 ठोस

12. सामाजिक पृष्ठभूमि : ये विवरण दत्तक ग्रहण करने वाले माता पिता को बच्चे का विवरण, उसकी सामाजिक जानकारी अर्थात् जन्म देने वाले माता पिता की संक्षिप्त पृष्ठभूमि और बच्चे के बेसहारा छोड़ने के लिए बनी परिस्थितियाँ जानने के लिए आवश्यक हैं। कृपया पहचान करने वाली जानकारी जैसे जन्म देने वाले माता पिता या रिश्तेदारों के नाम और पते नहीं दें :

मैं सामाजिक कार्यकर्ता एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि बच्चे के बारे में दी गई सूचना सत्य है।

स्थान :
 तिथि :

हस्ताक्षर :
 नाम :
 पद :

हमने बाल अध्ययन रिपोर्ट की सामग्री को पढ़ा और समझा है तथा हम को अपने दत्तक ग्रहण बच्चे के रूप में स्वीकार करने के इच्छुक हैं।

(पुरुष आवेदक के हस्ताक्षर)

(महिला आवेदक के हस्ताक्षर)

(पुरुष आवेदक का नाम)

(महिला आवेदक का नाम)

स्थान :

नाम :

तिथि :

पद :

अनुसूची XIX

(पैराग्राफ 90 (3) देखें)

बच्चे की चिकित्सा जांच रिपोर्ट (एमईआर) हेतु प्रपत्र

विधिवत लाइसेंस प्राप्त चिकित्सक द्वारा रिपोर्ट पूरी की जाए। यदि कोई सूचना उपलब्ध नहीं है तो "अज्ञात" लिखा जाए।

क.	सामान्य सूचना		
1.	बच्चे का नाम :		
2.	जन्म का वर्ष और तिथि :		
3.	लिंग :		
4.	जन्म का स्थान :		
5.	राष्ट्रीयता :		
6.	उसके जन्म का वर्ष और तिथि		
7.	उसके जन्म का वर्ष और तिथि		
8.	वर्तमान संस्थान का नाम		
9.	भर्ती में जन्म के समय वज़न कि.ग्रा. :	कि.ग्रा.	
10.	भर्ती में जन्म के समय लम्बाई से.मी. :	से.मी.	
11.	क्या गर्भावस्था और प्रसव सामान्य थे?	हां या नहीं या पता नहीं	
12.	बच्चा कहाँ रहता था?	से	तक
	अपनी मां के साथ	से	तक
	अपने रिश्तेदारों के साथ	से	तक
	निजी देखरेख में	से	तक
	संस्थान या अस्पताल में	से	तक
	(कृपया संबंधित संस्थान या संस्थानों के नाम बताएं)		
ख.	चिकित्सीय विवरण :		
1.	क्या बच्चा पिछले दिनों बीमार रहा है? (यदि हां तो प्रत्येक रोग और किसी जटिलता के विषय में और बच्चे की आयु बताएं)		

	हां या नहीं या पता नहीं	
2.	यदि हां : बच्चों के सामान्य रोग (कुकर खांसी, मीजल्स, चिकनपोकस, रूबेला, मम्प्स)? तपेदिक? दौरे पड़ना (फेब्राइल दौरों सहित)? अन्य कोई रोग? संक्रामक रोगों का सामना?	
3.	क्या बच्चे को निम्नलिखित रोगों में से किसी के लिए टीकाकरण दिया गया है : हां या नहीं या पता नहीं	
4.	यदि हां :	टीकाकरण की तिथि :
	तपेदिक (बी.सी.जी.)?	टीकाकरण की तिथि :
	डिफ्थीरिया?	टीकाकरण की तिथि :
	टिटनस?	टीकाकरण की तिथि :
	कुकर खांसी?	टीकाकरण की तिथि :
	पोलियो?	टीकाकरण की तिथि :
	हेपेटाइटिस ए?	टीकाकरण की तिथि :
	हेपेटाइटिस बी?	टीकाकरण की तिथि :
	अन्य टीकाकरण ?	टीकाकरण की तिथि :
5.	क्या बच्चे का इलाज अस्पताल में किया गया है? हां या नहीं या पता नहीं	
6.	यदि हां तो अस्पताल का नाम, बच्चे की उम्र, निदान और इलाज :	
7.	यदि संभव हो तो बच्चे के मानसिक विकास व्यवहार और कौशलों का विवरण दें	
(i)	देखकर	बच्चा कब स्थिर हुआ था?
(ii)	ओरल	बच्चा आवाज सुनकर अपना सिर घुमाने में कब सक्षम बना?
(iii)	मोटर	बच्चा अपने आप बैठने में कब सक्षम बना?
		बच्चा बिना सहारे के खड़े होने में कब सक्षम बना?
		बिना सहारे के कब चला?
(iv)	भाषा	बच्चे ने आवाज निकालना कब शुरू किया?
		बच्चे ने एक शब्द बोलना कब शुरू किया?
		बच्चे ने वाक्य बोलना कब शुरू किया?
(v)	संपर्क	बच्चे ने मुस्कुराना कब शुरू किया?
		बच्चा बड़ों तथा अन्य बच्चों के साथ कैसे संपर्क करता है?
		बच्चा अजनबियों के साथ कैसे व्यवहार करता है?
(vi)	भावनात्मक	बच्चा अपने भाव (गुस्सा, असहजता, निराशा, खुशी) कैसे दर्शाता है?
ग.	चिकित्सीय जांच विवरण :	

1.	चिकित्सीय जांच का तिथि		
2.	वजन	कि.ग्रा.	तिथि :
3.	लम्बाई	सें.मी.	तिथि :
4.	सिर का घेरा	सें.मी.	तिथि :
5.	बालों का रंग :	आंखों का रंग	चेहरे का रंग
6.	बच्चे की पूरी चिकित्सीय जांच के दौरान मैंने निम्नलिखित रोग, क्षति या असामान्यता के साक्ष्य देखे हैं :		
7.	सिर (खोपड़ी का रूप, हाइड्रो सिफलस, क्रैनियोटेक्स)		
8.	मुंह और गला (कटे हुए होंठ या तालु, दांत)		
9.	आंखें (नजर, स्ट्रेबिसमस, संक्रमण)		
10.	कान (संक्रमण, बहाव, सुनने में कमी, विकृति)		
11.	सीने के अंग (हृदय, फेफड़े)		
12.	लसीका ग्रंथियां (एडेंनोइटिस)		
13.	पेट (हरनिया, जिगर, तिल्ली)		
14.	प्रजनन अंग (हाइपोस्पेडिया, वृषण, धारण)		
15.	स्पाइनल स्तंभ (काइफोसिस, स्कोलियोसिस)		
16.	बाहरी अंग (पेस इक्वाइस, बालास, वारस, पेस कैलकेनो वारस, कूल्हे का फ्लेक्शन, विकलांगता, पेरेसिस)		
17.	त्वचा (एक्जिमा, संक्रमण, परजीवी)		
18.	अन्य कोई रोग?		
19.	क्या बच्चे में सिफलस के लक्षण हैं? सिफलस अभिक्रिया के परिणाम (तिथि और वर्ष) : धनात्मक या ऋणात्मक या नहीं किया गया		
20.	क्या तपेदिक के लक्षण हैं? ट्यूबरकुलिन जांच के परिणाम (तिथि और वर्ष) : धनात्मक या ऋणात्मक या नहीं किया गया		
21.	हिपेटाइटिस ए के कोई लक्षण हिपेटाइटिस ए की जांच के परिणाम (तिथि और वर्ष) : धनात्मक या ऋणात्मक या नहीं किया गया		
22.	हिपेटाइटिस बी के कोई लक्षण एचबीएस एजी की जांच के परिणाम (तिथि और वर्ष) : धनात्मक या ऋणात्मक या नहीं किया गया एंटी - एचबीएस की जांच के परिणाम (तिथि और वर्ष) : धनात्मक या ऋणात्मक या नहीं किया गया एचबीई एजी की जांच के परिणाम (तिथि और वर्ष) : धनात्मक या ऋणात्मक या नहीं किया गया एंटी एचबीई की जांच के परिणाम (तिथि और वर्ष) : धनात्मक या ऋणात्मक या नहीं किया गया		

	किया गया
23	क्या एड्स के कोई लक्षण हैं? एचआईवी की जांच के परिणाम (तिथि और वर्ष) : धनात्मक या ऋणात्मक या नहीं किया गया
24	क्या पेशाब में इनकी उपस्थिति है? शुगर एलबुमेन फेनेलकीटोन
25	मल (दस्त, कब्ज) परजीवियों की जांच : धनात्मक या ऋणात्मक या नहीं किया गया
26	क्या बच्चे को कोई मानसिक रोग या अवमंदन है?
27	बच्चे के मानसिक विकास, व्यवहार और कौशलों का विवरण दें। यह संभावित माता पिता को सलाह देने के लिए विशेष महत्व रखता है।
28	अन्य कोई अतिरिक्त टिप्पणियां

घ. बच्चे की मनोवैज्ञानिक और सामाजिक परिस्थितियों की रिपोर्ट (जहां आवश्यक हो विशेष शिक्षक, फिजियोथेरेपिस्ट, वाणी उपचारक और सामाजिक कार्यकर्ता से सहायता ली जा सकती है।)

कृपया प्रत्येक शीर्षक पर निर्णय लें	
(i)	खिलौनों से खेलना :
1.	बच्चे की आंखें उसके सामने चलने वाले खिलौनों या धुनधुने पर घूमती हैं
2.	बच्चा एक धुनधुने को पकड़ता है
3.	बच्चा धुनधुनों के साथ खेलता है इसे मुंह में रखता है, हिलाता है, एक हाथ से दूसरे हाथ में लेता है आदि
4.	बच्चा ब्लॉक्स को एक के ऊपर एक जमाता है
5.	बच्चा खिलौनों के साथ अच्छी तरह खेलता है : कार चलाना, गुड़िया को बिस्तर पर लिटाना, गुड़ियां को भोजन कराना आदि
6.	बच्चा अन्य बच्चों के साथ खिलौनों में अभिनय करता है।
7.	बच्चा अलग अलग विशेषताओं वाले चेहरे, मानव या जंतु की तस्वीरें बनाता है।
8.	बच्चा अन्य बच्चों के साथ बने हुए गेम खेलता है।
(ii)	बात करना या भाषा का विकास
1.	बच्चा देखभाल देने वाले के संपर्क में बात करता है
2.	बच्चा स्वर और व्यंजन के अलग अलग संयोजन दोहराता है (बाबा, दादा, मामा आदि)
3.	बच्चा संचार की जरूरतों के लिए एक शब्द उपयोग करता है
4.	बच्चा वाक्य बोलता है
5.	बच्चा इन बातों को समझता है : ऊपर, नीचे, पीछे आदि
6.	बच्चा इन बातों का उपयोग करता है : ऊपर, नीचे, पीछे आदि
7.	बच्चा पिछले समय की बात करता है

8. बच्चा अपना नाम लिखता है	
9. बच्चा सरल शब्द पढ़ता है।	
10. कोई पर्यवेक्षण उपलब्ध नहीं	
(iii) मोटर विकास	
1. बच्चा ... की उम्र से पीछे से आगे पलटता है।	
2. बच्चा ... की उम्र से बिना सहारे बैठता है।	
3. बच्चा ... की उम्र से आगे या पीछे सरकता है।	
4. बच्चा ... की उम्र से सहारे के साथ चलता है।	
5. बच्चा ... की उम्र से अकेले चलता है।	
6. बच्चा ... की उम्र से सहारे के साथ सीढ़ियां चढ़ता और उतरता है।	
7. बच्चा ... की उम्र से सहारे के बिना सीढ़ियां चढ़ता और उतरता है।	
(iv) बड़ों के साथ संपर्क	
1. बच्चा जाने माने देखभाल करने वाले लोगों के सामने मुस्कुराता है	
2. बच्चे को जाने माने देखभाल करने वाले लोग अधिक आसानी से संभालते हैं	
3. बच्चा जाने माने देखभाल करने वाले लोगों को जाता देखकर रोता या उनके पीछे जाता है	
4. जब बच्चा परेशान है या उसे चोट लग गई है तो जाने माने देखभाल करने वाले लोगों के पास जाना चाहता है	
5. बच्चा उस बार्ड में आने वाले सभी बड़ों की गोद में जाना चाहता है	
6. बच्चा जाने माने देखभाल करने वाले लोगों के सामने शब्द संपर्क करता है	
(v) अन्य बच्चों के साथ संपर्क	
1. बच्चा अन्य बच्चों को देखकर दिलचस्पी दिखाता है या उनकी गतिविधि देखकर मुस्कुराता है	
2. बच्चा अन्य बच्चों के साथ खेलना पसंद करता है	
3. बच्चा अन्य बच्चों की गतिविधियों में जुड़ कर सक्रिय रूप से खेलता है	
(vi) गतिविधि का सामान्य स्तर	
1. सकारात्मक	
2. सक्रिय	
3. अतिसक्रिय	
(vii) सामान्य मूड :	
1. शांत, गंभीर	
2. भावनात्मक रूप से अलग	
3. चिड़चिड़ा, शांत करना कठिन	
4. खुशमिजाज, अंतरमुखी	
जांच करने वाले डॉक्टर के हस्ताक्षर	दिनांक :
ड. पीएपी द्वारा एमईआर की स्वीकार्यता	

हमने चिकित्सा जांच रिपोर्ट की सामग्री पढ़ ली है और हम को अपने दत्तक ग्रहण वच्चे के रूप में स्वीकार करने के इच्छुक हैं।

(पुरुष आवेदक के हस्ताक्षर)

(महिला आवेदक के हस्ताक्षर)

(पुरुष आवेदक का नाम)

(महिला आवेदक का नाम)

स्थान :

[सं. 1-3/2007-सी ए आर ए]

सुधीर कुमार, अपर सचिव

MINISTRY OF WOMEN AND CHILD DEVELOPMENT

NOTIFICATION

New Delhi, the 24th June, 2011

Guidelines Governing the Adoption of Children, 2011

S.O. 1460(E).—In pursuance of the powers by sub-section (3) of Section 41 of the Juvenile Justice (Care and Protection of Children) Act, 2000 (56 of 2000) and in supersession of the Guidelines for In-country Adoption, 2004 and the Guidelines for Adoption from India, 2006, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby notifies the Guidelines issued by the Central Adoption Resource Authority to provide for the regulation of adoption of orphan, abandoned or surrendered children.

Note -

- (1) In order to ensure smooth functioning of the adoption process, Central Adoption Resource Authority, from time to time, issues Adoption Guidelines laying down procedures and processes to be followed by different stakeholders of the adoption programme. The Adoption Guidelines draw support from:
 - (a) The Juvenile Justice (Care and Protection of Children) Act, 2000;
 - (b) Judgement of the Hon'ble Supreme Court in the case of L.K. Pandey vs. Union of India in WP No 1171 of 1982;
 - (c) UN Convention on the Rights of the Child, 1989;
 - (d) The Hague Convention on Protection of Children and Cooperation in respect of Inter-country Adoption, 1993.
- (2) These Guidelines shall govern the adoption procedure of orphan, abandoned and surrendered children in the country from the date of notification and shall replace (i) Guidelines for In-country Adoption, 2004 (ii) Guidelines for Adoption from India, 2006.

CHAPTER - I PRELIMINARY

1. **Short title and commencement.** — (1) These Guidelines may be called the Guidelines Governing the Adoption of Children, 2011.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. **Definitions.** — (1) In these rules, unless the context otherwise requires-
 - (a) "Act" means the Juvenile Justice (Care and Protection of Children) Act, 2000 (56 of 2000);
 - (b) "ACA" means the Adoption Coordinating Agency;
 - (c) "abandoned" means an unaccompanied and deserted child who is declared abandoned by the Child Welfare Committee after due inquiry;
 - (d) "adoption" means the process through which the adopted child is permanently separated from his biological parents and becomes the legitimate child of his adoptive parents with all the rights, privileges and responsibilities that are attached to the relationship;
 - (e) AFAA or "Authorised Foreign Adoption Agency" means a Foreign Social or Child Welfare Agency that is authorized by CARA for sponsoring the application of Prospective NRI or OCI or PIO or Foreign Adoptive Parents for Adoption of an Indian child;
 - (f) "ARC" means Adoption Recommendation Committee constituted by the State Government.
 - (g) "best Interest of the child" means a decision taken to ensure the physical, emotional, intellectual, social and moral development of a child;
 - (h) "CARA" means the Central Adoption Resource Authority;
 - (i) "CCC" means Child Care Corpus
 - (j) "Central Authority" means the Government department recognized as such under Hague Convention on Inter-country Adoption;
 - (k) "Child Welfare Committee" means Committee constituted under section 29;
 - (l) "children legally free for adoption" means orphan, abandoned and surrendered children declared free for adoption by the Child Welfare Committee;
 - (m) "CSR" means Child Study Report which contains details about the child such as the date of birth and social background;

- (n) "habitual residence" means a place of settled dwelling, which constitutes a person's ordinary residence at least for a period of one year;
- (o) "HSR" means Home Study Report containing details of the Adoptive parents' social and economic status; family background; description of home; standard of living; relationship with spouse, if any, and other family members; health status and the like;
- (p) "ICPS" means Integrated Child Protection Scheme launched by the Government of India in the Ministry of Women and Child Development;
- (q) "In-country Adoption" means adoption of a child or children by a citizen of India residing in India;
- (r) "Inter-country Adoption" means adoption of a child or children by persons having status of Non-Resident Indians or Overseas Citizens of India or Persons of Indian Origins or Foreign Nationals;
- (s) "NOC" means No Objection Certificate issued by CARA permitting the child to be placed in adoption with prospective foreign or PIO or OCI or NRI adoptive parents;
- (t) "NRI" means Non-resident Indian citizen who holds an Indian passport and is presently residing abroad;
- (u) "OCI" means a person registered as Overseas Citizen of India (OCI) under section 7A of the Citizenship Act, 1955;
- (v) "orphan" means a child who is without parents or willing and capable legal or natural guardian;
- (w) "PIO" means Persons of Indian Origin;
- (x) "pipeline cases" means those cases where the PAP(s) have already accepted referrals prior to the expiry or withdrawal of recognition of the concerned RIPA or SAA;
- (y) "pre-adoption foster care" means a stage when the custody of a child is given to prospective adoptive parents (PAPs) with a view to adopt;
- (z) "Prospective Adoptive Parents" means person eligible to adopt a child as per the Act;
- (aa) Recognised Indian Placement Agency (RIPA) means one Specialised Adoption Agency recognized by CARA for placing children in inter-country adoption;
- (y) "section" means a section of the Act;
- (z) "schedule" means a schedule annexed to these Guidelines;

- (za) "State Government" in relation to a Union Territory means the administrator of that Union Territory appointed by the President under article 239 of the Constitution;
 - (zb) "SAA" means the Specialised Adoption Agency which includes Recognised Indian Placement Agency (RIPA) and Licensed Adoption Placement Agency(LAPA);
 - (zc) "SARA" means the State Adoption Resource Agency;
 - (zd) "surrendered child" means a child, who in the opinion of the Child Welfare Committee, is relinquished on account of physical, emotional and social factors beyond the control of the parent or guardian; and
- (2) All words and expressions used but not defined in these Guidelines shall have the same meaning as assigned to them in the Act.
3. **Fundamental principles governing adoption.** - The following fundamental principles shall govern adoptions of children from India, namely: -
- (a) the child's best interest shall be of prime importance while deciding any placement;
 - (b) preference shall be given to place the child in adoption within the country;
 - (c) adoption of children shall be guided by a set procedures and in a time bound manner;
 - (d) no one shall derive any gain, whether financial or otherwise, through adoption.
4. **Person competent to be adopted.** - Any orphan, abandoned or surrendered child can be adopted following due procedure laid down in these Guidelines if such child is declared legally free for adoption by the Child Welfare Committee (CWC).
5. **Person competent to adopt.** - In accordance with the provisions of sub-section (6) of section 41, the Court may allow a child to be given in adoption, -
- (a) to an individual irrespective of his or her marital status; or
 - (b) to parents to adopt a child of the same sex irrespective of the number of living biological sons or daughters; or
 - (c) to a childless couple.
6. **Additional Eligibility Criteria for Prospective Adoptive Parents (PAPs).** -(1) No child may be given in adoption to a couple unless they have at least two years of stable marital relationship.
- (2) Couples in live-in relationship are not eligible to adopt a child.
 - (3) To adopt a child in the age group of 0-3 years, the maximum composite age of the PAPs should be 90 years wherein the individual age of the PAPs should not be less than 25 years and more than 50 years.
 - (4) To adopt children above three years of age, the maximum composite age of the PAPs should be 105 years wherein the individual age of the PAPs should not be less than 25 years and more than 55 years.

- (5) In case a single PAP desires to adopt, he or she should not be less than 30 years of age and shall not be above the age of 50 years. The maximum age shall be 45 years to adopt children in the age group of 0-3 years and 50 years for adopting children above 3 years.
 - (6) The PAPs should have adequate financial resources to provide a good upbringing to the child.
 - (7) The PAPs should have good health and should not be suffering from any contagious or terminal disease or any such mental or physical condition, which may prevent them from taking care of the child.
 - (8) Adoption of a second child is permissible only when the legal adoption of the first child has been finalized but this is not applicable in case of siblings.
 - (9) An un-married or single male person is not permitted to adopt a girl child.
- 7. Procedure for adoption. -** (1) The PAPs may adopt a child in accordance with the procedure, namely: -
- (a) The Indian PAPs habitually residing in India shall adopt a child only through a Government recognised adoption agency known as Specialised Adoption Agency.
 - (b) The PAPs shall register only with one recognised adoption agency, which should preferably be nearest to their place of residence.
 - (c) The PAPs in India can also register online at www.adoptionindia.nic.in
 - (d) The PAPs residing abroad shall adopt children only through CARA authorised agencies known as Authorized Foreign Adoption Agency(AFAA).
 - (e) The PAPs should register with an AFAA or Central Authority nearest to their place of residence.
 - (f) In countries where there is no AFAA or Central Authority, the Indian nationals may approach the Indian High Commission or Embassy for processing and forwarding their case to CARA.
- (2) After registration, the PAPs shall follow the adoption procedure as provided in these Guidelines and as per the details given in CARA's website www.adoptionindia.nic.in
- 8. Priorities for Rehabilitation of a Child. -** (1) The best interest of the child is served by providing him or her an opportunity to be placed with a family within his or her own socio-cultural milieu in the country itself.
- (2) Due consideration should be given to the child's upbringing and to his or her ethnic, religious, cultural and linguistic background while placing him or her in adoption but, a child can be placed with any Indian PAP(s) within the country without any geographical barrier.
 - (3) The citizens of a country that has ratified the Hague Convention on Inter-country Adoption, 1993 and who are also habitual residents of a country that has ratified the said Convention can adopt a child from India.

- (4) Indian nationals who live in countries which are not signatories to the Hague Convention are also eligible to adopt.
 - (5) Preference shall be given for placing a child in in-country adoption and the ratio of in-country adoption to inter-country adoption shall be 80:20 of total adoptions processed annually by a RIPA, excluding special needs children.
 - (6) The following order of priority shall be followed in case of inter-country adoptions;
 - (i) Non Resident Indian (NRI);
 - (ii) Overseas Citizen of India (OCI);
 - (iii) Persons of Indian Origin (PIO);
 - (iv) Foreign Nationals.
9. **Adoption of Special Needs Children.** - (1) Special care must be taken while processing the cases for adoption of special needs children, so that the prospective adoptive family is aware and ready to provide extra care and attention that the child needs.
- (2) It is important to understand that child with special needs requires, more than any other child, the care and love of a family at an early stage.
 - (3) The adoption process for children with special need shall be completed as expeditiously as possible by the concerned authorities and time lines laid down for special needs children in these Guidelines shall be strictly adhered to.
 - (4) The PAPs wishing to adopt special needs children shall be given top priority in the waiting list.
 - (5) In spite of best efforts, some special needs children do not get adopted and have to remain in institutions and such children should be shifted by the Specialised Adoption Agency to specialized institutions in case such institutions are available in the State.

CHAPTER II PRE-ADOPTION PROCESS

10. **Procedure in case of Orphan and Abandoned Children.**- It shall be the duty of every person, whether an individual or a nursing home or hospital or any other institution who or which finds an abandoned child or an orphan child without family support, to report the fact immediately either to the officer in charge of the nearest police station or the Child Welfare Committee (CWC) or Childline (Tel 1098) or the Specialised Adoption Agency in that area, as is practicable.
11. **Admission.** - (1) In case an abandoned child or an orphan child is received by a Specialised Adoption Agency, it shall admit the child to its home on a temporary basis and such admission shall be finalised only after authorisation by the Child Welfare Committee.
- (2) The details of all children admitted by a Specialised Adoption Agency shall be entered in the Master Admission Register in the format as at **Schedule-I**.
 - (3) On admission of the child, the Specialised Adoption Agency shall give a name to the child, if not already given, record his or her brief social background, identification marks, height and weight and also cause medical examination of the child conducted.

- (4) The child shall be photographed and if the child is abandoned, a report along with a photograph of the child shall be filed with the nearest police station within twenty-four hours of finding the child.
- (5) The Specialised Adoption Agency shall take all necessary steps for the welfare of the child as per these Guidelines.
- 12. Production of child before CWC.** - (1) The Specialised Adoption Agency shall produce the orphan or abandoned child, who is in their temporary care, before the Child Welfare Committee within twenty-four hours of receiving such a child, excluding the time taken for the journey.
- (2) A copy of the report filed with the police station in whose jurisdiction the child was found abandoned shall also be submitted to the Child Welfare Committee.
- (3) In case of a child under two years of age, who is unable to travel because of medical reasons, the Specialised Adoption Agency shall send a written report along with the photograph of the child to the Committee within twenty four hours and produce the child before the Committee as soon as the child is medically fit along with the medical certificate to that effect.
- (4) The Specialised Adoption Agency shall make a report to the Child Welfare Committee on the circumstances under which the child came to their notice and efforts made by them for informing the police and the missing person's squad or missing persons bureau in the State and the Centre.
- 13. Restoration efforts.** - (1) The Specialised Adoption Agency shall make restoration efforts in addition to the efforts made by the Child Welfare Committee to trace the parents or biological family of the abandoned child.
- (2) The Specialised Adoption Agency shall also conduct an independent enquiry for the same purpose.
- (3) In case of children below two years of age, the Specialized Adoption Agency shall make a notification in at least one leading national newspaper and one regional language newspaper having circulation in its area.
- (4) A notification may also be made in a newspaper of the language spoken by the child and the notification shall be released in the area where the child was found abandoned.
- (5) For children of two years or above, a television or radio announcement shall also be made.
- (6) In case of children below two years of age, the process prescribed at sub paragraph (2) to (4) shall be completed within a period of sixty days from the date the child is found and in case of children of two years or above of age, the time period shall be four months.
- (7) In case a claimant appears for the child, the Specialized Adoption Agency shall refer the case to the Child Welfare Committee and the Special Adoption Agency shall abide by the decision taken by the Child Welfare Committee.
- (8) In case, even after the lapse of the time period mentioned in sub paragraph (6), no claimant comes forward to claim the child, the Specialised Adoption Agency shall submit a declaration to the Child Welfare Committee stating that there has been no claimant for the child.

- (9) A report on the efforts made by the Specialised Adoption Agency for tracing the child's background shall also be submitted to the Child Welfare Committee to assist them in taking an informed decision.
- (10) The child shall not be considered for adoption until the Child Welfare Committee issues a Certificate declaring him or her to be legally free for adoption.
- 14. Procedure in case of Surrendered Children.** -(1) A child may be surrendered in case: -
- (i) The child is born as a consequence of non-consensual relationship;
 - (ii) The child is born of an unwed mother or out of wedlock;
 - (iii) One of the biological parents of the child is dead and the living parent is incapacitated or unfit to take care;
 - (iv) The parents of the child are compelled to relinquish him or her due to physical, emotional and social factors beyond their control.
 - (v) In all cases of surrender child, the admission procedure as laid down in sub paragraph 11 (2), (3), (4) and (5) shall be followed.
- (2) In case the child is surrendered through the Specialized Adoption Agency, the procedure will be as follows:-
- (i) The Specialised Adoption Agency shall produce the child to be surrendered along with the surrendering parent(s) before the Child Welfare Committee within twenty-four hours of receiving such child, excluding the time taken for the journey.
 - (ii) On directions of the Child Welfare Committee, the Specialised Adoption Agency may continue to keep the child in its temporary care until his or her restoration or rehabilitation.
 - (iii) In case of a single mother, unwilling to appear before the Child Welfare Committee, one member of the Child Welfare Committee, preferably female, may meet the mother separately.
 - (iv) In case of biological parents surrendering a child, this process shall be before a two member Child Welfare Committee.
 - (v) In case the Committee is not sitting, the child may be produced before the single member of the Committee as per the provisions contained in sub-section (2) of section 30.
- (3) The information to be submitted to the Child Welfare Committee by the Specialised Adoption Agency, among other details, shall contain the following namely:-
- (a) The details of the biological mother and father, including:-
 - (i) the social and psychological background;
 - (ii) the proof of address and identity ;
 - (iii) known medical history of both biological parents and
 - (iv) details of close relatives, if available.
 - (b) The details of the child being surrendered, including:-
 - (i) social and psychological background;

- (ii) details of sibling(s), if any;
- (iii) known medical history;
- (iv) date and place of birth along with birth certificate, if available.

15. **Completing the surrender process.** - (1) In case the parents or one of parents approaches a Specialised Adoption Agency for surrendering the child, the agency shall make all efforts, including counselling, to prevent surrender of such child.
- (2) Efforts shall also be made by the Child Welfare Committee for exploring the possibilities of parents retaining the child by counselling of the parents and explaining the consequences of surrender.
 - (3) If the parents are still unwilling to retain the child, such a child shall be kept initially in the custody of the SAA.
 - (4) If the surrender is inevitable, a deed of surrender as provided in **Schedule-II** shall be executed and signed by the person or persons surrendering the child and two other witnesses in the presence of the Child Welfare Committee.
 - (5) If a child born after wedlock is surrendered, both parents should sign the surrender document and in case one of them is dead, proof of death in support thereof is to be furnished.
 - (6) Where the death certificate is not available, a certificate from local Panchayat or Municipal authority should be produced.
 - (7) When a child is born to a married couple but is surrendered by one biological parent and the whereabouts of the other parent is not known, the child shall be treated as abandoned and further procedures shall be followed accordingly.
 - (8) In case of a child born out of wedlock, only the mother herself can surrender the child and if she is a minor, the signature of an accompanying close relative will be obtained on the surrender document.
 - (9) If the surrender is effected by any person other than the biological parent(s), the child shall be treated as abandoned and the same procedure shall be followed as that for an abandoned child.
 - (10) The Specialised Adoption Agency shall facilitate the surrender process before the Child Welfare Committee.
 - (11) The Specialised Adoption Agency and the Child Welfare Committee shall ensure that the surrendering parents or the legal guardian is made aware that they can reconsider the surrender and reclaim the surrendered child only within a period of sixty days from the date of such surrender.
 - (12) In all cases of surrender, confidentiality shall be maintained by the authorities and agencies involved in the process.
 - (13) The Specialised Adoption Agency or the CWC shall ensure that a copy of the Surrender Deed is retained by the surrendering parents or legal guardian, as the case may be, for reconsideration of their decision to surrender the child.
 - (14) The Committee shall declare the surrendered child legally free for adoption after the expiry of a reconsideration period of sixty days.

- 16. Declaration of a child legally free for adoption by the Child Welfare Committee.-** (1) If all efforts for tracing the parents of an orphan or an abandoned child placed with a Specialised Adoption Agency on a temporary basis, have failed, and, in case of surrendered children, if the reclaim period of sixty days is over, the particular agency shall approach the Child Welfare Committee for declaring the child legally free for adoption.
- (2) After satisfying itself that the due procedure, as laid down in the Act and the rules made there under, has been followed and that nobody has come forward to claim the child within the stipulated period, the Child Welfare Committee shall issue a Certificate declaring the child legally free for adoption.
- (3) The certificate under sub paragraph (2) shall be made as per format provided in **Schedule-III**.
- (4) No child of the age of seven years or above, who can understand and express his or her opinion, shall be declared legally free for adoption without his or her consent.
- (5) A child becomes eligible for adoption only after the Child Welfare Committee has declared the child legally free for adoption through a certificate as mentioned in sub Para (b) above.

CHAPTER III ADOPTION PROCESS

- 17. Adoption authorities and agencies for In-country Adoption. -** The authorities or agencies involved in in-country adoption process shall be-
- (a) The Court of Competent Jurisdiction who can pass Order for Adoption;
 - (b) Central Adoption Resource Authority (CARA);
 - (c) State Adoption Resource Agency (SARA) or Adoption Coordinating Agency (ACA) and
 - (d) Specialised Adoption Agency (SAA)
- 18. Registration. -** (1) PAP(s) desiring to adopt a child shall register himself or herself with only one Specialised Adoption Agency, preferably nearest to place of residence and such agency shall guide the PAP(s) on the registration process.
- (2) On receipt of the application for registration as per **Schedule-IV** along with necessary documents and requisite registration fee, Specialised Adoption Agency shall register the PAP(s) for adoption and issue them a registration slip.
- (3) CARA shall also provide facility to the PAP(s) for on-line provisional registration through its website (www.adoptionindia.nic.in).
- (4) In case, the PAP(s) wish to adopt from a Specialised Adoption Agency, other than the one where they have registered, but within the same state, the PAP(s) shall approach the ACA or SARA with their registration slip.
- (5) The ACA or SARA shall contact the Special Adoption Agency from which the PAP(s) wish to adopt so that such PAP(s) are immediately included in the waiting list of PAP(s) of that Specialised Adoption Agency.

- (6) In case the PAP(s) desire to adopt a child from any State other than the State where they are currently residing, they may approach the ACA or SARA of the State where they are residing, with their registration slip.
 - (7) The ACA or SARA shall convey the registration of such PAP(s) immediately to the ACA or SARA of the State from which the PAP(s) want to adopt the child so that such PAP(s) are immediately transferred to the waiting list of PAP(s) in that state.
- 19. Pre-Adoption Counselling and Preparation of the PAP(s).** - (1) In order to facilitate the PAPs to take appropriate decision, the concerned Specialised Adoption Agency shall provide pre-adoption counselling to them.
- (2) Such agency shall also prepare the PAP(s) for the adoption and related process by providing them with all relevant information.
- 20. Home Study and other requirements.** - (1) The documents mentioned at **Schedule-V** shall be furnished by the PAPs to the concerned Specialised Adoption Agency to facilitate conduct of home study.
- (2) Home Study of the PAP(s) shall be conducted within a maximum period of two months from the date of acceptance of registration only by the professional social worker authorized by the Specialised Adoption Agency nearest to their current place of residence.
 - (3) The Home Study Report shall be based on procedures as laid down at **Schedule-VI**.
 - (4) The Home Study Report of PAP(s) shall be valid for adoptions from any where in the country for a period of two years.
 - (5) The Medical Examination Report of the PAP(s) should not be more than one year old at the time of referral of the child.
- 21. Referral and Acceptance.** - (1) The Specialised Adoption Agency shall constitute an 'Adoption Committee' consisting its Secretary or Managing Trustee, a senior professional social worker, Visiting Medical Officer and one other functionary of the Agency for assignment of the child
- (2) The assignment of a child with PAP(s) shall be done by the 'Adoption Committee' only after the child has been declared legally free for adoption by the Child Welfare Committee and the PAP(s) have been found eligible by the Specialised Adoption Agency to adopt.
 - (3) The Specialised Adoption Agency shall make best efforts to assign a child as per required description given by the PAP(s), if any.
 - (4) After matching the child, the Specialised Adoption Agency shall advise PAP(s) to see the child physically before they give their acceptance.
 - (5) The PAP(s) shall be shown the matched child or children only at the premises of Specialised Adoption Agency and if the PAP(s), so desire, they may get the child medically examined by their own medical practitioner.

- (6) The Child Study Report and Medical Examination Report of the matched child (or children in case of siblings) shall be forwarded by the Specialised Adoption Agency to the PAP(s) for acceptance and this may be called a "referral".
 - (7) If the PAP(s) decide to adopt the proposed child, they shall give their formal acceptance for the adoption by signing on the Child Study Report and Medical Examination Report of the child within a period of ten days.
 - (8) In case the referred child is not acceptable to the PAP(s), a maximum of two other children shall be proposed to them at a given time.
 - (9) In case a matching does not take place, the PAPs shall be eligible for reconsideration only after a lapse of three months from the date on which the last child was shown to them.
 - (10) In case of placement of children of the age of seven years and above, written consent of the child for the proposed placement shall be obtained and in case the child can not read and write, verbal consent can be taken in the presence of the 'Adoption Committee' who shall record the same and take the signature or thumb impression of the child on the recorded statement.
 - (11) The date on which the consent of the child is obtained shall be clearly indicated in the Statement.
- 22. Pre-adoption foster care.** - (1) A child can be placed in pre-adoption foster care after acceptance of referral by the PAPs.
- (2) The PAPs shall be required to sign a foster care affidavit and undertaking before the child is placed in their temporary custody.
 - (3) Before physically entrusting the child to the prospective adoptive parents, the adoption agency shall ensure that it has a record of local contacts of the PAPs including contact details of two close relatives.
 - (4) During the period of foster care, the PAPs, shall have the right to take the child to any place within the country after duly informing the Specialised Adoption Agency subject to the condition that the child must be brought for the legal process as and when required by the Court.
- 23. Legal Procedure.** - (1) The child can be legally placed for adoption with the PAP(s) by the competent court and for this purpose, the court having jurisdiction over the area where the Specialised Adoption Agency is located shall be the competent court.
- (2) The Specialised Adoption Agency shall file a petition in the Competent Court of jurisdiction for obtaining the necessary adoption orders under the Act within ten days of acceptance of referral by PAPs and shall pursue the same regularly with the court so that the process of legal adoption is completed at the earliest.
 - (3) The adoption petition shall contain all requisite documents as per **Schedule-VII**.

- (4) In accordance with the directions of the Honourable Supreme Court of India in the case of L.K.Pandey vs Union of India (WP No 1171 of 1982), the competent Court is required to dispose off the case within a maximum period of two months from the date of filing.
- (5) For the best interest of the child, the competent court may, to the extent possible, dispose of the case in the first hearing itself.
- (6) The Specialised Adoption Agency shall forward a copy of the court order and the adoption deed to the concerned SARA or ACA and the PAP(s).
- 24. Follow up visits and post-adoption services.** - (1) The Specialised Adoption Agency shall carry out half yearly follow-up visits of the child from the time the child has been placed in pre-adoption foster care till a period of two years after the legal adoption.
- (2) The copies of the follow-up reports of the children shall be submitted by the Specialised Adoption Agency to SARA or ACA.
- (3) In cases of disruption of adoption, the Specialised Adoption Agency shall make efforts for alternate rehabilitation of the child.
- 25. Timelines.** - All agencies and authorities involved in the adoption process shall adhere to the time limits stipulated for in-country adoption as provided in **Schedule-VIII**.
- 26. Procedure for Inter-country Adoption as per the Hague Convention on Inter-country Adoption,** - (1) The authorities and agencies involved in Inter-country adoption process shall be, -
 - (a) Court of Competent Jurisdiction who can pass Order for Adoption;
 - (b) Central Adoption Resource Authority (CARA);
 - © Central Authority in the receiving Country (CA);
 - (d) Indian Diplomatic Missions Abroad;
 - (e) Foreign Diplomatic Missions in India;
 - (f) Authorised Foreign Adoption Agency (AFAA);
 - (g) State Adoption Resource Agency (SARA) or Adoption Coordinating Agency (ACA);
 - (h) Recognised Indian Placement Agency (RIPA); and
 - (i) Adoption Recommendation Committee (ARC).
- (2) The authorities and agencies referred to in sub-paragraph (1) shall be guided by the procedure laid down for inter-country adoption in these Guidelines which draws strength from the Hague Convention on Inter-country Adoption-1993 provided in **Schedule IX**.
- 27. Registration for NRI or OCI or PIO or Foreign PAP(s).** - (1) The PAP(s) desiring to adopt any child or children from India may register with the Authorized Foreign Adoption Agency (AFAA) or Central Authority (CA) or Government Department dealing with adoption matters in the receiving country.

- (2) The PAP(s) with the assistance of AFAA or CA shall obtain the permission of the competent authority of their country for adopting a child from India.
- 28. Home Study and other requirements.** - (1) A professional social worker of the AFAA or Central Authority or Government Department dealing with adoption matters in the country of the habitual residence (365 days or more) of the PAP(s), shall conduct their Home Study and shall prepare the HSR and the HSR shall contain all documents as specified in Schedule VI.
- (2) All documents forming part of the Home Study Report shall be notarized and the signature of the notary is to be apostilled by competent authority of the receiving country.
- (3) If the documents are in any language other than English, then the originals must be accompanied by translations in English attested by competent authority.
- (4) The HSR of PAP(s) shall remain valid for a period of two years but the medical status of the PAP(s) should not be more than one year old at the time of referral of the child.
- (5) The Home Study Report should also indicate preferences, if any, of the PAP(s) about the child's age, sex, physical and medical condition, or location within India.
- 29. Identification of RIPA by CARA.** - (1) The AFAA or CA or concerned Government Department of the country receiving the child shall forward one attested or notarized copy of the HSR (not original) directly, to CARA for identifying a suitable RIPA.
- (2) CARA shall have a Screening Committee to examine the prima facie suitability of PAPs proposed for inter-country adoption and also identify the RIPA where the dossier will be forwarded and the Committee, headed by an official of CARA, shall also consist of external experts.
- (3) While deciding to forward the dossier to a particular RIPA, the Committee shall keep in mind the preference of the PAP(s) for a particular State, availability of children and performance of the RIPA vis-à-vis in-country adoptions, etc.
- (4) The process mentioned in sub-paragraphs (2) and (3) shall be completed preferably within a period of fifteen days from the receipt of dossier.
- (5) The identified RIPA shall be informed by CARA and CARA shall also advise the concerned AFAA or CA or Government Department to send the original dossier to the identified RIPA.
- (6) The identification of RIPA by CARA shall in no way ensure referral of a child from India and it is not obligatory on CARA to ensure referral of a child.
- (7) The RIPA shall not entertain any application received directly from any AFAA or CA or PAPs from out of India, for adoption of an Indian child.
- 30. Referral and Acceptance.** - (1) The RIPA shall be responsible for assigning, referral and placement of the child.

- (2) In case a RIPA does not find the PAP(s) suitable after detailed scrutiny of their dossier forwarded by CARA, it shall, within fifteen days of receipt of the original dossier, inform CARA about the same along with the reasons thereof.
- (3) CARA shall have the right to accept or reject the recommendation of the RIPA.
- (4) After detailed scrutiny of the dossier and their acceptance as eligible PAPs, the RIPA shall match a child according to the request given by the PAP(s) as far as possible.
- (5) The RIPA shall forward the referral constituting the Child Study Report and Medical Examination Report of the child to the AFAA or CA or concerned Government Department of the receiving country, as the case may be.
- (6) The AFAA or CA or concerned Government Department of the receiving country, as the case may be, shall transmit the referral to the PAP for acceptance.
- (7) On acceptance of the child by the PAP(s), the AFAA or CA or concerned Government Department of the receiving country, as the case may be, shall send back the original copy of the "referral for adoption" to RIPA, along with the following documents, namely:-
 - (i) Notarized or attested copy of the CSR and MER duly signed by PAP(s);
 - (ii) Power of attorney of the PAP(s) in favour of the official or social worker of the RIPA for filing the case in the court;
 - (iii) A certificate under Article 5 or agreement under Article 17 of the Hague Convention, as applicable, issued by the CA or competent authority of the receiving country
- (8) The process of inter-country adoption of a child shall be completed by the AFAA or CA within a period of forty-five days from the date of the referral.

31. Recommendation for Inter-country Adoption by Adoption Recommendation Committee. - (1) The State Government shall constitute a Committee to be known as the Adoption Recommendation Committee (ARC) to scrutinize and issue a Recommendation Certificate for placement of a child in inter-country adoption.

- (2) The Adoption Recommendation Committee shall consist of Director or Commissioner of the State Government dealing with children in need of care and protection or his representative, Programme Manager (Non-institutional care-SARA) and one external expert or psychologist who has no linkage with any adoption agency.
- (3) Till SARA is operational in a State, the Chairperson of ACA or his representative shall function as a member of the Committee (in place of Programme Manager) along with the other members.

- (4) On receipt of referral accepted by the PAPs, the RIPA shall forward two copies of the dossier which includes HSR of the PAPs and the CSR (including MER) duly signed by the PAPs to SARA or ACA along with a cheque or draft of Rs.2,500-drawn in favour of SARA or ACA, as the case may be, towards administrative expenses.
- (5) The amount received shall be utilised for meeting the expenses in connection with processing the dossiers, payment to external experts and for other adoption promotion activities.
- (6) The list of documents forming part of the dossier shall be as specified in **Schedule-X**.
- (7) A sample affidavit to be executed on stamp paper of sufficient value and to be filed by the RIPAs is at **Schedule -XI**.
- (8) The SARA would act as a secretariat to the committee constituted under sub-paragraph (1).
- (9) The SARA shall receive the dossiers of cases for inter-country adoptions from the RIPA and put up the same before the ARC for issue of Recommendation Certificate.
- (10) Till SARA becomes operational in a State, the ACA would perform the functions of SARA in that State.
- (11) The SARA or ACA, as the case may be, shall ensure that the Recommendation Certificate is issued expeditiously within a period of 15 days from date of receipt of the dossier.
- (12) In case of a special needs child, the SARA or the ACA, as the case may be, should issue the Recommendation Certificate within a period of 5 days from the date of receipt of the dossier.
- (13) In case of medical special needs, the SARA or the ACA, as the case may be, may ask the RIPA to get a Certificate from a reputed medical institution or a Government Medical Officer.
- (14) In case of siblings and older children, the ARC shall ensure that there is no waiting Indian PAPs within the region for such child or children.
- (15) The Committee constituted for issue of Recommendation Certificate should satisfy itself about the suitability of the PAPs vis-a-vis the child proposed for adoption.
- (16) The Committee shall also verify the documents filed by the RIPA and ensure that procedures have been correctly followed by the RIPA.
- (17) In case, at any stage, SARA or ACA or ARC is not satisfied with the documents produced for obtaining recommendation certificate, it shall conduct appropriate investigation before disposing off the matter.

- (18) The Recommendation Certificate (RC) issued by the Committee shall contain a positive recommendation if it is satisfied that the Committee has no objection to the child being placed with the proposed PAPs in inter-country adoption as per format in **Schedule -XII**.
- 32. Issue of No Objection Certificate (NOC) by CARA.** - (1) Upon issue of Recommendation Certificate by the Adoption Recommendation Committee, the SARA shall retain one copy of the dossier and send the second set of dossier along with recommendation certificate to CARA.
- (2) Till SARA becomes operational in a State, the ACA shall perform its functions under this paragraph.
- (3) The ACA or SARA shall send a copy of the Recommendation Certificate to the concerned RIPA.
- (4) CARA shall constitute a 'No Objection Certificate (NOC) Committee', which shall include CARA officials and external experts in the field of child development or psychology or social work or from the medical field and the committee shall be responsible for issuing 'No Objection Certificate' in each case of inter-country adoption.
- (5) The NOC Committee constituted by CARA shall examine-
- (i) the relevant documents submitted by the RIPA and verify that due procedures as laid down in these Guidelines have been followed.
 - (ii) whether matching and placement of the child with PAPs is in the best interest of the child.
- (6) After approval of the proposal by the NOC Committee, the NOC shall be issued in each case.
- (7) CARA reserves the right to reject any case for inter country adoption which is not found suitable by the NOC Committee by recording reasons for the same.
- (8) The process for issue of NOC would be completed within a period of fifteen days from the date of receipt of completed dossier in CARA.
- (9) NOC shall be issued in accordance with Article 17 of the Hague Convention.
- (10) A copy of the NOC issued by CARA shall be mailed to RIPA and a copy thereof to SARA or ACA, AFAA or CA or concerned Government Department of the receiving country, as the case may be.
- 33. Pre-adoption Foster Care.** - (1) A child can be given in physical custody by the RIPA to the PAP(s) in pre-adoption foster care only after issue of NOC by the CARA.
- (2) The adoption agency in India shall inform the PAPs that such foster care shall have to continue till the final adoption order is issued.

- (3) The child in foster care, shall under no circumstances, be returned to the adoption agency by the PAPs for temporary care unless there is a disruption and the PAPs do not wish to go ahead with the adoption.
 - (4) The Indian adoption agency before physically entrusting the child to PAPs shall inform them that the adoption process may take more than the stipulated period, so as to enable the PAPs to take an informed decision regarding taking the child in foster care.
 - (5) The PAPs shall not be allowed to take the child out of the city without the written permission of the concerned Indian adoption agency.
 - (6) The PAPs shall be required to produce a certificate from either the mission in India of the country of the nationality or the central authority of the receiving country permitting them to take the child in foster care.
 - (7) The PAP(s) shall also be required to sign a foster care affidavit stating that they would not leave the country without valid court order.
- 34. Filing of the Petition in the Competent Court.-** (1) Within five days of receipt of NOC from CARA, RIPA shall proceed to obtain a Court Order for inter-country adoption of the child from the competent court in India.
- (2) RIPA shall not file an application in the competent court for inter-country adoption without "NOC" from CARA.
 - (3) Inter-country adoption of orphan, abandoned and surrendered children shall proceed under the Act.

Note.-

- a. In accordance with the directions of the Honourable Supreme Court of India in L.K.Pandey vs. Union of India (WP No 1171 of 1982), the competent courts are to dispose off the case within a maximum period of two months from the date of filing.
 - b. As each case for inter-country adoption is required to be processed by Child Welfare Committee and State Government through the ARC and CARA, the competent court may, to the extent possible, dispose of the case in the first hearing itself in the best interest of the child.
 - c. The RIPA shall forward a copy of the court order and the adoption deed to CARA, SARA or ACA and AFAA or CA, as the case may be.
- (4) On receipt of the Court Order, the CARA shall issue a Conformity Certificate (CC) under Article 23 as per provisions of the Hague Convention as per Schedule-XIII.
- 35. Passport and Visa.-** (1) No orphan, abandoned, surrendered child who has been adopted shall be allowed to leave India without a valid NOC from CARA.

- (2) The RIPA shall apply for passport for the adopted child after the court order is received and the application shall include documents mentioned in Paragraph 83(3) of these Guidelines.
- (3) The date of birth of the child as mentioned in the court order would be taken as the date of birth.
- (4) The concerned authorities may expeditiously issue the passport and visa to enable the adopted child to leave India with his or her adoptive parents to their habitual place of residence.
36. **Child to travel with adoptive parents.** - The adoptive parent or parents shall have to come to India and accompany the child to their country.
37. **Progress Reports.** - The AFAA or CA or concerned Government Department of the country, as the case may be, receiving the child shall keep CARA and concerned RIPA informed about the progress of placement as per format provided in **Schedule-XIV** through quarterly post-placement reports during the first year and half yearly reports during the second year of the child's arrival in the receiving country and such follow-up shall continue upto a period of two years after the child acquires citizenship of the receiving country.
38. **Timelines.**- All agencies and authorities involved in the adoption process shall adhere to the time limits stipulated for in-country adoption as per **Schedule -VIII**.
39. **Special Category of PAPs for Inter-country Adoption.**- Inter-country adoption by Indian nationals in countries where there is no AFAA or CA shall be followed as under:-
- (i) In the case of Indian nationals residing in a country where there is no AFAA or CA to sponsor applications, CARA may allow an organisation or individual recommended by the concerned Indian Mission to do the Home Study Report (HSR) and prepare adoption dossier which would then be forwarded to CARA through the Indian Embassy or High Commission.
 - (ii) An official of the concerned Indian Mission may also prepare the HSR and adoption dossier of the PAP(s).
 - (iii) The organisation or individual recommended by the concerned Indian Mission shall also be required to give an undertaking to CARA to send progress reports for a period of two years following legal adoption and also take action, as stipulated in these Guidelines, in case of disruption of adoption or repatriation of adopted child.
40. **Adoption by foreign nationals living in India.** - (1) In case of foreign nationals who are citizens of a country that has ratified the Hague Convention and they have been living in India for one year or more, the PAP(s) shall approach CARA along with a certificate of No-objection to the proposed adoption from the embassy or mission of the country of their nationality.

- (2) On receipt of the No Objection Certificate, CARA shall refer the case to a RIPA for carrying out the Home Study and preparation of PAP(s)' dossier.
 - (3) The procedures stipulated under these Guidelines for inter-country adoption shall be followed by the RIPA.
 - (4) In cases referred to in sub-paragraph (1), the Embassy or Missions in India of the country of the nationality of the PAPs shall give an undertaking for post-adoption follow-up as stipulated in Chapter IV of these Guidelines.
 - (5) In case, the PAPs continue to reside in India during the stipulated post-adoption follow-up period, the concerned RIPA would undertake such follow-ups and report to the concerned embassy or mission and CARA.
 - (6) The concerned embassy or mission shall also ensure that the adopted child acquires citizenship of the country of his or her parents immediately after adoption decree and a copy of the citizenship order shall be forwarded to CARA and the concerned RIPA.
- 41. Adoption by OCI living in India.** -(1) The OCI (s), who are citizens of a country that has ratified the Hague Convention and they have returned to India and have been residing in India for more than one year, shall be eligible to adopt a child following procedure of Inter-country adoption under these Guidelines.
- (2) The PAP(s) shall approach CARA along with a certificate of No-objection to the proposed adoption from the embassy or mission of the country of their nationality.
 - (3) On receipt of the certificate of No Objection, CARA shall refer the case to a RIPA for carrying out the Home Study and preparation of PAP(s)' dossier.
 - (4) The procedures stipulated under these Guidelines for inter-country adoption shall be followed by the RIPA.
 - (5) In such cases, the Embassy or Missions in India of the country of the nationality of the OCI shall give an undertaking for post-adoption follow-up as stipulated in Chapter IV of these Guidelines.
 - (6) In case, the OCI continues to reside in India during the stipulated post-adoption follow-up period, the concerned RIPA would undertake such follow-ups and report to the embassy or mission and CARA.
- 42. Adoption by repatriated Indian Nationals.**- Adoptions by repatriated Indian nationals holding Indian passport who have returned to India and have been residing in India for more than one year, will be processed as an in-country adoption.
- 43. Adoption of Special Needs Children.** - All authorities and agencies involved in adoption of special needs children shall expeditiously process their cases so that such children can join their families at the earliest.

44. Category of Special Needs children. - (1) For the purpose of adoption, 'special needs' children may be categorized as under:-

- (a) Children having visible and or serious medical conditions-mental or physical ;
- (b) Older children;
- (c) Siblings and
- (d) Extremely low birth-weight children(to be certified by a Government Medical Officer)

(2) The following ailments or disabilities may also be considered as visible or serious medical conditions in children.

- (i) Spina Bifida ;
- (ii) Ichthyosis (Collodian baby);
- (iii) Limbs Missing;
- (iv) Fingers-toes missing;
- (v) Severe diabetes;
- (vi) Cleft Lip-Cleft Palate or Cleft Lip;
- (vii) Blind or Partially Blind;
- (viii) Severe Seizure disorders;
- (ix) Chronic Asthma;
- (x) Heart conditions of a severe nature;
- (xi) Hepatitis B+;
- (xii) Blood disorders;
- (xiii) Acute Ricketts;
- (xiv) Severe Orthopedic conditions;
- (xv) Deaf or Partially Deaf;
- (xvi) Polio;
- (xvii) Severe disfiguring birth marks;
- (xviii) Indeterminate sex;
- (xix) Hare lip ;
- (xx) Colostomy;
- (xxi) Dwarfism ;
- (xxii) Hemophilia;
- (xxiii) Paralysis;
- (xxiv) Brain Lesion;
- (xxv) Burns;
- (xxvi) Thalasemia Major;
- (xxvii) Fetal Alcohol Syndrome;
- (xxviii) Ectodermal displacia (no sweat glands);
- (xxix) Microcephaly;
- (xxx) Epilepsy (does not include fever induced convulsions);
- (xxxi) Pier Robin Syndrome (no tongue);
- (xxxii) Neurological disorders;
- (xxxiii) Speech dysfunction-dysphasia;
- (xxxiv) Chronic Eczema;
- (xxxv) Child requiring psychiatric treatment;
- (xxxvi) Any other child with disabilities as defined in the Persons with Disabilities (Equal Opportunities, Protection of Rights and Full Participation) Act, 1995(1 of 1996)

Note.- The list given in sub-para (2) is illustrative only and it is not exhaustive.

- (3) A child suffering from a disease or deformity which does not have serious long-term residual effects and which can be corrected, shall not be categorised as a "special needs child".
- (4) Children above five years of age shall be treated as special needs children as placement of such children in adoption is difficult.
- (5) Siblings of different ages, shall as far as possible, be placed in adoption in the same family and such children shall also be categorized as special needs children.
- (6) If a child has severely delayed milestones, as certified by a Government medical officer, the child will be categorized as a "special needs child"
- (7) A child who is marginally delayed in gaining normal weight will not be treated as a special needs child.

45. Preparing Special Needs Children for Adoption. - (1) It is the role of the Specialised Adoption Agency to prepare the special needs child for adoption.

- (2) In case of special needs children, their ability to handle the change in care giver, environment, quality of life and the like factors may not be equal to that of other children.

Note.- Special needs children are older children in many cases and they may be fixed in their ideas and attitudes making them inflexible and they may face serious adjustments problems.

- (3) It is essential that the Specialised Adoption Agency make special efforts to prepare the child for adoption.
- (5) Older children should be shown photographs of the adoptive family and carefully counselled to prepare them mentally and emotionally.
- (6) The child should be sent to educational institute in the interim period and regular habits of toilet and hygiene should be inculcated in the child.
- (7) In order to start the bonding process, the Specialised Adoption Agency should encourage the PAP(s) to share their family albums, photographs and small gifts and letters with the child.
- (8) If the child is going to a foreign country, the child should be taught the language of the adoptive parents, as far as possible.

46. PAP(s) for Special Needs children. - (1) PAP(s) who are willing to adopt a child with special needs will get priority in adoption and the Specialised Adoption Agency shall maintain a list of all such PAP(s) facilitating the placement of special needs children in adoption.

- (2) While maintaining the list of PAPs, the following should be kept in mind, namely:-
 - (i) older and experienced parents tend to be more committed to parent a child with special needs and thus are more likely to have the skills, patience, financial means and parenting experience;

- (ii) parents who have had experience, either though the field they work in, or because they have had some exposure to the specific medical condition, may be better equipped to parent children with special need;
- (iii) the HSR shall reflect –
 - (a) the motivation and ability of the PAP(s) to adopt such a child;
 - (b) whether the PAP(s) have the financial means to handle the special needs of the child;
- (iv) special needs children should be shown for acceptance to only those PAPs, who have expressly given preference or willingness to adopt such children.
- (3) The Specialised Adoption Agency shall organise orientation sessions for the PAP(s) to enable them to understand issues relating to special needs children and help them take an informed decision.
- (4) The PAP(s) and the foreign adoption agencies in case of inter-country adoption) should be given detailed child study reports, medical data and counselling reports by the Recognised Indian Placement Agency without concealing any facts.
- (5) The Recognised Indian Placement Agency (RIPA) also called Special Adoption Agency should give information on the child's developmental milestone, additional medical tests if required and answers to queries that the prospective parents may raise concerning these children.
- (6) The child study report should portray the child in a positive manner and at the same time be realistic in the medical condition.
- 47. Procedure for Adoption of Special Needs children.** - (1) In case of inter-country adoption, PAPs desiring to adopt special needs children are required to follow procedure as per norms laid down in paragraphs 27 to 38 and their adoption cases shall be processed only by the Recognised Indian Placement Agency.
- (2) All concerned authorities shall ensure that time lines set for processing cases of special needs children are strictly adhered to.

CHAPTER IV POST ADOPTION PROCESS

- 48. Post Adoption Follow-up,** - (1) In case of In-country Adoption, half yearly progress reports in the first year and in the second year shall be prepared by the Specialised Adoption Agency and submitted to SARA or ACA.
- (2) The format for the progress report shall as given in **Schedule-XIV**.
- (3) The Special Adoption Agency may provide post-adoption counselling services for adoptees and adoptive parents.
- (4) In case of Inter-country Adoption, the AFAA or CA or concerned Government Department of the receiving country, as the case may be, shall keep CARA and concerned RIPA informed about the progress of placement through quarterly post-placement reports during the first year and half yearly reports during the second year of the child's arrival in the receiving country.

- (5) The follow-up measures shall continue upto a period of two years after the child acquires citizenship of the receiving country.
- (6) In cases of guardianship, the concerned RIPA shall file a copies of the progress reports including the adoption decree received from AFPA before the competent court that has issued the Guardianship Order.
- (7) The AFFA shall also provide post adoption data to CARA through CARA's web-based management system.
- (8) The AFAA or CA shall organise annual get-together of adopted children and adoptive parents and forward a report on the event to CARA.
- (9) The AFAA or CA may conduct post-adoption counselling for adoptees and adoptive parents.

49. Disruption and repatriation in case of In-country Adoption. - (1) In case of disruption during pre-adoption foster care, the child will be taken back by the adoption agency and a suitable rehabilitation plan for the child shall be worked out in consultation with SARA.

- (2) In case of disruption after final court order, it shall be the responsibility of the concerned adoption agency to take suitable steps, including seeking order from the competent court, for rehabilitation of the child in consultation with SARA.

50. Disruption and repatriation in case of Inter-country Adoption. - (1) Rehabilitation efforts in cases which have been processed under the Guardianship and Wards Act 1890, where adoptions are yet to be finalized shall follow as laid down in this paragraph.

- (2) As long as the child remains as a citizen of India and where the child is not legally adopted by the adoptive parents in the receiving State within two years from the date of order of the Court in India appointing the adoptive parents as guardians for any reason whatsoever, or at any time prior to the child being adopted and being conferred with the citizenship of the country of the adoptive parents or the AFAA finds that the child is unable to adjust to and settle down with guardians or that the proposed adoption is likely to fail or harm the health, well being or interests of the child, the AFAA which had processed the adoption of the child in the receiving State should immediately withdraw the child from the guardians and take the child in its custody or care or in the custody or care of the child protection department or authority of the receiving State.
- (3) In case the AFAA withdraws a child from the guardian or adoptive parents, it shall promptly notify the Indian diplomatic mission, CARA and the concerned RIPA along with details regarding the status of the child and the legal liability of the guardians or adoptive parents.
- (4) In such an event as mentioned in sub-paragraph (3), the AFFA,-
 - (i) shall place the child in alternate family care;
 - (ii) shall not give its consent or No Objection to surrender or relinquish by the guardians, of guardianship of the adopted child and shall cause the guardians to make an application to the court in India that awarded guardianship;

- (iii) shall make an application within four months of the date of withdrawal of the child from the guardians for further directions from the court in India that had granted the guardianship after failing an application by the guardians.
 - (5) During the entire process as mentioned in sub-paragraph (4), the AFFA shall keep the concerned RIPA and CARA regularly informed on the development of the case.
 - (6) The CARA and RIPA shall constantly monitor every case under this paragraph till fresh orders are passed by the competent Indian court.
 - (7) Having regard in particular to the age and degree of maturity of the child, he or she shall be consulted and, where appropriate, his or her consent may also be obtained in relation to measures to be taken under this chapter.
 - (8) As far as possible, siblings should not be separated unless it is in their best interest.
- 51. Repatriation in cases processed under the Guardianship and Wards Act 1890 where adoptions are yet to be finalized.** - (1) On receiving information and report from AFAA on the disruption of guardianship of a child, CARA may, depending on circumstances, order the repatriation of the child to India.
- (2) If CARA takes a decision that a child whose guardianship has failed is to be repatriated to India, the Indian Placement Agency shall file a petition before the competent Indian court for revocation of guardianship and for ordering repatriation and upon the competent court in India passing an order for the repatriation of the child, the AFAA shall bear the cost and responsibility for the repatriation to India of the child with or without his or her siblings.
 - (3) The legal formalities of the sending and receiving country shall be completed by the AFAA before repatriation of the child.
 - (4) The concerned AFAA shall contribute 5000 US\$ (one time) before repatriating the child to India, which will be deposited in a public sector bank and the State Government or SARA shall be made custodian of the documents related to the deposit.
 - (5) The amount shall be made available to the child once he or she becomes a major.
 - (6) On receiving information of repatriation, CARA shall act expeditiously and contact the Indian agency, the concerned State Government (or State Adoption Resource Agency as and when it is constituted) and any other institution or authority for the purpose of the child's care and rehabilitation.
 - (7) The concerned State Government and the Indian Placement Agency which had processed the case shall suggest rehabilitation plan to CARA which shall finalize an individual child care plan, including, the following:-
 - (i) Assistance in terms of guidance, counselling, medical and care facilities, education, shelter, rehabilitation and if necessary, vocational services;
 - (ii) Place of stay;
 - (iii) Safety and security needs of the child;

- (iv) Supervision and periodic report;
 - (v) Possibility of rehabilitation in non-institutional care and after care if required.
- (8) The CARA with the help of the RIPA and the State Government shall work out the modalities of rehabilitating the child.
- (9) As far as rehabilitation of the child is concerned, the child shall be treated as a child in need of care and protection and facilities as provided under the Integrated Child Protection Scheme(ICPS) shall be made available to the child and the particular RIPA will be assigned the task to supervise the case and periodically report to the State Government or SARA or CARA.

Note: In the event of disruption of a finalized adoption, as the child would have become a citizen of the receiving country, the child shall accordingly receive care and rehabilitation through the child protection services of that country.

- 52. Root Search.** - (1) The right of the child to obtain information about his or her origins derives from the right to know his or her biological parents as provided for in Article 7(1) of the UN Convention on the Rights of the Child.
- (2) The adoption agencies shall, therefore, facilitate root search by the adopted child, if the child desires to know his or her history but in doing so, the age and maturity of the child shall be taken into consideration.
- (3) The child's rights must also be balanced against the right of birth parents not to have their identity disclosed to the child.
- (4) The right of adopted child should not infringe on the biological parents' right to privacy.
- (5) If the biological parent(s) have at the time of surrender of the child expressed their willingness, in writing, to be contacted by the child when he or she grows up, then all relevant information including identity and address of the parents shall be disclosed to the child but if the biological parent(s) have specifically requested anonymity, then only reasons and circumstances under which the surrender was effected can be disclosed.
- (6) There may be situations where the biological parent(s) leave some articles etc. with the child during surrender process and such articles must be, to the extent possible, preserved by the adoption agency, to be handed over to the child when he or she comes for root search.
- (7) A root search by a third party shall not be permitted and the concerned agencies or authorities shall not make public any information relating to biological parent(s), adoptive parents or adopted child.

CHAPTER V RECOGNITION AND AUTHORIZATION

53. Specialised Adoption Agency (SAA). -

- (1) All the Child Care Institutions (CCIs) shall be registered by the State Government as required under sub-section (3) of section 34 of the Act.
- (2) The State Government shall recognise suitable Child Care Institutions as Specialised Adoption Agencies under sub section (4) of section 41.

(3) The Specialised Adoption Agency shall work under the overall supervision of concerned State Government Department or State Adoption Resource Agency (SARA), as the case may be.

54. Criteria for Recognition as Specialised Adoption Agency. -

(1) The State Governments shall recognize at least one suitable Child Care Institution either run by NGO or the Government itself, as Specialised Adoption Agency in each district for placing children in adoption, and shall periodically renew recognition of such adoption agencies subject to conditions as laid down in these Guidelines.

(2) Every Child Care Institution recognized by the State Government as Specialised Adoption Agency shall -

- (i) be registered under sub-section (3) of section 34 of the Act;
- (ii) be primarily engaged in non-profit activities;
- (iii) be registered under the Societies Registration Act, 1860 (21 of 1860), Indian Trust Act 1882 (2 of 1882) or any other corresponding law for the time being in force.
- (iv) have a duly constituted Executive Committee and the Chief Executive of the organization as well as the majority of members of the Executive Committee shall be citizens of India;
- (v) be engaged in child protection and welfare activities for a minimum period of three years;
- (vi) have high standards of child care facilities including adequate number of professional staff as provided in **Schedule- XV**.
- (vii) have sound financial background;
- (viii) have a computer, internet connection, adequate administrative support, office equipments and infrastructure to carry out their duties in an efficient and effective manner; and
- (ix) not have committed any malpractice.

(3) Any Child Care Institution housing orphan, abandoned and surrendered children can apply for recognition by the State Government as Specialised Adoption Agency.

(4) Application for the purpose of state recognition may be submitted by the Child Care Institutions to the State Government along with the following documents, namely:-

- (i) a copy of the registration certificate under the Societies Registration Act 1860, the Indian Trust Act, 1882 or any other corresponding law for the time being in force;
- (ii) a copy of its Memorandum of Association or Bye-laws;
- (iii) a list of Management Committee or Executive Committee or Board Members ;
- (iv) a copy of its Rules and Regulations;
- (v) a copy of the registration certificate as Child Care Institution;
- (vi) annual reports including audited accounts for the last three years;
- (vii) list of professional and child care staff;
- (viii) list of children in the institution;
- (ix) resolution by the agency supporting the decision for placing orphan or abandoned or surrendered children in adoption;
- (x) undertaking to abide by the relevant rules and Adoption Guidelines in force;

- (xi) undertaking to regularly update data on the online portal of CARA;
 - (xii) undertaking that there is no instance of malpractice against the agency.
- (5) The State Government may, after conducting necessary enquiries and inspection, approve such institution as Specialised Adoption Agency.
- (6) If such institution is not involved in institutional care but has the capacity and expertise to ensure quality non-institutional care for infants and young children through trained foster care givers on their panel (selected as per criteria laid down in the Rules notified under the Act), the State Government may also approve such institution as Specialised Adoption Agency as referred in subparagraph(5).
- (7) The Specialised Adoption Agency shall either at the time of recognition, or if already recognised, then upon these revised Guidelines coming into force, furnish a written undertaking to SARA or the concerned State Government to comply with the requirements and obligations set out in these Guidelines.
- 55. Process and Criteria for Renewal of Recognition of Specialised Adoption Agency.-** (1) No recognition shall be granted on a permanent basis and a renewal of recognition of Specialised Adoption Agency shall depend upon its satisfactory performance.
- (2) The Specialised Adoption Agency shall apply six months before the expiry of its recognition with the following documents, namely:-
- (i) adoption figures for the last five years;
 - (ii) number and details of children placed in in-country adoption and details of post-adoption follow-up thereof;
 - (iii) annual reports and audited statements of accounts;
 - (iv) details and number of children restored to biological parents, relatives or guardians;
 - (v) details and number of children in pre-adoption foster care and temporary foster care separately;
 - (vi) undertaking stating that they agree to abide by these Guidelines as also any instructions issued by State Government or CARA or SARA from time to time and that there is no instance of malpractice against the agency;
 - (vii) undertaking that they are regularly updating data on the online portal of CARA; and
 - (viii) details of year wise receipt of CCC and utilisation certificate of CCC.
- 56. Duration of Recognition or Renewal of Recognition.-**(1)The State Government may recognize a Specialised Adoption Agency for a period of five years.
- (2) The State Government shall inspect the Child Care Institution (CCI) before considering its recognition as Specialised Adoption Agency before renewal of its recognition.
- (3) Recognition of an adoption agency or its renewal shall not be claimed as a matter of right and would depend on the agency showing satisfactory performance and compliance of the provisions of these Guidelines as also instructions issued by the Government authorities from time to time.

- (4) Inspection of the Specialised Adoption Agency by SARA or CARA or State Government is mandatory before it is recognised or before renewal of its recognition but, if the annual inspection of the Specialised Adoption Agency has been conducted ninety days prior to the date for renewal of recognition, the inspection need not be conducted again at the time of renewal of recognition.

57. Inspection of Agencies.- (1) The premises of the Specialised Adoption Agency including the place or places where the children are staying and the records thereof shall be open to inspection by the Government of India in the Ministry of Women and Child Development, CARA, State Government, SARA, Child Welfare Committee and any other agency or person authorized by them.

- (2) The State Government and SARA shall conduct annual inspections of the Specialised Adoption Agency to ensure that it is performing efficiently and as per norms laid down in these Guidelines.

- (3) During such inspections referred to in sub-paragraph (2), the inspecting authority shall also verify and examine the following matter or documents, namely:-

- (i) that the agency is discharging its role and functions efficiently as stipulated under these Guidelines.
- (ii) that adoption or non-institutional care, as the case may be, as an activity is being pursued by the organization as a welfare measure in the interest of children and not as a commercial activity;
- (iii) records pertaining to adoption (starting from the admission of the child to the legal adoption decree) and related registers;
- (iv) financial records including contributions to, and utilisation of CCC;
- (v) whether expeditious and sufficient efforts have been made by the Specialised Adoption Agency to place children in in-country adoption;
- (vi) total number and details of children actually placed in in-country adoption, if any;
- (vii) whether the agency has submitted annual reports, audited statements of accounts and monthly reports to State Govt or SARA and monthly adoption data to SARA or State Govt and CARA regularly and within stipulated time;
- (viii) whether the Specialised Adoption Agency is regularly updating data online as prescribed from time to time by CARA;
- (ix) whether the Specialised Adoption Agency is maintaining and providing quality child care facilities in the institution as stipulated under these Guidelines and the minimum standards of child care shall be as specified in **Schedule XV**;

(x) whether there is any instance of malpractice against the Specialised Adoption Agency.

58. Agencies to maintain Accounts.- (1) The Specialised Adoption Agency shall maintain proper accounts including utilisation of CCC, to be audited by a Chartered Accountant every year.

(2) An attested copy of audited accounts of the organisation together with its audit report and a copy of the Annual Report shall be furnished by every agency within six months from the date of closing of the financial year, to SARA or the State Government, as the case may be.

(3) Specialised Adoption Agency shall utilize funds available in the CCC in accordance with norms specified in **Schedule-XVI**.

59. De-recognition or suspension of recognition of Specialised Adoption Agency. - (1) The State Government may, suo moto or on the recommendation of CARA or SARA either suspend or revoke the recognition granted to Specialised Adoption Agency.

(2) The recognition of a Specialised Adoption Agency may be suspended on any one or more of the following grounds, namely:-

- (i) any violation of the provisions of these Guidelines;
- (ii) non-compliance of instructions issued from time to time by CARA, SARA or the State Government;
- (iii) furnishing false information or forged documents to SARA or ACA, State Government or CARA;
- (iv) failure to update on-line data as stipulated by CARA or furnishing or posting of false information on the online adoption portal of CARA;
- (v) failure to submit timely reports or data as stipulated under these Guidelines;
- (vi) adverse findings of the inspection team vis-à-vis quality child care and adequate infrastructure;
- (vii) if professional social worker and qualified child care staff is not employed;
- (viii) financial irregularities or malpractices;
- (ix) receiving any donation whether in kind or cash from prospective adoptive parents or adoptive parents;
- (x) unethical practices which would also include inducing single mothers or biological parents to relinquish their child or illegally sourcing the child;
- (xi) incomplete or false information to PAPs about the child or any adoption related process;
- (xii) divulging information on biological mother or parents or adopted child to public in violation of principle of confidentiality; and
- (xiii) misuse of Child Care Corpus in contravention of Guidelines issued for utilization of the fund.

(3) After suspension of recognition of a Specialised Adoption Agency, the State Government and the SARA shall conduct necessary enquiries within a maximum period of six months, and if charges are proven, the State Government shall revoke the recognition of the Specialised Adoption Agency.

Provided that no order of suspension or revocation of the recognition shall be passed without giving the Specialised Adoption Agency a reasonable opportunity to offer its explanation.

- (4) In case of revocation of recognition of a Specialised Adoption Agency, the State Government shall, within thirty days, prepare an alternate rehabilitation plan for the children in that home, including shifting them to another Specialised Adoption Agency.
 - (5) In the event of suspension or revocation of recognition of the Specialised Adoption Agency, the cases where referrals have been accepted by the PAPs, shall be allowed to proceed for final adoption provided that all other stipulations of these Guidelines have been met.
 - (6) Once revocation of recognition of a Specialised Adoption Agency is done on account of serious allegations or malpractices, the agency shall not be allowed to function again even if there is a change of its management.
- 60. Entitlement to Grants under Integrated Child Protection Scheme (ICPS). -**
- (1) Each Specialised Adoption Agency, after being recognised under sub-section (4) of section 41 will be eligible to apply for grants-in-aid as provided for under the Integrated Child Protection Scheme.
 - (2) If the Specialised Adoption Agency fails to submit, either online or manually, any of the stipulated reports and data, periodically as stated in these Guidelines to the State Government, SARA, CARA, as the case may be, on time, the release of grant shall be withheld till further orders.
 - (3) The grant-in-aid shall continue to the Specialised Adoption Agency for the six month period during which the matter is under investigation by the State Government.
 - (4) The Grants shall be stopped as soon as recognition is revoked which shall not exceed six months from the date of suspension of recognition.
- 61. Recognized Indian Placement Agency (RIPA). -** (1) RIPA shall be an agency duly recognized by CARA to place children in inter-country adoption.
- (2) Any Specialised Adoption Agency desirous of undertaking inter-country adoption of Indian children shall apply for recognition to CARA through the concerned State Government.
- 62. Criteria for Recognition as RIPA. -** (1) For being recognized by CARA as RIPA, a Specialised Adoption Agency shall fulfill the following conditions, namely: -
- (i) it shall have a valid recognition as a Specialised Adoption Agency under sub-section (4) of section 41 by the Government;
 - (ii) it shall be recommended by the concerned Government;

- (iii) its performance as a Specialised Adoption Agency should be satisfactory and there should be no instance of malpractice by the agency or any of its Executive Members and
 - (iv) there should not be any adverse findings by the inspection team which has conducted the last inspection of the Specialised Adoption Agency immediately proceeding its recommendation as RIPA.
- (2) While applying to CARA for recognition as a RIPA, the agency shall submit the following documents, namely: -
- (i) adoption figures for the last five years;
 - (ii) annual reports and audited statements of accounts for last three years;
 - (iii) undertaking that they agree to abide by the provisions of these Guidelines as also any instructions issued by CARA, State Government and SARA, from time to time;
 - (iv) undertaking that there is no instance of malpractice against the agency; and
 - (v) undertaking that they are regularly updating data on the online portal of CARA
- (3) The RIPAs shall either at the time of recognition, or if already recognised, then upon the commencement of these Guidelines, furnish a written undertaking to CARA to comply with the requirements and obligations set out in these Guidelines.
- (4) The Specialised Adoption Agency shall be inspected by CARA either independently or jointly with the SARA and the State Government to ascertain the capacity of the agency to undertake inter-country adoption work before granting recognition as RIPA.
- 63. Duration of Recognition.** - (1) Once a Specialised Adoption Agency is recognized by CARA as RIPA on the recommendation of the State Government, it will continue to function as a RIPA unless the recognition is suspended or revoked by CARA on grounds mentioned in paragraph 66.
- (2) The recognition of an adoption agency or its renewal shall not be claimed as a matter of right and would be dependent on the agency showing satisfactory performance and compliance of the provisions of these Guidelines as also instructions issued by the Government authorities from time to time.
- 64. Inspection of RIPA.** - (1) RIPA shall be subject to annual inspection by the State Government and SARA.
- (2) CARA may also inspect the RIPA, at any given time, either independently or jointly with the State Government and SARA.
- (3) Before recognition as RIPA, the Specialised Adoption Agency shall be inspected by CARA either independently or jointly with SARA and the State Government.

- (4) The inspection of RIPAs shall be conducted in the same manner as inspection of Specialised Adoption Agencies.
 - (5) The inspection team will additionally examine the following issues, namely:-
 - (i) the ratio of 80:20 for in-country adoption vis-à-vis inter-country adoption has been adhered to on an annual basis;
 - (ii) the priority of PAPs as stipulated for inter-country adoption under these Guidelines has been maintained;
 - (iii) that the RIPA has abided by the provisions of these Guidelines; and
 - (iv) that the RIPA is maintaining proper accounts of foreign remittances as per FCRA stipulations.
- 65. Accounts to be maintained by RIPAs.** - (1) The RIPA shall maintain proper accounts, including utilisation of CCC, to be audited by a Chartered Accountant every year.
- (2) An attested copy of audited accounts of the organisation together with its audit report, a copy of the Annual Report and FCRA statement shall be furnished by every agency to CARA and SARA or concerned Department of the State Government within six months from the date of closing of the financial year.
 - (3) The accounts and annual report of RIPA shall also be put up on the website of the RIPA.
 - (4) The Specialised Adoption Agency shall utilize funds available in the CCC in accordance with laid down norms given in **Schedule—XVI**.
- 66. De-recognition.** - (1) The CARA, suo moto or on recommendation of the State Government or SARA can either suspend or revoke the recognition of a RIPA on the same grounds as stated in paragraph 59 dealing with de-recognition of Specialised Adoption Agencies.
- (2) Additionally, the recognition of RIPA can also be suspended for:
 - (i) failure to abide by the stipulated ratio of 80:20 for in-country vis-à-vis inter-country adoption; or
 - (ii) failure to abide by the priority of PAPs as stipulated for inter-country adoption in paragraph 8 of these Guidelines; or
 - (iii) receiving any donation or grant whether in kind or cash from any of the CARA authorized foreign adoption agency and foreign prospective adoptive parents.
 - (3) After suspension of recognition, CARA with the help of the State Government or SARA shall conduct necessary enquiries, within a maximum period of six months, and if charges are proven, will revoke the recognition of the RIPA:

Provided that no order of suspension or revocation of the recognition shall be passed without giving the RIPA a reasonable opportunity to offer its explanation.

- (4) In case of revocation of recognition of a RIPA, the State Government shall, within thirty days, prepare an alternate rehabilitation plan for the children in that home, including shifting them to another agency, in consultation with CARA.
 - (5) In the event of suspension or revocation of recognition of the RIPA, the cases where referrals have been accepted by the PAPs, shall be allowed to proceed for final adoption provided that all other stipulations of these Guidelines have been met but, CARA shall reserve the right not to allow such cases to proceed in case of special circumstances.
- 67. Accreditation.** - (1) CARA shall develop a set of standards or model accreditation criteria for Placement Agencies (RIPAs) as envisaged under the JJ Model Rules and Hague Convention on Inter-country Adoption.
- (2) Till such time, as an interim measure, the RIPAs will be treated as accredited agencies for placing Indian children in inter-country adoption.
- 68. Entitlement to grants-in-aid under ICPS.** - (1) Each RIPA, once it is recognised as a Specialised Adoption Agency under sub-section (4) of section 41, will be eligible to apply for grants-in-aid as provided for under the Integrated Child Protection Scheme.
- (2) If the RIPA fails to submit, either online or manually, any of the stipulated reports and data periodically as provided in these Guidelines to the State Government or SARA or CARA in time, the release of grant shall be withheld.
 - (3) The grant-in-aid will continue to the RIPA for the six month period during which the matter is under investigation by the State Government.
 - (4) The Grants shall be stopped as soon as recognition is revoked which shall not exceed six months from the date of suspension of recognition.
- 69. Adoption Coordinating Agency (ACA).** - (1) The ACAs existing as on the date of commencement of these Guidelines shall continue to function till further orders.
- (2) Upon the commencement of these Guidelines, the ACAs referred to sub-paragraph (1) shall furnish a written undertaking to CARA to comply with the requirements and obligations set out in these Guidelines.
- 70. De-recognition.** - (1) The CARA, suo moto or on recommendation of the State Government or SARA can revoke the recognition of ACA on one or more of the following grounds, namely:
- (i) non-compliance of the provisions of these Guidelines and non-performance of functions as stipulated;

- (ii) any instance of malpractice or any adverse finding by the inspection team or enquiry officers or team constituted by the State Government or CARA ;
- (iii) non-submission or delay in submission of reports or data to CARA or State Government as stipulated.

Provided that no order of revocation shall be passed without giving a reasonable opportunity to the agency to offer its explanation.

- 71. Authorized Foreign Adoption Agency (AFAA).** - The CARA shall authorize Foreign Adoption Agencies for sponsoring applications of foreign PAP(s) including NRIs, OCIs and PIOs habitually residing in foreign countries. Such agencies shall be known as Authorized Foreign Adoption Agencies (AFAA).
- 72. Foreign Agencies to apply to CARA for Authorization as AFAA.** - (1) A foreign accredited agency desirous of sponsoring applications of foreign adoptive parents for adopting an Indian child shall make an application to CARA for authorization through its Central Authority or Competent Authority.
- (2) The application under sub-paragraph (1) shall be forwarded to CARA through the Office of the Indian Diplomatic Mission in the concerned country.
- 73. Criteria and Procedure for Authorization of Foreign Agencies.** - (1) The criteria for authorization of foreign agencies by CARA for the purpose of inter-country adoption shall be as under:-
- (i) it shall be an Agency duly registered under the relevant law of the concerned country and should have recognition, license or certification to mediate inter-country adoptions with India;
 - (ii) it must have been duly accredited by the Competent Authority under the Hague Convention on Inter-country Adoptions, 1993;
 - (iii) it shall be a child welfare agency run on a non-commercial and non-profit basis with an established standing in the field and it must be staffed with qualified social workers who have experience in the field of adoption.
- (2) The agency shall submit the following documents to the CARA for grant of authorization, namely:-
- (i) memorandum or bye-laws, copies of Registration status, latest license issued by the concerned Government department to undertake international adoptions, list of Board or Executive Members, list of countries it is working with, accreditation certificate and its annual reports or financial statements for last two years;
 - (ii) an undertaking signed by the Head or Chief Executive of the Organisation stating that the agency would abide by all the provisions of these Guidelines;

- (iii) an undertaking by the agency that in case of disruption or repatriation of the child or children, it shall abide by the specific provisions laid down in these Guidelines;
 - (iv) copy of adoption law or adoption guidelines or adoption rules of their country upon grant of Authorisation;
 - (v) an undertaking by the agency to send an Annual Report to CARA in the month of April every year on the status of children placed in adoption from India;
 - (vi) a list of staff along with recommendation from its central authority or competent authority; and
 - (vii) recommendation letter from Indian diplomatic mission abroad.
- (3) The AFFA shall either at the time of authorisation, or if already authorised, then upon this revised Guidelines coming into force, furnish a written undertaking to CARA to comply with the requirements and obligations set out in these Guidelines.
- 74. Duration of Authorisation,** - Authorisation to a foreign agency once granted by CARA shall continue for all times unless revoked by CARA, after giving due opportunity to the agency by way of show cause notice but the CARA shall have the right to review the performance of the agency from time to time.
- 75. Revocation of Authorisation.** - (1) The grounds on which the authorization of AFFA can be revoked are as follows, namely:-
- (i) If the agency violates or fails to abide by the provisions of these Guidelines;
 - (ii) If the license or recognition or accreditation of the agency is suspended or revoked by the appropriate authority of that country;
 - (iii) If the agency fails to post online data regarding post-adoption follow-up as instructed by CARA from time to time;
 - (iv) If the agency fails to submit the annual report as stipulated under the Guidelines or any other information called for by CARA, from time to time;
 - (v) If the agency has not shown any progress in its adoption programme with India for three years.

Provided that no order of revocation of Authorisation shall be passed without giving an opportunity to the agency to offer its explanation.

CHAPETR VI

ROLE AND FUNCTIONS OF AUTHORITIES

- 76. Central Authorities.** - (1).Central Authority of the countries that have ratified the Hague Convention on Inter-country Adoption, 1993 is obliged to discharge all obligations as per the provisions of the Convention and it shall also perform the following functions, namely: -
- (i) sponsor applications of PAP(s) directly to the Indian Central Authority (i.e. CARA) for inter-country adoption but they would be required to follow procedure of inter-country adoption as provided in Guidelines;
 - (ii) facilitate, follow and expedite proceedings with a view to obtaining the adoption;
 - (iii) send the CARA either directly, or through its accredited agency (AFAA), follow-up reports with photographs of each child, on quarterly basis for the first year and on six monthly basis for the second year as provided under the Guidelines and such follow-up shall continue upto a period of two years after the child acquires citizenship of the receiving country;
 - (iv) send a copy of the citizenship certificate or court order or adoption order as the case may be;
 - (v) arrange get-togethers for children adopted from India and their adoptive parents so as to provide a forum for sharing experiences, exposing them to the culture of India and such events may be organised by the CA of its own or in collaboration with the Indian Diplomatic Mission;
 - (vi) ensure that the child be accorded automatically the nationality of one of the adoptive parents or of the receiving country, without the need to rely on any action on the part of the adoptive parents and where this is not possible, the Central Authority should provide the necessary assistance to ensure the child obtains such citizenship;
- (2) The policy regarding the nationality of the child should be guided by the overriding importance of avoiding a situation in which an adopted child is stateless.
- 77. Central Adoption Resource Authority (CARA).** - The CARA shall function as a nodal body on adoption matters in the country and it shall discharge the following functions, namely: -
- (a) evolve a structure for non-institutional child care services in the country and to standardize, streamline and implement such services;
 - (b) build an environment that provides an opportunity for every adoptable child in the country to find a suitable family;
 - (c) frame rules and guidelines for adoption of Indian children and ensure their proper implementation;

- (d) regulate and monitor adoptions and maintain a database on adoptions done in the country;
- (e) function as a nodal body in the country on matters related to adoption and establish uniform standards and indicators, relating to-
 - (i) adoption procedure;
 - (ii) quality child care standards;
 - (iii) monitoring and supervision;
 - (iv) standardization of documents;
 - (v) safeguards and ethical practices.
- (f) prepare a centralized database of all children and PAP(s) with the help of its associated agencies for the purpose of establishing central and state level information pool on orphan, abandoned and surrendered children and waiting parents;
- (g) carry out research and documentation on adoption in order to continuously improve the adoption system;
- (h) arrange capacity building programmes for adoption agencies, and other stakeholders engaged in child welfare activities;
- (i) carry out advocacy, awareness and IEC activities for promoting non institutional child care services either by it self or through its associated bodies.
- (j) coordinate with all State Government, State Adoption Resource Agencies (SARAs) or Adoption Coordinating Agencies (ACAs) and advise and support them in adoption related matters;
- (k) monitor the status of children placed adoption and to maintain information and records of all such children for the purpose of follow up and root-search.
- (l) act as the Central Authority on adoption matters under the Hague Convention on Protection of Children and Cooperation in respect of Inter country Adoption, 1993;
- (m) enter into bilateral agreement with Foreign Central Authorities, wherever necessary and as prescribed under the Hague Convention;
- (n) authorise foreign adoption agencies, as bodies authorized to sponsor applications of PAP(s) for Inter-country Adoption of Indian children;
- (o) issue a "No Objection Certificate" for the inter-country adoption; and
- (p) recognise adoption agencies as accredited bodies for processing inter-country adoption cases and monitor their working in this area.

78. Indian Diplomatic Missions in Inter-country Adoption. - Indian Diplomatic Missions abroad shall perform the following functions, namely:-

- (a) liaise with concerned Central or Public Authorities to ensure safeguards of children of Indian origin adopted by NRI or OCI or PIO or foreign parents against neglect, maltreatment, exploitation or abuse;
- (b) interact with the Foreign Authorized Adoption Agencies and Central Authorities in their area of jurisdiction and help to arrange get-togethers of the adopted children and their parents;
- (c) recommend proposals for authorization of foreign adoption agencies for the purpose of sponsoring applications for adoption of Indian children;
- (d) authorize a qualified social worker to do the Home Study Report (HSR) and furnish other documents including an undertaking to send progress reports etc. and shall forward the dossier to CARA with its recommendation in case of Indian nationals residing in a country where there is no authorized agency or where they cannot be recommended by the host Government as per local laws;
- (e) contact the local central authority and other concerned authorities to ensure that the interest of the child is taken care of whenever a report is received on disruption of adoption of an Indian child by a foreign or PIO or NRI or OCI adoptive parent(s) and a report in this regard shall also be sent to CARA at the earliest;
- (f) render necessary help and facilitate the repatriation of the child, if required, in consultation with the local authorities, concerned adoption agency and CARA;
- (g) communicate any report or observation, which it may consider as important and relevant in the matter of inter-country adoptions to CARA.

79. The State Government or Union Territory. -The State Government shall perform the following functions, namely:-

- (a) take all measures to actively regulate and promote in-country adoption of children;
- (b) register all children's homes as Child Care Institutions (Child Care Institution) and recognise one or more of these Child Care Institutions as Specialised Adoption Agencies in each district;
- (c) renew the registration of such Specialised Adoption Agency every five years subject to satisfactory performance;
- (d) ensure that all such Child Care Institutions housing orphan, abandoned and surrendered children are either recognised as Specialised Adoption Agencies or ensure that such children are transferred to Specialised Adoption Agencies for their early rehabilitation;
- (e) recommend suitable Specialised Adoption Agencies to CARA for their recognition as RIPAs;

- (f) monitor the adoption programme and the activities of all Specialised Adoption Agencies, ACAs and SARAs within its jurisdiction;
- (g) enforce standards and measures for orphan, abandoned and surrendered children as envisaged under the State Rules framed under the Act;
- (h) identify Specialised Adoption Agencies or Child Care Institutions which have the capacity to provide quality care and treatment on a long term basis to Special Needs Children including children affected or infected by HIV/AIDS, mentally or physically challenged and other hard to place category and facilitate transfer of such children to these agencies;
- (i) take expeditious steps as required to expedite de-institutionalisation of children through adoption;
- (j) take measures that are required for expansion of the adoption programme in the State, i.e. strengthening the knowledge base, research and documentation, developing a child tracking system, training and development activities, advocacy and communication, monitoring and evaluation;
- (k) instruct all the Child Welfare Committees working in the State to submit periodical data relating to orphan, abandoned and surrendered children;
- (l) take appropriate legal action against persons and institutions, including Nursing homes and Hospitals, involved in illegal adoption work;
- (m) publish a list of all adoption agencies in the State at least once in a year;
- (n) suspend or revoke the recognition of a Specialized Adoption Agency for reasons stated in these Guidelines;
- (o) in the event of revocation of registration or license or recognition of any adoption agency, the State Government shall make suitable alternate arrangements for rehabilitation of children including transferring them to another agency, within a period of thirty days in consultation with CARA and also take steps for transfer of the amounts available in the CCC as provided in **Schedule-XVI** ;
- (p) the State shall constitute a Committee for issue of recommendation for the purpose of inter-country adoption of a child and the Committee would be designated as Adoption Recommendation Committee (ARC) and would consist of Director or Commissioner of the State Deptt. dealing with children in need of care and protection or his representative, Programme Manager (Non-institutional care-SARA), and one external expert or psychologist who has no linkage with any adoption agency and till SARA is operational in the State, the chairperson of ACA will be part of the Committee (in place of Programme Manager) along with the other members;
- (q) the State Government either directly or through SARA, shall send monthly data on adoption to CARA in the given format available in **Schedule -XVII**.

- 80. State Adoption Resource Agency (SARA).** -(1) For the proper implementation of these Guidelines, every State Government is required to set up the a State Adoption Resource Agency (SARA) to act as a nodal body within the State to coordinate, monitor and develop the work of adoption and non-institutional care in coordination with CARA.
- (2) The State Adoption Resource Agency shall perform the following functions, namely:
- (a) coordinate, monitor and develop the adoption programme in the State;
 - (b) facilitate the setting up of Specialised Adoption Agency and maintain a comprehensive list of such agencies;
 - (c) ensure that all adoptions or permanent placements of children are done in accordance with the provisions of law and Guidelines issued by Government of India, from time to time;
 - (d) promote and regulate in-country and inter-country adoptions in coordination with CARA;
 - (e) perform all functions assigned to it under these Guidelines for in-country and inter-country adoptions;
 - (f) identify Child Care Institutions which are not registered as Specialised Adoption Agencies, and take necessary steps to create a linkage with them in order to bring the adoptable children in such Child Care Institutions into the adoption or alternative family care loop;
 - (g) facilitate inter-country adoption of children in Specialised Adoption Agencies for whom in-country adoption efforts have failed in accordance with these Guidelines and to ensure their early deinstitutionalisation;
 - (h) receive and process dossiers from RIPAs for inter-country adoption and act as a secretariat for the ARC Committee;
 - (i) promote and Implement non-institutional services other then adoption;
 - (j) maintain a centralized (state-specific) web-based database of adoptable children;
 - (k) ensure that all PAPs are registered with Specialised Adoption Agency ;
 - (l) maintain a centralized (state-specific) web-based database of Prospective Adoptive Parents;
 - (m) supervise the work of Specialised Adoption Agencies and ensure coordination between them within the State;
 - (n) carry out inspections of Specialised Adoption Agencies at least once a year and carry out verifications as stipulated for the inspection team in these Guidelines;

- (o) call for data every month from all Specialised Adoption Agencies in order to monitor the functioning of these agencies and provide comprehensive adoption data to CARA on a monthly basis;
 - (p) assist the State Government and CARA in conducting investigation into any instance of malpractice by Specialised Adoption Agency and suggest corrective action or suspension or revocation of license or recognition of the agency, if need be;
 - (q) liaise with the other Child Care Institutions to facilitate more children coming into the adoption system;
 - (r) ensure sensitization of all agencies and allied systems towards non-institutional care;
 - (s) take up advocacy and awareness for promoting adoptions and family based non-institutional care in the state;
 - (t) develop and disseminate IEC materials;
 - (u) take necessary punitive action when malpractices occur in the adoption programme whether by registered or recognised adoption agencies or by unauthorised individuals or organisations;
 - (v) maintain and operate a bank account in a nationalised bank for transactions relating to adoptions; and
 - (w) advise and assist the State Govt for rehabilitation of children in case of revocation of recognition of any agency.
81. **Child Welfare Committee (CWC).** - The role and functions of the CWC in the adoption process will be governed by the rules made there under and also be guided by the Act and Model Rules or State Rules.
82. **Birth Certificate issuing Authority.** - (1) The birth certificate issuing authority shall issue the birth certificate in case of the adopted child.
- (2) The adoptive parents or their attorney can make an application to the birth certificate issuing authority along with a copy of the adoption order and the adoption deed for issuance of birth certificate;
 - (3) The competent birth certificate issuing authority is the one, which has jurisdiction over the area where the adoption agency is situated.
 - (4) The name of adoptive parents shall appear, as "parents" and the term "Adoptive Parents" or "Adopted Child" shall not be used in the birth certificate.
 - (5) The birth certificate shall mention the place (city or village) where the adoption agency is located, as the place of birth of the child.

83. **Regional Passport Office (RPO).** - (1) In inter-country adoption cases, the Regional Passport Officer, subject to the law relating to issuance of passports, shall issue the Passport based on the production of the following documents along with the application for Passport, namely: -
- (i) No Objection Certificate from CARA;
 - (ii) court order on adoption and adoption deed; and
 - (iii) all other documents as stipulated by the passport issuing authority.
- (2) The concerned Regional Passport Officer shall issue the Passport expeditiously in the best interest of the child.
- (3) In in-country adoption cases, the Regional Passport Officer shall issue the passport where the adoptive parents are Indian nationals and permanent residents of India based on the following documents, namely: -
- (i) proof of permanent residence in India of the PAP(s);
 - (ii) birth certificate of the child;
 - (iii) court order on adoption and adoption deed; and
 - (iv) all other documents as stipulated by the passport issuing authority.
84. **Foreign Diplomatic Missions in India.** - The Foreign Diplomatic Missions in India may issue VISA to the adopted child as expeditiously as possible after submission of the following documents, namely:-
- (i) Passport;
 - (ii) Birth Certificate or Declaration by Child Welfare Committee;
 - (iii) No Objection Certificate from CARA; and
 - (iv) Adoption Order from an Indian court and supporting deed.

CHAPETR: VII ASSOCIATED AGENCIES: ROLE AND FUNCTIONS

85. **Specialised Adoption Agency (SAA).** - In order to facilitate the placement of orphan, abandoned and surrendered children in adoption, the Act empowers the State Government to recognize one or more of its childcare institutions or voluntary organizations in each district as Specialised Adoption Agency (SAA) for placing children in in-country adoption.
86. **Role towards children,** - Every Specialised Adoption Agency shall -
- (a) be responsible for care, protection and well being of every child in its care and shall cater to their health needs; special care for children with special needs; emotional and psychological needs; educational and training needs; leisure and recreational activities; protection from all kinds of abuse, neglect and exploitation; social mainstreaming; restoration and follow-up ;
 - (b) restore the child to his or her parent(s) soon after his or her admission in the institution, provided that such restoration is in the best interest of the child;

- (c) report all cases of admissions, restorations, transfers, adoptions and death of children, and any children missing from the institution, to Child Welfare Committee, SARA or ACA and any other appropriate authority;
- (d) if a child already has a given name, the same shall be retained and in case no name is known, the Specialised Adoption Agency shall give an appropriate name and register the name of the child with competent authority for obtaining a birth certificate;
- (e) prepare individual care plans for each child following the principle of the best interest of the child and in preparing individual care plan, the care options in the following order of preferences shall be considered names:-
 - (i) restoration efforts and preserving the biological family;
 - (ii) In-country adoption;
 - (iii) Inter-country Adoption;
 - (iv) Other non-institutional Care and
 - (v) Institutional Care;
- (f) create a Baby or Child Book as soon as a child enters an institution, which would include photo album of the child, history and details of the child's life so far (cases of surrendering parents should not be mentioned) and interests of the child and the book will form part of the file to be handed over to the family with whom the child is placed;
- (g) make efforts to place each child who has been declared legally free for adoption by Child Welfare Committee in adoption with loving and caring PAP(s) expeditiously;
- (h) be responsible for matching, referral and the legal procedure related to the adoption as provided in these Guidelines;
- (i) prepare every adoptable child psychologically for his or her assimilation with the adoptive family and the new surroundings;
- (j) facilitate visitation between suitable PAP(s) and the children proposed for adoption;
- (k) ensure that Siblings and twins are placed in the same family and are not separated;
- (l) monitor the well being of the child placed in adoption or in non-institutional care for a period of 2 years from the date of such placement, through post placement progress reports and it shall also discharge all responsibilities assigned to it under these Guidelines in cases of disruption;
- (m) keep all post-adoption records in a manner, which should not be accessible to common public;

- (n) facilitate root search by the adoptive child, If the child desires to know his or her history, especially information relating to his or her biological mother, father and siblings. However, in doing so the age and maturity of the child would be a consideration. In case of unwed mother or other parents not willing to be contacted, Specialised Adoption Agency shall not pass on the information regarding the biological mother to the child or the adoptive parents; and
- (o) submit child status report on the online reporting system available on the website www.adoptionindia.nic.in

87. Role towards Prospective Adoptive Parents (PAPs).- (1) A Specialised Adoption Agency shall:

- (a) not deny registration to any PAP(s) unless stipulated conditions are not fulfilled or required documents not submitted within a reasonable time;
- (b) complete the Home Study Reports of all PAP(s) registered with them, expeditiously within a maximum period of four months from the date of their registration with Specialised Adoption Agency;
- (c) continuously update the PAP(s) about the status of their applications;
- (d) provide information about the medical history of the child to PAP(s) and advise the PAPs to have the child's medical assessment done by their own doctor;
- (e) inform the PAPs about the health status of a Special Needs child if such a child is proposed for adoption;
- (f) place a child in pre-adoption Foster Care after on completion of assigning and referral and after observing necessary formalities as laid down in these Guidelines;
- (g) not discriminate against any PAP(s) on the ground of being single. However, such cases will be thoroughly scrutinized in order to ensure that the single PAP is capable of taking care of the child;
- (h) extend post adoption services such as counselling etc., to the PAPs, if required;
- (i) be entitled to receive registration fee, HSR fee and contribution from PAPs towards CCC but this would be strictly as per amounts prescribed in these Guidelines in **Schedule-XVI**; and
- (j) treat PAP(s) with respect and extend due courtesies and assistance and advice as and when required.

(2) The prescribed format for Home Study Reports is in **Schedule -VI.**

- (3) The Home Study Report shall be prepared by trained professionals and shall clearly indicate the suitability of the PAP(s) for taking a child in adoption.
- 88. Role towards Biological Parent(s). -** The Specialised Adoption Agency shall :-
- (a) treat the birth parent(s) surrendering a child with respect and dignity throughout the surrender process;
 - (b) obtain appropriate information from birth parent(s) before surrender of the child;
 - (c) encourage the biological parent(s) surrendering a child to provide maximum information about the child's background and development as well as their own health;
 - (d) not enter into any commitment or agreement with biological parents regarding adoption of a child prior to his or her birth;
 - (e) not make any promise of, or give any, financial support to the biological parents that could influence them to surrender their child;
 - (f) explain to the parents the implications of surrendering their child including the possibility of adoption of the child by foreigners and of no further contact with him or her;
 - (g) inform the parent(s) that they would get a reconsideration period of sixty days from the date of surrender during which they can take back the child;
 - (h) respect the wish of the surrendering parent(s), to the extent possible, if they state a preference for the religious upbringing of the child but the best interest of the child shall be the paramount consideration; and
 - (i) maintain the confidentiality of unwed mother and the biological parent(s).
- 89. Counselling Functions. -** (1) The Specialised Adoption Agency shall provide counselling services to PAP(s) and children and such support shall be provided as and when required by them.
- (2) In case of a male counsellor, presence of female nursing staff or female superintendent may be ensured during the counseling session.
- (3) The counselling function shall involve: -
- (a) counselling of biological parent(s) in case of surrender;
 - (b) pre-adoption counseling of PAPs; and
 - (c) counselling of adopted children and their adoptive parents

- (4) Through counselling of biological parents in case of surrender, the Specialised Adoption Agency has to ensure that the consent for surrender and adoption is given by the parent(s) through counselling, without coercion and without monetary or material consideration.
 - (5) The biological parent(s) should be encouraged not to surrender the child unless keeping the child with the parent(s) is against the best interest of the child.
 - (6) The Specialised Adoption Agency must counsel and assist the surrendering parent(s) and ensure that they are informed of the possibility of a future contact in the event of a search for roots by their child, and that in such cases, the biological parent(s) would be required to cooperate with the Specialised Adoption Agency to meet the child. However, unwed mothers may not be required to do so, if they so desire.
 - (7) In case of prospective adoptive parents, counselling must be completed before the Home Study Report is prepared to make them aware of the process of adoption.
 - (8) During the counseling sessions, the qualified Social Workers should, amongst other issues, focus on:-
 - (i) emotional readiness of couples aspiring to adopt;
 - (ii) acceptance of adoption as an alternative way of building a family;
 - (iii) parenting and disciplining;
 - (iv) sharing the facts of adoption with the child;
 - (v) child's needs for search of roots;
 - (vi) bonding and attachment with a child not biologically related;
 - (vii) concerns about the child's social background and genetic factors;
 - (viii) issue of selecting the child; and
 - (ix) any other issue that might emerge.
 - (9) PAP(s) may be advised also to contact Adoptive Parents Associations, adoptive families and older adoptees to understand the entire process of adoption.
 - (10) The Specialised Adoption Agency must be equipped to extend post-adoption support and counselling services for adopted children and their adoptive parents.
 - (11) The adoptive parents should be counselled, not to change the name of an older child so as to help the child keep his or her identity.
 - (12) The counselling may include other advice specific to the requirements of the child and the adoptive family.
- 90. Preparation of Child Study Report (CSR) and Medical Examination Report (MER).** - (1) The CSR shall be prepared by professional social workers or experienced personnel of the Specialised Adoption Agency while a pediatrician attached to the Specialised Adoption Agency shall prepare the MER.
- (2) A formal Child Study Report shall be prepared as provided in Schedule-XVIII in each case once the child is legally free for adoption.

- (3) The MER (Medical Examination Report) shall also be prepared in the form given in **Schedule-XIX**.
- 91. Preparation of Home Study Report (HSR) and Suitability of Parents.** - The HSR of the PAP(s) shall be prepared in the form given in **Schedule-VI** by a professional social worker or a competent person as per the provisions laid down in these Guidelines.
- 92. Cradle Baby Reception Centre.** - (1) Cradle points may be set up by Specialised Adoption Agencies with the help of hospitals or nursing homes for safe abandonment and rehabilitation.
- (2) The primary objective of the Reception Centre shall be to receive abandoned children and look after them with due care and affection till he or she is given in adoption.
- (3) Each Specialised Adoption Agency shall install one cradle at the doorstep to receive such babies.
- (4) In addition, the reception centre will receive babies from Cradle Points which may be placed at all the Primary Health Care Centres (PHCs), Hospitals or Nursing Homes, Short-stay homes, Swadhar units or Swadhar reception centres and the office of the DCPS (District Child Protection Unit or Society).
- (5) Once the Cradle Baby Reception Centre receives a child from a Cradle Point, it should make the following arrangements for rehabilitation of the child, namely :-
- (i) provide for proper medical treatment and food as per the advice of the Medical Officer;
 - (ii) report the arrival of the child to the Child Welfare Committee;
 - (iii) provide for all basic needs of the child;
 - (iv) provide care and protection to the child; and
 - (v) register the birth of the child with the competent authority.
- 93. Documentation and Record Keeping.** - (1) Specialised Adoption Agency shall keep all relevant information such as declaration by Child Welfare Committee; surrender deed of the biological parent or s, CSR, MER including immunisation record, HSR, birth certificate, court order and progress reports etc. in the file of each child. In addition, report of the counselor or social worker, information from previous institution, if any; periodical health reports; IQ testing report and social history, photographs of the child taken at intervals of six months, etc. shall be documented in the case file.
- (2) As far as possible, a child's complete record may be scanned, microfilmed and preserved by both, the Specialised Adoption Agency and SARA, permanently.
- (3) The Specialised Adoption Agency shall make available, whenever required by the inspection team, the case file of each child.

- (4) The children's records in the case file should not be revealed or shown to unauthorised persons.
 - (4) The Specialised Adoption Agency shall prepare individual Care Plan for each child based on age specific and gender specific needs.
 - (5) The Individual Care Plan shall address the following needs of the child, namely:
 - (i) health and medical needs;
 - (ii) emotional and psychological needs;
 - (iii) educational and training needs;
 - (iv) leisure, creativity and play;
 - (v) attachments and relationships;
 - (vi) protection from all kinds of abuse, neglect and maltreatment;
 - (vii) rehabilitation including reunification with family, adoption and other non-institutional care;
 - (viii) social mainstreaming; and
 - (ix) follow-up after rehabilitation or restoration.
 - (6) The Specialised Adoption Agency shall maintain the following registers, namely:-
 - (i) master Admission Register;
 - (ii) medical and development file of the child;
 - (iii) case file of the child;
 - (iv) attendance Register of the children and staff;
 - (v) register of PAP(s) with details (date of registration, date of home study report and the like);
 - (vi) vouchers, cashbook, ledger, journal and annual accounts;
 - (vii) grant Utilization Register;
 - (viii) stock Register; and
 - (ix) record of Minutes of Meetings.
 - (7) The Specialised Adoption Agency shall prepare and maintain monthly reports in the prescribed format, Annual reports and Audited Statement of Accounts.
 - (8) The Specialised Adoption Agency shall also maintain other records stipulated under the law relating to its registration and the Act.
- 94. Other Functions.** -The Specialised Adoption Agency shall work in the best interest of children and carry out the following specific responsibilities, namely:-
- (a) motivate people to adopt;
 - (b) organize training and development activities to spread awareness about the programme;
 - (c) evolve its own model or curriculum for training its childcare and professional staff on the basis of model rules or Guidelines issued by central government or CARA from time to time;

- (d) update online data base on regular basis as prescribed by CARA from time to time;
 - (e) lodge complaint with SARA, CARA, CHILD WELFARE COMMITTEE and police authorities if nursing homes or hospitals or any other person(s) are found involved in illegal adoptions.
- 95. Staff in Specialised Adoption Agencies.** - The Specialised Adoption Agency shall employ professional staff and child care staff to cater to the needs of all its children as per norms provided in **Schedule-XV**.
- 96. RIPA (Recognized Indian Placement Agency).** - (1) CARA shall give recognition to suitable Specialised Adoption Agencies to function as Indian Placement Agencies for Inter-country Adoption (RIPA) based on State Government's recommendations.
- (2) RIPAs shall function as recognized bodies in accordance with the provisions of Article 11 of Hague Convention on Protection of Children and Cooperation in respect of Inter Country Adoption- 1993 and shall -
- (a) perform all roles and functions assigned to a Specialised Adoption Agency under these Guidelines in addition to specific roles and functions assigned to it in cases of inter-country adoptions;
 - (b) be staffed by qualified persons of high ethical values and having training or experience in the field of inter-country adoption;
 - (c) be subject to supervision, monitoring and inspection by competent authorities of the Central Government as well as the concerned State Government;
 - (d) complete all formalities for Inter-country adoption as provided in these Guidelines;
 - (e) place children in in-country and inter-country adoption only in a ratio of 80:20 respectively on an annual basis which would exclude children with special needs as categorised separately in these Guidelines and for this purpose, while deciding on whether a child is special needs or not, the final decision would vest with CARA;
 - (f) file progress reports including the adoption decree in case of all guardianship matters before the competent Court which has issued Guardianship Order;
 - (g) discharge all responsibilities assigned to it under these Guidelines for post-adoption follow-up in all cases of inter-country adoptions and also in cases of disruption, repatriation of children.
- 97. Adoption Coordinating Agency (ACA).** - (1) Adoption Coordinating Agency (ACA) is a State level organisation for promotion of in-country adoption.

- (2) The ACA shall carry out all the functions prescribed under these Guidelines as well as any other function assigned to it by the State Government or CARA from time to time. Accordingly, ACA shall -
- (a) coordinate, monitor, supervise and develop adoption programme in the State;
 - (b) coordinate the adoption activities of the Specialised Adoption Agencies within the State;
 - (c) carry out advocacy and awareness programmes for expanding the adoption programme in the State;
 - (d) conduct training and capacity building of all adoption functionaries;
 - (e) undertake documentation and research on adoption to facilitate policy formulation;
 - (f) conduct inspection of Specialised Adoption Agency as and when required by CARA or State Government;
 - (g) compile monthly data from all Specialised Adoption Agencies and forward the same to CARA.
- (3) In addition, ACA shall perform all functions assigned to SARA by these Guidelines till such time that SARA becomes functional in the state.

98. Authorized Foreign Adoption Agency (AFAA). -(1) An Authorised Foreign Adoption Agency is a foreign adoption agency authorised by CARA on the basis of its accreditation or recommendation by the Central Authority or concerned Government Department of that country to coordinate all matters related to adoption of Indian children by the citizens of that country.

- (2) The AFAA shall perform the following functions, namely:
- (a) register the suitable FPAP(s) and prepare their Home Study Report (HSR) in accordance with the provisions laid down under the Hague Convention on Inter-country Adoption as well as the specific provisions laid down by the Central Authority of the respective country;
 - (b) forward an attested copy of the FPAP(s)' dossier directly to CARA for consideration. In no case shall, the AFAA directly transmit any dossier to a RIPA;
 - (c) approach the RIPA indicated by CARA for getting a referral;
 - (d) on acceptance of the referral by the PAPs, shall communicate the same to the concerned RIPA along with 50 percent of stipulated CCC;
 - (e) appropriately counsel the FPAP(s) to prepare them to receive and take proper care of their adopted child. If possible, foreign PAP(s) must be given orientation on the culture or language or food of the place to which the adopted child belongs.
 - (f) follow up with RIPA for ensuring early adoption after receipt of NOC for the adoption from CARA;

- (g) send the remaining 50 percent of the CCC to the RIPA on completion of the adoption process in India and issue of the court order;
- (h) keep CARA and concerned RIPA informed about the progress of placement through quarterly post-placement reports during the first year and half yearly reports during the second year of the child's arrival in the receiving country and such follow-up shall continue upto a period of two years after the child acquires citizenship of the receiving country;
- (i) follow up for early legal adoption and or grant of citizenship order, as the case may be, in the receiving country and forward a copy of the legal adoption order of the appropriate Authority to CARA and the RIPA and a copy of the citizenship certificate of the receiving country for the child shall also be sent as soon as it is issued;
- (j) draw immediate special attention of its Central Authority or concerned Government Department, Indian embassy or mission, CARA and the concerned RIPA in cases where the final legal order for adoption does not take place within a period of 2 years of arrival in the receiving country;
- (k) abide by the provisions contained in Chapter IV of these Guidelines in case of disruption of adoption or repatriation of the child;
- (l) arrange get-togethers of children of Indian origin and their adoptive families from time to time with involvement of the concerned Indian Diplomatic Mission.

CHAPTER-VIII MISCELLEANOUS

- 99. Linkage between Specialised Adoption Agency and RIPA for Inter-country Adoption.** - (1) In case of a special needs child (as defined in these Guidelines), if the Specialised Adoption Agency is unable to place a child in in-country adoption, it shall approach the ACA or SARA (as and when constituted), to facilitate the placement of the child in inter-country adoption through a RIPA.
- (2) In a case refer to in sub-paragraph (1), the ACA or SARA shall record its satisfaction, in writing, of the efforts made by the Specialised Adoption Agency for in-country adoption and transfer the CSR and MER of the child to a RIPA within the State.
 - (3) It is not mandatory to transfer the child from one agency to the other and on receipt of CSR and MER, the RIPA shall process the case in accordance with procedure laid down in these Guidelines for inter-country adoption.
 - (4) Throughout the process referred to in sub-paragraph (3), the Specialised Adoption Agency shall assist the RIPA till the adoption is finalized.
- 100. Data on Adoptions.** - (1) Data of all adoptions of Indian children, whether in-country or inter-country shall be maintained by the SARA or State Government

- (2) Such data along with details shall be transmitted to CARA on a monthly basis.
- 101. Adoption Leave.** - (1) For Government employees, adoption leave to entitled category of parents is governed by instructions issued by Deptt. of Personnel and Training, Government of India from time to time.
- (2) For PAPs employed in non-government sector, leave as provided by their organisation shall be available.
- 102. Scrutiny of Adoption dossier.** - As the ARC which is a body constituted by the State Govt, would be scrutinising each dossier for inter-country adoption before issue of recommendation certificate, no further scrutiny of the adoption dossier shall be required by any agency or authority other than CARA.
- 103. Avoiding Conflict of Interest.** - In order to avoid conflict of interest, no member of the Executive Committee of an adoption agency or any of the employees of the agency shall be member of the Child Welfare Committee.
- 104. Functioning of LAPA.** - (1) All obligations, roles and functions assigned to Specialised Adoption Agency under these Guidelines shall be performed by the LAPAs till such time that they are recognised as Specialised Adoption Agencies under the Act by the State Governments.
- (2) Any reference to Specialised Adoption Agency in these Guidelines shall also include LAPAs.
- 105. Functioning of SARA or ACA.** - Till such time, that SARA becomes functional in a state, functions assigned to SARA by these Guidelines may be performed by the ACA.
- 106. Maintaining Confidentiality.** - (1) All agencies and authorities involved in the adoption process shall maintain complete confidentiality of adoption records which would include among other documents, the Home Study Report including identity and address of PAPs and adoptive parents, Child Study Report, MER of child and the PAPs, Surrender deed and related documents.
- (2) The documents related to the adoption process shall be disclosed only to the judiciary and to the agencies and authorities involved in the adoption process.
- 107. Adoption Expenses.** - The PAPs are required to bear following administration expenses in the process of adoption.-
- (a) the registration expenses for PAPs for in-country adoption, is Rs. 1,000. In addition to it, they shall be required to pay Rs.5000 for the Home Study Report and post adoption follow-up services.
- (b) the PAPs shall be required to contribute towards the Child Care Corpus(CCC), maintained by the agency from where they are adopting the child. This amount shall also cover all expenses incurred to finalize the adoption. However, the adoption agency may decide to waive off or reduce this amount in exceptional cases. The amount to be contributed by PAPs is as under:-
- (i) Amount to be contributed towards CCC in case of In-country adoptions: Rs.40,000/-
- (ii) Amount to be contributed towards CCC in case of Inter-country adoptions: US \$ 5000/-

- (c) The modalities for payment of the amounts is mentioned in **Schedule-XVI** attached to the Guidelines.
- (d) The PAPs or adoptive parents shall not contribute more than the amount specified in this paragraph and shall also not make any donation, whether in kind or cash, to the agency from where they propose to adopt or have adopted a child.
- 108. Relaxation and Interpretation of the Guidelines.** - (1) These Guidelines are issued having regard to the provisions of the existing law and for the interpretation, the relevant law should be referred to.
- (2) In case of ambiguity or any dispute, the power to interpret these Guidelines vests with CARA.
- (3) The power to relax any provision of these Guidelines in respect of a case or class or classes or category of cases vests with CARA.

Provided that no relaxation or dispensation shall be given by CARA without recording appropriate reasons for the same.

SCHEDULE I
[See paragraph 11(2)]
MASTER ADMISSION REGISTER

**Photograph of
the Child**

Name & Address of the institution:

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
S.No.	Regd. No. & Date	Name of the Child	Sex	Date of Birth	Child Status (Relinquish ed or Abandone d) Date of Relinquish ment or abandonm ent	Reason for surrend er	Date of Admission or Date of acquiring the child	Health Status of the Child, Specif y	Whether the child is In Foster Care
11	12	13	14	15	*Remarks				
Name & Address of Adoptive or Foster Care Parents	Date of Foster Care Agreement	Whether the adoption of the child is finalized	Court Order No.&Date	Post Placement Reports.					

*The date of Restoration & details of death of a child should also be stated in the remarks.

SCHEDULE II**[See paragraph 15(4)]****DEED OF SURRENDER or STATEMENT OF CONSENT**

(If a child, having both biological parents, is surrendered, both the parents should sign the surrender document. If one of parents is deceased, proof of death is to be furnished. In case of an unwed mother or single or legal guardian where surrender of the child or children is the last alternative, the following format shall apply. In case of biological parents, the format shall be filled in duplicate, one for biological mother and other for biological father. If anyone other than the above categories surrenders the child, then the procedure shall be followed as for an abandoned child.)

I. Declaration by Person surrendering the child or children

I -----, have read the following statements carefully and understand the same. I have received counselling and information about the effects of my consent and I am making the statement without coercion or threat and without receiving any payment or compensation of any kind.

I, the undersigned:

Family name:

First name(s):

Date of birth: day ... month ... year ...

Permanent Address:

Mother ☐ Father ☐ Legal representative ☐ of the child:

Family name:

First name(s):

Sex: male ☐ female ☐

Date of birth: day ... month ... year ...

Place of birth:

Address:

declare as follows:

- (i) freely consent to the surrender of my child or children named-----.
- (ii) terminate the legal parent-child relationship between the said child or children and me.
- (iii) understand that my child may be adopted by person(s) residing in India or abroad and give my consent for this purpose.
- (iv) understand that the adoption of this child will create a permanent parent-child relationship with the adoptive parent(s).
- (v) have been informed that I may withdraw my consent until 60th day of this surrender deed after which my consent will be irrevocable and I shall have no claim over the child or children.

I relinquish the child or children for the reason-----

I wish or do not wish (please tick which ever is applicable) my identity and address to be disclosed to my child when he or she returns for root search.

I declare that I have fully understood the above statements.

Done at on

(Signature or Thumb Impression of surrendering person)

II. Declaration by Witnesses

I the undersigned have witnessed the above surrender.

(a) Signature, Name and Address of the first Witness

.....

(b) Signature, Name and Address of the second Witness

.....

.....

III. Certification of CHILD WELFARE COMMITTEE Member

Name:

Title:

I hereby certify that the person and the witness(es) named or identified above appeared before me this date and signed this document in my presence.

Done at or,

Signature & Seal

SCHEDULE III

[See paragraph 16(3)]

CERTIFICATE DECLARING CHILD LEGALLY FREE FOR ADOPTION

1. In exercise of the powers vested in the Child Welfare Committee _____ constituted under sub-section _____ of section _____ of the Juvenile Justice (Care and Protection of Children) Act, 2000 as amended in 2006 and sub-rule _____ of rule _____ of these rules, minor _____ born on (date) _____ placed in custody of Specialised Adoption Agency (name & address) _____ vide order no. _____ dated _____ of the Child Welfare Committee _____, has been declared legally free for adoption on the basis of details furnished through:

- (a) Inquiry or home study conducted by Child Welfare Officer or Social Worker or Case Worker
- (b) Document of surrender executed by the parent(s) and surrender deed signed in the presence of the Child Welfare Committee.
- (c) Declaration submitted by the Specialised Adoption Agency.

2. This is to certify that

- (a) The child is adoptable, the biological mother or parents or guardians have been counselled and duly informed of the effects of their consent and the adoption will result in the termination of the legal relationship between the child and his or her family of origin;
- (b) The biological mother or parents or guardians has or have given their consent freely, in the required legal form, and the consents have not been induced by payment or compensation of any kind and the consent of the mother (where required), has been given only after the birth of the child;

Child Welfare Committee
Date and Place

SCHEDULE IV
[See paragraph 18(2)]
REGISTRATION FORM FOR PROSPECTIVE ADOPTIVE PARENTS
Parents Registration form

Marital Details

Marital Status

.....
Date of Marriage.

Applicant Category

Status Couple ☐ Male ☐ Female

Personal Information

	Male	Female
Name
Nationality
Date of Birth
Annual Income (in Rs.)
Education

Professional Details

Working

Place of Work

Office Contact no.

No. of Biological/Adopted Children:

Residence Address

State

Pin Code

Phone No.

Mobile No.

Email Id.

Id Proof Type

☐

PAN Card

☐

Voter Id

☐

Passport

Male ID No.

Female Id No.

Gender

Age

State

Agency Id

Name of the Agency

Address

Motivation for Adoption (Max 200 Characters)

Signature of the Prospective Adoptive
Parents:

Signature of the Professional Social Worker:

SCHEDULE V**[See paragraph 20(1)]****DOCUMENTS REQUIRED FOR REGISTRATION BY PAPS IN INDIA**

The following documents are required to be produced in original along with two self attested copies by the PAPs:-

- (a) Proof of identity (voter card or pan card or passport or driving license)
- (b) Proof of address indicating residence in India exceeding 365 days
- (c) Marriage Certificate
- (d) Family Photograph (Three recent postcard sized photographs of the adoptive family).
- (e) Health certificate by a registered medical practitioner certifying that the PAPs are not suffering from any contagious or terminal disease or any such mental or physical condition, which may prevent them from taking care of the child.
- (f) Two letters of recommendation from persons who know the family well. Such recommendations should not be from immediate relatives of either spouse.
- (g) If the PAPs are self-employed, IT statement for the last three years and if they are employed, Income Certificate from the employer also indicating the date of superannuation.
- (h) Financial statement including copies of bank statement for the last six months, details of movable and immovable property owned by the family and details of loans taken by the PAPs.
- (i) Written consent of the biological or adopted child or children and if they are above 7 years of age.
- (j) Adoption decree, if the couple have adopted child or children earlier.
- (k) Divorce or legal separation decree in case of single PAP(if applicable).
- (l) Letter from close relative of single PAP stating that in the event of any unforeseen circumstance, the relative would take care of the child.
- (m) Copy of the passport of PAPs and in case the parents do not have passport ,undertaking to that effect.

(It is clarified that infertility certificate is not required from the PAPs wishing to adopt a child)

SCHEDULE VI**[See paragraph 20(3), 28(1), 87(2) and 91]****FORMAT FOR PREPARATION OF HOME STUDY REPORT (HSR)**

(Professional social worker with MSW or MA Psychology background attached to an adoption agency or any competent person identified by the State Government is competent to prepare Home Study Report.)

Assessing the ability of a couple to parent a child not born to them is of crucial importance in a successful adoption. Therefore, their suitability to care for an unrelated child is assessed through a home study.

It is important to know the couple's general attitude towards adoption, particularly of an unrelated child, and the motivating force behind their decision to adopt. Their attitude to illegitimacy is an important consideration since a negative attitude may adversely condition their response to a child born out of wedlock. Positive qualities that can be identified are:- an evident enthusiasm to adopt, adjustability and tolerance in their requirements of the child. Negative characteristics can be identified as :- tension in their marital relationship, anticipation of the adoption as a means of alleviating some personal problem, or indecisiveness in their commitment to adoption.

In general, motives those focus on the needs of the child, rather than those of the adoptive parents are acceptable. Some couple may wish to adopt to repair their shaky marriage, to bring in a companion and playmate for their natural born child or to replace an expired child. Combating the loneliness of a mother, creating new interest in the life of a sick and miserable parent, or anticipation of support in old age may be other motives. These are irrational and unrealistic motives and the applicants should be helped to reflect on these areas and even advised to refrain from adopting a child in such cases. They should understand that a child can not be made a tool in solving the problems of two adults.

It is further important to explore whether both the spouses are equally eager to adopt or if one of them is going along with the plan just to please his or her partner.

(a) Identifying Information: Following information is required for PAP or s.

Name:

Age:

Years of Marriage:

Educational Qualifications:

Financial Situation:

Occupation:

Religion:

Health History**(b) Detail's of other children and family members**

Name and age of both biological or adopted children:

Current relationship between the parents and biological children, if any;

Development of already adopted children, if any

Details of other family members:

Home and Neighborhoods::

(c) Description and amenities of the Home

Standard of living as it appears in the Home:

Accommodation for the child:

(d) Current relationship between husband and wife:**(e) Attitude of grand-parent and relatives towards adoption:****(f) Anticipated plans for the adoptive child:****(g) Psycho-Social Assessment of the Couple:**

Information needs to be collected in several areas to enable the social worker to form a composite psychosocial picture of the adopting couple. Some of the areas are mentioned below:

General Impression of the Couple:

Emotional Health:

Value System:

Social Status and background of Adopting Couple:

Quality of Marital Relationship:

Previous history of divorce or living relationship etc.

(h) Capacity for Parenthood and Expectations of a Child:

This includes a capacity to love, accept and offer emotional security to children, a capacity to permit them to grow in their own individuality, a readiness to accept and understand the behavioural problems of children and to be flexible and realistic in their expectations from children.

It is also necessary to explore if the applicants have strong pre-conceived ideas as to what the child should be like. Some parents have a dream image of a child or a desire that the child should become exactly like his or her father or mother in all respects. A child cannot be laden with the burden of futuristic expectations of the adoptive parents. When a relationship is based on such motivations there is an undue emphasis on loyalty. Couples should be helped to understand that a child is a separate entity with his own individuality. Areas which should be explored are a couple's rigidity or otherwise about the background of the child, whether they will be willing to let a child grow in his own way at his own speed while they support him with loving discipline, and their hopes and plans for the child.

If the wife is working the social worker should discuss with her whether she plans to continue to work or to give up her job. If her intention is to continue with her job, it should be ascertained what plans she would be making for the child's care while she is at work.

(i) Attitude of Significant Others:

In our traditional cultural set up, next in importance to the applicants themselves, come the members of their extended family. If there are any biological children old enough to have an opinion in the matter, their views regarding the adoption plan and the extent to which their parents have prepared them should be ascertained. If the applicants are living in a joint family, it would be advisable to meet all the family members living in the home. Both sets of prospective adoptive grand parents should be seen where possible. Such contact with significant relatives would give evidence of their degree of support of the adoption plan of the couple, ensure their positive involvement and also help ascertain if they need support in resolving their own feelings about the idea.

(j) Others Issues:

Plans to Tell the Child of His or Her Adoption:

Evaluation of Strengths and Weaknesses, and Social Worker's Recommendations:

Motivation for Adoption:

Family's Consideration of Possible Medical or Special Needs

S.No.		Yes	No	May be
1.	Low birth weight			
2.	Premature birth			
3.	Birthmark : On visible part of body, not disfiguring			

4.	Heart defect: Minor : (Murmur, etc.) (No surgery required) Major: (requires open heart surgery)			
5.	Hepatitis B. carrier			
6.	Blood disorders: a) Thalassaemia b) Sickle cell anemia c) Hemophilia (bleeder)			
7.	Child needing sex change due to injury of birth defect			
8.	Child requiring wheel chair			
9.	Spina Bifida-walk with help, crutches braces, etc.			
10.	Cerebral Palsy: Mild Moderate Severe			
11.	Orthopaedic problem Correctable (now using braces or crutches or future ability)			
12.	Rickets			
13.	Congenital hip defect			
14.	Malformations: Webbing of fingers and or or toes (operatable) Partially formed fingers and or or toes Club foot or feet (correctable) Missing or malformed ear Missing or malformed fingers and or or toes Missing limb(s) Malformed limb(s)			
15.	Vision <input type="checkbox"/> Child with vision in one eye <input type="checkbox"/> Child with poor vision, unstable eyesight <input type="checkbox"/> Child with crossed or wandering eyes (squint) <input type="checkbox"/> Totally Blind			
16.	Hearing: Partial hearing, stable			

	Partial hearing, unstable			
	Totally deaf			
17.	Diabetes			
18.	Seizure disorders (Epilepsy)			
	Mild			
	Severe			
	Controlled with medication (does not include frequent Convulsion which are common)			
19.	Cleft lip			
	Cleft palate			
	Cleft lip & palate			
	Facial clefts			
20.	Malnutrition Mild			
	Severe			
21.	Kidney malfunction:			
	Mild			
	Severe			
22.	Burns (needing plastic surgery)			
	On arms & legs			
	On face			
	Mild			
	Severe			
23.	Developmental delay (Child who is behind emotionally, physically, and or socially):			
	Mild			
	Severe			
24.	Emotional problems			
25.	Abuse :			
	Physical			

	Sexual			
26.	Hyperactivity:			
	Mild			
	Severe			
27.	Learning disability:			
	Mild or moderate			
28.	Speech stuttering:			
	Delayed speech			
	No speech			
29.	Positive VDRL (Congenital Syphilis)			
30.	Family background: Family history of medical problems			
	Alcoholism			
	Drug usage			
	Parent who is mentally ill			
	One parent mentally retarded			
31.	Multiple birth defects			
32.	Dwarfism			
33.	Twins or Sibling groups older children above 6 years			
34.	Requires some corrective surgery of a minor nature			

The information regarding Name of the Social Worker, His or Her Qualifications, Name and Address of the Agency should come at the end of the Home study, and should include the signature or the social worker who has prepared the Home Study.

SCHEDULE VII

[See paragraph 23(3)]

LIST OF DOCUMENTS TO BE FILED ALONG WITH THE ADOPTION PETITION IN THE COURT

1. Domestic Adoption

- (i) Affidavit for Court Order under relevant Act
- (ii) Copy of the CSR & MER duly signed by the PAPs
- (iii) Proof of residence
- (iv) Income certificate for the last three years
- (v) Marriage certificate & Photograph
- (vi) Birth certificate of the PAP(s)

- (vii) Copy of the HSR, its annexure including reference letters
- (viii) Copy of recognition of the agency for in-country adoption
- (ix) Copy of the Child Welfare Committee Certificate along with surrender deed wherever applicable
(No infertility certificate is required for filing the same in the court)

2. Inter-country Adoption

- (i) Affidavit for Court Order under relevant Act
- (ii) Copy of the CSR & MER duly signed by the PAP
- (iii) Proof of residence
- (iv) Income certificate for the last three years
- (v) Marriage certificate & Photograph
- (vi) Birth certificate of the PAP(s)
- (vii) Copy of the HSR, its annexure including reference letters as provided under CARA Guidelines
- (viii) Copy of the license of inter-country adoption (recognition certificate from CARA)
- (ix) Copy of the Child Welfare Committee Certificate along with surrender deed wherever applicable
- (x) Copy of the recommendation certificate issued by ARC
- (xi) NOC issued from CARA
- (xii) Power of Attorney from PAPs in favour of the official or social worker of the RIPA
(No infertility certificate is required for filing in the court)

SCHEDULE VIII [See paragraph 25 and 38] TIMELINES

(a)	Children to be declared free for adoption by Child Welfare Committee	As per JJ Act and its Rules
(b)	Home Study for In-country Adoption	Within a period of two months from the date of acceptance of registration of the PAP
(c)	Referral for adoption	Immediately upon the child being declared legally free by Child Welfare Committee
(d)	Acceptance of referral by Indian PAPs	10 days
(e)	Pre-adoption Foster Care for In-country	Immediately after acceptance of referral and on signing of foster care affidavit.
(f)	Filing petition in the court by SAA for in-country adoption	10 days after receipt of Referral from PAPs

(g)	Acceptance of referral by FPAP	45 days
(h)	Recommendation certificate from Adoption Recommendation Committee (ARC)	<ul style="list-style-type: none"> • 15 days in case of normal children • 5days in case of special needs
(i)	NOC by CARA	15 days
(j)	Pre-adoption foster care by FPAP	Immediately after issue of NOC by CARA signing of foster care affidavit and giving undertaking not to leave the country prior to issue of court order
(k)	Filing petition in the court by RIPA	10 days after receipt of NOC
(l)	Court Order	2 months (maximum period) or in the first hearing itself
(m)	Passport	10 days from the date of application
(n)	Visa	To be issued by the foreign diplomatic mission in India expeditiously in the light of stipulations under Hague Convention on Inter-country Adoption-1993

SCHEDULE IX

[See paragraph 26(2)]

CONVENTION ON PROTECTION OF CHILDREN AND CO-OPERATION IN RESPECT OF INTERCOUNTRY ADOPTION

(Concluded 29 May 1993)

The States signatory to the present Convention,

Recognising that the child, for the full and harmonious development of his or her personality, should grow up in a family environment, in an atmosphere of happiness, love and understanding,

Recalling that each State should take, as a matter of priority, appropriate measures to enable the child to remain in the care of his or her family of origin,

Recognising that inter-country adoption may offer the advantage of a permanent family to a child for whom a suitable family cannot be found in his or her State of origin,

Convinced of the necessity to take measures to ensure that inter-country adoptions are made in the best interests of the child and with respect for his or her fundamental rights, and to prevent the abduction, the sale of, or traffic in children,

Desiring to establish common provisions to this effect, taking into account the principles set forth in international instruments, in particular the *United Nations Convention on the Rights of the Child*, of 20 November 1989, and the United Nations Declaration on Social and Legal Principles relating to the Protection and Welfare of Children, with Special Reference to Foster Placement and Adoption Nationally and Internationally (General Assembly Resolution 41 or 85, of 3 December 1986),

Have agreed upon the following provisions -

CHAPTER I - SCOPE OF THE CONVENTION

Article 1

The objects of the present Convention are -

- a) to establish safeguards to ensure that intercountry adoptions take place in the best interests of the child and with respect for his or her fundamental rights as recognised in international law;
- b) to establish a system of co-operation amongst Contracting States to ensure that those safeguards are respected and thereby prevent the abduction, the sale of, or traffic in children;
- c) to secure the recognition in Contracting States of adoptions made in accordance with the Convention.

Article 2

- (1) The Convention shall apply where a child habitually resident in one Contracting State ("the State of origin") has been, is being, or is to be moved to another Contracting State ("the receiving State") either after his or her adoption in the State of origin by spouses or a person habitually resident in the receiving State, or for the purposes of such an adoption in the receiving State or in the State of origin.
- (2) The Convention covers only adoptions which create a permanent parent-child relationship.

Article 3

The Convention ceases to apply if the agreements mentioned in Article 17, subparagraph c, have not been given before the child attains the age of eighteen years.

CHAPTER II - REQUIREMENTS FOR INTERCOUNTRY ADOPTIONS

Article 4

An adoption within the scope of the Convention shall take place only if the competent authorities of the State of origin -

- a) have established that the child is adoptable;
- b) have determined, after possibilities for placement of the child within the State of origin have been given due consideration, that an intercountry adoption is in the child's best interests;
- c) have ensured that
 - (1) the persons, institutions and authorities whose consent is necessary for adoption, have been counselled as may be necessary and duly informed of the effects of their consent, in particular whether or not an adoption will result in the termination of the legal relationship between the child and his or her family of origin,
 - (2) such persons, institutions and authorities have given their consent freely, in the required legal form, and expressed or evidenced in writing,
 - (3) the consents have not been induced by payment or compensation of any kind and have not been withdrawn, and
 - (4) the consent of the mother, where required, has been given only after the birth of the child; and
- d) have ensured, having regard to the age and degree of maturity of the child, that
 - (1) he or she has been counselled and duly informed of the effects of the adoption and of his or her consent to the adoption, where such consent is required,
 - (2) consideration has been given to the child's wishes and opinions,
 - (3) the child's consent to the adoption, where such consent is required, has been given freely, in the required legal form, and expressed or evidenced in writing, and
 - (4) such consent has not been induced by payment or compensation of any kind.

Article 5

An adoption within the scope of the Convention shall take place only if the competent authorities of the receiving State -

- a) have determined that the prospective adoptive parents are eligible and suited to adopt;
- b) have ensured that the prospective adoptive parents have been counselled as may be necessary; and
- c) have determined that the child is or will be authorised to enter and reside permanently in that State.

CHAPTER III - CENTRAL AUTHORITIES AND ACCREDITED BODIES

Article 6

- (1) A Contracting State shall designate a Central Authority to discharge the duties which are imposed by the Convention upon such authorities.
- (2) Federal States, States with more than one system of law or States having autonomous territorial units shall be free to appoint more than one Central Authority and to specify the territorial or personal extent of their functions. Where a State has appointed more than one Central Authority, it shall designate the Central Authority to which any communication may be addressed for transmission to the appropriate Central Authority within that State.

Article 7

- (1) Central Authorities shall co-operate with each other and promote co-operation amongst the competent authorities in their States to protect children and to achieve the other objects of the Convention.
- (2) They shall take directly all appropriate measures to -
 - a) provide information as to the laws of their States concerning adoption and other general information, such as statistics and standard forms;
 - b) keep one another informed about the operation of the Convention and, as far as possible, eliminate any obstacles to its application.

Article 8

Central Authorities shall take, directly or through public authorities, all appropriate measures to prevent improper financial or other gain in connection with an adoption and to deter all practices contrary to the objects of the Convention.

Article 9

Central Authorities shall take, directly or through public authorities or other bodies duly accredited in their State, all appropriate measures, in particular to -

- a) collect, preserve and exchange information about the situation of the child and the prospective adoptive parents, so far as is necessary to complete the adoption;
- b) facilitate, follow and expedite proceedings with a view to obtaining the adoption;
- c) promote the development of adoption counselling and post-adoption services in their States;
- d) provide each other with general evaluation reports about experience with intercountry adoption;

- e) reply, in so far as is permitted by the law of their State, to justified requests from other Central Authorities or public authorities for information about a particular adoption situation.

Article 10

Accreditation shall only be granted to and maintained by bodies demonstrating their competence to carry out properly the tasks with which they may be entrusted.

Article 11

An accredited body shall -

- a) pursue only non-profit objectives according to such conditions and within such limits as may be established by the competent authorities of the State of accreditation;
- b) be directed and staffed by persons qualified by their ethical standards and by training or experience to work in the field of intercountry adoption; and
- c) be subject to supervision by competent authorities of that State as to its composition, operation and financial situation.

Article 12

A body accredited in one Contracting State may act in another Contracting State only if the competent authorities of both States have authorised it to do so.

Article 13

The designation of the Central Authorities and, where appropriate, the extent of their functions, as well as the names and addresses of the accredited bodies shall be communicated by each Contracting State to the Permanent Bureau of the Hague Conference on Private International Law.

CHAPTER IV - PROCEDURAL REQUIREMENTS IN INTERCOUNTRY ADOPTION

Article 14

Persons habitually resident in a Contracting State, who wish to adopt a child habitually resident in another Contracting State, shall apply to the Central Authority in the State of their habitual residence.

Article 15

- (1) If the Central Authority of the receiving State is satisfied that the applicants are eligible and suited to adopt, it shall prepare a report including information about their identity, eligibility and suitability to adopt, background, family and medical history, social environment, reasons for adoption, ability to undertake an intercountry adoption, as well as the characteristics of the children for whom they would be qualified to care.
- (2) It shall transmit the report to the Central Authority of the State of origin.

Article 16

- (1) If the Central Authority of the State of origin is satisfied that the child is adoptable, it shall -
 - a) prepare a report including information about his or her identity, adoptability, background, social environment, family history, medical history including that of the child's family, and any special needs of the child;
 - b) give due consideration to the child's upbringing and to his or her ethnic, religious and cultural background;
 - c) ensure that consents have been obtained in accordance with Article 4; and
 - d) determine, on the basis in particular of the reports relating to the child and the prospective adoptive parents, whether the envisaged placement is in the best interests of the child.
- (2) It shall transmit to the Central Authority of the receiving State its report on the child, proof that the necessary consents have been obtained and the reasons for its determination on the placement, taking care not to reveal the identity of the mother and the father if, in the State of origin, these identities may not be disclosed.

Article 17

Any decision in the State of origin that a child should be entrusted to prospective adoptive parents may only be made if -

- a) the Central Authority of that State has ensured that the prospective adoptive parents agree;
- b) the Central Authority of the receiving State has approved such decision, where such approval is required by the law of that State or by the Central Authority of the State of origin;
- c) the Central Authorities of both States have agreed that the adoption may proceed; and

- d) it has been determined, in accordance with Article 5, that the prospective adoptive parents are eligible and suited to adopt and that the child is or will be authorised to enter and reside permanently in the receiving State.

Article 18

The Central Authorities of both States shall take all necessary steps to obtain permission for the child to leave the State of origin and to enter and reside permanently in the receiving State.

Article 19

- (1) The transfer of the child to the receiving State may only be carried out if the requirements of Article 17 have been satisfied.
- (2) The Central Authorities of both States shall ensure that this transfer takes place in secure and appropriate circumstances and, if possible, in the company of the adoptive or prospective adoptive parents.
- (3) If the transfer of the child does not take place, the reports referred to in Articles 15 and 16 are to be sent back to the authorities who forwarded them.

Article 20

The Central Authorities shall keep each other informed about the adoption process and the measures taken to complete it, as well as about the progress of the placement if a probationary period is required.

Article 21

- (1) Where the adoption is to take place after the transfer of the child to the receiving State and it appears to the Central Authority of that State that the continued placement of the child with the prospective adoptive parents is not in the child's best interests, such Central Authority shall take the measures necessary to protect the child, in particular -
 - a) to cause the child to be withdrawn from the prospective adoptive parents and to arrange temporary care;
 - b) in consultation with the Central Authority of the State of origin, to arrange without delay a new placement of the child with a view to adoption or, if this is not appropriate, to arrange alternative long-term care; an adoption shall not take place until the Central Authority of the State of origin has been duly informed concerning the new prospective adoptive parents;
 - c) as a last resort, to arrange the return of the child, if his or her interests so require.

- (2) Having regard in particular to the age and degree of maturity of the child, he or she shall be consulted and, where appropriate, his or her consent obtained in relation to measures to be taken under this Article.

Article 22

- (1) The functions of a Central Authority under this Chapter may be performed by public authorities or by bodies accredited under Chapter III, to the extent permitted by the law of its State.
- (2) Any Contracting State may declare to the depositary of the Convention that the functions of the Central Authority under Articles 15 to 21 may be performed in that State, to the extent permitted by the law and subject to the supervision of the competent authorities of that State, also by bodies or persons who -
- a) meet the requirements of integrity, professional competence, experience and accountability of that State; and
 - b) are qualified by their ethical standards and by training or experience to work in the field of intercountry adoption.
- (3) A Contracting State which makes the declaration provided for in paragraph 2 shall keep the Permanent Bureau of the Hague Conference on Private International Law informed of the names and addresses of these bodies and persons.
- (4) Any Contracting State may declare to the depositary of the Convention that adoptions of children habitually resident in its territory may only take place if the functions of the Central Authorities are performed in accordance with paragraph 1.
- (5) Notwithstanding any declaration made under paragraph 2, the reports provided for in Articles 15 and 16 shall, in every case, be prepared under the responsibility of the Central Authority or other authorities or bodies in accordance with paragraph 1.

CHAPTER V - RECOGNITION AND EFFECTS OF THE ADOPTION

Article 23

- (1) An adoption certified by the competent authority of the State of the adoption as having been made in accordance with the Convention shall be recognised by operation of law in the other Contracting States. The certificate shall specify when and by whom the agreements under Article 17, sub-paragraph c), were given.
- (2) Each Contracting State shall, at the time of signature, ratification, acceptance, approval or accession, notify the depositary of the Convention of the identity and the functions of the authority or the authorities which, in that State, are competent to make the certification. It shall also notify the depositary of any modification in the designation of these authorities.

Article 24

The recognition of an adoption may be refused in a Contracting State only if the adoption is manifestly contrary to its public policy, taking into account the best interests of the child.

Article 25

Any Contracting State may declare to the depositary of the Convention that it will not be bound under this Convention to recognise adoptions made in accordance with an agreement concluded by application of Article 39, paragraph 2.

Article 26

- (1) The recognition of an adoption includes recognition of
 - a) the legal parent-child relationship between the child and his or her adoptive parents;
 - b) parental responsibility of the adoptive parents for the child;
 - c) the termination of a pre-existing legal relationship between the child and his or her mother and father, if the adoption has this effect in the Contracting State where it was made.
- (2) In the case of an adoption having the effect of terminating a pre-existing legal parent-child relationship, the child shall enjoy in the receiving State, and in any other Contracting State where the adoption is recognised, rights equivalent to those resulting from adoptions having this effect in each such State.
- (3) The preceding paragraphs shall not prejudice the application of any provision more favourable for the child, in force in the Contracting State which recognises the adoption.

Article 27

- (1) Where an adoption granted in the State of origin does not have the effect of terminating a pre-existing legal parent-child relationship, it may, in the receiving State which recognises the adoption under the Convention, be converted into an adoption having such an effect -
 - a) if the law of the receiving State so permits; and
 - b) if the consents referred to in Article 4, sub-paragraphs c and d, have been or are given for the purpose of such an adoption.
- (2) Article 23 applies to the decision converting the adoption.

CHAPTER VI - GENERAL PROVISIONS

Article 28

The Convention does not affect any law of a State of origin which requires that the adoption of a child habitually resident within that State take place in that State or which prohibits the child's placement in, or transfer to, the receiving State prior to adoption.

Article 29

There shall be no contact between the prospective adoptive parents and the child's parents or any other person who has care of the child until the requirements of Article 4, sub-paragraphs a) to c), and Article 5, sub-paragraph a), have been met, unless the adoption takes place within a family or unless the contact is in compliance with the conditions established by the competent authority of the State of origin.

Article 30

- (1) The competent authorities of a Contracting State shall ensure that information held by them concerning the child's origin, in particular information concerning the identity of his or her parents, as well as the medical history, is preserved.
- (2) They shall ensure that the child or his or her representative has access to such information, under appropriate guidance, in so far as is permitted by the law of that State.

Article 31

Without prejudice to Article 30, personal data gathered or transmitted under the Convention, especially data referred to in Articles 15 and 16, shall be used only for the purposes for which they were gathered or transmitted.

Article 32

- (1) No one shall derive improper financial or other gain from an activity related to an intercountry adoption.
- (2) Only costs and expenses, including reasonable professional fees of persons involved in the adoption, may be charged or paid.
- (3) The directors, administrators and employees of bodies involved in an adoption shall not receive remuneration which is unreasonably high in relation to services rendered.

Article 33

A competent authority which finds that any provision of the Convention has not been respected or that there is a serious risk that it may not be respected, shall immediately inform the Central Authority of its State. This Central Authority shall be responsible for ensuring that appropriate measures are taken.

Article 34

If the competent authority of the State of destination of a document so requests, a translation certified as being in conformity with the original must be furnished. Unless otherwise provided, the costs of such translation are to be borne by the prospective adoptive parents.

Article 35

The competent authorities of the Contracting States shall act expeditiously in the process of adoption.

Article 36

In relation to a State which has two or more systems of law with regard to adoption applicable in different territorial units -

- a) any reference to habitual residence in that State shall be construed as referring to habitual residence in a territorial unit of that State;
- b) any reference to the law of that State shall be construed as referring to the law in force in the relevant territorial unit;
- c) any reference to the competent authorities or to the public authorities of that State shall be construed as referring to those authorised to act in the relevant territorial unit;
- d) any reference to the accredited bodies of that State shall be construed as referring to bodies accredited in the relevant territorial unit.

Article 37

In relation to a State which with regard to adoption has two or more systems of law applicable to different categories of persons, any reference to the law of that State shall be construed as referring to the legal system specified by the law of that State.

Article 38

A State within which different territorial units have their own rules of law in respect of adoption shall not be bound to apply the Convention where a State with a unified system of law would not be bound to do so.

Article 39

- (1) The Convention does not affect any international instrument to which Contracting States are Parties and which contains provisions on matters governed by the Convention, unless a contrary declaration is made by the States Parties to such instrument.

- (2) Any Contracting State may enter into agreements with one or more other Contracting States, with a view to improving the application of the Convention in their mutual relations. These agreements may derogate only from the provisions of Articles 14 to 16 and 18 to 21. The States which have concluded such an agreement shall transmit a copy to the depositary of the Convention.

Article 40

No reservation to the Convention shall be permitted.

Article 41

The Convention shall apply in every case where an application pursuant to Article 14 has been received after the Convention has entered into force in the receiving State and the State of origin.

Article 42

The Secretary General of the Hague Conference on Private International Law shall at regular intervals convene a Special Commission in order to review the practical operation of the Convention.

CHAPTER VII - FINAL CLAUSES

Article 43

- (1) The Convention shall be open for signature by the States which were Members of the Hague Conference on Private International Law at the time of its Seventeenth Session and by the other States which participated in that Session.
- (2) It shall be ratified, accepted or approved and the instruments of ratification, acceptance or approval shall be deposited with the Ministry of Foreign Affairs of the Kingdom of the Netherlands, depositary of the Convention.

Article 44

- (1) Any other State may accede to the Convention after it has entered into force in accordance with Article 46, paragraph 1.
- (2) The instrument of accession shall be deposited with the depositary.
- (3) Such accession shall have effect only as regards the relations between the acceding State and those Contracting States which have not raised an objection to its accession in the six months after the receipt of the notification referred to in subparagraph *b*) of Article 48. Such an objection may also be raised by States at the time when they ratify, accept or approve the Convention after an accession. Any such objection shall be notified to the depositary.

Article 45

- (1) If a State has two or more territorial units in which different systems of law are applicable in relation to matters dealt with in the Convention, it may at the time of signature, ratification, acceptance, approval or accession declare that this Convention shall extend to all its territorial units or only to one or more of them and may modify this declaration by submitting another declaration at any time.
- (2) Any such declaration shall be notified to the depositary and shall state expressly the territorial units to which the Convention applies.
- (3) If a State makes no declaration under this Article, the Convention is to extend to all territorial units of that State.

Article 46

- (1) The Convention shall enter into force on the first day of the month following the expiration of three months after the deposit of the third instrument of ratification, acceptance or approval referred to in Article 43.
- (2) Thereafter the Convention shall enter into force -
 - a) for each State ratifying, accepting or approving it subsequently, or acceding to it, on the first day of the month following the expiration of three months after the deposit of its instrument of ratification, acceptance, approval or accession;
 - b) for a territorial unit to which the Convention has been extended in conformity with Article 45, on the first day of the month following the expiration of three months after the notification referred to in that Article.

Article 47

- (1) A State Party to the Convention may denounce it by a notification in writing addressed to the depositary.
- (2) The denunciation takes effect on the first day of the month following the expiration of twelve months after the notification is received by the depositary. Where a longer period for the denunciation to take effect is specified in the notification, the denunciation takes effect upon the expiration of such longer period after the notification is received by the depositary.

Article 48

The depositary shall notify the States Members of the Hague Conference on Private International Law, the other States which participated in the Seventeenth Session and the States which have acceded in accordance with Article 44, of the following -

- a) the signatures, ratifications, acceptances and approvals referred to in Article 43;

- b) the accessions and objections raised to accessions referred to in Article 44;
- c) the date on which the Convention enters into force in accordance with Article 46;
- d) the declarations and designations referred to in Articles 22, 23, 25 and 45;
- e) the agreements referred to in Article 39;
- f) the denunciations referred to in Article 47.

In witness whereof the undersigned, being duly authorised thereto, have signed this Convention. Done at The Hague, on the 29th day of May 1993, in the English and French languages, both texts being equally authentic, in a single copy which shall be deposited in the archives of the Government of the Kingdom of the Netherlands, and of which a certified copy shall be sent, through diplomatic channels, to each of the States Members of the Hague Conference on Private International Law at the date of its Seventeenth Session and to each of the other States which participated in that Session.

SCHEDULE X

[See paragraph 31(6)]

DOCUMENTS TO BE FILED BY THE RIPA BEFORE ARC AND CARA FOR ISSUE OF NOC

A. Child Specific Documents:

1. Child Study Report (along with background of the Child) accepted by the PAPs
2. Medical Examination Report(with supporting documents) of the child accepted by the PAPs
3. Affidavit by the RIPA as provided in **Schedule 11**.
4. Declaration by CWC (Child Welfare Committee), the competent authority in case of children in need of care and protection, that the child is legally free for adoption
5. Letter in the case of a child who can understand and expresses his or her consent
6. Latest original photograph of the child
7. Transfer certificate in case the child has been transferred from one State or district or agency to another

B. PAPs related documents (received from AFAA or CA or Govt Department for Inter-country Adoption):

S. No.	Documents
a.	<p>Declaration by Central Authority of the receiving country with following declarations as provided under Article 5 of the Hague Convention on Inter-country Adoption:</p> <ul style="list-style-type: none"> • That the PAPs are eligible & suitable to adopt a child from India as per the Law of their country; • That the PAPs have been counseled as may be necessary; • That the child on adoption by the PAPs will be authorized to enter and reside permanently in that country. <p style="text-align: center;">or</p>

	Agreement under Article 17 of the Hague Convention
c.	Home Study Report of the prospective foreign adoptive parents prepared by a professional social worker of EFAA or person authorized by Central Authority or Government Departments.
d.	Recent photographs of the PAP(s)
e.	Marriage certificate/ Divorce decree of the PAP(s)
f.	Certificate of medical fitness of PAP(s) duly certified by a medical doctor.
g.	Declaration regarding financial status of prospective adoptive parents along with supporting documents, employer's certificate or Income Tax Return Order and Bank references.
h.	Three reference letters from acquaintance or relatives regarding suitability of PAPs to adopt.
i.	Adoption decree of previously adopted child or children, if any from India
j.	Police clearance report
k.	Birth certificate or passport, proof of age, nationality and citizenship
l.	Undertaking from a relative in case of a single parent
m.	Consent of the older child or children of the PAP(s)
n.	Any other document

SCHEDULE XI**[See paragraph 31(7)]****SAMPLE AFFIDAVIT TO BE SUBMITTED BY RIPA TO ARC & CARA IN CASE OF INTER-COUNTRY ADOPTION**

Affidavit of _____ working as _____ in (name of the agency) address _____.

I _____, the deponent above named do hereby state of solemn affirmation as under:

That I am the General Secretary or President of (name of the agency) Recognized Indian Placement Agency (RIPA) or Managing Trustee competent to swear this affidavit.

That I confirm that all child related original documents have been verified by me and that such original documents are in possession of our organization and I hereby declare that these documents, copies thereof which are being or have been forwarded for issue of recommendation certificate by ARC for the child Name _____

DOB _____ proposed to _____ PAPs from _____ country through _____ EFAA, are genuine and authentic documents

That child being proposed for inter-country adoption has been declared legally free for adoption by Child Welfare Committee as per J.J. Act 2000 (as amended in 2006).

I do hereby declare that the agency is actively promoting in-country adoption and that the stipulated ratio is being adhered to.

I do hereby declare that if any discrepancy or manipulation or defect is found in the documents submitted by the agency to ARC & CARA, or if such documents are at any time found forged or non-genuine, I shall be liable for all consequences in law including penalties for making false declaration.

I am also aware that violation of any of Guidelines of CARA can lead to de-recognition of the agency and I on behalf of (name of the agency) undertake to follow the CARA guidelines, advisory, circulars and other directions issued by CARA from time to time.

Deponent

VERIFICATION

I the deponent above _____ do hereby verify that the contents of the above affidavit are true and correct, no parts of it is false and nothing material has been concealed there from.

Verified at (dtd) _____ (Place) _____

Deponent

Sworn and signed before me

On _____ day of _____, 2010
in my presence.

SCHEDULE XII

[See paragraph 31(18)]

FORMAT FOR RECOMMENDATION CERTIFICATE OF ARC

Date: _____

Certified that the Committee has examined the adoption dossier received from _____ (RIPA) _____ on _____ (Date) _____ in the case of child _____ (Name) _____ DOB _____ proposed for inter-country adoption to _____ (Name of PAPs) _____ of _____ (country) _____ - processed by _____ (AFAA).

The Committee has scrutinized the documents and also examined the suitability of the child proposed for adoption vis-à-vis the Prospective adoptive Parents.

The Committee recommends the case for issue of NOC for inter-country adoption to Central Adoption Resource Authority (CARA).

Names of the Members with Signature

SCHEDULE XIII
[See paragraph 34(4)]
RECOMMENDED MODEL CERTIFICATE OF CONFORMITY OF INTERCOUNTRY
ADOPTION

(ARTICLE 23 OF THE HAGUE CONVENTION OF 29 MAY 1993 ON PROTECTION OF CHILDREN AND CO-OPERATION IN RESPECT OF INTERCOUNTRY ADOPTION)

1 -The undersigned authority:

(Name and address of the competent authority of the State of adoption)

.....

2 -Hereby certifies that the child:

Family name:

First name(s):

Sex: Male ☐ Female ☐

Date of birth: day month year

Place of birth:

Habitual residence:

3 -Was adopted according to the decision of the following authority:

.....

Date of the decision:

Date at which the decision became final:

(If the adoption was made otherwise than by a decision of an authority, please specify the equivalent details)

4 -By the following person(s):

a Family name of the adoptive father:

First name(s):

Date of birth: day month year

Place of birth:

Habitual residence at the time of the adoption:

b Family name of the adoptive mother:

First name(s):

Date of birth: day month year

Place of birth:

Habitual residence at the time of the adoption:

5 -The undersigned authority certifies that the adoption was made in accordance with the Convention and that the agreements under Article 17, sub-paragraph c, were given by:

a Name and address of the Central Authority of the State of origin:

.....

Date of the agreement:

b Name and address of the Central Authority¹ of the receiving State:

.....

Date of the agreement:

6 -[]The adoption had the effect of terminating the pre-existing legal parent-child relationship.

[]The adoption did not have the effect of terminating the pre-existing legal parent-child relationship.

Done at, on

Signature or Seal

(1)Or the public authority, body or person designated in accordance with Article 22(1) or (2) of the Convention.

SCHEDULE XIV
[See paragraph 37(1), 48(2) and 48(5)]
FORMAT FOR POST-PLACEMENT REPORT

POST PLACEMENT REPORT NO:

IDENTIFYING INFORMATION:

Child's Original Name:

Date of Arrival

Child's Date of Birth:

Child's

New Name:

Family Name:

Address:

Phone:

CONTACT WITH FAMILY:

- Dates of telephone calls and visits leading up to report
- Where visits took place
- Who was present

CHILD'S ADJUSTMENT:

- Current height and weight
- Eating and sleeping habits
- Language (if appropriate)
- Results of physical examinations or doctor visits
- Emotional, physical and social development
- Attachment to family members
- Child's enrollment in school (if appropriate)

FAMILY ADJUSTMENT:

- Family's method of coping with new responsibility; changing roles
- Description of problems family has experienced and how they are managing them
 - cultural differences (if appropriate)
 - language
 - methods of discipline
- Response and attachment to siblings (if applicable)

SIGNIFICANT CHANGES IN FAMILY STRUCTURE or DYNAMICS

- Change of residence, employment, work responsibilities, illnesses, etc

SUMMARY AND RECOMMENDATIONS BY THE PROFESSIONAL SOCIAL WORKER:

(Signature)

Social Worker's Name,

Title, Agency Name and Date

SCHEDULE XV
[See paragraph 54(2) (vi), 57(3) (ix) and 95]
MINIMUM STANDARDS OF CHILD CARE

1. All adoption agencies shall adhere to the minimum standards of child care prescribed under the JJ Model Rules 2007 or State JJ Rules. While providing child care, the following issues are important:
 - (a) A child's neurological growth is complete within the first few years of his or her early childhood and determines the brain's capabilities throughout the rest of his or her life. Moreover, a child needs to have experienced positive attachment by the age of 3 in order to develop cognitively, physically, socially, and psychologically. Hence, every effort shall be made by the SAA to expeditiously find alternate family for such children so that they develop attachment and proper bonding experiences during infancy itself.
 - (b) Quality child care (early childhood care) means providing adequate health care, immunization, feeding and nutrition, creating a safe environment so that infants and young children can play and socialize with their peers, promoting school readiness and preparing children for primary school and focusing on total development during early years of childhood.
 - (c) It should be ensured that there is no instance of child abuse and neglect while the child is in the institution.
2. The agencies are required to ensure that the following facilities are provided to the children in the institution:
 - (a) **Physical facilities:**
 - (i) Physical surroundings in which the children are cared for must be clean. Sanitation and hygiene maintained at the agency must be adequate since a majority of children at the institution are small and suffer from numerous ailments. Children below the age of 1 year should be in a room with an attached bathing room and milk room. Children between the age of 1 – 3 years should be kept in a room with an attached bathing and bathroom. The older children need to be separated into two boys room and girls room. Each room must have attached baths, and toilets.
 - (ii) There should be a separate washing area and a large kitchen and dinning hall for the older children. Good lighting, ventilation and adequate space must be mandatory.
 - (iii) The home should be neat, clean, particularly, bathrooms, toilets and kitchen. Walls and surroundings must be bright and stimulating. For visual stimulation the rooms should be well painted and decorated with toys, animal cut outs, etc

2382 GI/11-27

(b) Medical facilities:

Regular medical inspection must be done. Preferably every alternate day by a registered medical practitioner. The child specialist is best trained to diagnose and treat children who are at risk and highly vulnerable.

- (i) Infants and children on admission to institutions should be in quarantine and observation for a week at least.
- (ii) Weight, height and head circumference may be noted along with any other details available on the child at admission.
- (iii) A medical record should be maintained and a doctor must assess the child as soon as possible, preferably within 24 hours of his or her admission.
- (iv) Each child below the age of six months should be photographed every month, from six months to 3 years every three months and thereafter, every six months.
- (v) Immunization should be regularly given and monitored
- (vi) Emergency kits should be available at all times in the Home and there should be a doctor on call.
- (vii) Staff to be immunized as well.
- (viii) General health measures viz hygiene, dental, skin care and diet to be supervised.
- (ix) Stimulation is very important for the proper development of the child. This could be achieved by increasing awareness amongst the nurses, helpers by introducing simple stimulation techniques in the daily routine. It is also advised to have a physiotherapist visit the children on a regular basis.

(c) Staff:

- (i) The agency must have adequate staff for child care, preferably in the ratio of 4:1 for children below 1 year, 5:1 for children in the age group 1 to 3 years and 8:1 for older children.
- (ii) Adoption Homes need personnel who are sensitized to the issues of the children. They need to be "educated" in caring for the children. It is recommended to conduct workshops for nurses, helpers, care takers and other staff to enable them to recognize the special status of these children who are under their care.
- (iii) As committed staff is an integral part of good child care, the motivational levels of the staff should be kept high.

(d) Clothing:

It is important that the children in a home are dressed in clean, comfortable and well kept clothes at all times, not just during the visit of the adoptive parents.

(e) Food:

The food in the institution should be hygienically cooked, nourishing and tasty. The menu should be varied. The need of children on a special diet should be attended to. This will help overcome the problems of malnutrition faced by children entering a home. Feeding charts with indication of the formulas may be displayed and followed.

(f) Education:

The SAA should be able to provide informal education through a qualified teacher, and a special educator, or tie up with a school that will take the child or children on a temporary basis.

(g) Volunteers:

It is very essential to talk, hug, hold, play, tell stories and sing to the child to give it a sense of security. Though this should be done regularly by the staff, it is also advisable to encourage volunteers to take up this activity.

SCHEDULE XVI

[See paragraph 58(3), 65(4), 79(1)(o), 87(1)(i) and 107(1)(c)]
CHILD CARE CORPUS (CCC)

MODALITIES OF PAYMENT BY PAPS & UTILIZATION BY ADOPTION AGENCIES

The adoption agencies are obliged to pursue only non-commercial and non-profit objectives. With an intention to establish absolute transparency in all kinds of financial transactions related to adoption, it is obligatory on the part of RIPA or SAA or LAPA to adhere to stipulations mentioned herein:

A. Registration or HSR Fee & CCC: Modalities of Payment by PAPs**In country Adoption**

- | | |
|---|--|
| (a) Registration Fee: Rs.1000 | - To be paid at the time of registration, in cash or DD(non-refundable). |
| (b) Home Study Report & Post-adoption follow-up services: Rs.5000 | - To be paid after acceptance of Registration by DD or cheque. |

(C) CCC:	Rs.40,000	- To be paid after referral is accepted, by DD or cheque.
----------	-----------	---

Inter-country Adoption

CCC:	5000 US\$	- To be paid by DD to RIPA through the AFAAs or CAs, in two equal instalments, one on acceptance of referral and the other on issue of NOC by CARA. In case of siblings, the amount shall be 5000 US\$ for one child and 2500 US\$ for each other child.
------	-----------	--

The PAPs shall not make any other payment to the RIPA or SAA or LAPA other than the amounts stipulated above.

B. Utilisation of CCC by RIPA or SAA or LAPA or LAPA

- (a) Contribution by the PAPs to the CCC shall be received by the RIPA or SAA or LAPA only by cheque or DD.
- (b) The adoption agencies shall utilize the amounts available in the Child Care Corpus only for welfare of the children in the home and maintenance of the home. The amount shall also cover all expenses incurred to finalize the adoption.
- (c) In case where the child is placed in inter-country adoption from a SAA through a RIPA under facilitation by SARA, the CCC would be shared between SAA and RIPA in the ratio 70:30 respectively. Such amounts would be transmitted from the AFFA to the RIPA who would then transfer it to the SAA. There will be no requirement of the SAA to have a FCRA account. The amounts would be transferred in the stipulated ratio on receipt of each installment.
- (d) In case an agency is de-recognised, and a decision is taken by the State Government to rehabilitate and shift the children of that agency to another agency or agencies, then the balance available in the CCC would be transferred to such agency or agencies receiving the children in the ratio of the number of children transferred.
- (e) The Specialized Adoption agency shall maintain a separate bank account for the CCC.
- (f) The CCC account should be audited at the end of the financial year by a Chartered Accountant who shall certify that the corpus has been used as stipulated in sub para (b) above.

SCHEDULE XVII
[See paragraph 79(1)(q)]
FORMAT FOR SUBMISSION OF MONTHLY DATA ON ADOPTION

Name of the Organisation & Address:

Month _____ **Year** _____

Part-I

Sl.No.	Subject	Male	Female	Spl. Needs	Total	Remarks
1.1	Total number of children present in the Home					
1.2	Total number of children legally free for adoption					
1.3	Number of surrendered or relinquished children in the Home					
1.4	Number of abandoned children in the Home					
1.5	Number of Court Orders issued (In-country) in the month					
1.6	Number of Court Orders issued (Inter-country) in the month					
1.7	Number of children in pre-adoption foster care- In-country Inter-country					
1.8	Number of children who have left for receiving country					
1.9	Number of disruptions, if any					

Part-II

2	Number of Prospective Adoptive Parents registered and waiting in the Home as on date:
---	---

**Signature of the Authorised Signatory
with Stamp and Date**

SCHEDULE XVIII
[See paragraph 90(2)]
FORMAT OF CHILD STUDY REPORT (CSR)

The detailed report on the child shall include identifying information supported by documents.

Name and address of the Institution: -

I. GENERAL INFORMATION:

1. Name of the Child:----- (given by biological mother or parents or by the agency itself or CHILD WELFARE COMMITTEE)
2. Reference No. as per general register of the Institution:
3. Present age and date of birth:
4. Sex:
5. Place of Birth:
6. Religion (if known):

II. SOCIAL DATA:

Please do not give identifying information as name and address of the natural parent.

1. Date of admission of the child to your institution:
2. How did the child come to your institution?
 - a) Admitted directly by parent or or any other guardian:
 - b) Placed by CHILD WELFARE COMMITTEE directly:
 - c) Transferred from any other institution, if so name of the institution:
 - d) Any other source:
 - e) A brief note about the social background of the child:
3. Reasons for seeking protection in the Institution:

4. Attitudes towards other children:
5. Relationship towards relatives, staff and other adults including strangers:
6. Intelligence (if and where possible, D.Q. report should be enclosed):
7. If the child is school going, give a detailed report about his or her standard, attendance, general interest in studies, progress, defects, if any:
8. General Personality and description of the child:
9. Play activity and any specific talent: Milestones of the child (for children below 18 months). Please mark Yes or No. Does the child
 - (a) Smile
 - (b) Turn on his sides
 - (c) Lift its head
 - (d) Grasp objects in its hand
 - (e) Crawl on its own
 - (f) Sit with full support or Sit without support
 - (g) Stand with support or Stand without support
 - (h) Walk with support or Walk without support
10. Language Development

Cooing or Babbles incoherently
 Speaks few words incoherently
 Speaks few words clearly
 Language spoken to the child
11. Dietary Habits

Intake of Liquids foods
 Semisolids
 Solids
12. Social Background: These details are required to give adoptive parents details of the child, his social history i.e. brief background of the birth parents and circumstances necessitating the child's abandonment. Please do not give identifying information such as name and address of birth parents or relatives:

I _____ Social Worker hereby certify that the information given in this form about child _____ is correct.

Place :
 Date :

Signature:
 Name:
 Designation:

We have read and understood the contents of the Child Study report and are willing to accept _____ as our adoptive child.

(Signature of the male applicant)

(Signature of the female applicant)

(Name of the male applicant)

(Name of the female applicant)

Place :

Name:

Date :

Designation:

SCHEDULE XIX**[See paragraph 90(3)]****FORMAT FOR MEDICAL EXAMINATION REPORT (MER) OF THE CHILD**

A duly licensed physician should complete the report. If any information is not available, please state "unknown".

A. General Information

1.	Name of the child :		
2.	Date and year of birth :		
3.	Sex:		
4.	Place of birth:		
5.	Nationality:		
6.	Date and year of her birth:		
7.	Date and year of his birth:		
8.	Name of the present institution:	Placed since:	
9.	Weight at birth: kg. At admission:	kg.	
10.	Length at birth: cm. At admission:	cm.	
11.	Was the pregnancy and delivery normal?	Yes or No or Do not know	
12.	Where has the child been staying?		
	With his or her mother: from	to	
	With relatives: from	to	
	In private care: from	to	
	In institution or hospital: from	to	
	(Please state below the name of the institution or institutions concerned)		

B. Medical Details

1.	Has the child had any diseases during the past time?(if yes, please indicate the age of the child in respect to each disease, as well as any complication)	Yes or No or Do not know
2.	If yes:	
	Ordinary children's diseases (whooping cough, measles, chicken-pox, rubella, mumps)?	
	Tuberculosis?	

Convulsions (incl. Febrile convulsions)? Any other disease? Exposure to contagious disease?																	
3. Has the child been vaccinated against any of the following diseases: <div style="text-align: right;">Yes or No or Do not know</div>																	
4. If yes: <table border="0" style="width: 100%;"> <tr> <td style="width: 50%;">Tuberculosis (B.C.G.)?</td> <td style="width: 50%;">Date of immunisation:</td> </tr> <tr> <td>Diphtheria?</td> <td>Date of immunisation:</td> </tr> <tr> <td>Tetanus?</td> <td>Date of immunisation:</td> </tr> <tr> <td>Whooping cough?</td> <td>Date of immunisation:</td> </tr> <tr> <td>Poliomyelitis?</td> <td>Date of immunization:</td> </tr> <tr> <td>Hepatitis A?</td> <td>Date of immunisation:</td> </tr> <tr> <td>Hepatitis B?</td> <td>Date of immunisation:</td> </tr> <tr> <td>Other immunizations?</td> <td>Date of immunisation:</td> </tr> </table>		Tuberculosis (B.C.G.)?	Date of immunisation:	Diphtheria?	Date of immunisation:	Tetanus?	Date of immunisation:	Whooping cough?	Date of immunisation:	Poliomyelitis?	Date of immunization:	Hepatitis A?	Date of immunisation:	Hepatitis B?	Date of immunisation:	Other immunizations?	Date of immunisation:
Tuberculosis (B.C.G.)?	Date of immunisation:																
Diphtheria?	Date of immunisation:																
Tetanus?	Date of immunisation:																
Whooping cough?	Date of immunisation:																
Poliomyelitis?	Date of immunization:																
Hepatitis A?	Date of immunisation:																
Hepatitis B?	Date of immunisation:																
Other immunizations?	Date of immunisation:																
5. Has the child been treated in hospital? <div style="text-align: right;">Yes or No or Do not know</div>																	
6. If yes state name of hospital, age of child, diagnosis, and treatment:																	
7. Give, if possible, a description of the mental development, behaviour and skills of the child.																	
i) Visual	When was the child able to fix?																
ii) Aural	When was the child able to turn its head after sounds?																
iii) Motor	When was the child able to sit by itself?																
	When was the child able to stand with support?																
	Walk without support?																
iv) Language	When did the child start to prattle?																
	When did the child start to say single words?																
	When did the child start to speak sentences?																
v) Contact	When did the child start to smile?																
	How does the child communicate with adults and other children?																
	How does the child react towards strangers?																
vi) Emotional	How does the child show emotions (anger, uneasiness, disappointment, joy)?																

C. Medical Examination Details:

1. Date of the medical examination

2. Weight : KG Date:

3. Height : KG Date:

4. Head circumference cm Date:

5. Colour of hair: Colour of eyes: Colour of skin:

6. Through my complete clinical examination of the child I have observed the following evidence of disease, impairment or abnormalities of:

7. Head (form of skull, hydrocephalus, craniotabes)

8. Mouth and pharynx (harelip or cleft palate, teeth)

9. Eyes (vision, strabismus, infections)

10. Ears (infections, discharge, reduced hearing, deformity)

11. Organs of the chest (heart, lungs)

12. Lymphatic glands (adenitis)

13. Abdomen (hernia, liver, spleen)

14. Genitals (hypospadia, testis, retention)

15. Spinal column (kyphosis, scoliosis)

16. Extremities (pes equines, valgus, varus, pes calcaneovarus, flexation of the hip, spasticity, paresis)

17. Skin (eczema, infections, parasites)

18. Other diseases?

19. Are there any symptoms of syphilis in the child?
Result of syphilis reaction made (date and year): Positive or Negative or Not done20. Any symptoms of tuberculosis?
Result of tuberculin test made (date and year): Positive or Negative or Not done21. Any symptoms of Hepatitis A?
Result of tests for hepatitis A made (date and year): Positive or Negative or Not done

22. Any symptoms of Hepatitis B?

Result of tests for Hbs Ag (date and year): Positive or Negative or Not done

Result of test for anti-HBs (date and year): Positive or Negative or Not done

Result of tests for HBeAg (date and year): Positive or Negative or Not done

Result of tests for anti HBe (date and year): Positive or Negative or Not done

23. Any symptoms of AIDS?

Result of tests for HIV made (date and year): Positive or Negative or Not done

24. Does the urine contain:

Sugar?

Albumen?

Phenyketone?

25. Stools (diarrhoea, constipation):

Examination for parasites: Positive or Negative or Not done

26. Is there any mental disease or retardation of the child?**27. Give a description of the mental development, behaviour and skills of the child. This is of particular value for advising the prospective parents.****28. Any additional comments?**

D. Report concerning the psychological and social circumstances of the child (wherever required, assistance may be taken from special educator, physiotherapist, speech therapist and the social worker)

Please decide on each heading.**i) Activity with toys:**

1. The child's eyes follows rattles or toys, that are moved in front of the child

2. The child holds on to a rattle

3. The child plays with rattles: putting it in the mouth, shaking it, moving it from one hand to the other etc

4. The child puts cubes on top of each other

5. The child plays purposely with toys: pushes cars, puts dolls to bed, feeds dolls etc

6. The child plays role-play with toys with other children

7. The child draws faces, human beings or animals with distinct features

8. The child cooperates in structured games with other children (ballgames, card games etc)		
ii) Vocalization or language development:		
1. The child vocalizes in contact with caregiver		
2. The child repeats different vowel-consonant combinations (ba-ba, da-da, ma-ma etc)		
3. The child uses single words to communicate needs		
4. The child speaks in sentences		
5. The child understand prepositions as: on top of, under, behind etc		
6. The child uses prepositions as: on top of, under, behind etc		
7. The child speaks in past tense		
8. The child writes his own name		
9. The child reads simple words		
10. No observation available		
iii) Motor development:		
1. The child turns from back to stomach from age: _____		
2. The child sits without support from age: _____		
3. The child crawls or moves forwards from age: _____		
4. The child walks with support from furniture from age: _____		
5. The child walks alone from age: _____		
6. The child walks up and down stairs with support from age: _____		
7. The child walks up and down stairs without support from age: _____		
iv) Contact with adults:		
1. The child smiles in contact with known caregiver		
2. The child is more easily soothed when held by known caregiver		
3. The child cries or follows known caregiver, when the caregiver leaves the room		
4. The child actively seeks known caregiver when he or she is upset or has hurt him or herself		
5. The child seeks physical contact with all adults, that come into the ward		
6. The child communicates his feeling in words to caregivers		
v) Contact with other children:		
1. The child shows interest in other children by looking or smiling at their activity		
2. The child enjoys playing beside other children		
3. The child engages actively in activities with other children		

vi) General Level of Activity:

1. Positive
2. Active
3. Overactive

vii) General mood:

1. Sober, serious
2. Emotionally indifferent
3. Fussy, difficult to soothe
4. Happy, content

Signature and stamp of the examining physician

Date

E. Acceptance of MER by PAP(s)

We have read and understood the contents of the Medical Examination Report and are willing to accept _____ as our adoptive child.

(Signature of the male applicant)

(Signature of the female applicant)

(Name of the male applicant)

(Name of the female applicant)

Date:

Place:

[No. 1-3/2007-CARA]

SUDHIR KUMAR, Addl. Secy.